VkbQsd

iz©|©fxdh lwpuk] iwokZuqeku ,oa eWY;kadu ifj"kn~ ¼VkbQsd½

foKku vkSj çkS|©fxdh foHkkx

,&fox] fo'odekZ Hkou] 'kghn thr flag ekxZ] ubZ fnYYkh&110016

www.tifac.org.in

if'peh eqæ.k oxZ] Hkkjrh; lo{k.k foHkkx }kjk eqfær

MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY

# okf"kZd fjiksVZ

## 2009-10







VkbQsd

iz©|©fxdh lwpuk] iwokZuqeku ,oa eWY;kadu ifj"kn~ ¼VkbQsd½

foKku vkSj çkS|©fxdh foHkkx

www.tifac.org.in

# वार्षिक रिपोर्ट

## 2009 - 10

टाइफैक

**प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)**
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
ए –विंग, विश्वकर्मा भवन, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110016
www.tifac.org.in

# विषय सूची


| | | पृष्ठ सं |
|---|---|---|
| **कार्यकारी सारांश** | | 5 |
| 1. | दूरदृष्टि एवं मूल्यांकन गतिविधियां | 7 |
| 2. | प्रवर्तन (इनोवेशन) सहायता कार्यक्रम | 10 |
| 3. | प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम | 15 |
| 4. | मिशन मोड (टी.वी. 2020) में प्रौद्योगिकी परिदृश्य 2020 परियोजनाओं पर आवरण योजना | 17 |
| 5. | अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग | 49 |
| 6. | मानव संसाधन एवं आधारभूत विकास | 52 |
| 7. | राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन | 55 |
| 8. | राष्ट्रीय भू स्थानिक (जियोस्पेशियल) अनुप्रयोग मिशन | 60 |
| | लेखापरीक्षित विवरण सहित लेखा परीक्षक की रिपोर्ट | 63 |

# टाइफैक शासी परिषद्

अध्यक्ष

**डॉ.आर. चिदम्बरम**

प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, भारत सरकार

## सदस्यगण

**डॉ. महाराज कृष्ण भान**
सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग

**श्री अजय शंकर**
सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

**सचिव, वित्त मंत्रालय**
आर्थिक मामलों का विभाग

**श्री एम. नटराजन**
रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार एवं
सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन

**डॉ. टी. रामसामी**
सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

**डॉ. समीर के. ब्रह्मचारी**
सचिव, डी.एस.आई.आर.एवं
महानिदेशक, सी.एस.आई.आर.

**डॉ. सुबास पाणि**
सचिव, योजना आयोग

**सचिव**
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

**डॉ. कोटा हरिनारायण**
सलाहकार (संरचना), नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेट्री

**श्री वाई.सी. देवेश्वर**
अध्यक्ष, इंडियन टुबैको कं. (आई.टी.सी.) लिमिटेड

**श्री सतीश के. कौरा**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
सैमटेल कलर लिमिटेड

**सुश्री किरण मजुमदार–शॉ**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बायोकॉन इंडिया लि.

**लेफ्टि. जनरल (सेवा निवृत्त) यश मल्होत्रा, ए.वी.एस.एम.**
भूतपूर्व कमांडेंट, मिलिट्री इंजीनियरिंग कॉलेज, पुणे

**श्री एन.आर.नारायणमूर्ति**
अध्यक्ष एवं मुख्य परामर्शदाता,
इनफोसिस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड

**डॉ. भारती राय**
प्रसिद्ध शिक्षा शास्त्री एवं समाज विज्ञानी
भूतपूर्व उपकुलपति (अकादमिक मामले)
कलकत्ता विश्वविद्यालय

**श्री गौतम रोहतगी**
निदेशक एवं तकनीकी सलाहकार
मैसर्स हिन्द केमिकल्स लि.

**प्रो. एस.पी. सुखात्मे**
एमीरिटस प्रोफेसर
आई.आई.टी., बम्बई

**डॉ. नरेश त्रेहान**
प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ एवं
कॉर्डियो–थोरेसिक सर्जन

**कार्यपालक निदेशक**, टाइफैक
सदस्य सचिव

# कार्यकारी सारांश

प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अन्तर्गत 1988 में स्थापित एक स्वायत्तशासी सोसाइटी है जिसे प्रौद्योगिकी स्थितियों के मूल्यांकन और भारत के सामाजिक–आर्थिक क्षेत्रों में भविष्य के प्रौद्योगिकी विकासों की दिशा निर्धारित करने का काम सौंपा गया है। भारत के एक अनन्य सुविज्ञता नेटवर्किंग संस्थान के रूप में, टाइफैक की गतिविधियां, प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के व्यापक विकास को समाहित करती हैं। वर्ष 2009–10 के दौरान, टाइफैक ने विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययनों, प्रौद्योगिकी सुग्राहीकरण यांत्रिकी और निदर्शनात्मक परियोजना को समेकित करने की गतिविधियां जारी रखीं। वर्ष 2009–10 में प्राप्त कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियों के सार पर नीचे प्रकाश डाला जा रहा है :

**दूरदृष्टि एवं मूल्यांकन अध्ययन** : 'भारतीय एल्युमीनियम उद्योग हेतु प्रौद्योगिकी पथ मानचित्र' बनाने हेतु एक नया अध्ययन शुरू किया गया है। एफ.डी.आई. के प्रभाव और निर्धारकों पर चालू अध्ययन के साथ आर.एवं डी. और अन्य क्षेत्रों के चालू अध्ययनों की भी अन्तिम रिपोर्टों की तैयारी जारी है। इसके अलावा सांगनेर के हस्तानिर्मित कागज क्लस्टर और रबर उद्योग क्लस्टर की प्रौद्योगिकी रिक्तियों के मूल्यांकन पर दो नये अध्ययन शुरू किये गये हैं। मालदा के खाद्य प्रसंस्करण क्लस्टर पर केन्द्रित अध्ययन पूरा हो गया है।

**प्रवर्तन (इनोवेशन) सहयोग** : प्रौद्योगिकी परिष्करण और विपणन (मार्केटिंग) कार्यक्रम 'टी.आर.ई.एम.ए.पी.' विभिन्न स्थापित केन्द्रों के माध्यम से व्यवसायीकरण हेतु प्रवर्तन (इनोवेटिव) प्रौद्योगिकियों को सुसाध्य बनाने में सहायता कर रहा है। इस वर्ष के दौरान अनेक प्रौद्योगिकियों को सहायता दी गयी।

**कृषि** : इस क्षेत्र में फार्म उत्पादकता को बढ़ाना विशेषकर अच्छी किस्म के बीज उत्पादन की वृद्धि, फसल विविधीकरण, गहन जलमग्न क्षेत्र में धान की खेती, आई.पी.एम. कार्यों का विस्तार और जैविक खेती को समाहित करने वाली सात विभिन्न परियोजनाएं पूरी हुईं। अन्य सात चालू परियोजनाएं भी पूर्णता की ओर अग्रसर हैं।

**सहयोगात्मक ऑटोमोटिव अनुसंधान (सी.ए.आर.)** : 'इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों की शुरूआत हेतु प्रौद्योगिकी मार्ग मानचित्र (रोड मैप)' पर कार्य प्रारम्भ हुआ ताकि वाहनों की विभिन्न श्रेणियों क लिए, विशिष्ट पुर्जा प्रौद्योगिकी आवयकताओं का निर्धारण और देश के लिए प्रौद्योगिकी विकल्पों का मूल्यांकन किया जा सके। वाहनों की ट्रेकिंग हेतु आई.टी. प्रयोगों और इंजनों के गुणता नियंत्रण सहित विभिन्न प्रौद्योगिकी निदर्शन परियोजनाएं पूरी हुईं।

**जैव–उत्पाद और जैव–प्रक्रियाएं** : टाइफैक ने न्यूट्रास्यूटीकल्स, फाइटोकेमिकल्स, मूल्यवर्धित जैव–उत्पादों, स्टीरियो–स्पेसीफिक शुद्ध जैव–अणुओ, जैव–ऊर्जा आदि के क्षेत्रों में शैक्षिक संगठनों/आर. एवं डी. प्रयोगशालाओं/उद्योगों के सहयोग से परियोजनाओं को शुरू करने और कार्यान्वित करने के प्रयास जारी रखे। बायोमास उपलब्धता और उसके अधिशेष (सरप्लस), जैव–उत्पादों आदि के क्षेत्र में विशेषज्ञता अध्ययन संचालित करना भी कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण गतिविधि है।

(क्रमशः)

**मिशन रीच :** इस कार्यक्रम के अन्तर्गत उद्योगों को पणधारकों (स्टेकहोल्डर्स) के रूप में जोड़कर उच्च शिक्षा को प्रासंगिक बनाने के प्रयास जारी रहे। विभिन्न क्षेत्रों में प्रासंगकिता और उत्कृष्टता के नये केन्द्र (सी.ओ.आर.ई.एस.) शुरू किये गये।

**एम.एस.एम.ई. कार्यक्रम :** टाइफैक द्वारा क्लस्टर्स को आर. एवं डी. और तकनीकी सहयोग प्रदान करके एम.एस.एम.ई. क्लस्टर्स और तकनीकी संस्थानों के बीच सहजीवी सम्बंध स्थापित करना जारी रहा। हावड़ा फाउन्ड्री और बरूईपुर सर्जिकल उपकरण क्लस्टरों में स्थापित आर. एवं डी. तथा प्रवर्तन (इनोवेशन) केन्द्रों ने अनुसंधान एवं विकास और कर्मचारी प्रशिक्षण सहायता के साथ उद्योगों तक अपनी पहुंच बनानी प्रारम्भ कर दी है।

विगत वर्षों के अध्ययनों के संयोजन और प्रौद्योगिकी निदर्शन परियोजनाओं के कार्यान्वयन के संचित अनुभव के साथ, टाइफैक जटिल प्रौद्योगिकीय क्षेत्रों की पहचान में बड़ी भूमिका निभाने की ओर अग्रसर है। साथ ही, वह प्रमुख पणधारको (स्टेक होल्डर्स) और विशेषज्ञों के नेटवर्क के साथ सहयोगात्मक कार्यों के द्वारा प्रौद्योगिकी विकास और निदर्शन की ओर अपने प्रयासों को केन्द्रित कर रहा है। टाइफैक प्रौद्योगिकी मूल्यांकन के साथ–साथ प्रौद्योगिकी दूरदृष्टि पर आगे अध्ययनों को शुरू करने की ओर भी प्रयत्नशील है।

**हस्ता.**
**डॉ. आर. चिदंबरम**
अध्यक्ष

# 1 दूरदृष्टि एवं मूल्यांकन अध्ययन

## 1.1 टाइफैक अध्ययन एवं रिपोर्टें

टाइफैक तेजी से बदलते हुए आर्थिक परिदृश्य में, भारत में प्रौद्योगिकी विकल्पों का परीक्षण करने की दृष्टि से ऐसी रिपोर्टें तैयार कर रहा है जो व्यापक प्राद्योगिकी क्षेत्रों की स्थिति और आवश्यकता का मूल्यांकन करती हैं। ये रिपोर्टें भारत में विदेशी प्रवृत्तियों के साथ प्रौद्योगिकी स्थिति की समीक्षा करती हैं और बाजार की संभावनाओं के साथ प्रौद्योगिकी पहलुओं का भी मूल्यांकन करती हैं। ये रिपोर्टें अनुसंधान एवं विकास संस्थाओं, शैक्षिक संस्थानों, सरकार और वित्तीय संस्थानों को मूल्यांकन जानकारियां उपलब्ध कराती हैं। इनमें से कुछ अध्ययन मांग पर आधारित होते है और जो विशिष्ट आवश्यकताओं के आधार पर संचालित किये जाते हैं और कुछ अध्ययन प्रौद्योगिकी चुनौतियों से निपटने के लिए ज्ञान आधार को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से संचालित किये जाते हैं।

इस अवधि में गतिविधियों की प्रगति का विवरण निम्नलिखित है :

### चालू अध्ययन

**पैकेजिंग प्रौद्योगिकी अध्ययन श्रृंखला**

परामर्शदाता : एस.आई.ई.एस. स्कूल ऑफ पैकेजिंग, नवी मुम्बई; एस.अम्बरीश भार्गव, पूर्व अध्यक्ष, रोलेटेनियर्स, इंडिया

पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों पर चालू अध्ययनों की श्रृंखला में पैकेजिंग मानकों, तकनीकी आवश्यकताओं और भारत और विकसित देशों में पैकेजिंग सामग्री की खपत के सम्बंध में पांच विशिष्ट क्षेत्रों में पैकेजिंग की वर्तमान स्थिति को दर्शाने के लिए नियमावली (मैनुअल) विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। इन रिपोर्टों में रूझानों और आवश्यकताओं का विश्लेषण एवं घरेलू और निर्यात बाजार में भविष्य की संभावनाएं, सामग्री, मशीनरी और सम्बंधित पहलुओं, निर्यात, पैकेजिंग आवश्यकताओं को भी समाहित किया जा रहा है। इस विश्लेषण में लघु, मध्यम और दीर्घ जीवन हेतु पैकेजिंग सिस्टमों को समाहित किया जायेगा क्योंकि ये फार्मास्यूटीकल एवं वैयक्तिक देखभाल (पर्सनल केयर) उत्पादों, ताजे और संसाधित फल, खराब न होने वाले फल, प्रदर्शन और प्रोत्साहक पैकेजिंग एवं रसायनों जैसे महत्वपूर्ण उत्पाद समूहों से सम्बंधित हैं। 'वैयक्तिक देखभाल उत्पादों' पर एक मसौदा अध्ययन पूरा हो चुका है और इसे मूल्यवर्धन और उद्योगों से संबंधित सूचना क हिसाब से तकनीकी सम्पादन हेतु लिया गया है।

**कीटनाशक विश्वकोष**

परामर्शदाता : डॉ. वसंत गोवारिकर (अध्यक्ष, राजीव गांधी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आयोग, महाराष्ट्र सरकार) ज्ञान प्रबोधिनी, पुणे की संस्थागत सहायता के साथ, मुख्य संपादक के रूप में

कीटनाशक विश्वकोष को सभी फसल बचाव प्रणालियों पर संक्षिप्त जानकारी स्रोत के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस दस्तावेज को बहुचर्चित 'उर्वरक विश्वकोष' की अगली कड़ी के रूप में उसी पुरानी परामर्शदाता टीम के द्वारा तैयार किया जा रहा है। इस कार्य में, कीटनाशकों के व्यापक परिदृश्य को समाहित करती हुई 1000 से भी अधिक प्रविष्टियों को समाहित किया जा रहा है। इस वर्ष में विश्वकोष के कार्य में प्रगति हुई।

**अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र में एफ.डी.आई. के निर्धारकों और प्रभाव पर अध्ययनों की श्रृंखला**

टाइफैक ने अनुवर्ती अध्ययनों की एक श्रृंखला शुरू की है जिसमें भारतीय अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र में सीधे विदेशी निवेश (एफ.डी.आई.) के डायनेमिक्स, बाधाओं और इनेब्लर्स तथा प्रभावों को जानने के प्रयास किये जा रहे हैं। ये अध्ययन अच्छी तरह से अनुसंधान के बाद तैयार की गयी रिपोर्टों के साथ, नीति महत्ता के विद्वतापूर्ण निष्कर्ष को प्रस्तुत करने के उद्देश्य से संचालित किये जा रहे हैं। इन्हें बहु–क्षेत्रीय अध्ययनों के रूप में संयोजित किया गया है एवं उच्च संकेन्द्रण के क्षेत्रों और फार्मास्यूटीकल्स, सूचना प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में क्षेत्र विशेष के अध्ययनों पर केन्द्रित किया

जा रहा है। ये अध्ययन, अनुसंधान एवं विकास में एफ.डी.आई. से मूल्य सृजन आकलन और परिणामी स्पिल ओवर्स जैसे पहलुओं को स्पष्ट करेंगे। ये अध्ययन श्रृंखलाएं 'आर. एवं डी.' क्षेत्र में एफ.डी.आई. : 1998–2003 में पैटर्न हेतु अध्ययन' पर पहले टाइफैक अध्ययन के अनुक्रम में हैं। इस अध्ययन को भारतीय परिदृश्य में ऐतिहासिक दस्तावेज के रूप में सराहना मिली है क्योंकि इस कठिन क्षेत्र में ऐसे संकेतक मूल्यांकनों की बहुत आवश्यकता है जहां सूचना मिलना बहुत कठिन है और वे आसानी से उपलब्ध नहीं होती हैं। इस अवधि में श्रृंखला के अन्तर्गत निम्नलिखित अध्ययन शुरू किये गये :

**वैश्विक हेतु केन्द्र और वैश्विक हेतु स्थानीय ? भारत में बहुराश्ट्रीय कम्पनियों के अनुसंधान एवं विकास केन्द्रों में एफ.डी.आई. का परीक्षण'**

परामर्शदाता : आई.आई.टी. नयी दिल्ली

यह अध्ययन आई.टी. क्षेत्र में बहुराष्ट्रीय उद्यमों द्वारा अनुसंधान एवं विकास में एफ.डी.आई. की प्रकृति और तीक्ष्णता जैसे कारकों को समझने का प्रयास करता है कि क्या भारतीय अनुसंधान एवं विकास केन्द्र वैश्विक मुख्यालयों के अंगों के रूप में अथवा प्रौद्योगिकी सहयोगों में बराबरी के भागीदार के रूप में और स्थानीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी तंत्र पर स्पिल ओवर तक कार्य सम्पादित कर रहे हैं? अध्ययन के लिए अतिरिक्त सूचना उपलब्ध कराने के क्रम में 'भारतीय आई.टी. उद्योग में अनुसंधान एवं विकास को शक्ति प्रदान करना' विषय पर एक विचारोत्तेजक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य स्टेकधारकों और विशेषज्ञों को भी जोड़ा गया। इस अध्ययन की मसौदा रिपोर्ट का मूल्यांकन हो रहा है।

**भारतीय उत्पादन और अनुसंधान एवं विकास तंत्रों पर आर. एवं डी. में एफ.डी.आई. का प्रभाव**

परामर्शदाता : एन.आई.एस.टी.ए.डी.एस., नई दिल्ली

यह अध्ययन विदेशी आर. एवं डी. केन्द्रों के, भारतीय अनुसंधान एवं विकास केन्द्रों और उत्पादन तंत्र के साथ सम्पर्क की प्रकृति, प्रकार और विधि का मूल्यांकन और परीक्षण करके नैगमिक (कारपोरेट) और आर. एवं डी. और उत्पादन तंत्र पर विदेशी आर. एवं डी. केन्द्रों की उपस्थिति के प्रभाव को जांचने पर केन्द्रित है । विशेष रूप से यह इस बात की जांच करता है कि इन आर. एवं डी. केन्द्रों की उपस्थिति किस प्रकार मेजबान देश की प्रौद्योगिकी क्षमताओं, प्रतिद्वन्द्विता और कौशल के विकास पर प्रभाव डालती है। इस अध्ययन के एक भाग के रूप में, विशेषज्ञों और स्टेक धारकों के साथ बंगलौर में एक कार्यशाला आयोजित की गयी ताकि बाधाओं और नीति सम्बंधित उन मुद्दों की पहचान की जा सके जो प्रौद्योगिकीय क्षमताओं और प्रवर्तन (इनोवेशन) को सुदृढ़ बनाने के लिए आर. एवं डी. में एफ.डी.आई. को प्रोत्साहन देने के लिए एक सुविधाजनक स्थितियां बना सकते हैं। यह अध्ययन पूर्ण होने की ओर अग्रसर है।

**इंस्ट्टीट्यूट फॉर स्टडीज इन इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट' नई दिल्ली के साथ ऑटोमोबाइल उद्योग में ज्ञान के सृजन और प्रसार में आर. एवं डी. में एफ.डी.आई. के निर्धारक और प्रभाव**

यह अध्ययन, ऑटोमोबाइल उद्योग में ज्ञान के बाहरी स्त्रोत के रूप में आर एवं डी. में एफ.डी.आई. के प्रभावों और निर्धारकों के विश्लेषण पर केन्द्रित है और इस पर भी कि वे ज्ञान के सधन आउटपुट की आन्तरिक वृद्वि को कैसे प्रभावित करते हैं। इसका उद्देश्य स्थानिक संदर्भों, ज्ञान स्पिल ओवर्स और ऑटोमोटिव क्षेत्र सम्पर्कों में आर. एवं डी. में में एफ.डी.आई. के अर्न्तप्रर्वाह के निर्धारकों और मूल्य श्रृंखला में प्रौद्योगिकी के विभिन्न स्तरों को संचालित करने वाली फर्मों के प्रवाहों तथा भारत में उच्च कौशलयुक्त श्रम पर विदेशी आर. एवं डी. अनुसंधानों के प्रभाव को समझना है।

**नये अध्ययन**

**भारतीय एल्युमीनियम उद्योग हेतु प्रौद्योगिकी रोडमैप**

एल्युमीनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ए.ए.आई.), बंगलौर के साथ 'इडियन एल्युमीनियम उद्योग हेतु प्रौद्योगिकी रोडमैप तैयार करने के लिए एक अध्ययन शुरू किया गया है।

## 1.2 टाइफैक सूचना अन्तरापृष्ठ (इन्टरफेसेज)

टाइफैक निम्नलिखित तीन वेबसाइटें संचालित करता है :

- टाइफैक वेबसाइट (http://www.tifac.org.in)
- मिशन रीच (http://www.missionreach.org.in.)
- पेटेंट सुसाध्य केन्द्र (पी.एफ.सी.) (http://www.Indianpatents.org.in.)

पुनर्सज्जित टाइफैक वेबसाइट को पहले 2009 में शुरू किया गया था। इसे अब स्पष्ट रूप से विभाजित किया गया है और इसमें अलग–अलग कार्यक्रमों के अनुसार अवलोकन के साथ–साथ टाइफैक गतिविधियों और परियोजनाओं के व्यापक विवरण को संगठित खण्डों में दर्शाया गया है। वेबसाइट को, एसेस करने की सुविधाओं के साथ स्तरीय यूजर फ्रेंडली विशेषताओं के साथ सुधारा गया है। वेबसाइट को प्रयोग करने वालों की संख्या में अकस्मात बढ़ोत्तरी हुई है, वेबसाइट शुरू होने के तुरंत बाद और उस अवधि के बाद से एक महीने में होने वाले हिट्स की संख्या एक लाख से सात लाख तक पहुंचना इसी ओर संकेत करते हैं। वेबमेल के रूप में 300 के लगभग जिज्ञासाएं आई हैं जिनका इस अवधि के दौरान उत्तर दिया गया। मिशन रीच की वेबसाइट, उद्योग, शैक्षिक संस्थानों विद्यार्थी समुदाय और अन्य स्टेक धारकों के संक्रिय संरक्षण के साथ देश भर में फैले विभिन्न शैक्षिक संस्थानों में स्थापित 37 विभिन्न टाइफैक कोरों के नेटवर्क्स के लिए प्लेटफार्म का कार्य करती है। इस वर्ष के दौरान 18 लाख से अधिक प्रयोगकर्ताओं ने वेबसाइट को एसेस किया। इस वर्ष, मिशनरीच की वेबसाइट को प्रयोगकर्त्ता के लिए सरल रूप में पुनः डिजाइन किया गया।

# 2 पेटेंट सहायता कार्यक्रम

## 2.1 पेटेंट सुसाध्य केन्द्र (पी.एफ.सी.)

पी.एफ.सी., शैक्षिक संस्थानों को उनके आविष्कार कार्यों की सुरक्षा में सहायता करने, आई.पी.आर. संस्कृति का राज्य भर में विस्तार करने में राज्य सरकारों को सम्बद्ध करके नीति तैयार करने और अन्य विज्ञान विभागों साथ सम्पर्कों के द्वारा देश में बौद्धिक सम्पदा अधिकारों (आई.पी.आर.) के सम्बंध में लगातार जागरूकता पैदा कर रहा है। इसके अतिरिक्त पी. एफ.सी., डी.आर.डी.ओ. के आई.पी. विभाग का भी कार्य संभाल रहा है। साथ ही पी.एफ.सी., विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की महिला वैज्ञानिक अध्येतावृत्ति (स्कॉलरशिप) योजना (डब्लू.ओ. एस.सी.) के अन्तर्गत महिला वैज्ञानिकों के लिए आई.पी.आर. पर एक वर्षीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित कर रहा है।

### आई.पी.संरक्षण हेतु सुविधा

पी.एफ.सी. भारतीय विश्वविद्यालयों, शैक्षिक संस्थानों और सरकार से आर्थिक सहायता प्राप्त अनुसंधान एवं विकास एजेंसियों से उत्पादित बौद्धिक सम्पदा के विभिन्न रूपों को संरक्षण सहायता प्रदान कर रहा है। पी.एफ.सी. भारतीय विश्वविद्यालयों, शैक्षिक संस्थानों और स्कूलों को उनके आविष्कारों को भारत में अथवा कहीं भी सुरक्षित करने के लिए व्यापक रूप से तकनीकी और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराता है। इन संस्थानों के पास इस कार्य को करने के लिए आवश्यक आर्थिक संसाधन और विशेषज्ञता नहीं होती है।

इस वर्ष के दौरान पी.एफ.सी. ने डी.आर.डी.ओ. के अलावा 48 से अधिक आविष्कार प्रस्तावों की जांच की जिसमें 28 पेटेंट आवेदनों को भारत में फाइल किया गया। पहले फाइल किये गये आई.पी. आवेदनों का निष्पादन (प्रोसीक्यूट) किया गया और उनकी समय सीमाओं के अनुसार उनका अनुरक्षण किया गया। कुल 28 पेटेंटों को अकादमिक/अनुसंधान संस्थानों को मंजूर किया गया। इस अवधि में लगभग 50 पेटेंटों का नवीकरण कराया गया। पी.एफ.सी. ने समय सीमा समाप्त होने पर कई पेटेंटों को छोड़ने का निर्णय लिया। दो कॉपीराइट कार्य भी पंजीकृत कराये गये।

उपरोक्त के अलावा डी.आर.डी.ओ. की ओर से लगभग 74 पेंटेंट और अन्य आई.पी. आवेदनों पर भी विचार हुआ और उन्हें फाइल करने हेत एटोर्नीज के पास भेजा गया । कुल 68 आवेदन फाइल किये गये जिनमें चार ट्रेडमार्क आवेदन और दो कॉपीराइट आवेदन भी शामिल है। इस अवधि में डी.आर.डी.ओ. को तीन आवेदन मंजूर हुए । कुल मिलाकर पी.एफ.सी. ने आई.पी. संरक्षण के कुल 132 प्रस्तावों पर कार्य किया और 98 आवेदनों को फाइल किया है।

### विश्वविद्यालयों में आई.पी.आर. इकाईयां

पी.एफ.सी. ने, इससे पूर्व राज्य स्तर पर आई.पी.आर से जुड़ी गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए 19 राज्यों में पेटेंट सूचना केन्द्र (पी.आई.सी., एस.) स्थापित किये। अब पी.एफ.सी. ने इन पी.आई.सी.एस के माध्यम से 12 राज्यों के 52 विश्वविद्यालयों के इन आई.पी.आर. इकाईयों को इस उद्देश्य के साथ गठित किया है कि वे विश्वविद्यालयों के एकेडिमिशियनों की आई.पी. आर. से सम्बंधित मामलों जैसे पेटेंट खोज, विश्वविद्यालय के लेखा परीक्षण में मार्गदर्शन दे सकें और विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों से शुरू करके आई.पी. आवेदनों की फाइलिंग और निष्पादन हेतु राज्य स्तर पर पी.आई.सी. के साथ सहयोग कर सकें।

### जागरूकता लाना

आई.पी.आर. के सम्बंध में जागरूकता लाने के प्रयासों को जारी रखते हुए पी.एफ.सी. ने देश भर में 20 पेटेंट/आई.पी. आर जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया जिनसे लगभग 3000 वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीविद लाभान्वित हुए।

### भारतीय पेटेंटों पर डाटाबेस

भारतीय पेटेंट आवेदनों पर डाटा बेस 'इकास्वा सी' के अपडेट को पेटेंट कार्यालय के कार्यालयीन जर्नल में 2005 में प्रकाशित किया गया। दो अन्य डाटाबेसों 'इकास्वा ए' और 'इकास्वा बी' के साथ यह डाटाबेस अब ऑन लाइन पर मुक्त रूप से उपलब्ध हैं।

### महिला वैज्ञानिक अध्येतावृत्ति योजना (डब्लू.ओ.एस.–सी.)

महिला वैज्ञानिक अध्येतावृत्ति योजना के अन्तर्गत महिला वैज्ञानिकों के चौथे बैच का एक वर्षीय प्रशिक्षण अप्रैल, 2009 में पूरा हुआ। 68 महिला वैज्ञानिकों के पांचवे बैच का प्रशिक्षण 11 मई 2009 से शुरू हुआ। इसमें अभ्यर्थियों को अखिल भारतीय स्तर की परीक्षा और साक्षात्कार के बाद चुना गया। पी.एफ.सी. ने सभी चारों केन्द्रो के अभ्यर्थियों के लिए संयुक्त रूप से एक माह लम्बी अवधि के अभिमुखीकरण (ओरियंटेशन) कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम नई दिल्ली में 11 मई से 10 जून, 2009 तक चला। इस कार्यक्रम के दौरान, उन्हें आई. पी.आर. के सभी स्वरूपों और उसके प्रबंधन में प्रशिक्षित किया गया। इनमें मूल ओर ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, सम्बंधित कानून और प्रणालियां, अन्तर्राष्ट्रीय संधियां, पेटेंट मैपिंग, पेटेंटेबिलिटी और विश्लेषण करने की आजादी, पेटेंट प्रारूपण, आई.पी. मूल्यांकन ओर लाइसेंसिंग आई.पी. लेखा परीक्षण और पेटेंट पर आधारित प्रौद्योगिकी स्कैन रिपोर्ट तैयार करना शामिल थे। उन्हें पेटेंट खोजों में भी प्रशिक्षित किया गया। अभिमुखीकरण कार्यक्रम के बाद, अभ्यर्थियों को पेटेंट अटोर्नी फर्मो, आई.पी. विभागों, सरकारी एजेंसियों के आई.पी. विभागों और उद्योगों में शेष अवधि के प्रशिक्षण के लिए भेजा गया।

इस वर्ष में इन अभ्यर्थियों के लिए खड़गपुर और चेन्नई केन्द्रों में दो कार्यशालाएं आयोजित की गयीं और दिल्ली और पुणे में एक कार्यशाला का ओयोजन हुआ। इन कार्यशालाओं में विषयों जैसे पेटेंट प्रारूपण और आई.पी.आर. के अन्य रूपों जैसे ट्रेडमार्को, डिजाइनों, कॉपीराइट और भौगोलिक संकेतों को समाहित किया गया। छठे बैच के लिए अभ्यर्थियों के चयन की तैयारी भी अब शुरू हो चुकी है। अक्टूबर, 2009 में एक अखिल भारतीय विज्ञापन निकाला गया है और जनवरी 2010 में लिखित परीक्षा भी आयोजित हो चुकी है। चारों केन्द्रों के लिए लगभग 100 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण हेतु चुना जायेगा।

### नये आई.पी.आर. अटोर्नियों का पैनल बनाना

पी.एफ.सी. ने पी.एफ.सी. फाइलिंग, निष्पादन और आई.पी.आर. पोर्टफोलियों के रख–रखाव के लिए पेटेंट/आई.पी. अटोर्नियों का पैनल बनाया है। नये पेटेंट/आई.पी. अटोर्नी फर्मों को शामिल करके पैनल के नवीकरण और विस्तार हेतु प्रयास किये गये।

## 2.2 प्रौद्योगिकी परिष्करण और विपणन (मार्केटिंग) कार्यक्रम (टी.आर.ई.एम.ए.पी.)

टी.आर.ई.एम.ए.पी. को टाइफैक द्वारा 2008–09 के दौरान औपचारिक रूप से शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य इनोवेटिव उत्पादों/प्रोटोटाइपों को आगे लाना और सुविधादाता एजेंसियों के नेटवर्क के माध्यम से बाजार के लिए व्यवसायीकरण चक्र का उन्नयन करना है।

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत, अब तक छह (6) प्रौद्योगिकी व्यावसायिक सुविधा एजेंसियां (टी.सी.एफ.ए., एस.) का एक नेटवर्क तैयार किया गया है। टी.सी.एफ.ए.एस कार्यक्रम के

विस्तारित (क्षेत्रीय) केन्द्र के रूप में काम करता है। प्रौद्योगिकी अन्तरण (ट्रांसफर) के लिए व्यवसायीकरण की उच्च संभावना रखने वाले इनोवेटिव प्रोटोटाइपों और उत्पादों की प्रोद्योगिकियों को बाजार सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है जो कार्यक्रम परीक्षण को भी प्रोत्साहित करेगा और प्रत्येक प्रौद्योगिकी के लिए एक पैकेज का विकास करेगा। ताकि ग्राहकों को आकर्षित किया जा सके जिससे प्रौद्योगिकी के अतिरिक्त, बाजार सर्वेक्षण, डी.पी.आर./कारोबार योजना, वित्तीय स्त्रोतों के बारे में विवरण, नियामक अनुपालन, बाजार सहायता आदि के सम्बंध में स्वयं ही लोजिस्टिक सहायता प्रदान की जा सकती है। यदि आवश्यक हुआ तो लधु परिष्करणों (रिफाइनमेंट्स) के लिए सहायता को बढ़ाया भी जा सकता है।

टी.सी.एफ.ए., एस. के रूप में कार्य करने वाली 6 एजेंसियां निम्नलिखित है :

1. एफ.आई.टी.टी. आई.आई.टी., दिल्ली
2. आई.आई.टी., खड़गपुर
3. एम.सी.आई.आई.ई. इन्स्ट्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बी. एच.यू.
4. एम.एस. रमैया स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, बंगलौर
5. वेल्लूर इस्ट्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, टी.बी.आई. वेल्लूर
6. आंध्र प्रदेश टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट एंड प्रोमोशन सेंटर (ए.पी.टी.डी.पी.सी.) हैदराबाद

**प्रारम्भ परियोजनाएं**

**साइड व्यू मिरर संयोजन और बचाव प्रणाली**

यह प्रौद्योगिकी ऑटोमोबाइल्स (चार पहिया वाहन) के लिए ऑटोमेटिक एडजस्टेबल साइड व्यू मिरर हेतु है। इसका उद्देश्य ऑटोमेटिक साइड व्यू मिरर के लिए एक कम कीमत का विकल्प उपलब्ध करना है। इसे वाहन के भीतर से होरीजेंटल ओर वर्टिकल एडजस्टमेंट के लिए इलेक्ट्रोनिक रूप से नियंत्रित किया जाता है। मिरर में विशेष सुविधाएं दी गयी हैं जिनमें सेंसर के द्वारा बहुत निकट की वस्तु की पहचान और भारी यातायात में संकरी सड़क पर चलते हुए मिरर को नुक्सान से बचाने के लिए मिरर की ऑटोमेटिक क्लोजिंग की प्रणाली शामिल है। यह मध्यम दूरी के ऑटोमोबाइल्स के लिए हैं।

**फिंगर प्रिन्ट्स की पहचान के लिए नोवल फ्लोरीसेंट रीएजेंट**

यह प्रौद्योगिकी उन आपराधिक घटनाओं में फिंगर प्रिंट्स की पहचान के लिए है जिनमें अपराध के आरोपी ने पानी छिड़ककर, रेत, मिट्टी आदि से फिंगर प्रिंट्स को खत्म करने अथवा उन्हें धुंधला करने की कोशिश की हो अथवा धूलकणों आदि से फिंगर प्रिंट्स धुंधले हो गये हैं और जहां सामान्य रूप से उपलब्ध फिंगर प्रिन्ट पहचान की विधियां और प्रौद्योगिकियां असफल सिद्ध होती हैं।

## 2.3 तक्नो–उद्यमी प्रोत्साहन कार्यक्रम (टी.ई.पी.पी.)

टाइफैक और डीएस.आई.आर. के सयुंक्त कार्यक्रम के रूप में तक्नो–उद्यमी प्रोत्साहन (टी.ई.पी.पी.) कार्यक्रम को 1998 में शुरू किया गया। इसका उद्देश्य व्यक्तियों और चालू कम्पनियों को उनके वैज्ञानिक विचारों और संकल्पनाओं को कार्यकारी मॉडलों और प्रोटोटाइपों में बदलने में सहायता करना था। 2008 में निर्णय लिया गया कि अबसे नय टी.ई.पी.पी. परियोजनाओं का प्रबंधन केवल डी.एस.आई.आर. द्वारा ही किया जायेगा। टाइफैक पहले की भांति चालू परियोजनाओं का प्रबंधन एवं वित्तीय व्यवस्था करता रहेगा।

## परियोजनाएं पूर्ण

निम्नलिखित सात (7) नई परियोजनाओं को सफलतापूर्वक किया गया :

| क्रम सं. | परियोजना का नाम (संक्षेप में) | प्रवर्तक |
|---|---|---|
| 1. | बीयरिंग माउंटिग एवं डी–माउंटिग डिवाइस | श्री एस. सेल्वाराज, कोयम्बूटर |
| 2. | आर.ई.एस.क्यू–आई. | श्री प्रवेन्द्र कुमार राव,लखनऊ |
| 3. | दाल थ्रेशर का विकास | श्री गोपाल भाई सूरतिया, बड़ौदा |
| 4. | तापीय चालकता मापन उपकरण का विकास | श्री एस.एन. मल्लिक, कोलकाता |
| 5. | दृष्टि दोष से ग्रसित व्यक्ति के प्रयोग हेतु रेखांकन | श्रीमती प्रग्नय दिलीप भट्ट, (स्कैचिंग) उपकरण, अहमदाबाद |
| 6. | पादप तेल स्टोव के व्यावसायिक प्रोटोटाइप का विकास | श्री शान्ति भाई पटेल, अहमदाबाद |
| 7. | फ्रीडम रेट टेबिल की सिंगल डिग्री | श्री ब्रह्मदत्त अवस्थी, मुम्बई (पहले कानपुर निवास) |

1998–2008 की अवधि में टाइफैक ने 105 परियोजनाओं को सहायता दी जिनमें से 87 परियोजनाएं पूरी हुईं।

## चालू परियोजनाएं

चालू परियोजनाओं की सूची निम्नलिखित है :

| क्रम सं. | परियोजना का नाम | प्रवर्तक (इनोवेटर) |
|---|---|---|
| 1. | छोटे संयंत्रों में पोल्ट्री चारे की गोलिया बनाने की नई प्रक्रिया | श्री शेख अब्दुल युनुस रज्जाक, सतारा |
| 2. | डायबिटीज–II पर देशी औषधियों का डिजाइन एवं विकास | श्री गणपति साहू, बालाशूर |
| 3. | पाऊडर्ड बॉयोमास फायर्ड बर्नर | श्री रमेश कुमार निभोरिया, ज़ीरकपुर |
| 4. | कैंसर की पहचान हेतु इन–वाइवों डाई–इलेट्रिक मापन उपकरण | प्रो. सुरेश सी. मल्होत्रा, औरंगाबाद (महाराष्ट्र) |
| 5. | नोवल इन्टरनल कम्बशन इंजन | श्री जी.एन. प्रसन्ना, बंगलौर |
| 6. | पूर्ण फ्लोरीसेंट लैम्प | श्री राजेश गाबा, नई दिल्ली |
| 7. | जल की कठोरता दूर करने के लिए फंगल बायो–सोर्बेट | डॉ. पी. मारूति मोहन, हैदराबाद |
| 8. | ऑप्टो–इलेक्ट्रोनिक डायामीटर कन्ट्रोलर | प्रो. नागेन्द्र नाथ, कुरूक्षेत्र |

| क्रम सं. | परियोजना का नाम | प्रवर्तक (इनोवेटर) |
|---|---|---|
| 9. | विभिन्न रिलक्टेंस इलेक्ट्रिक सर्वो एक्युएटर का डिजाइन और विकास | श्री के. श्रीनिवास, बंगलौर |
| 10. | मिक्शाफुट–तारीक–एक पथखोजी उपकरण | डॉ. बशीद अहमद वानी, एवं डॉ. जी. मोहिउद्दीन भट्ट श्रीनगर |
| 11. | री–कानफिगरेबल ऑटोनोमस एयर व्हीकल | डॉ. एम. सिन्हा, खड़गपुर |
| 12. | होम्यो पादप पोषक और पादप संरक्षक | श्री जी. श्रीराम चन्द्र मूर्ति, श्री काकुलम |
| 13. | सुधारीकृत एस्केलेटर | श्रीमती अंशु श्रीवास्तव, नई दिल्ली |
| 14. | पूर्ण स्टाक पैडी थ्रैशर | श्री महिपाल सिंह राणा, सूरत |
| 15. | रबर के टायर टयूब बचाव का उपकरण | श्री सौनक चटर्जी कोलकाता |
| 16. | रक्त ग्लूकोमीटर का विकास एवं अधिप्रमाणन | प्रो. पी.सी. पाण्डे, वाराणसी, |
| 17. | सर्व उद्देश्यीय सफाई मशीन | श्री टी.ए. अनंथु बंगलौर |
| 18. | फंडूस कैमरा | डॉ. एस.सी. गुप्ता, नई दिल्ली |

सफलतापूर्वक पूर्णता के लिए चालू परियोजनाओं की मानीटरिंग और समीक्षा की गयी।

# 3 प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम

## 3. उन्नत कम्पोजिट्स कार्यक्रम (ए.सी.पी.)

उन्नत कम्पोजिट्स कार्यक्रम चुनी हुई प्रौद्योगिकियों की सधन प्रक्रियाओं ओर उत्पादों के अभिग्रहण और अंगीकरण के लिए भारतीय कम्पोजिट उद्योगों को मदद देने में सहायक रहा है। इस कार्यक्रम ने विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण निष्पादन सामग्री के रूप में, कम्पोजिट्स के उपयोगों और अनुप्रयोगों को बढ़ाने और विकास एवं व्यवसायीकरण के लिए प्रयोगशाला–उद्योग सम्बंधों में सुधार लाने का प्रयास किया है। इसने मूल डिजाइन मानदण्डों, कच्चे माल का चयन, गठन की प्रक्रिया, परीक्षण, गुणवत्ता आश्वासन और प्रमाणन के मामले में यौगिक प्रौद्योगिकी के उन्नयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसके परिणामस्वरूप नवीन यौगिक उत्पादों का विकास हुआ है जिनके अनुप्रयोगों का क्षेत्र बहुत व्यापक है।

### कार्यक्रम की उपलब्धियां

उन्नत कम्पोजिट्स कार्यक्रम ने उद्योगों, राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं/शैक्षिक संस्थानों और प्रयोगकर्ता एजेंसियों के सक्रिय सहयोग से 44 परियोजनाएं शुरू की हैं। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत सफलतापूर्वक विकसित अनेक उत्पाद, प्रभावी परियोजना प्रबंधन और विशेषज्ञों/प्रयोगकर्ताओं द्वारा नियमित परियोजना समीक्षाओं के द्वारा समय पर कार्यान्वयन के कारण व्यवसायीकरण की दहलीज पर पहुंच चुके हैं। कार्यक्रम ने कौशल के विकास ओर उद्योगों में कर्मचारियों की वृद्धि हेतु भी सुविधाएं प्रदान की हैं। इस वर्ष की उपलब्धियों का विवरण नीचे दिया जा रहा है :

### पूर्ण परियोजनाएं

**कम्पोजिट अनुप्रयोग प्रयोगशाला (सी.ए.एल.)**
भागीदार : केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, आई.आई.टी. खड़गपुर

कम्पोजिट अनुप्रयोग प्रयोगशाला (सी.ए.एल.) कैमिकल इंजीनियरिंग विभाग, आई.आई.टी., खड़गपुर में स्थापित की गयी है। यह उत्कृष्टता के उद्योग केन्द्रित और उद्योग उन्मुख केन्द्र की संकल्पना पर आधारित है। उन्नत फेब्रीकेशन तकनीकों की स्थापना की गयी, अब वे पूरी तरह कार्य कर रही हैं। कम्पोजिट्स के लिए वर्गीकरण (कैरेक्टराइजेशन) प्रयोगशाला भी स्थापित की गयी है और उसे आधुनिक परीक्षण उपकरणों से सुसज्जित किया गया है। इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को कम्पोजिट प्रौद्योगिकी की समुचित जानकारी देने के लिए बी. टेक. और एम.टेक. के विद्यार्थियों हेतु 'पॉलीमर मेट्रिक्स कम्पोजिट्स का निर्माण और वर्गीकरण' विषय पर एक नियमित पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है। बी.टेक, एम.टेक. और पी.एच.डी. के विद्यार्थियों ने सी.ए.एल. में अपनी अनुसंधान और प्रयोगात्मक परियोजनाएं शुरू कर दी हैं। परियोजना दिसम्बर, 2006 में सफलतापूर्वक पूरी हुई।

**यौगिक बांस लैमिनट्स ओर एसेसरीज (द्वितीय चरण)**
औद्योगिक भागीदार : मैसर्स एम.बी. फोरेस्ट प्रोडक्ट्स प्रा. लि. कोलकाता

इस परियोजना को एक केन्द्रित और लाइन–संतुलित उत्पादन लाइन की स्थापना क उद्देश्य से शुरू किया गया था।

इस परियोजना के अन्तर्गत, बांस के अधिकांश लट्ठो और प्राथमिक और द्वितीयक प्रक्रियाओं के दौरान निकले अपशिष्ट पदार्थों को बांस के चपटे बोर्डों और फ्लोर टाइल्स, फर्नीचर, विंडो शटर्स, डोर फ्रेम, टेबल टोप्स आदि को बनाने में प्रयोग किया गया है। इस परियोजना के अन्तर्गत, कम्पनी ने फर्नीचर सहित विभिन्न उत्पादों के लिए आवश्यक बांस यौगिक खंडो के निर्माण और सप्लाई हेतु पर्याप्त उचित ढ़ांचागत सुविधा प्राप्त कर ली है जो कि बड़े आर्डरों की पूर्ति हेतु विभिन्न उत्पादों के फेब्रीकेशन के लिए आवश्यक है।

## चालू परियोजनाएं

**फिलामेंट वाउन्ड कम्पोजिट पाइप और पाइप फिटिंग्स**
औद्योगिक भागीदार : मेसर्स ई.पी.पी. कम्पोजिट्स प्रा.लि., मेटोडा, राजकोट जिला

अन्तराष्ट्रीय मानकों ए.पी.आई. 15 एल.आर. के अनुसार उच्च दाब के फिलामेंट वाउन्ड ग्लास–रिइन्फोर्स्ड एपोक्सी (जी.आर.ई.) पाइप और पाइप फिटिंग्स को तेल एवं गैस क्षेत्र हेतु विकसित किया जा रहा हे। आवश्यक उत्पादन एवं प्रयोगशाला सुविधाओं पर कार्य शुरू हो चुका है। जी.आर.ई पाइप फिटिंग्स विभिन्न दाबों, तापमानों प्रतिकूल भूमि और मौसम पर उच्च कोरोसिव द्रवों में ओफशोर पर्यावरण के लिए, विशेषकर तेल की खोज, डी सेलिनेशन केमिकल संयंत्रों, फायर मेंस, ड्रेजिंग, पोर्टेबल वाटर आदि के लिए पूर्ण समाधान देते हैं। दो जटिल परीक्षणों दीर्घावधि चक्रीय दाब परीक्षण और हाइड्रोस्टेटिक कोलेप्स दाब परीक्षण का विकास मुख्य परियोजना के मील के पत्थर हैं। परीक्षणों (टाइप और रूटीन) की पूरी रेंज को ए.पी.आई. मार्ग निर्देशों के अनुसार, नमूनों के लिए लिया गया है।

# 4 मिशन मोड (टी.वी. 2020) में प्रौद्योगिकी परिदृश्य 2020 परियोजनाओं पर आवरण योजना

## 4. मिशन मोड में प्रौद्योगिकी परिदृश्य 2020 परियोजनाओं पर आवरण योजना

### 4.1 कृषि एवं मत्स्य उद्योग

#### 4.1.1 कृषि

'खाद्य सुरक्षा' भारत के विकास कार्यक्रमों में सर्वोच्च प्राथमिकता पर रही है। इन चुनौतियों से निपटने और कृषि उत्पादन को प्रोत्साहित करने लिए, टाइफैक द्वारा 'प्रौद्योगिकी परिदृश्य 2020' कार्यक्रम शुरू किया गया था। इस यात्रा के दौरान प्रारम्भ में, कृषि कार्यक्रमों का ध्यान मुख्य रूप से फसलों की उत्पादकता बढ़ाने की सिस्टम अप्रोच (सुधारीकृत फसल प्रबंधन कार्यों के साथ अच्छी गुणवत्ता के बीज की समय पर उपलब्धता) पर था। इसके परिणाम बहुत उत्साह वर्धक रहे। आगे और बेहतर लाभ लेने के उद्देश्य से सुगंधीय पौधों की खेती और उनकी डिस्टिलेशन तकनीकों, समेकित पोषण प्रबंधन, जल संसाधन प्रबंधन, जैव–कीटनाशक, खेतों की प्राथमिक प्रोसेसिंग आदि के माध्यम से एक फसल विविधीकरण कार्यक्रम को, किसान समुदाय के मध्य प्रोत्साहित किया गया। सुधारीकृत कृषि प्रौद्योगिकियों के विभिन्न पहलुओं पर किसानों को नियमित रूप से प्रेरित, प्रशिक्षित और मॉनीटर किया जा रहा है। इस वर्ष में विभिन्न परियोजनाओं के निष्कर्ष और प्रगति का विवरण नीचे दिया जा रहा है :

**पूर्ण परियोजनाएं :**

**देवरिया जिले के चुने हुए क्षेत्रों में सिस्टम एप्रोच का निदर्शन**

कार्यान्वयन एजेंसी : भानु फाउन्डेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी (बी.एफ.आर.डी.एस.) देवरिया, (उ.प्र.)

स्थान : पूर्वी उत्तर प्रदेश के देवरिया और भलौनी प्रखंड

पूर्वी उत्तर प्रदेश में फसल उत्पादकता अन्य क्षेत्रों की तुलना में काफी कम रही है। इसका मुख्य कारण अच्छे बीज की कमी और उनका समय पर उपलब्ध न होना है। इस परियोजना को, किसानों को प्रशिक्षण देने और उन्हें स्वंय अच्छी क्वालिटी के गेंहू और चावल के बीजों के उत्पादन के लिए, प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किया गया था। परियोजना को पिछले छह सालों में कार्यान्वित किया गया। चूंकि बीज उत्पादन के क्षेत्र में किसान नये थे, इसलिए उनके लिए ग्राम स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया गया। 47 प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से पूरी परियोजना के दौरान, 74 गांवों के 2000 से अधिक किसानों को, गेंहू और धान के सुधारीकृत बीज उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया गया। इस परियोजना के परिणाम स्वरूप 115 किसानों ने 189 हेक्टेयर भूमि में 800 टन से अधिक धान बीजों का उत्पादन किया। 126 किसानों ने 147 हेक्टेयर भूमि में 656 टन गेंहू बीज का उत्पादन किया। किसानो द्वारा परियोजना स्थल पर चावल और गेंहू के बीज की प्रोसेसिंग के लिए एक विशाल बीज प्रोसेसिग इकाई भी लगाई गयी है। इससे किसान, टाइफैक के इस परियोजना से बाहर हो जाने के बाद भी परियोजना के लाभ ले पायेंगे। परियोजना के लाभ संकेतकों में बहुत से किसान भी शामिल हैं जो पड़ोसी किसानों को अच्छी क्वालिटी का बीज बेचकर अच्छा लाभ कमाने के योग्य हो गये जबकि अन्य बहुत से किसान बीज उत्पादन गतिविधियों में रूचि ले रहे हैं।

**पूर्वी भारत की अम्लीय भूमि की उत्पादकता बढ़ाने के लिए कृषि विविधीकरण**

कार्यान्वयन एजेंसियां : जल प्रबंधन निदेशालय (पूर्व में वाटर टेक्नोलॉजी सेंटर फॉर ईस्टर्न रीजन (डब्लू.टी.सी.ई.आर.) भुबनेश्वर एवं सोशल रीकन्सट्रक्शन एंड इकोनामिक इम्पावरमेंट (एस.आर.ई.ई.), बालासौर

स्थान : रेमुना प्रखंड (बालासौर जिला) एवं बारासाही प्रखंड (मयूरभंज जिला) उड़ीसा

मृदा (सोइल) अम्लता उन बाधाकारी कारकों में से एक है जो फसल उत्पादन पर प्रभावी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। यह उड़ीसा के तटवर्ती क्षेत्रों में हल्की टेक्सचर्ड मृदा (सोइल) के साथ सत्य सिद्ध होती है। उड़ीसा राज्य में मृदा का लगभग 80% (लगभग 130 लाख हेक्टेयर) हल्के से अधिक अम्लीय है। उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुबनेश्वर के आर. एवं डी. प्रयासों से कागज मिल के अवमल (स्लज) की अम्लीय भूमि के सुधार के तुलनात्मक रूप से सस्ते स्त्रोत के रूप में खोज हुई। इसलिए मिल के अवमल (पी.एम.एस.) के प्रयोग द्वारा तटवर्ती क्षेत्रों की अम्लीय भूमि के सुधार हेतु एक परियोजना शुरू की गयी। एकत्रीकृत वर्षा जल के बहुमुखी उपयोग द्वारा वर्षाजल एकत्रीकरण और उसकी उत्पादकता की उपयोगिता को भी कार्यक्रम में शामिल किया गया। विगत तीन वर्षों के दौरान, टाइफैक हस्तक्षेप से क्षेत्र की अधिक अम्ल वाली भूमि का सुधार बीज बोने के 4–5 सप्ताह पहले 2.5 टन/हेक्टेयर की दर से किया गया। इससे 4.68 टन/हेक्टेयर की धान पैदावार हुई जबकि बिना अवमल वाले खेतों में 3.32 टन/हेक्टेयर की पैदावार हुई। इसी प्रकार खरीफ की फसल से मूंगफली की पैदावार बिना अवमल के खेतों में 7.14 क्विंटल/हेक्टेयर की औसत फसल से बढ़कर अवमल वाले खेतों 10.3 क्विंटल/हेक्टेयर हो गयी। रबी की फसल में जल की कमी से निपटने के लिए, बालासौर और मयूरगंज जिलों में दो जल एकत्रीकरण तालाब तैयार किये गये। किसानों ने समेकित खेती कार्यों जैसे डाइक होर्टीकल्चर, सब्जी उगाना, मैदानी फसले उगाना, एक्वाकल्चर आदि में इन तालाबों के पानी का उपयोग किया। इस प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन से किसानों को 30,000 रूपये से 35000 रूपये प्रति हेक्टेयर का लाभ मिला जो कि पारम्परिक प्रणालियों से खेती की तुलना में लगभग 3–4 गुना अधिक है। पी.एम.एस. के साथ अम्लीय भूमि के सुधार ने किसानों को भी नकदी फसलें जैसे खरीफ के मौसम में मूंगफली और रबी के मौसम में दालें, सब्जियां, उगाने के लिए प्रेरित किया है। सब्जियों में उत्पादकता वृद्धि दो वलन (फोल्ड) और तिलहन और दालों में एक वलन (फोल्ड) पायी गयी।

**गहन जलमग्न चावल क्षेत्रों की जल उत्पादकता को बढाना**

कार्यान्वयन एजेंसियां : जल प्रबंधन निदेशालय (पूर्व में वाटर टेक्नोलॉजी सेंटर फॉर ईस्टर्न रीजन (डब्लू टी.सी.ई.आर.) भुबनेश्वर और एसोसिएशन फॉर इन्टीग्रेटेड डेवलपमेंट (ए.आई.डी.), भुबनेश्वर,

स्थल : पुरी सदर एवं सत्यबाड़ी खंड (पुरी जनपद), उड़ीसा

तश्तरीनुमा खेत, अधिक वर्षा, खराब रिसाव स्थितियां उड़ीसा के तटवर्ती क्षेत्रों को जल मग्न स्थितियों के प्रति संवेदी बनाती हैं। जुलाई, अक्टूबर के दौरान 2.5 मीटर गहराई तक पानी भर जाता है किसान वर्षा के मौसम में केवल वर्षा आधारित फसले ही बोते हैं लेकिन बिना पूरक सिंचाई के लाभकारी फसलों को उगाना, सर्दी के मौसम में समस्या बन जाता है।

यह परियोजना गहन जल सहनशील चावल किस्म की खेती पर केन्द्रित है। इसमें अधिक जल को बाहर निकालकर वर्षा जल को संग्रहीत किया जाता है और उसे सर्दी के मौसम में फसलों की सिचांई की जा सकती है। इस प्रकार इस परियोजना में 'हंगेश्वरी', गहन जल चावल की सुधारीकृत किस्म की खेती को क्षेत्र मं शुरू किया गया। इस किस्म को

किसानों ने अच्छी तरह अंगीकार किया है क्योंकि यह जल मग्न स्थितियों में भी अधिक पैदावार देती हैं इस वैरायटी ने खरीफ के मौसम में जलमग्न स्थितियों में 2.4–2.5/हेक्टेयर की पैदावार दी जोकि स्थानीय कल्टीवार 'बँकेई' की तुलना में लगभग 200 गुना अधिक थी। शैलों ट्यूब वैलों के साथ चार तालाबों का निर्माण किया गया ताकि वर्षा के मौसम में उनमें वर्षाजल एकत्रित हो सके ओर उसे रबि के मौसम में फसलों की सिंचाई के लिए उपयोग किया जा सके। इससे किसानों को सब्जियों की खेती के द्वारा 28,500/–रूपये प्रति हेक्टेयर प्रति मौसम तक कुल लाभ पाने के योग्य बनाया। किसान समुदाय के बीच इस परियोजना की सफलता को प्रचारित करने के लिए पुरी जिले के एलियार (सुकाला) गांवों में एक किसान मेला आयोजित किया गया। 500 से अधिक किसानों ने खेती के विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञों से चर्चा की। राज्य कृषि विभाग ने किसानों के हित के लिए बड़े स्तर पर हंगेश्वरी बीज का उत्पादन शुरू किया है। डी.ए.आर.ई./आई.सी.ए. आर. ने अपनी 2009–10 की वार्षिक रिपोर्ट में इस परियोजना की सफलता की कहानी को 'तटीय ईको सिस्टम के जल मग्न क्षेत्रों में मौसम प्रबंधन' नाम से प्रकाशित किया है।

**टमाटर और लोबिया को संक्रमित करने वाले कीटों, विल्ट फंगस और रूट नाट निमेटोड रोगों के विरूद्ध प्रशिक्षण और निदर्शन के माध्यम से आई.पी.एम. प्रौद्योगिकी पैकेज का किसानों के खेतो पर अन्तरण (बुलन्द शहर, उ.प्र.)**

कार्यान्वयन एजेंसी : एमिटी सेंटर फॉर बायोकन्ट्रोल एंड प्लांट डिजीज मैनजमेंट, एमिटी युनिवर्सिटी, उ.प्र. (ए.यू.यू.पी.) नोएडा, उ.प्र.

परियोजना स्थल : उ.प्र. के बुलंदशहर जिले के सिकन्दराबाद ओर खुर्जा प्रखंडों के चुने हुए छह गांव

परियोजना प्राथमिक रूप से सब्जियों उगाने वाले किसानों के बीच समेकित कीट प्रबंधन (आई.पी.एम.) को प्रोत्साहित करने और जड़ों और पर्णीय भाग में रूट–नॉट निमेटोड, फंजाई, जीवाणु और कीटों के कारण दिखने वाले लक्षणों के माध्यम से रोग निदान हेतु किसानों को प्रशिक्षण और जैव–कीटनाशकों एंव जैव–उर्वरकों के उचित प्रयोग की जानकारी पर केन्द्रित थी। इस परियोजना की गतिविधियों में फंगल बायो–एजेंट्स, ऑयल सीड केक, वानस्पितिक प्रतिरोधियों (एन्टागोनिस्ट्स) और रसायनों के विवेकपूर्ण उपयोग के साथ, प्रतिरोपण योग्य और सीधे बीज से उपजने वाली फसलो दोनों में, किसानों के खेतों में चुने हुए स्थानों पर परीक्षण आयोजित करना शामिल है।

आई.पी.एम. प्रणाली के कार्यान्वयन से, ओखरा में रूट नोट फंगस और रूट नोट निमेटोड की आवृत्ति और धनत्व में क्रमशः 12–15% भूमि के 1–3 लार्वा प्रति ग्राम की कमी आई जो कि पहले 60–74 % और 8–10 लार्वा/प्रति ग्राम भूमि थी।

टमाटर में आई.पी.एम. प्रौद्योगिकी के निदर्शन हेतु खुर्जा प्रखंड के तीन गांवों; अहरौली, फिरोजपुर ओर जाहिदपुर (प्रत्येक से 10–10 लोग) से 30 किसानों का चयन किया गया। इन किसानों की टमाटर फसलें रूट नोट फंगस और रूट नोट निमेटोड से बुरी तरह संक्रमित थीं। बुलन्दशहर के फिरोजपुर गांव में टमाटर की खेती में आई.पी.एम. प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर एक किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। लगभग 30 चुने हुए किसानों (3 गांवों फिरोजपुर, जैदपुर और अहरौली से प्रत्येक से 10 किसान) में समेकित प्रबंधन (आई. पी.एम.) के विभिन्न अवयवों को प्रोत्साहित करने ओर 60 जैन कीटनाशकों के अंगीकरण हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

निदर्शन परीक्षणों से पूर्व, टमाटर में रूट विल्ट फंगस और रूट नोट निमेटोड की आवृत्ति/धनत्व क्रमशः 72–84 % और 12–18 लार्वा/ग्राम थी। आई.पी.एम. पैकेज के परीक्षणों से बाद रूट नोट में 14–19 % तक और निमेटोड संख्या में 1–4 लार्वा/ग्राम भूमि तक की उल्लेखनीय कमी आई।

सोरधम पर उगाये गये 200 ग्राम फंगल बायो–एजेंट प्रत्येक के 600 पैकेट तैयार किये गये ओर उपरोक्त एन्टागोनिस्ट प्रत्येक चुन हुए किसान को दिये गये ताकि रोग, रूट नोट निमेटोड ओर कीटों के विरुद्ध परीक्षण निदर्शन में उनका प्रयोग किया जा सके। किसानों को खुद जैवकीटनाशक

उत्पादन के लिये प्रशिक्षित किया गया। परीक्षण करने पर किसानों द्वारा उत्पादित फंगल बायोकन्ट्रोल एजेंट्स के गुणता नियंत्रण उपायों को सामान्यतः सन्तोषजनक पाया गया। ये फंगल बायोकन्ट्रोल एजेंट्स सी.एफ.यू. मूल्य $1.0X10^8$ से $5.8X10^8$ तक सन्तोषजनक पाये गये। प्रयोगशाला में निमित एजेंट्स ट्राइकोडर्मा विराइड, पेसीलो माइसिस लिलासिनस और बीवेरिया वैसियाना के जैव नियंत्रण निर्माण के वितरण के अलावा, ओकरा और टमाटर फसलों में बायोपेस्टीसाइड नीम ओर करंज जैसे आयल सीड केक के उपयोग का भी निदर्शन किया गया।

प्रभावी फसल बचाव हेतु आई.पी. प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने और किसानों को बायो कन्ट्रोल एजेंट्स के उपयोग के प्रति जागरूक बनाने के लिए एक विशाल किसान मेला (किसान प्रदर्शनी) ग्राम जाहिदपुर, खुर्जा प्रखंड, जिला बुलंदशहर में आयोजित किया गया। इसमें निकट के गांवों के 150 से अधिक किसानों ने भाग लिया। यह परियोजना जनवरी 2010 में पूरी हुई।

**किसानों एवं ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रशिक्षण, रोजगार एवं आयवर्धन कार्यक्रम और कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन में सहायता**

कार्यान्वयन एजेंन्सी : सिटीजन एसोसिएशन फॉर रूरल डेवलपमेंट (सी.ए.आर.डी.) बरहमपुर, गंजम जिला, उड़ीसा

स्थान : गंजम जिला, उड़ीसा के दो प्रखंड (रंगीलुण्डा ओर कुकुदाखंडी)

यह परियोजना अक्टूबर, 2007 में शुरू हुई। प्रारम्भ में यह किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से गंजम जिला उड़ीसा के रंगीलुण्डा और कुकुदाखंडी प्रखंडों में अर्ध यांत्रिक मूंगफली प्रसंस्करण ओर दाल मिलिंग हेतु सहायता एवं प्रशिक्षण प्रदान करने पर केन्द्रित थी।

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, परियोजना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में स्थानीय कृषि विज्ञान केन्द्रों (के.वी.के.एस.) उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (ओ.यू.ए.टी.) भुबनेश्वर और जिला कृषि अधिकारियों (डी.ए.ओ,एस.) के सहयोग से प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण कार्यक्रम और प्रौद्योगिकी निदर्शन आयोजित किये गये। साथ ही गंजम जिले में लोकल चैनलों के माध्यम से उत्पादों की मार्केटिंग की भी सुविधा प्रदान की गयी। विभिन्न गांवों में किसानों के साथ बैठकें आयोजित की गयी और किसानों को मूंगफली और दालों की खेती, उनकी प्रोसेसिंग के लाभों सम्बंध में जागरूक किया गया। 231 एकड़ में मूंग और मूंगफली बोने वाले लगभग 195 किसानों को प्रोसेसिंग गतिविधि के लिए परियोजना से जोड़ा गया। प्रोसेसिंग मशीनरी/उपकरण जैसे मूंगफली के छिलके हटाने वाला यंत्र (डी कोर्टि केटर), छोटी दाल मिल प्राप्त करके उन्हें परियोजना क्षेत्र के चुने एक स्थानों पर लगाया गया। लगभग 2700 क्विंटल मूगंफली और 2,450 क्विंटल दाले प्राप्त की गयी जिनमें क्रमशः 12,50 ओर 1,850 क्विंटल मूंगफली और दालों की प्रोसेसिंग की गयी ओर उन्हें बाजार तक पहुंचाया गया। इससे किसानों को मूंगफली ओर दाल (हरा चना) से क्रमशः 5.00 और 5.50 रूपये प्रति किग्रा. लाभ हुआ। चूंकि अब परियोजना की गतिविधियां समाप्त हो चुकी हैं, अब किसानों को विभिन्न प्रोसेसिंग मशीनरी को चलाने और उत्पाद क मूल्यवर्धन और मार्केटिंग हेतु प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

**निचली पालनी पहाड़ियों में जैविक खेती से छोटे और दुर्बल वर्ग के किसानों की जीविका की स्थिति को मजबूत बनाना**

कार्यान्वयन एजेंसी : एम.एस. स्वामिनाथन रिसर्च फाउन्डेशन (एम.एस.एस.आर.एफ), चेन्नई

स्थान : लोवर पालानी हिल्स, दिंदिगुल जिला, तमिलनाडु

इस परियोजना का उद्देश्य, जैविक कॉफी, पीपर, केला एवं नीबू जैसी फसलों हेतु जैविक खेती की वैज्ञानिक विधि को प्रोत्साहित करना है। इस क्रम में किसानों को जैविक खेती के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया गया और उन्हें सेवाएं उपलब्ध कराने के इनपुट दिये गये। यह परियोजना दिंदिगुल जनपद,

तमिलनाडु के लोअर पालनी हिल क्षेत्र के तीन गांवों, थोनी मलाई, पुलायार थेरू और पुदुर में कार्यान्वित की गयी। इसमें 110 किसानों की 220 हेक्टेयर भूमि को समाहित किया गया।

रिपोर्टाधीन अवधि में, जैविक आधारित पोषक और कीट प्रबंधन तकनीकों को किसानों में निदर्शित किया गया। वैज्ञानिक रूप से विकसित पर्यावरण मित्र जैविक खेती प्रक्रियाओं क प्रति जागरूक बनाने और उन्हें इन्हें अपनाने के लिए सहमत करने हेतु विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन्हें फसल कीटों और रोगों के जैविक नियंत्रण, वानास्पितिक कीटनाशकों का उत्पादन और प्रयोग पर जैविक ग्राम संकल्पना और किसान खेत स्कूल एप्रोच के आधार पर सचांलित किया गया। इन कीटनाशकों में नीम तेल का इन्जेक्शन, लहसुन सत का निर्माण और छिड़काव तथा नीम, केक निर्माण का उपयोग शामिल थे। किसानों को प्रयोगशाला में तैयार किये गये पर्यावरण मित्र इनपुट्स जैसे फिरामोन ट्रैप्स, नीम तेल, और एम.एस.एस.आर.ए. प्रयोगशाला में तैयार कीटनाशक और जैव उर्वरक उपलब्ध कराये गये। उसी समय किसानों को स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री के प्रयोग से जैविक कम्पोस्ट खाद और वर्मी कम्पोस्ट को बनाने के लिए प्रशिक्षित किया गया। साथ ही उन्हें एजोस्पीरिलम, एजोबेक्टर, अर्बस्कूलर माइकोरिजी से कम्पोस्ट को समृद्ध बनाने पर भी प्रशिक्षण दिया गया। किसानों को कीटों के नियंत्रण हेतु प्राकृतिक कीटभक्षियों जैसे मेक्सिकन वीटल और आर्मी आंट्स के उपयोग के साथ ट्राइकोडर्मा, पेसिलो माइसिस एवं ब्यूवेरिया वासियाना जैसे कीटनाशकों के उपयोग के सम्बंध में प्रशिक्षण दिया गया। प्रत्येक गांव में निदर्शन खेत के रूप एक मॉडल जैविक खेत तैयार किया गया। रिपोर्टाधीन अवधि में लगभग 18 किसान प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

परियोजना हस्तक्षेप (इन्टरवेंशन) से, कॉफी बोरर के आक्रमण में लगभग 70% और बनाना स्टम बोरर क आक्रमण में 50% से अधिक की कमी आई जबकि कालीमिर्च की फंफूदी 70% तक कम हुई। इसके परिणाम स्वरूप कॉफी (बैरी उपज), नीबू काली मिच और केले की औसत पैदावार में क्रमशः 25.5%, 10. 6%, 54.0% और 10.0% की वृद्धि हुई।

सभी प्रशिक्षणार्थी किसानों के खेतों को, आई.एम.ओ. कन्ट्रोल प्रा.लि. बंगलौर द्वारा पूर्णतया जैविक के रूप में प्रमाणित किया जा रहा है। खेत स्तर पर हस्तक्षेपों (इन्टरवेंशन) के आधार पर, संसाधनों के प्रभावी उपयोग हेतु किसानों के बीच समान स्तर पर सम्पर्क बनाये गये। स्थानीय किसान समूहों ओर एजेंसियों जैसे कॉफी बोर्ड, क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान स्टेशन एवं बागवानी विभाग से तकनीकी सहयोग हेतु पश्चगामी (बैकवार्ड) सम्पर्क स्थापित किये गये। प्रमाणन का उपयोग करके जैविक उत्पादों हेतु बाजार सम्पर्क बनाये गये। जैविक कॉफी, नीबू और काली मिर्च की नियमित खरीद हेतु एम.एस.एस.आर.एफ. और लिन फूड्स चेन्नई के बीच एक करार पर हस्ताक्षर हुए। परियोजना अगस्त 2009 में सफलतापूर्वक पूरी हुई।

**शिमला जिला, हि.प्र. में प्रमाणित जैविक सब्जियों का प्राथमिक प्रसंस्करण और पैकेजिंग**

कार्यान्वयन एजेंसी : एम.आर. मोरारका–जी.डी.सी. रूरल रिसर्च फाउन्डेशन, जयपुर (राज.)

स्थल : शिमला जिला, हिमाचल प्रदेश के 4 प्रखंड (ठियोग, रामपुर, मशोबरा और चौपाल) प्रखंड

इस परियोजना के अन्तर्गत, सब्जियों की प्राथमिक प्रोसेसिंग में किसानों की क्षमता के निर्माण हेतु किसान बैठकों, जागरूकता शिविरों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया। इस वर्ष में प्रोसेसिंग के उपकरणों की प्राप्ति हो गयी है, पर अभी प्रोसेसिंग इकाई को स्थापित करना बाकी है। किसानों ने प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से खेत स्थल पर अपने उत्पादों को साफ और वर्गीकृत किया। इस कारण बाजार में उनके उत्पाद को शीघ्र बिक्री हुई। हालांकि यह परियोजना जून, 2008 में समय से पहले ही बन्द हो गयी क्योंकि किसान परियोजना में आगे भागीदारी करने के लिए इच्छुक नहीं थे।

## चालू परियोजनाएं

### बिहार में सुधारीकृत बीज उत्पादन एवं गुणन

कार्यान्वयन एजेंसी : पालीगंज वितरणी कृषक समिति, (पी.वी. के.एस) पालीगंज

स्थल : पालीगंज, पटना

टाइफैक ने किसानों को प्रशिक्षण और स्वयं अच्छी किस्म के बीजों के उत्पादन को प्रोत्साहित करके पालीगंज क्षेत्र के किसानों को चावल, गेंहू, दालों आदि के अच्छी किस्म के बीजों को बनाने के प्रयास जारी रखे। एक किसान सहकारी, पाटलिपुत्र बीज उत्पादक स्वावलंबी सहकारी समिति द्वारा उत्पादित प्रमाणित बीजों ने अपनी प्रतिष्ठा बनाई है ओर उनकी मांग बढ़ रही है। इस प्रयास से पालीगंज और उनके आस–पास के क्षेत्रों में फसलों की उत्पादकता को बढ़ाने में मदद की है। अच्छी किस्म के बीजों के उत्पादन हेतु किसानों के आत्म विश्वास को मजबूत बनाने में प्रशिक्षण को परियोजना का मुख्य अवयव माना गया। इस वर्ष के दौरान गेंहू धान और दालां की सुधारीकृत बीज उत्पादन प्रौद्योगिकी पर 10 प्रशिक्षण शिविर आयोजित किये गये। इनसे 42 गांवों के 483 किसान लाभान्वित हुए। इसके अलावा, राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा (बिहार) में कम्पोस्ट निर्माण, बागवानी एवं सब्जियां उगाने पर दो संस्थागत प्रशिक्षण भी आयोजित किये गये जिनमें 15 प्रगतिशीलों सहित 20 प्रतिभागी लाभान्वित हुए। वर्ष के दौरान 9.5 हेक्टेयर भूमि में 140 क्विंटल प्रमाणित चावल बीज का उत्पादन हुआ और 52 हेक्टेयर भूमि में किसानों ने अपने उपयोग के लिए 557 क्विंटल चावल बीज का उत्पादन किया। इसके अतिरिक्त 5.6 और 3.12 हेक्टेयर भूमि क्रमशः गेहू ओर दालों के प्रमाणित बीज उत्पादन के अन्तर्गत थी। इसके अलावा किसानों ने अपने उपयोग हेतु 40 हेक्टेयर भूमि में गेहूं बीज के लिए बुआई की और एक एकड़ में दालों के बीज हेतु बुआई की। अच्छी किस्म के बीजों और सुधारीकृत खेती प्रणालयिों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए गांव जलपुरा (पालीगंज) में एक कृषि प्रसार मेला आयोजित किया गया। मेले में 4000 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

### पटना, बिहार के पालीगंज क्षेत्र में औषधीय और सुगंधीय पौधों को प्रोत्साहन

कार्यान्वयन एजेंसी : ग्रामीण विकास प्रतिष्ठान (जी.वी.पी)

स्थल : पालीगंज, पटना

पालीगंज क्षेत्र के किसान समुदाय के बीच चावल ओर गेंहू दो प्रमुख फसलें हैं। अब किसानों को समझ आने लगा है कि चावल–गेंहू चक्रण प्रणाली के विकल्प के रूप में नकदी फसलों की खेती की जाये। यह परियोजना फसल विविधीकरण कार्यक्रम के माध्यम से बेहतर खेती आय हेतु नकदी फसलों के रूप में औषधीय और सुंगधीय पौधों की खेती को प्रोत्साहित करने हेतु तैयार की गयी थी। सुगंधीय पौधों की खेती के महत्व पर बल देते हुए ग्राम स्तर पर प्रशिक्षण दिया गया। इस वर्ष सुधारीकृत खेती प्रणालियों पर कुल 12 जागरूकता–सह–प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुए जिनमें 45 गांवों के 481 किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण शिविरों में मेंथा, लेमन ग्रास, जावा सिट्रोनेला आदि जैसे सुगंधीय पौधों से आवश्यक तेल निकालने की विधि पर भी जोर दिया गया।

32 किसानों ने 102 एकड़ भूमि में सुंगधीय पौधों की फसलें बोई और इस वर्ष में 11 क्विंटल आवश्यक तेल का उत्पादन हुआ। सुगंधीय पौधों की खेती के आर्थिक लाभों को समझते हुए, दो किसानों ने ग्रामीण विकास प्रतिष्ठान की तकनीकी सहायता से अपने निजी 2 डिस्टिलेशन संयंत्र लगाये। इसी के बहुमुखी प्रभाव से किसानों ने पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार के

वित्तीय सहयोग से तीन और डिस्टिलेशन इकाईयां लगाईं। वेगुसराय, पटना और हैदराबाद में बाजार सम्पर्क बनाकर किसानों के तेल की मार्केटिंग भी सुनिश्चित की गयी।

### देवरिया उ.प्र. में सुगंधीय पौधों की खेती के माध्यम से कृषि विविधीकरण का निदर्शन

**कार्यान्वयन एजेंसी** : भानु फाउन्डेशन रिसर्च एवं डेवलमेंट सोसाइटी (बी.एफ.आर.डी.एस.), देवरिया उ.प्र.
**स्थान** : पूर्वी उ.प्र. के भलौनी और देवरिया प्रखंड

बेहतर आर्थिक लाभ की संभावना के कारण किसानों में सुगंधीय पौधों की खेती की लोकप्रियता बढ़ रही है। इस प्रयास में सुगंधीय पौधों की खेती कार्यक्रम के माध्यम से कृषि विविधीकरण को देवरिया जिले के देवरिया ओर भलौनी प्रखंड में विशेष महत्व दिया गया है। सुगंधीय पौधों की सुधारीकृत खेती तकनीक, तेल निकालने और मार्केटिंग की जानकारी देकर किसानों को शक्ति सम्पन्न बनाने को महत्व दिया गया है। तदानुसार सुधारीकृत खेती प्रणालियों पर पांच ग्रामीण स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें मेंथा, लेमन ग्रास आदि सुगंधीय पौधों से आवश्यक तेल निकालना विषय भी शामिल था। इनमें 20 गांवों के 322 किसानों को प्रशिक्षित किया गया। सुगंधीय पौधों की खेती पर एक संस्थागत प्रशिक्षण शिविर एन.डी.यू.ए. एवं टी, फैजाबाद में आयोजित हुआ जिसमें 20 गांवों के 20 किसानों ने सुगंधीय पौधों की सुधारीकृत खेती पर अपने कौशल की वृद्धि की। इस वर्ष में 14 किसानों ने 53 एकड़ भूमि में मेंथा की फसल बोई और 1580 किग्रा. आवश्यक तेल क उत्पादन किया। इसे बाद में मैसर्स स्वराज हर्बल्स, बाराबंकी, उ.प्र. को बेचा गया। वर्तमान में, दो मुख्य पारम्परिक फसलों के बीच किसान मेंथा फसल उगाकर 5000/–रूपये से 6000/–रूपये प्रति एकड़ का लाभ प्राप्त करने में समर्थ हो गये हैं। सुगंधीय पौधों की खेती के प्रति जागरूकता लाने के लिए, देवरिया जिले के मझौली गांव में एक किसान मेला का आयोजन हुआ जिसमें महिलाओं सहित 600 किसानों ने विशेषज्ञों से सुगंधीय पौधों की खेती के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

### उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में मेंथा खेती का खेत पर निदर्शन, लोकप्रियकरण, व्यवसायीकरण और प्रसंस्करण

कार्यान्वयन एजेंसी : नरेन्द्र देव इन्स्ट्टीट्यूट फॉर डेवलपमेंट ऑफ एग्रीकल्चर एंड रूरल अपलिफ्टमेंट (एन.आइ.डी.ए.आर.) लखनऊ
स्थान : बाराबंकी जिले के मसौली और हरख प्रखंड

उ.प्र. का बाराबंकी जिला मेंथा खेती के लिए काफी समय से जाना जाता है। जबकि खेती की प्रौद्योगिकी में सुधार की जरूरत है और इसमें नवीनतम खेती सुधारीकृत प्रणालियों के साथ बीजों की आधुनिकतम किस्मों को लाने के लिए बाराबंकी के मसौली और हरख प्रखंडों में किसानों द्वारा बड़े स्तर पर अपनाने के लिए, केन्द्रीय औषधीय और सुगंधीय पादप संस्थानों (सी.आई.एम.ए.पी.) द्वारा संस्तुत किस्म 'कोसी' को लाया गया है। सुधारीकृत खेती प्रौद्योगिकी, मेंथा तेल निकालना ओर उसकी प्रोसेसिंग की, परियोजना के प्रमुख लक्ष्य के रूप में पहचान की गयी है। किसानों को मेंथा खेती ओर मेंथा तेल के डिस्टिलेशन के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी देने ओर उनहें प्रेरित करने के उद्देश्य से कुल 18 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिनमें 20 गांवों के 250 किसानों ने भाग लिया। इसमें उन्हें फसल के रख'–रखाव, उर्वरक का उपयोग, फसल काटने के दौरान सावधानियां, हर्ब की डिस्टिलेशन से पहले प्रोसेसिंग, पादप सामग्री को उठाना आदि पर जानकारी दी गयी। इस वर्ष के दौरान, 20 गांवों की 50 एकड़ भूमि में मेंथा कोसी किस्म की खेती की जा रही है। आगे, 250 किसानों को एक मेंथा सोसाइटी बनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसमें 100/–रूपये प्रत्येक सदस्यता शुल्क रखा गया है। किसानों

द्वारा अपनाये जा रहे चार विभिन्न फसल चक्रों : धान–आलू–मेंथा, धान–रामदाना–मेंथा, धान–सरसों–मेंथा और धान–गेंहू–मेंथा पर अध्ययन किया गया ताकि जाना जा सके कि इनमें आर्थिक रूप से सबसे लाभदायक फसल चक्र कौन सा है। इन सभी फसल चक्रों में धान–आलू–मेंथा को किसानों के लिए अधिक पारिश्रमिक देने वाला पाया गया।

### किसान हित समूहों द्वारा चावल–गेंहू फसल प्रणाली में गुणता मोड उत्पादन

कार्यान्वयन एजेंसी : बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
स्थान : वाराणसी जिले के अराजिलीन,पिंडरा, हरौहा और बड़ा गांव प्रखंड

वाराणसी जिले के विभिन्न भागों में अनावश्यक रसायनों और कीटनाशकों का अधिक उपयोग आम है। सुधारीकृत खेती प्रौद्योगिकी पर निदर्शनों और प्रशिक्षण के माध्यम से जागरूकता पैदा करना इस परियोजना का उद्देश्य है ताकि फसलों में कीटनाशकों के अवशेषों का स्तर स्वीकार्य सीमा तक रहे। टाइफैक के हस्तक्षेप से, गुणता मोड उत्पादन के अन्तर्गत उगाये गये गेहूं और सब्जियों में कीटनाशक अवशेषों का स्तर नीचे आना शुरू हुआ है। विभिन्न फसलों के विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि गेंहू चावल में 98%, बैंगन में 59%, टमाटर में 50% और ओरकरा में 95% तक आई.सी.ए.आर. द्वारा संस्तुत पेस्टीसाइड/इनसेक्टीसाइड की अधिकतम अवशेष दर (एम. आर.एल.) नीचे पाई गयी। यहां यह भी उल्लेखनीय है की सामान्य व्यवहार के अन्तर्गत उगाई जाने वाली विभिन्न फसलों में विश्लेषित 100 नमूनों में से गेंहू 47%, चावल की 52%, टमाटर की 17, बैंगन की 13% और ओकरा की 19% भाग ही मनुष्य के भोजन केलिए सुरक्षित पाया गया। चूंकि किसानों को पेस्टीसाइड/इनसेक्टीसाइड के इष्टतम स्तर अथवा संस्तुत स्तर तक प्रयोग करने लिए लगातार प्रेरित और मानीटर किये जाने की आवश्यकता है। इसलिए 861 किसानों के हित के लिए 18 प्रशिक्षण शिविर और 84 निदर्शन शिविर आयोजित किये गये। संसाधन संरक्षण प्रौद्योगिकी और संरक्षण जोत (टिलेज) (शून्य जोत) प्रणालियों का किसानों के खेतों में गेंहू और चावल की फसलों में निदर्शन किया गया। नैरो रेडड बेड्स पर गेंहू और चावल उगाने की प्रक्रिया को भी जल उपयोग घटाने, वर्षाजल संरक्षित करने ओर फसल की उत्पादकता सुधारने के लिए निदर्शित किया गया।

### पूर्वी उत्तर प्रदेश में मूल्यवर्धित सुगंधित चावल (कालानमक) की खेती से किसानों की खेती आय बढ़ाना

कार्यान्वयन एजेंसी : नंद एजुकेशन फाउन्डेशन फॉर रूरल डेवलमेंट (एन.ई.एफ.ओ.आर.डी.), लखनऊ
स्थान : उ.प्र. के सिद्धार्थ नगर, संत कबीर नगर, मऊ और आजमगढ़ जिले

काले छिलके वाली नमक शोषक चावल की एक किस्म काला नमक अपनी सुगंध के कारण प्रसिद्ध है। इसे पकने के बाद लम्बे हो जाने के गुण को छोड़कर यह बासमती से कहीं बेहतर है। लेकिन कम उत्पादकता (1.5 टन प्रति हेक्टेयर से भी कम) के कारण किसान समुदाय इसकी खेती छोड़ रहा है। इस परियोजना में जी.बी. पन्त कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंत नगर द्वारा विकसित कालानमक की दो उच्च उपज वाली किस्मों के–3119 और के–3131 को प्रात्साहित करने हेतु लाया गया। ये किस्में लगभग चार टन प्रति हेक्टेयर की पैदावार देती हैं और नमक शोषक हैं। इस परियोजना में निदर्शनों के माध्यम से इन दो किस्मों के प्रोत्साहनपर जोर दिया गया है। इस वर्ष के 700 से अधिक किसानों को विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया गया जिनमें चावल का सीधे बीजारोपण, गेंहू की शून्य जोत बुआई, बीज उत्पादन एवं बीज स्वास्थ्य प्रबंधन, फसलोंपरांत प्रसंस्करण और भंडारण आदि शामिल थे। यहां तक कि मऊ और आजमगढ़ की सूखा परिस्थितियों में कीा चावल की पेदावार 16.55 से 17.14 टन प्रति हेक्टेयर पाई गयी। इसी समय सामान्य वर्षा की स्थिति में संत कबीरनगर ओर सिद्धार्थ नगर जिलों में पैदावार 28.5 से 35 क्विंटल प्रति हेक्टेयर देखी गयी। चूंकि काला नमक एक

दीर्घकालिक चावल किस्म है ओर यह केवल दिसम्बर के महीने में ही बोने के लिए तैयार होताहे, अत : 'हालना' नामक की एक लघु अवधि गेंहू की किस्म को प्रोत्साहित किया गया ताकि कसिानों की आय ए सके। इससे कसिान 3–4 टन प्रति हेक्टेयर गेंहू की पैदावार प्राप्त करने में सक्षम हो गये। चावल की कालानमक किस्म ने मऊ आजमगढ़ में सूखे की स्थितियों में 16.55 से 17.14 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पर भी पैदावार दी। 540 से अधिक किसान 250 एकड़ भूमि में कालानमक की खेती से जुड़े।

### जैव कीटनाशक और वृद्धि प्रोत्साहक के रूप में ट्राइकोडर्मा का खेत पर निदर्शन और व्यावसायिक खेती

कार्यान्वयन एजेंसी : प्लांट पैथेलोजी प्रभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

परियोना स्थल : राजस्थान के दो चुने हुए स्थान–कोटा (तहसील–दिगोध) एवं जयपुर (समोध एवं चाकसू तहसील) जिले

इस परियोजना को समेकित कीट प्रबंधन के माध्यम से ट्राइकोडर्मा जैव–निर्माण (बायो–फार्मुलेशन) द्वारा प्रभावी फसल बचाव के लिए सस्ती तकनीकों के निदर्शन और ट्राइकोडर्मा के अनुप्रयोग और व्यावसायिक उत्पादन हेतु प्रतिकृति योग्य (रेप्लीकेबल) उद्यमिता मॉडल विकसित करने पर केन्द्रित किया गया है। वर्तमान में यह परियोजना 20 गांवों में कार्यान्वित की जा रही है जिनमें 12 गांव जयपुर जिले के ओर 8 गांव कोटा जिले के है। जयपुर जिले में गेंहू, जौ, फेनुग्रीक, मूंगफली और सब्जियों की फसलों के लिए और कोटा जिले में गेंहू, सोयाबीन और धान की फसलों के लिए किसानों के खेतों मे ट्राइकोडर्मा हार्जिऐनियम टी.एच. 3 स्ट्रैन के जैविक निर्माण का खेत पर परीक्षण किया गया।

परियोजना हस्तक्षेप से, रूट वॉट रोग, विशेषकर मूंगफली में, प्रभावी रूप से कम हुआ। गेंहू जौं, मिर्च, गोभी, प्याज आदि में भी तुलनात्मक रूप से रोग में कमी आने की जानकारी मिली। नियंत्रण के परणिामस्वरूप मूंगफली की औसत पैदावार लगभग 80% तक बढ़ी। फेनुग्रीक, जौ, सब्जियों, गेंहू ओर सोयाबीन की औसत पैदावार क्रमशः 50%, 32%,27%, 16%, और 14%, बढ़ी।

अब तक परयिोजना द्वारा 101 किसानों के 182 एकड़ खेतों को कवर किया जा चुका है। टेलर–मोड ऑन–फार्म प्रशिक्षण सत्रों मं, किसानों एन.जी.ओ.एस., लघु उद्योगों और विद्यार्थियों को किसान के खेत पर ट्राईकोडर्मा के प्रयोग, जैव–कीटनाशकों का निवास औरउनका अनुप्रयोग, रोग निदान और विषयों की जानकारी दी गयी। किसानों के खेत पर ट्राइकोडर्मा का प्रयोग ओर जैविक कीटनाशकों के विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्र दोनों परियोजना स्थलों पर आयोजित किये गये, जिनसे 100 से अधिक किसान लाभान्वित हुए। किसानों के लिए ट्राइकोडर्मा के उपयोग की तकनीकों पर एक प्रशिक्षण मैनुअल हिन्दी में प्रकाशित किया गया।

ट्राइकोडर्मा जैव–निर्माण के माध्यम से प्रभावी फसल बचाव की प्रौद्योगिकी के लोकप्रियकरण और आई.पी.एम. के प्रति किसानों में जागरूकता लाने के क्रम में, जयपुर जिले के डोडसर गांव मं एक विशाल किसान मेला आयोजित किया गया। इस मेले में विभिन्न गांवों के लगभग 52 किसानों ने भाग लिया। आई. ए.आर.आई. की जैव नियंत्रण प्रयोगशाला ने लगभग 375 किलोग्राम. हार्जिएनम (पूसा टी.एच.–3) तैयार किया गया जिसे परियोजना से जुड़े किसानों को खेतों में प्रयोग हेतु वितरित किया।

### 4.1.2 मत्स्य उद्योग क्षेत्र

मत्स्य उद्योग क्षेत्र का लक्ष्य प्रौद्योगिकी हस्तक्षेपों (इन्टरवेंशन्स) के निदर्शन और नवीन प्रौद्यगिकियों के अंगीकरण द्वारा मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के माध्यम से जलीय जीवों के उत्पादन और प्रसंस्करण पर बल देना है । दो परियोजनाओं का कार्यान्वयन हो रहा है, इस सम्बंध में हुई संक्षिप्त प्रगति निम्नलिखित है :

**चालू परियोजनाएं**

**येलो फिन टुना के लोइन एवं टिक्का (स्टीक्स) का प्रसंस्करण और निर्यात**

कार्यान्वयन एजेंसी : मैसर्स आश्विन एसोसिएट्स, कोच्चि, केरल

स्थान : कोच्चि, केरल

इस परियोजना का उद्देश्य येलो फिल टुना के फ्रोजन लोइन्स और टिक्का (स्टीक्स) का उत्पादन और इनका निर्यात है। येलो फिन टुना और अन्य मछलियों को ट्रॉली फ्रीजर (3–टी. पी.डी.–क्षमता) में फ्रोजन किया जाता है ओर कोल्ड स्टोरेज 15 टी.पी.डी. क्षमता में रखा जाता है। कार्यान्वयन एजेंसी ने इन उत्पादों को वियतनाम, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों में निर्यात करना शुरू कर दिया है। इस वर्ष 1.5 करोड़ रूपये की कुल कीमत की 222 टन फ्रोजन मछलियों का निर्यात हुआ। परियोजना का कार्य सन्तोष जनक रूप से पूरा होने की ओर बढ़ रहा है।

**कम कीमत की समुद्री पैलेजिक मछलियों का मूल्यवर्धन**

कार्यान्वयन एजेंसी : रूरल आर्गेनाइजेशन फॉर सोशल एक्शन (आर.ओ.एस.ए.) थरंगाम्बाडी, नागापटिनाम जिला, तमिलनाडु

स्थान : थरंगाम्बाडी तालुका, नागापतिनाम जिला, तमिलनाडु के तटीय मछुआरे गांव : थरंगाम्बाडी, कुट्टियानदियूर और पेरूमल पेट्टई

इस परियोजना का उद्देश्य मछुआरिनो को प्रशिक्षण और कम कीमत की समुद्री पैलेजिक मछलियों से प्राप्त मूल्यवर्धित पदार्थों के उत्पादन और विपणन (मार्केटिंग) हेतु प्रौद्योगिकी अन्तरण (ट्रांसफर) है। इस परियोजना को फिशरीज कॉलेज एंड रिसर्च इन्स्ट्टीट्यूट (एफ.सी.आर.आई.) थूथुकडी के तकनीकी सहयोग से कार्यान्वित किया जा रहा है।

एफ.सी.आर.आई. ने तीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जिनमें 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया। 45 मछुआरिनों को विभिन्न पहलुओं जैसे निजी स्वास्थ्य, सफाई, मछली को साफ करने की विधि, मछलियों की बर्बादी को रोकना, मछलियों का परीक्षण, मूल्यवर्धित उत्पादों का उत्पादन, पैकेजिंग, लेबलिंग, गुणता नियंत्रण पर जानकारी दी गयी। मूल्यवर्धित उत्पादों जैसे मछली का अचार, स्मोक्ड फिश, फिश बर्गर, फिश सैंडविच, फिश पफ और फिश कटलेट के उत्पादन का भी प्रशिक्षण दिया गया। एक प्रशिक्षण मैनुअल तैयार किया गया और इसे तमिल में प्रकाशित करके प्रशिक्षणार्थियों को उपलब्ध कराया गया।

परियोजना हेतु अधिकांश उपकरणों/सामग्री की प्राप्ति की जा चुकी है और उनको लगाने का काम चल रहा है। मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए समुचित स्वास्थ्यकर अनुरक्षण हेतु प्रोसेसिंग पूर्व ओर शुद्धीकरण सुविधाओं की स्थापना प्रोसेसिंग शेड पर की जा चुकी है।

ब्रिन्ड तेल सार्डीन,प्रोन का अचार सूखी मछली मसालेदार सूखी मछली और मछली के अचार जैसे मूल्यवर्धित उत्पादों की उत्पादन हेतु प्रारम्भिक परीक्षण किये जा चुके हैं। तदानुसार, नमूनों के रूप मे विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पादों को मार्केटिंग का परीक्षण किया गया है। परियोजना की प्रगति संतोषजनक है।

## 4.2 एग्रो खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र

### 4.2.1 दुग्ध क्षेत्र

इस क्षेत्र का उद्देश्य खाद्य उत्पादों के शेल्फ जीवन की वृद्धि,उप–उत्पादों की उपयोगिता एवं अप्रयोज्य सामग्री को कम करने सहित उत्पादकता में सुधार, गुणवत्ता, मूल्यवर्धन हेतु प्रौद्योगिकी कार्यों का निदर्शन है । निम्नलिखित परियोजनाओं का कार्यान्वयन हो रहा है :

**पूर्ण परियोजनाएं**

**मूल्यवर्धित उत्पादों के निर्माण हेतु ग्रामीण स्तर पर समेकित शुद्ध दूध उत्पादन नेटवर्क की स्थापना**

कार्यान्वयन एजेंसी : मेसर्स मिलन डेयरी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली

स्थान : उत्तर प्रदेश के बुलन्दशहर और गाजियाबाद जनपद

इस परियोजना का उद्देश्य ग्राम स्तर पर दूध उत्पादक किसानों के संघ/सोसाइटियों का निर्माण,शुद्ध दूध उत्पादन (सी.एम. पी.) प्रणाली के निदर्शन हेतु एक मॉडल गांव का चयन, डेयरी कार्यों और सम्बद्ध गतिविधियों के लिए ऊर्जा के स्रोत के रूप में बॉयो गैस का प्रयोग, किसानों को इनपुट सेवाएं और प्रशिक्षण प्रदान करना, किसानों को बेहतर आय के लिए शुद्ध और क्वालिटी दूध का उत्पादन, बढ़े हुए शेल्फ जीवन सहित वैक्यूम पैक्ड पनीर का निर्माण और प्रोबायोटिक छाछ के उत्पादन हेतु दही के पानी का प्रयोग (उप–उत्पाद उपयोगिता एवं मूल्यवर्धन) था।

शुद्ध और उत्तम दूध से वैक्यूम पैक्ड पनीर

मॉडल गांव भरना में मुख्यतः गाय के गोबर के उपयोग से चलने वाले एक 2 टी.पी.डी. बायो गैस संयंत्र को संचालित किया जा रहा है । बॉयो गैस से मिलने वाली बिजली का प्रयोग मिल्किंग मशीनों, 1100 लिटर क्षमता प्रत्येक की दो (बल्क मिल्क कूलर्स) बी.एम.सी., और ऑटोमेटिक दूध संग्रहण इकाईयों को चलाने के लिए किया जा रहा है।

बायो गैस संयत्र द्वारा परिचालित भरना का मॉडल दूध एकत्रीकरण पार्लर (2 टी.पी.डी. क्षमता)

शुद्ध और अच्छी गुणवत्ता के 40, 000 लीटर दूध के संग्रहण के लिए 1000 लिटर क्षमता की 27 बी.एम.सी. लगाई गयी है । इससे प्राप्त दूध की माइक्रोबायल क्वालिटी में सुधार दिखा जैसा कि मिथाइलेन ब्लू रिएक्शन (एम.बी.आर.) टाइम ने दर्शाया जो कि कम से कम 30 मिनट से 90 मिनट बढ़ा।

शुद्ध दूध एकत्रीकरण ओर प्राप्ति केन्द्र सुविधाएं
(बल्क कूलर और ए.एम.सी.यू. इकाई)

बी.एम.सी. में एकत्रित दूध को सियाना में प्रोसेसिंग संयंत्र तक ले जाया जाता है। पनीर की शेल्फ लाइफ (21 दिन) को बढ़ाने के लिए उसे वैक्यूम में पैक किया जाता है जबकि सामान्यतः पैक्ड पनीर की शेल्फ लाइफ एक हफ्ता ही होती है। उप–उत्पादों के उपयोग ओर मूल्यवर्धन के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, पनीर उत्पादन से निकले छाछ को अनानास और जलजीरा के फ्लैवर के साथ छाछ पेय (व्हे ड्रिंक) के उत्पादन में प्रयोग किया जाता है। यह प्रक्रिया नेशनल डेयरी रिसर्च इन्स्ट्टीयूट (एन.डी.आर. आई.) करनाल से अन्तरित प्रौद्योगिकी पर आधारित है। परियोजना का कार्यान्वयन सफलता पूर्वक पूरा हुआ।

अनानास ओर जलजीरा फ्लैवर्स में प्रोबायोटिक छाछ

**चालू परियोजना**

**पश्चिम बंगाल में शुद्ध दूध के उत्पादन पर एक परियोजना**

कार्यान्वयन एजेंसी : वैस्ट बंगाल कॉपरेटिव मिल्क प्रोडयूसर्स फेडरेशन, कोलकाता

स्थान : 24 परगना (उत्तर) जिला, पश्चिम बंगाल

इस परियोजना का उद्देश्य, उत्पादकता वृद्धि और शुद्ध दूध उत्पादन का निदर्शन मॉडल विकसित करना है। इन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु वर्धित उत्पादकता और गुणवत्ता, इलेक्ट्रोनिक तोलन सिस्टम, परीक्षण उपकरण और कम्पयूटरीकृत रिकार्डिग की स्थापना की गयी है। एक योजना का डिजाइन किया गया है जो कम जीवाणु धारित दूध की आपूर्ति हेतु किसानों को प्रोत्साहन देने पर केन्द्रित है । परियोजना को 9 दूध सोसाइटियों में कार्यान्वित किया जा रहा है। इससे 900 किसान जुड़े हैं । यह 24 परगना (उत्तर) जिले की इच्छामती मिल्क यूनियन मे पूर्णता की ओर बढ़ रही है ।

## 4.3 स्वास्थ्य रक्षा एवं हर्बल/प्राकृतिक उत्पाद

इस कार्यक्रम के दो उद्देश्य हैं :

- हर्बल और प्राकृतिक उत्पादों के कुदरती स्त्रोतों की उपयोगिता एवं चयनित प्रौद्योगिकियों, उत्पादों और प्रक्रियाओं का विकास, निदर्शन एवं व्यवसायीकरण और स्वास्थ्य रक्षा प्रणाली के लिए उचित अप्रोचों का विकास एवं स्थापना/निदर्शन

**चालू परियोजनाएं**

**उत्तरांचल (गढ़वाल) में मोबाइल अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र**

कार्यान्वयन एजेंसी : हिमालयन इन्स्ट्टीट्यूट हॉस्पिटल ट्रस्ट (एच.आई.एच.टी.), देहरादून

स्थल : उत्तराखंड का गढ़वाल क्षेत्र

इस परियोजना का उद्देश्य उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र के लोगों के स्वास्थ्य स्तर में सुधार लाना है। इससे दूरवर्ती क्षेत्रों के साधन विहीन लोगों की स्वास्थ्य सम्बंधी आवश्यकताओं को पूरा करना भी शामिल है।

रोग निदान सुविधाओं सहित एक मोबाइल वैन निम्नलिखित का परिचालन कराती है और नीचे दी सेवाएं उपलब्ध कराती है :

- सामुदायिक आवश्यकताओं का मूल्यांकन
- बाहरी रोगी क्लीनिक आधारित सेवाएं
- स्वास्थ्य शिक्षा
- रैफरल

मोबाइल अस्पताल

मोबाइल इकाई ने मासिक आधार पर 15 पूर्वनिर्धारित दौरे किये। इस वर्ष में, इस मोबाइल इकाई द्वारा 17,500 रोगियो को देखा गया। 2007 में परियोजना के प्रारम्भ से अब तक 46,400 रोगियों को देखा गया, जिनमें लगभग 11% गरीबी रेखा से नीचे के थे। इस इकाई द्वारा, रोगों के सम्बंध में एकत्र किये गये आंकड़ो के अनुसार ग्रेस्ट्रों इन्टेस्टआइनल रोग (20.5%), जेनिटो–युरीनरी रोग (8.6%) डरमेटोसिस (12.3%) और श्वसन सम्बंधी रोग (16.9%) और मसक्यूलो–स्केलेटन रोग (12%) पाये गये । रोगियों में पाये जाने वाले अन्य रोगों में मेटाबॉलिक डिस्आर्डर्स, कॉर्डियों–वैस्कुलर डिस्आर्डर्स एनीमीया, और ई. एन.टी. की समस्याएं थीं। इस सम्बंध में रोगियों को रैफर करने की प्रभावी प्रणाली अपनाई गयी और रोगियों को निकट की स्वास्थ्य सुविधाओं/रैफरल इकाईयों (निजी और सरकारी) में रैफर किया जा रहा है। ताकि वहां उनकी सकेन्ड्री और टरटिएरी देखभाल हो सके। एच.आई.एच.टी. पर रोगियों के इलाज हेतु एक सहायता प्राप्त टर्टिएरी देखभाल इकाई स्थापित की गयी है। परियोजना का एक यह महत्वपूर्ण बिन्दु यह है कि इसका खर्च एच.आई.एच.टी. देहरादून द्वारा उठाया जा रहा है।

भारी वर्षा के कारण बस में रोगी के खून के नमूने परीक्षण हेतु लेते हुए

**राष्ट्रीय प्लाज्मा प्रभाजन (फ्रेक्शनेशन) केन्द्र मुम्बई द्वारा प्लाज्मा उत्पादों के विकास एवं व्यावसायीकरण का निदर्शन**

कार्यान्वयन एजेंसी : नेशनल प्लाज्मा फैक्शनेशन सेंटर, मुम्बई

स्थल : मुम्बई

इस परियोजना का उद्देश्य प्रभाजन की प्रक्रिया द्वारा कम मात्रा और उच्च मूल्य के विषाणु सुरक्षित प्लाज्मा उत्पादों जैसे एल्यूमिन, इम्यूनोग्लोबुलिन ओर फैक्टर IX काम्प्लेक्स का निर्माण करना है।

नंद प्रयाग में फिजीशियन द्वारा रोगियों की जांच

इस परियोजना की प्रगति की आवधिक रूप से समीक्षा की गयी और परियोजना समीक्षा एवं निगरानी समिति की सिफारिशों के कार्यान्वयन पर जोर दिया गया। सिविल कार्यों और कर्मचारियों की नियुक्ति का कार्य चल रहा है। परियोजना के कार्यान्वयन को पूर्ण करने हेतु परियोजना अवधि बढ़ा दी गयी थी।

**नेचुरल रेमेडीज प्रा.लि., बंगलौर द्वारा ज्ञानवर्धन गतिविधि हेतु बाकोपा मोनियरी सत का मानकीकरण और अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसायीकरण**

कार्यान्वयन एजेंसी : नैचुरल रेमेडीज, बंगलौर

परियोजना स्थल : बंगलौर

इस परियोजना का उद्देश्य स्मरण शक्ति बढ़ाने की गतिविधि हेतु उपयोगी मानकीकृत बाकोपा मोनियरी सत (ब्राह्मी सत) का विकास करना और पोषक पदार्थ के रूप में, युवा विद्यार्थियों में ज्ञान वर्धन हेतु सेनाइन डिमेंशिया के प्रबंधन में, इस सत की उपयोगिता को वैज्ञानिक तौर पर स्थापित करना है।

इस अवधि के दौरान की गतिविधियों में उपकरणों की खरीद, पादप सामग्री का मानकीकरण, जैव–गतिविधि निर्देशित फ्रैक्शन के लिए बायो–एसेज के प्रत्युत्तर की पहचान, सत निकालने की प्रक्रिया का इष्टतम प्रयोग, प्रयोगशाला में पशुओं पर सुरक्षित अध्ययनों की शुरूआत, क्लीनिकल परीक्षण की शुरूआत और उत्पाद प्रोत्साहक सामग्री और योजनाओं का विकास

बाकोपा मोनियरी की खेती

बाकोपा मोनियरी द्रव सत का प्रसंस्करण

शामिल है। परियोजना अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में ब्रांड की स्थापना हेतु बेहतर मूल्यवर्धन पर भी बल देती है।

## 4.4 मिशन रीच

टाइफैक द्वारा प्रौद्योगिकी परिदृश्य 2020 के आवरण (अम्ब्रैला) योजना के अन्तर्गत अन्तः स्थापित योजना के रूप में वर्ष 2000 में मिशन रीच (शैक्षिक संस्थानों में नई ऊंचाईयों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिकता और उत्कृष्टता ) की स्थापना की गयी, ताकि प्रासंगिकता और उत्कृष्टता (सी.ओ.आर.ई.एस.) के टाइफैक केन्द्र, देश के विभिन्न भागों में इस कार्यक्रम के अन्तर्गत अनेक क्षेत्रों में कार्य कर सके। मिशन का उद्देश्य पाठ्यक्रम सामग्री में सहायता देकर, विश्व स्तर के संगठनों को टाइफैक–कोरों के रूप में जोड़ने के लिए अवसर ओर निवेश के द्वारा उच्च शिक्षा प्रणाली में नियामक परिवर्तन लाना है।

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत, वर्तमान में 37 टाइफैक प्रासंगिता और उत्कृष्टता केन्द्र (कोर) देश के विभिन्न कॉलेजों, संस्थानों/विश्वविद्यालयों में अनेक विषयों पर कार्य कर रहे हैं। वर्ष के दौरान प्राप्त उपब्धियां निम्नलिखित हैं।

## पूर्ण परियोजनाएं

एक प्रौद्योगिकी वर्धित शिक्षा परियोजना सहित, निम्नलिखित पांच टाइफैक–कोर परियोजनाएं पूरी हो चुकी है। और ये कोर अब स्वयं कार्य कर रहे हैं :

1. डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़ में 'क्लास्टिक पेट्रोलियम रिजर्वायर इंजीनियरिंग
2. अमृता विश्व विद्यापीठम, अमुतपुरी (कोलम, केरल) में 'बॉयोमेडिकल टेक्नोलॉजी'
3. जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज, (जबलपुर, म.प्र.) में हाई वोल्टेज ओर पॉवर सिस्ट्म्स इंजीनियरिंग'
4. पी.एस.जी. कॉलेज ऑफ टेक्नोलोजी (कोयम्बटूर, तमिलनाडु) में 'प्रोडक्ट डिजाइन, ओप्टी माइजेशन एंड कोलाबारेटिव प्रोडक्ट कॉमर्स'
5. के.आर.ई.एस.आई.टी., आई.आई.टी., बम्बई (मुम्बई, महाराष्ट्र) में 'टेक्नोलोजी इनहेंस्ड लर्निंग प्रोजेक्ट' आन ई–आऊटरीच'

## चालू परियोजनाएं

चालू टाइफैक कोर परियोजनाओं की मुख्य उपलब्धियों का विवरण नीचे दिया जा रहा है :

### हिन्दुस्तान इंस्ट्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, चेन्नई में 'एयर क्राफ्ट रख–रखाव' में टाइफैक कोर

- देश में पहली बार 'एयर क्राफ्ट मैंटेनेंस एड एवियोनिक्स में एम.ई. की शुरूआत
- टाइफैक कोर ने 24–26 मार्च, 2009 के दौरान 'एयरोस्पेस अनुप्रयोगों हेतु कम्पोजिट्स' पर एक 3–दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की। इस संगोष्ठ में विदेशी विशेषज्ञों सहित 18 प्रसिद्ध विशेषज्ञों ने अपने वक्तव्य दिये और शोध पत्र प्रस्तुत किये। इससे संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों सहित 150 से अधिक प्रतिभागी लाभान्वित हुए।

- ब्लू डाट एविएशन लिमिटेड और भारतीय वायु सेना के साथ प्रशिक्षण कार्यों के लिए अनूठी बोइंग 737–200 एयरफ्रेम (फ्यूसलेज) और एम.आई.जी.–23 एयरक्राफ्ट सुविधा की स्थापना की गयी। हिन्दुस्तान एयरोनोटिक्स लिमिटेड (एच.ए.एल.) ने इस टाइफैक कोर को एच.ए.एल. इंजीनियर्स के प्रशिक्षण केन्द्र के रूप मं मान्यता दी

### टैक्सटाइल एवं इंजीनियरिंग इंस्ट्टीटयूट, इचलकरंजी में 'तकनीकी टैक्सटाइल्स' में टाइफैक कोर

- तकनीकी टेक्सटाइल्स में एम.टेक. की शुरूआत–देश में अपने किस्म का पहला मामला

### जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, वर्धा में 'इन्टरवेंशनल रेडियोलोजी में टाइफैक कोर'

- टाइफैक–कोर सुविधा के उपयोग द्वारा कोर ने कुल लगभग 2500 डायग्नोस्टिक और थिरेपीटिक इन्टरवेंशन प्रणालियों, 9500 अल्ट्रासोनोग्राफी प्रणालियों और 2300 कलर डोपलर इंटर नेशनल रेडियोलोजी प्रणालियें पर कार्य किया।

### नेशनल इंस्ट्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलोजी, हमीरपुर में 'पॉवर ट्रांसफार्मर डायग्नोस्टिक्स' में टाइफैक कोर

- 'कंडीशन मॉनीटरिंग, कंट्रोल एवं प्रोटेक्शन ऑफ पॉवर एपरेटस' पर पोस्ट ग्रेजुएट कार्यक्रम की शुरूआत–देश में अपने किस्म का पहला कार्यक्रम
- हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड (एच.पी.एस.ई.बी.), हिमाचल प्रदेश के सहयोग से अनुसंधान हेतु 7.5 एम.वी.ए. (132/33 के.वी.) की रेटिंग के साथ एक अनूठी ट्रांसफार्मर सुविधा की स्थापना

### एम.एस. विश्वविद्यालय, वडोदरा में 'न्यू ड्रग डिलीवरी सिस्टम्स' में टाइफैक कोर

- ड्रग डिलीवरी सिस्टम के क्षेत्र में भारत में पांच पेटेंट फाइल किये गये।
- इस वर्ष मे देश और अन्तर्राष्ट्रीय फार्मास्यूटीकल जर्नलों में 22 शोध पत्र प्रकाशित हुए। कुल 15 शोधपत्रों को विभिन्न राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किया गया।

### बी.आर. नाहटा कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मन्दसौर में 'ग्रीन फार्मेसी' में टाइफैक कोर

- ग्रीन फार्मेसी के क्षेत्र में तीन भारतीय पेटेंट फाइल किये गये।

### पी.एस.जी. कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयाम्बटूर में 'प्रोडक्ट डिजाइन' में टाइफैक कोर

- इस वर्ष के दौरान, 100 से अधिक उद्योगों ने डिजिटाइजिंग अथवा रैपिड प्रोटोटाइपिंग और रेपिड टूलिंग के लिए टाइफैक कोर की सुविधाओं का प्रयोग किया। इस वर्ष में उद्योगों के साथ हुए सभी 286 कार्य व्यवहारों को पंजीकृत कराया गया। मेसर्स रेवा इलेक्ट्रिक कम्पनी लिमिटेड हेतु रेवा हैडलाइड एसेम्बली पार्ट की रैपिड प्रोटोटाइपिंग का कार्य निष्पादित किया गया।

### जे.एस.एस. कॉलेज ऑफ फार्मेसी, ऊटकमंड में 'हर्बल औषधियों' में टाइफैक कोर

- टाइफैक कोर ने 'प्लांट न्यूट्रास्यूटीकल्स एंड बायो–एक्टिव मोलीक्यूल्स' : ए ग्रोन ओपोरेचुनिटी फॉर फार्मास्यूटीकल इंडस्ट्री इन इंडिया एंड आस्ट्रलिया पर एक भारत–आस्ट्रेलिया कार्यशाला का आयोजन किया। 2–6 जून, 2009 को आयोजित इस कार्यशाला में ऑस्ट्रेलिया के नौ प्रतिनिधि न्यूरो–डीजेनेरेटिव समस्याओं के लिए प्लांट न्यूट्रास्यूटीकल्स और बायो–एक्टिव यौगिकों के विकास पर कार्य करने के लिए सहमत हुए।

### मेपको श्लेंक इंजीनियरिंग कॉलेज, शिवकाशी में 'औद्योगिक सुरक्षा' के क्षेत्र में टाइफैक कोर

- जान–माल की हानि को कम करने की दृष्टि से, जिलाधीश, विरदुनगर के हस्तक्षेप का अनुसरण करते हुए, टाइफैक कोर ने पायरोटेक्नीक उद्योग के पर्यवेक्षकों के लिए 'पायरोटेक्नीक उद्योगों में आग से बचाव और सुरक्षा तंत्र' पर नवम्बर, 2009 में एक पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। अनुभव अवयव पर उल्लेखनीय कार्य के साथ, इस कार्यक्रम को पर्यवेक्षकों को संभावित खतरों और अपनी इकाईयों के समस्याग्रस्त क्षेत्रों को उजागर करने पर लक्षित किया गया था।

### वी.आर. सिद्धार्थ इंजीनियरिंग कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलोजी, विजयवाड़ा में टेलीमेटिक्स में टाइफैक–कोर

- नेशनल इंस्ट्रुमेंट्स के साथ भागीदारी में, सात करोड़ रूपयों से अधिक के उपकरणों के साथ एक स्तरीय टेलीमेटिक्स प्रयोगशाला स्थापित की गयी। इससे टेलीमेटिक्स उत्पादों की वास्तविक समस्याओं और उत्पादक जीवन चक्र के विभिन्न चरणों (डिजाइन, और प्रोटोटाइप की तैनाती) के अनुभव को समझने में मदद मिलेगी। प्रशिक्षण के बाद संकाय यओर विद्यार्थीगण टेलीमेटिक्स उत्पाद को डिजाइन और विकसित करने में सक्षम होंगे।

### सार्वजनिक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलोजी, सूरत में 'पर्यावरण इंजीनियरिंग' में टाइफैक कोर

- गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जी.पी.सी.वी.), गांधीनगर ने एक लेखा परीक्षा टीम के साथ, अनुसूची 1 और 2 में आने वाले उद्योगों की पर्यावरण लेखा परीक्षा करने हेतु टाइफैक–कोर को अनुसूची–1 पर्यावरण लेखा परीक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की। एक वर्ष में अधिकतम 15 पर्यावरणीय परीक्षण किये जा सकते हैं। टाइफैक–कोर को जी.पी.सी.बी. द्वारा गुजरात के अंकलेश्वर, पनोली और झागडिया के 500 औद्योगिक इकाईयों को तृतीय पक्ष मानीटरिंग कार्य के लिए भी चुना गया।

### कलासलिंगम विश्वविद्यालय, श्रीविल्लीपुट्टूर में नेटवर्क इंजीनियरिंग में टाइफैक–कोर

- इस अवधि के दौरान, टाइफैक–कोर के अन्तर्गत नेटवर्क प्रौद्योगिकियों नेटवर्क सुरक्षा, एम्बेंडेड नेटवर्किगं ओर सोफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पर चार समूहों ने मिलकर, 18 लघु अवधि/प्रमाणन पाठ्यक्रमों का आयोजन किया। 750 से अधिक प्रतिभागियों ने इस पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस वर्ष, टाइफैक कोर के एक भाग के रूप में आई.बी.एम. ने अपने उत्कृष्टता के सोफ्टवेयर केन्द्र की स्थापना की।

### टेक्नो इंडिया, कोलकाता में खाद्य प्रसंस्करण और गुणता नियंत्रण में टाइफैक–कोर

- टाइफैक–कोर नये मिश्रणों के साथ पारम्परिक मिठाई निर्माण में तीन प्रमुख फलों–आम,लीची ओर अनानास के

फ्लेक्र्स में अनूठे रसगुल्ले के साथ आया है। इन आर्गेनोलोप्टिकली परीक्षित उत्पादों से पारम्परिक रसगुल्ले की बाजार में उपयोगिता बढ़ने की आशा है जिससे उद्यमिता के लिए नये अवसर खुलेंगे।

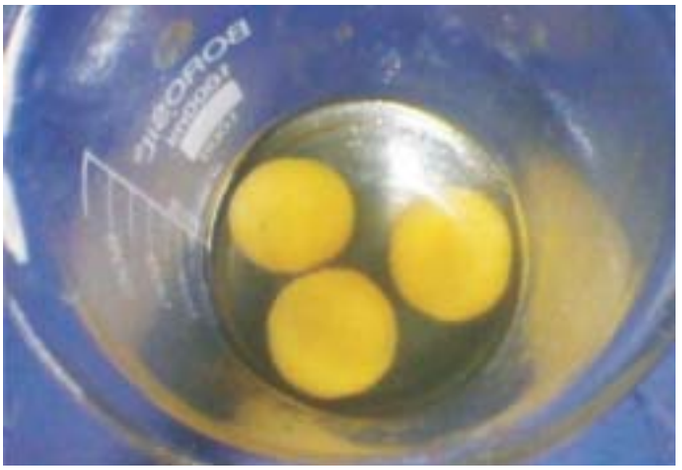

**जे.एन.टी.यू.–हैदराबाद में इनवायरनमेंटल ज्योमॉटिक्स में टाइफैक–कोर**

- टाइफैक–कोर ने डी.एस.टी. की सहायता प्राप्त एक परियोजना के अन्तर्गत आंध्र प्रदेश के प्रकासाम जिले के 56 मंडलों के भूमि उपयोग/भूमि कवर मानचित्र तैयार किये। ये मानचित्र उनके लिए बहुत उपयोगी होंगे जो बड़े स्तर पर जिला स्थानिक डाटा इन्फ्रास्ट्रक्यर्स के विकास (डी.एस.डी.आई.), भू–स्थानिक प्रौद्योगिकी आधारित अनुप्रयोगों के विकास और भूमि उपयोग/भूमि कवर मानचित्रण आदि से जुड़े हैं।

**मनिपाल विश्वविद्यालय, मनिपाल में फार्माकोजेनोमिक्स में टाइफैक–कोर**

- टाइफैक–कोर ने पहली भारतीय मानव जीवाणु कृत्रिम क्रोमोजोम (बी.ए.सी.) पुस्तकालय का निर्माण और वर्गीकरण किया। बी.ए.सी. जीनोम मेपिंग, प्रति संख्या अध्ययनों और क्रमवार परियोजनाओं की वैराइटी के लिए अभिलेखित (आर्काइव्ड) जीनोम डी.एन.ए. के प्राथमिक स्त्रोत के रूप में कार्य करती हैं। यह पुस्तकालय भारत ओर विश्वभर में वैज्ञानिक समुदाय हेतु मेडिकल, निदानात्मक, फार्माकोलोजिकल, फिजियोलोजिकल और इवोल्यूशनरी अध्ययनों के लिए जेनेटिक स्त्रोत के रूप में कार्य करेगा।

**टाइफैक–कोरों का अधिवेशन (टी.सी.एम.–2009)**

- टाइफैक और पी.एस.जी., के.सी.टी. और अमृता, कोयम्बटूर के टाइफैक कोरों द्वारा संयुक्त रूप से 23–24 दिसम्बर, 2009 को वार्षिक टाइफैक–कोरों के अधिवेशन का आयोजन किया गया। इस अधिवेशन का उद्घाटन डॉ. आर. चिदम्बरम, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, भारत सरकार और अध्यक्ष–टाइफैक ने किया। इसमें 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी और समानान्तर तकनीकी सत्रों के माध्यम से टाइफैक कोरों ने अपनी उपलब्धियों और गतिविधियों को प्रस्तुत किया। शैक्षिक, उद्योग और सरकार के प्रतिनिधि वक्ताओं ने उद्योगों–शैक्षिक सम्बंधों और टाइफैक कोरों के अवसरों पर अपने विचार व्यक्त किये।

1. अन्नामलाई विश्वविद्यालय (अन्नामलाई नगर, तमिलनाडु) में फार्मास्यूटीकल उद्योग हेतु गुणता आश्वासन और अन्तर्राष्ट्रीय नियामक मामले'

2. अमल ज्योति कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (कांजीरपल्ली, केरल) में 'फार्म ऑटोमेशन और एग्रो प्रोसेसिंग'

3. अजय कुमार गर्ग कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (गाजियाबाद, उ.प्र.) में औद्योगिक ऑटोमेशन एवं रोबोटिक्स

4. बी.वी.बी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलोजी (हुबली, कर्नाटक) में वी.एल.एस.आई. परीक्षण

5. नेशनल इंस्ट्टीटयूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलोजी (बरहमपुर, उड़ीसा) में 3जी./4 जी. संचार प्रौद्योगिकियां

6. अरूणाई इंजीनियरिंग कॉलेज (थिरूवन्नामलाई, तमिलनाडु) में विद्युतीय परिवहन तंत्र

### 4.5 सहयोगात्मक ऑटोमेटिव अनुसंधान एवं विकास (सी.ए.आर.)

ऑटोमेटिव अनुसंधान एवं विकास (कोर समूह) पर कोर समूह की स्थापना, एक शैक्षिक–उद्योग सम्पर्क मंच के रूप में अप्रैल, 2003 में की गयी थी। इसका उद्देश्य सड़क परिवहन क्षेत्र में भारत की प्रौद्योगिकी प्राथमिकताओं को परिभाषित करना था । वर्ष 2008 में इसे सहयोगात्मक ऑटोमोटिव आर.एवं डी. (सी. ए.आर) के रूप में पुनःसंरचित किया गया। इस अन्तर–मंत्रालयीन कार्य का टाइफैक द्वारा समन्वयन किया जाता है तथा भारी उद्योग विभाग (डी.एच.आई.), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एस.टी.) तथा प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय (पी.एस.ए.ओ.) द्वारा नामित सदस्यता के साथ सी.ए.आर. कार्यक्रम समिति द्वारा इसका पर्यवेक्षण किया जा रहा है।

ऑटोमोटिव क्षेत्र में प्रौद्योगिकियां अन्तर–अनुशासनिक (इन्टर–डिस्पलिनरी) प्रकृति की हैं। चूंकि भारत में ऑटोमेटिव क्षेत्र का प्रारम्भ हाल ही में हुआ है, अतः इसे वैश्विक चुनैतियों, कड़े निस्सरण (एमिशन) मानकों और ग्राहकों की मांगों से निपटने के लिए सहयोगी अनुसंधान प्रयासों की आवश्यकता होगी। लधु उत्पाद जीवन चक्र एवं नई जटिल प्रौद्योगिकियों ने अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की कीमतों में वृद्धि की है और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाली फर्मों के मध्य कुछ सहयोग प्लेटफार्म प्रौद्योगिकियों को विकसित करना, एक मानक बन चुका है।

सी.ए.आर. परियोजनाओं को सहयोगी पर संचालित किया जा रहा है ताकि शैक्षिक संस्थानों और अनुसंधान एवं विकास संस्थानों, वाहन निर्माताओं एवं वाहन पुर्जों के निर्माताओं को एक साथ लाया जा सके। सी.ए.आर. सोसाइटी ऑफ इंडियन आटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एस.आई.ए.एम.) और ऑटोमोटिव कम्पोनेंट्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (ए.सी.एम.ए.) के साथ भी गहनता से जुड़कर कार्य कर रहा है । अब तक 17 राष्ट्रीय प्रयोगशालाएं/शैक्षिक संस्थान, पांच प्रमुख वाहन निर्माता और 19 पुर्जे/सबसिस्टम निर्माता और तीन विदेशी आर.एवं डी. संस्थान सी.ए.आर. सहयोग परियोजनाओं के अंग बन चुके हैं।

इस वर्ष के दौरान आई.सी.. इंजन और ड्राइव ट्रेन पर पुनर्गठित पैनल ने जून, 2009 की अपनी पहली बैठक में प्राथमिक रूप से कार्यान्वयन क लिए निम्नलिखित प्राथमिकताओं की पहचान की :

1. डायरेक्ट इन्जेक्शन सी.एन.जी. इंजन

2. होमोजीनस चार्ज कम्प्रेशन इग्निशन इंजन

3. कैमलेस इंजन

4. आई.सी. इंजनों में एन.ओ.एक्स नियंत्रण

तदानुसार, इनमें से प्रत्येक विषय पर परियोजना विकास बैठक आयोजित की गयी। डायरेक्ट इन्जेक्शन इंजन के मामले मे प्राथमिक प्रस्ताव विकसित किये गये। कैमलेस इंजन के विकास के लिए, कुछ अकादमिक और औद्योगिक भागीदारों के साथ परियोजना सुपुर्दगी योग्य सामान की रूप–रेखा बनाना और कार्यान्वयन की नीति की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। एन. ओ.एक्स. नियंत्रण की परियोजना विकास बैठक के आधार पर एक उप समूह द्वारा एक अध्ययन संचालित किया जा रहा है। इस उप समूह में शैक्षिक और उद्योगों दोनों के विशेषज्ञ सम्मिलित है।

## इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों की शुरूआत के लिए प्रौद्योगिकी रोडमैप

राष्ट्रीय निर्माण प्रतिद्वन्दिता परिषद (एन.एम.सी.सी.) ने निर्णय लिया है कीई.वी.–एच.ई.वी. पर प्रौद्योगिकी हेतु प्रौद्योगिकी इनपुट्स ई.वी–एच.ई.वी. पर सी.ए.आर. पैनल द्वारा उपलब्ध कराये जायें। तदानुसार, पैनल ने उप समिति गठित की जो इलेक्टिक और हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए एक प्रौद्योगिकी रोडमैप तैयार करेगी। इस रोडमैप की संकेतक रूपरेखा में विभिन्न श्रेणी के वाहनों की विशिष्ट जरूरते, भारत हेतु उपयुक्त प्रौद्योगिकी विकल्प, कार्य करने के लिए विशिष्ट प्रौद्योगिकी क्षेत्र की पहचान सम्मिलित होंगे।

## पूर्ण परियोजनाएं

### जी.पी.एस./जी.पी.आर.एस. के उपयोग द्वारा वाहन ट्रेकिंग और नियंत्रण

संघ सदस्य : इंटरनेशनल इंस्ट्टीयूट ऑफ इनफोर्मेशन टेक्नोलोजी, बंगलौर, अशोक लीलैंड लिमिटेड, सीमैन इन्फोर्मेशन सिस्टम्स लिमिटेड, बी.एस.एन.एल. लिमिटेड, लैटिस ब्रिज इन्फोटेक लिमिटेड, पल्लवन ट्रांसपोर्ट कन्सल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड अन्य भागीदार : मेट्रोपोलियन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन लिमिटेड, चेन्नई, स्टेट एक्सेप्रेस ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन लिमिटेड, चेन्नई, ओम इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटैड, बंगलौर, न्यूटेक लिमिटेड, हैदराबाद, एस.आई.आर.एफ., बंगलौर, मैनुनिटी सर्विसेज, बंगलौर

इस परियोजना का उद्देश्य पब्लिक बस बेड़े के लिए जी.पी. एस/(4 जी.एस.एम. आधारित इष्टतम प्रबंधन हेतु एक खुला मानक मॉडल विकसित करना था, ताकि ईंधन क्षमता , यात्रियों और चालकों हेतु सुविधाओं में सुधार लाया जा सके। जी.पी. एस/जी.एस.एम. प्रणाली बस चालाकों को बस अड्डे पर नियत पार्किंग स्थलों पर पहुंचने में मदद करता है। यात्री अगली बस क आने का समय, उसके छूटने का समय और मार्ग जान सकते हैं। यह यात्रियों को उनकी यात्रा की योजना बनाने में सहायता करता है। यात्रियों को वाहनों की आवा–जाही

की सूचना देने के लिए डिस्प्ले सिस्टम बस अड्डे क केन्द्र में, प्लेट फार्म के प्रवेश द्वार र और टिकट खिड़की पर लगाये गये हैं। डिस्प्ले का एक औरसेट प्रत्येक सिटी बस स्टॉप र लगेगा। ताकि विभिन्न सिलों पर अगली नगर बस हेतु प्रतीक्षा समय के विषय में यात्रियों को जानकारी दी जा सके।

परियोजना सितम्बर, 2009 में सफलतापूर्वक पूरी हुई। इस प्रणाली को पल्लवना ट्रसपोर्ट कारपोरेशन (पी.टी.सी.) को अन्तरित किया गया है। पी.टी.सी. ने इस प्रणाली को चेन्नई से 700 से अधिक बसों को कवर करते हुए कार्यान्वित किया है और वह चेन्नई के पूरे बस बेड़े को कवरकरने की येाजना बना रहा है। पी.टी.सी. की मदद के लिए तमिलनाडु परिवहन विभाग ने संध सदस्यों की सेवाओं को बनाये रखा है। भारी उद्योग विभाग ने सी.आर. के माध्यम से, इस प्रणाली का बी.ई. एस.टी. मुम्बई में भी लागू करने पर रूचि वयक्त की है।

### ऑटोमोबाइल इंजनों के गुणता नियंत्रण हेतु सूचनाप्रद (इन्टेलीजेंट) ध्वनि निदान

भागीदार : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद, क्रिटिकल नोलेज ऑनलाइन, टी.वी.एस. मोटर कम्पनी

इस परियोजना का उद्देश्य न्यूरल नेटवर्क्स पर आधारित सूचनाप्रद प्रणालियों के प्रयोग द्वारा व्यापक समाधान

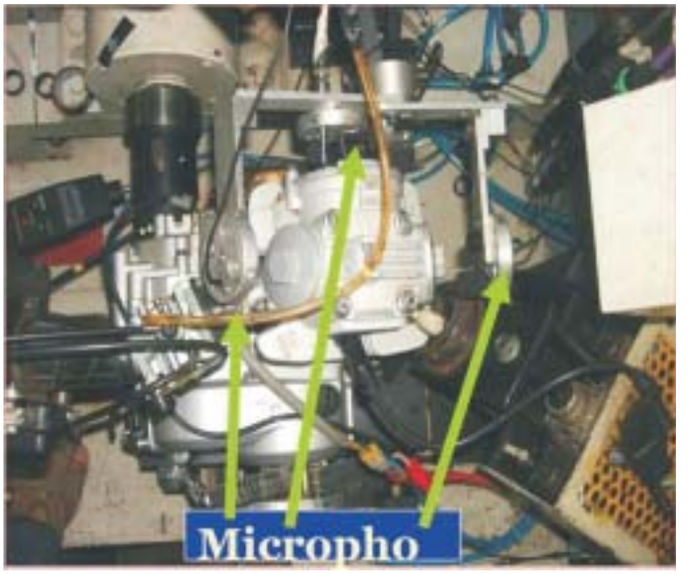


उपलब्ध कराना, नोवल क्लस्टरिंग अल्गोरिद्म, दोनों फ्यूजी और न्यूरल और गुणता आश्वासन के लिए ऑडियो सिगनल्स और वाइब्रेशन विधि के प्रयोग रोबस्ट पूर्वानुमान योजना के निर्माण अन्य मशीन लर्निंग अप्रोचेज का निम्नलिखित अनुप्रयोगों के लिए करना था :

क) विभिन्न गतियों पर इंजन के दौरान ऑडियों और एकत्रित वाइब्रेशन डाटा के आधार पर अच्छे और बुरे इंजनों को वर्गीकृत करना

ख) इंजन के संभावित दोष का अनुमान

इसके लाभों में इंजन की सुधारीकृत गुणवत्ता, दोषों की शीघ्र पहचान, अस्वीकृत इंजनों में कमी, परीक्षण चक्र समय और लागत में कमी और उत्पादकता में सुधार हैं।

इस प्रणाली का टी.वी.एस. मोटर्स में सफलतापूर्वक निदर्शन किया गया। यह प्रणाली सभी चारो शोर टेपेट शोर, सिलेंडर हैड शोर, प्राइमरी गीयर की टूट–फूट का शोर ओर कैम चैन शोर की पहचान करने में सक्षम हैं, जो किसी भी इंजन के दोष का संकेत देते हैं। आई.आई.टी. कानपुर द्वारा विकसित टेस रिंग को सभी फिक्सचरों के साथ, परीक्षण और ट्रायल हेतु टी.

वी.एस. मोटर्स में लगाया गया। इस परियोजना के शुरू होने के बाद टी.वी.एस. ने अब तक 1000 से भी अधिक इंजनों का परीक्षण किया है। इस प्रणाली का असेम्बली लाइन पर लगया गया था, और यह सफलतापूर्वक काम कर रहा है। टी.वी.एस. मोटर्स ने इसे अपने द्वारा कार्यान्वित बेहतरीन परियोजनाओं में एक माना है।

**उन्नत वायरलेस प्रौद्योगिकियों के प्रयोग द्वारा सूचनाप्रद और पारस्परिक प्रभाव वाली (इन्टरेक्टिव) टेलीमेटिक्स**

भागीदार : अमृता विश्व विद्यापीठ, अमृतापुरी, केरल

इस परियोजना के उद्देश्य वाई–फाई आधारित वायरलेस एसेस पाइन्ट्स के प्रयोग द्वारा वाहन ट्रेकिंग सिस्टम का विकास था। इस सिस्टम में खुले मानकों, शिल्प के साथ एक केन्द्रीय सर्वर, सन्देश इकाई, स्प्ले सिस्टम, ऑन बोर्ड वाहन इकाई सहित पुर्जों का प्रयोग किया गया।

परियोजना सफलता पूर्वक पूरी हुई। विकसित सभी पांचों पुर्जो को विकास और परीक्षण चक्र हेतु भेजा गया। सिस्टम का अमृता विश्वविद्यालय के 2–3 वाहनो में लगाया गया और सन्तोषजनक कार्य हेतु निदर्शित किया गया।

अमृता विश्व विद्यापीठ ने जी.पी.एल. डुएल– लाइसेंस के अन्तर्गत जनहित मे लिए सौफ्टवेयर कोडो ओर सम्बंधित सूचना को प्रकाशित किया। अमृता की प्रयोगशाला टीम भविष्य में इस सोफ्टवेयर को जारी करने का ध्यान रखेगी और अमृता विश्वविद्यालय के विद्यार्थी समुदाय के साथ शुरू करके मुक्त स्त्रोत से उत्साही व्यक्तियों का एक समुदाय विकसित करेगी।

**सांझी (शेयर्ड) परिवहन सेवाएं : एक अध्ययन : कार्बन फूटप्रिंट कम करने का एक प्रयास**

इस परियोजना का उद्देश्य ग्रामीण ओर शहरी दोनों क्षेत्रों में सामान्य जनता को उच्च गुणवता की प्रौद्योगिकी युक्त सभी परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराना है। शहरी क्षेत्रों में यह कॉल ऑटो सेवा और सभी (शेयर्ड) वैन सेवा उलब्ध करायेगी जबकि ग्रामीण क्षेत्रो में यह सामान और लोगों को ले जाने के लिए परिवहन सेवा उपलब्ध करायेगी।

परियोजना का बीज चरण पूरा हो चुका है। इसका उद्देश्य एक व्यापक परियोजना रिपोर्ट तैयार करना था जिसमें पूर्व डिजाइन की अवस्था के कार्य जैसे प्रणाली की स्पेसीफिकेशन आवश्यकताएं, कार्यान्वयन योजना और उपकरणों का लागत विश्लेषण शामिल हों। जी.पी.आर.एस./जी.पी.एस. आधारित प्रणाली टैक्सी–कारों, मिनी बस, तिपहिया वाहनों आदि छोटे वाहनो में मांग पर आरक्षण की सुविधा उपलब्ध कराती है।

## चालू परियोजनाएं

**आई.सी. इंजनों में सीधे वनस्पति तेलों का प्रयोग**

भागीदार : इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलोजी, मानेसर, इंडियन इंस्ट्टीटयूट ऑफ साइंस, बंगलौर, इडियन इंस्ट्टीटयूट ऑफ टेक्नोलोजी, मद्रास

आई.सी. इंजनों में सीधे वनस्पति तेलों के प्रयोग से, एक उच्च दाब चैम्बर सुविधा का डिजाइन और गढ़न किया गया और उसे आई.आई.एस.सी. बंगलौर में लगाया गया ताकि सीधे वनस्पति तेलों के स्प्रे गुणधर्मों का अध्ययन किया जा सके। एफरविसेंट ऑटोमाइजेशन पर प्राथमिक प्रयोग किये गये जो बेहद चिपचिपे ईंधन के प्रभावी आटोमाइजेशन की प्राप्ति क उद्देश्य के साथ विकसित किया जा रहा है। आई.आई.टी. ,मद्रास में एक बूंद पर प्रयोग किये गये और बहु–अवयवी बूंद वाष्पन मॉडल विकसित किया गया, और इसे प्रायोगिक डाटा

के साथ अधिप्रमाणित किया गया। परियोजना का उद्देश्य एस. वी.ओ. गुणधर्मों के डाटा बेस का विकास है ओर इसके लिए बाजार से 12 विभिन्न एस.वी.ओ. नमूने लिये गये और आई.सी. ए.टी., मानेसर द्वारा इनके गुणधर्मों का परीक्षण किया गया। एस.वी.ओ. अवयवों और उनके गुणधर्मों के बीच सम्बंध स्थापित करने का कार्य आई.आई.टी. मद्रास ने किया।

### इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों हेतु अल्ट्रा कैपेसिटर

भागीदार : इंडियन इंस्ट्टीयूयट ऑफ साइंस, बंगलौर, इडियन इंस्ट्टीटयूट ऑफ टेक्नोलोजी, खड़गपुर नेशनल केमिकल लेबोरेट्री पुणे, एन.ई.जी. एनर्जी लिमिटेड, हैदराबाद, कैपट्रोनिक्स लिमिटेड, बंगलौर

व्यावसायिक रूप से उपलब्ध अल्ट्रा हाइब्रिड कैपेसटिर्स की बंच मार्किंग की जा चुकी है। 6.0 वी./40 एफ, 2.3 वी./100 एफ और 12वी/100 एफ की दरों के हाइब्रिड कैपेसटिर्स के तीन प्रोटोटाइप स्टेक्स बनाये गये और उन्हें अवलोकन समिति के समक्ष निदर्शित किया गया। भागीदारों ने भी अल्ट्रा कैपेसिटर्स इलेक्ट्रोड्स हेतु सामग्री के निर्माण में उल्लेखनीय प्रगति की। आई.आई.टी. खड़गपुर ने उच्च सतह क्षेत्र के साथ मेसोपोरस कार्बन सामग्री विकसित की। एन.0सी.एल. पुणे ने नेफियोन/एस. एम.डब्लू सी.एन.टी. कम्पोजिट मेम्ब्रेन पर आधारित 'पूर्ण सालिड स्टेट' अल्ट्राकैपिसिटर का गढ़न किया।

### आटोमोबाइल पुर्जों हेतु अर्धठोस निर्माण में प्रक्रिया विकास और ए.आई. पुर्जों की स्क्वीज कास्टिंग

अग्रणी एजेंसी : आई.आई.एस.सी., बंगलौर, औद्योगिक भागीदारः सुन्दरम क्लेटोन्स, टी.वी.एस. मोटर के., महिन्द्रा एंड महिन्द्रा, टाटा मोटर्स

इसका उद्देश्य भारतीय ऑटोमोबाइल्स उद्योगों हेतु उन्नत एल्युमीनियम मिश्रधातु प्रौद्योगिकियों को आगे लाना है ताकि वे श्रेष्ठ यांत्रिक गुणधर्मों, उच्चतर सम्पूर्णता और नीयर नेट शेप मैन्यु फैक्यरिंग की संभावना के साथ हल्के वजनक पुर्जो के उत्पादन में सक्षम हो सके। अन्ततः ये प्रौद्योगिकियां ऑटोमोबाइल्स मे एल्युमीनियम के प्रयोग की प्रतिशतता का बढ़ायेगी।

इसके विशिष्ट उद्देश्यों में, स्क्वीज कास्टिंग (एस.सी.) प्रौद्योगिकी में सक्षमता विकास और एल्युमीनियम मिश्रधातु की अर्धठोस निर्माण (एस.एस.एफ.) के लिए प्रक्रिया विकास जैसे विलेट मार्किंग का वर्गीकरण औरपुर्जा निर्माण शामिल है। हस्तान्तरण योग्य (डिलीवरेबल) में, एस.एस.एफ. अनुप्रयोगों हेतु मानकीकृत बंच स्केल बिलेट निर्माण प्रक्रिया और स्क्वीज कास्टिंग और अध–ठोस निर्माण प्रक्रियाओं द्वारा पुर्जों के उत्पादन हेतु डाई प्रौद्योगिकी की जानकारी शामिल है। इस सम्बंध में प्रगति का विवरण निम्नलिखित है :

**स्क्वीज कास्टिंग** : स्क्वीज कास्टिंग प्रक्रिया के प्रयोग द्वारा ऑटोमोटिव 'कनेक्टिंग रॉड' के पहले प्रोटोटाइप का सफलतापूर्वक विकास किया गया। स्क्वीज पोस्ट कनेकक्टंग रॉड के लघु संरचना ने न तो सिकुड़न संरघ्रता (पोरोसिटी) और न ही सूक्ष्म संरध्रता प्रदर्शित की। टी.–6 ऊष्मा व्यवहार स्थिति में प्राप्त यांत्रिक गुधधर्म 8 और कठोरता शीतल कास्टिंग्स ओर अन्य पारम्परिक कास्टिंग विधियों से प्राप्त सामग्री की तुलना में बेहतर पाये गये।

**अर्धठोस निर्माण** : आई.आई.एस.सी. ने विद्युत चुम्बीकीय विलोड़न (स्टिरिंग) प्रतिक्रिया क उपयोग से देशी रूप से 'अर्धन्ठोस बिलेटिंग' को सफलता पूर्वक विकसित किया है। अर्ध–ठोस एल्यूमीनियम मिश्रिधातु (ए. 356.2) स्लरी के रिहोलोजिकल व्यवहार को एक स्थिर शीयर दर के अन्तिर्गत विभिन्न कूलिंग दरों ओर शीयरिंग पर कन्सट्रिक सिलेन्डर विस्कोमीटर के प्रयोग द्वारा परीक्षित किया गया। दोनों डी.सी. कास्ट विलेट्स ओर स्टेटिंग मोल्ड बिलेट्स (75 मिमी. व्यास

और 180 मिमी लम्बाई) का निर्माण किया गया। मेसर्स बहलर और बिलेट द्वारा सप्लाई की गयी डाई के प्रयोग द्वारा 'व्हील हब' का सफलतापूर्वक विकास किया गया। लघु संरचनाएं नॉन डेन्ट्रिटिक और सरंन्ध्रता (पोरोसिटी) से मुक्त पाई गयी।

### ऑटोमोबाइल्स उद्योग हेतु कम कीमत के रोबोट्स

अग्रणी एजेंसिया : आई.आई.टी., मद्रास, प्रौद्योगिकी
भागीदार : सिस्टमेटिक्स प्रा.लि., मैकहार्क प्रा.लि., आई.आई.टी. बम्बई औद्योगिक भागीदार : टी.वी.एस. मोटर कं. महिन्द्रा एंड महिन्द्रा, सोना कोयो, टी.वी.एस. लुकास, माइको लि.

इस परियोजना का उद्देश्य निम्नलिखित तीन प्रकार के रोबोटिक आर्मस का डिजाइन ओर विकास है ताकि विश्वसनीयता गति परिशुद्धता और ऑटोमोटिक कम्पनियों द्वारा निर्देशित पे लोडिंग क्षमता को प्राप्त (और आई.एस.ओ. मानकों क अनुसार परीक्षण) किया जा सके और कारखाने के वातावरण में 10 विशिष्ट शॉप फ्लोर अनुप्रयोग में इसके कार्य निष्पादन को अधि प्रमाणित किया जा सके।

- कम कीमत के 4 डिग्री फ्रीडम एस.सी.ए.आर.ए. (एल.सी. एस.)
- फ्रीडम एस.सी.ए.आर.ए. (डी.डी.एस.) के डायरेक्ट ड्राइव 4 डिग्री
- फ्रीडम आर्म (ए.–6ए.) की उच्चरित (आर्टिकुलेटेड) 6 डिग्रीज

रोबोटिक आर्मस् के दो प्रोटोटइपों : डायरेक्ट ड्राइव स्कारा (डी. डी.एस.) और कम कीमत के स्कारा (एल.सी.एस.) को देश मे ही डिजाइन और विकसित किया जा चुका है। इसमें साइक्लोलोड्राइव का डिजाइन और विकास इस परियोजना के मुख्य उद्देश्यों में से एक ह। आशा है कि सिम्बर, 2010 के अन्त तक दोनों डी.डी.एस. और एल.सी.एस. रोबोटिक्स पूर्ण निदर्शन के लिए तैयार हो जायेगें। 6 एक्टिसस अर्टीकुलेटेड रोबोटिक आर्म्स (ए.6 ए.) क डिजाइन और गढ़न पर कार्य चल रहा है।

### विद्युत–चुम्बकीय निर्माण (ई.एम.एफ.)

अग्रणी एजेंसी : बी.ए.आर.सी., मुम्बई, ए.एम.पी.आर.आई., भोपाल, अन्य भागीदार : आई.आई.टी. बम्बई, आई.आई.टी. दिल्ली, फ्लूर–डी–लिस टेक्नोलोजीस प्रा. लिमिटेड, व्हील्स इंडिया,

आई.एफ.बी. इन्डस्ट्रीज प्रा. लि.विद्युत चुम्बकीय निर्माण (ई.एम.एफ.) पार्ट्स के एक बड़े रेंज की शेपिंग और जोइनिंग की एक त्वरित, सरल और किफायती विधि है। इलेक्ट्रोमेग्नेटिक फार्मिंग अलेक्ट्रिकली–कन्डक्टिव धातु कार्य टुकड़ों की अपेक्षित आकार देने के लिए मेग्नेटिक क्षेत्र द्वारा बनाये गये बल पर निर्भर करती है। ई.एम.एफ. प्रक्रिया द्वारा वेल्डिंग में निर्माण प्रक्रिया की तुलना में कही अधिक ऊर्जा स्तरों की जरूरत पड़ती है। ई.एम. प्रक्रिया के लाभों में, अ–सम्पर्क विधि (नॉन–कॉन्टेक्ट मेथड) (टूल चिह्न

नहीं), अच्छी परिशुद्धता की प्राप्ति शामिल है। साथा ही इसके लाभों में लुबीकेशन/सफाई की आवश्यकता नहीं, कम स्प्रिंग बैक प्रभाव (क्लोज टोलेरेंस संभव है), कम सिकुड़न (सरफेस फिनिश का रिटेंशन) आदि भी शामिल हैं। ऑटामोटिव क्षेत्र में फार्मिंग और वेल्डिंग दोनों में ई.एम. प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग की विशाल संभावना है। इसके प्रथम चरण में बी.ए.आर.सी. के पास उपलब्ध प्रौद्योगिकी की जानकारी के साथ 40 के.जे. ई.एम.एम. उपकरण का डिजाइन और विकास तथा ई.एम.एम. संभाव्यता अध्ययन आयोजित करना शामिल है। दूसरे चरण में, एक परियोनाज होगी जिसमें व्यापक प्रयोगों के द्वारा विकसित और सिद्ध 40 के.जे. ई.एम. एम. व्यवसायिक आकार के उपकरण को निर्मित किया जायेगा। बी.ए.आर.सी. के पास उपलब्ध वर्तमान प्रौद्योगिकी की जानकारी का प्रयोग करके 40 के.जे. ई.एम.एफ. उपकरण का विकास करने हेतु प्रयास जारी हैं।

Magtorq Cyclo

**प्रारम्भ परियोजनाएं**

**लचीले 3 डी. कम कीमत के ऑटोमेटेड विजुअल इन्सपेक्शन स्टेशन**

भारतीय भागीदार : सी.एम.टी.आई., बंगलौर, पी.एस.जी. कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयम्बटूर, सोलिटन टेक्नोलोजीस, बंगलौर, पी.ए.आर.आई., पुणे, सोना–ई–डिजाइन, गुड़गांव, टी.वी.एस. मोटर्स, होसूर

जर्मन : आई.एफ.एफ.,मेग्डेबर्ग, आई.जेड.एफ.पी.आई.आई.टी. बी., कार्लसरूहे, आई.डब्लू.यू., शेमिनज, ई.एस.के.आई.ओ.एफ.)

परियोजना का उद्देश्य रीकानफिगुरेबल ऑटोमेटेड 3 डी. इन्सपेक्शन सिस्टम्स के प्रभावी विकास हेतु मुक्त स्त्रोत फ्रेम वर्क और आवश्यक मानकों का विकास है। परियोजना में सीमित रूप से इन्टरफेसेज ओर इन्सपेकशन स्पेसीफिकेशन दोनों के लिए विकास और मानकों का निर्धारण भी शामिल है।

प्रस्तावित सिस्टम को निरीक्षण अनुप्रयोगों की तीन श्रेणियों यथा : मापन, विशिष्टताओं की पहचान और सतह निरीक्षण पर लक्षित किया गया है। काल्पनिक सिस्टम अनेक कान फिगुरेबल सेंसर्स का मिश्रण होगा जिसमें कैमरे, ऑप्टिकल तत्व, लाइटिंग ओर लेजर्स शामिल होंगे ताकि इस स्टेशन पर निरीक्षणों की व्यापक किस्मों पर काम किया जा सके। निरीक्षण, परीक्षण सोफ्टवेयर आदि के विभिन्न क्षेत्रों में फ्रोन होफर की विशेषज्ञता उपलब्ध रहेगी। भारतीय और जर्मन भागीदारों के आपसी सहयोग द्वारा एक व्यापक परियोजना रिपोर्ट (डी.पी.आर.) के विकास हेतु एक बीज चरण परियोजना मंजूर हो चुकी है। इस डी.पी.आर. में उच्च स्तर (मोडुलर) सिस्टम वास्तुकला, उद्योग की आवश्यकताओं पर आधारित प्रयुक्त केसेज का चयन, उपयाग में आने वाले/विकसित किये जाने वाली तकनीकों/उप पुर्जों का चयन, निरीक्षण विशिष्टता मानक की रूपरेखा का विकास और सोफ्टवेयर फ्रेमवर्क और मोडयूल्स की सूची का डिजाइन सम्मिलित होंगे।

## 4.6 अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में लक्षित कार्यक्रम

### 4.6.1 जैव प्रक्रिया एवं जैव उत्पाद कार्यक्रम

जनवरी, 2007 में जैव प्रक्रिया एवं जैव उत्पाद कार्यक्रम शुरू हुआ जिसका उद्देश्य सक्रिय फार्मास्यूटीकल अवयवों, न्यूट्रास्यूटिकल्स, फाइटो केमिकल्स, मूल्यवर्धित जैव उत्पादों, जैव–ऊर्जा और जैव–ईंधनों के विकास के लिए बायो ट्रांसफोर्मेशन और एन्जाइमेटिक प्रक्रियाओं हेतु जटिल प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं को पूरा करना है।

## कार्यक्रम की उपलब्धियां

अपने प्रारम्भ से, ऊपरलिखित क्षेत्रों में इस कार्यक्रम के अन्तर्गत उद्योग/शैक्षिक संस्थानों/आर. एवं डी. प्रयोगशालाओं के साथ भागीदारी में नई प्रौद्योगिकियों के विकास और निदर्शन के लिए आठ परियोजनाएं शुरू की गयीं। इस वर्ष के दौरान एक परियोजना सफलतापूर्वक पूरी हुई, एक परियोजना पूरी होने को है और तीन चालू परियोजनाओं की समींक्षा की गयी। तीन नयी अकादमिक/उद्योग सहयोगात्मक परियोजनाओं को इस अवधि में शुरूआत की गयी जिनमें दो में कार्य प्रारम्भ हो गया है। इस अवधि में, इस कार्यक्रम के अन्तर्गत विशिष्टीकृत टाइफैक अध्ययनों की शुरूआत हुई। इस क्षेत्र में बहुआयामी प्रौद्योगिकीय चुनौतियों पर जानकारी को बांटने और प्रौद्योगिकी विकास और व्यावसायिक अवसरों के सम्बंध में संभावनाओं के बारे में उद्योगों/शैक्षिक संगठनों की ओर से परिचित कराने के लिए संगोष्ठियों और विचारोत्तेजक बैठकों का आयोजन किया गया। टाइफैक के वैज्ञानिकों ने अपने पेपर्स/लेख राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुत किये और अग्रणी वैज्ञानिक और तकनीकी जर्नल्स में प्रकाशित हुए।

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत, परियोजनाओं की प्रगति एवं उपलब्धियों का विवरण नीचे दिया जा रहा है :

## पूर्ण परियोजनाएं

### स्टीरियो–स्पेसीफिक सक्रिय फार्मास्यूटीकल संघटकों की प्राप्ति के लिए रेसीमिक अणुओं का जैव–रूपान्तरण

भागीदार : मेसर्स हाई टेक बॉयो साइंसेज इंडिया लि., पुणे

यह परियोजना नवम्बर, 2007 में शुरू हुई। इसका उद्देश्य बायोसिंथेटिक पथ द्वारा पायलट संयंत्र स्तर पर कम मात्रा, अधिक मूल्य के तीन सक्रिय फार्मा संघटको 11–हाईड्रोक्सी कैनरेनोन, एप्लेरनोन एवं एस–इन्डोलेन 2 कार्बोक्साइलिक अम्ल का विकास है। तीनों अणुओं के प्रक्रिया मानकों के इष्टतम उपयोग की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है और उत्पाद का स्थिरीकरण हो चुका है। परियोजना की प्रशाखा (ऑफशूट) के रूप में कम्पनी पुणे के निकट सुपा में एप्लेरनोन के लिए 50 किलो किग्रा/बैच पायलट संयंत्र हेतु सिविल कार्य कार्यान्वयन कर रहा है। अपने सभी लक्षित उद्देश्यों को प्राप्त करने के बाद परियोजना सितम्बर, 2009 में सफलतापूर्वक पूरी हुई।

## चालू परियोजनाएं

### स्टीविया पत्तियों से स्टेवियोसाइड के उत्पादन हेतु एंजाइमेटिक प्रक्रिया का विकास और इश्टतमीकरण (ऑप्टीमाइजेशन)

भागीदार : मेसर्स स्टेनपैक फार्मा प्रा.लि., बड्डी, हिमाचल प्रदेश

यह परियोजना सितम्बर, 2008 में शुरू हुई। परियोजना का उद्देश्य स्टीविया रेबोडियाना की पत्तियों से स्टवियोसाइड उत्पादन हेतु एक प्रभावी एंजाइमेटिक पूर्व अभिक्रिया और सत निकालने की प्रक्रिया हेतु प्रक्रिया मानकों का देशी रूप से विकास और इष्टतमीकरण है जो कि जो कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के अनुरूप हो। प्रक्रिया एवं युटीलिटी उपकरणों के स्पेसीफिकेशन, इंजीनियरी डिजाइन, उनका गढ़न और प्राप्ति उन्नयन सुविधा हेतु सिविल कार्यों के साथ उसका इरेक्शन ओर कमीशनिंग को अन्तिम रूप देने का कार्य पूरा हो चुका है। सभी उपकरणों के लिए प्रक्रिया मानकों के इष्टतमीकरण के लिए चरणबद्ध परीक्षण किये गये। शुद्धता की जांच के लिए प्रयोगशाला में तैयार स्टिवियोसाइड का विश्लेषण किया गया।

**प्रोस्टेग्लेन्डिन्स और उन्नत इटरमीडिएट्स का विकास**

भागीदार : हाईजिया लेबोरेट्रीज, पुणे

परियोजना वर्ष 2008 में शुरू हुई। इसका उद्देश्य घरेलू और अन्तर्राष्ट्रीय बाजार हेतु बायोट्रांसफोर्म्ड मध्यावर्तियों (इन्टरमीडिएट्स) हेतु पायलट स्तर प्रक्रिया का विकास और इष्टतमीकरण है। इसमें रसायनिक परिवर्तनों की एक श्रंखला के द्वारा प्रोस्टेग्लेडिन्स तक पहुंचा जाता है। हाइजिया द्वारा सभी उपकरण प्राप्त किये जा चुके है। चालू करने का कार्य प्रगति पर है। इस प्रक्रिया में सस्ते और आसानी से प्राप्त होने वाले माइक्रोबायल स्त्रोतों (पूरी यीस्ट कोशिकाओं) का उपयोग होगा। ये स्त्रोत रासायनिक और ऑप्टिकल शुद्धता के अपेक्षित स्तर के साथ यौगिकों के उत्पादन में उच्च रूप से दक्ष पाये गये हैं। आशा है कि यह पूरा संयंत्र जुलाई,2010 तक कार्य करने लगेगा।

**जैव ईंधनों हेतु केन्द्र**

यह परियोजना अगस्त, 2008 में नेशनल इन्स्ट्टीट्यूट फॉर इन्टर डिसस्पिलिनरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एन.आई.आई. एस.टी.) तिरूवनंतपुरम के साथ शुरू हुई। आशा है कि जैव–शोधन सम्बंधित प्रौद्योगिकियों में कटिंग एज अनुसंधान गतिविधियों को संचालित करते हुए केन्द्र ज्ञान और शिक्षा शास्त्र के क्षेत्र में अग्रणी पायदान पर होगा। परियोजित गतिविधियों में भविष्य में बॉयो फ्यूल सहित जैव ईंधन अनुसंधान एवं विकास के अन्य क्षेत्र भी सम्मिलित होंगे।इस परियोजना के अन्तर्गत, बायोमास की उपलब्धता पर एक राष्ट्र व्यापी गहन अध्ययन स्पिन ऑफ के रूप में संचालित किया गया और इसे टाइफैक की विशेष रिपोर्ट अवशोषण हेतु भारतीय बायोमास स्त्रोंतों की उपलब्धता' के नाम से प्रकाशित किया गया है। पायलट संयंत्र का सिविल कार्य पूण हो चुका था और प्रक्रिया और व्यापक इंजीनियरी डिजाइन का कार्य चल रहा था। बायोमास के निरूपण (कैरेक्टराइजेशन), विश्लेषण एवं परीक्षण हेतु सभी प्रयोगशाला उपकरण प्राप्त किये जा चुके हैं। चयनित फीडस्टॉक जैसे सुगरकेन बैगेसे, रीड (बांस), सुगरकेन टॉप्स, चावल का भूसा, कपास डंठलों के लिए संघटनात्मक विश्लेषण का कार्य एन.आई.आई.एस.टी. ने पूरा कर लिया है। बायोमास फीडस्टॉक के प्रक्रिया–पूर्व क्रियाविधि मानकों के इष्टतमीकरण हेतु कुछ प्रयोगशाला स्तर के प्रयोगों पर कार्य चल रहा है।

**अधुरी परियोजना–बन्द**

**फार्मास्यूटीकल श्रेणी चिटोसन और मूल्यवर्धित उत्पादों का विकास**

यह परियोजना इंडियन सी फूड्स कोच्चि के साथ उद्योग भागीदार और अहमदाबाद टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज रिसर्च एसोसिएशन (ए.टी.आई.आर.ए.) अहमदाबाद के प्रौद्योगिकी परामर्शदाता के रूप में जुलाई, 2008 में शुरू हुई। इस परियोजना का उद्देश्य, कच्चे झींगी और प्रोन शेल से शुरू करके फार्मास्यूटीकल श्रेणी के चिटिन और चिटोसन का विकास करना है जोकि सीफूड प्रोसेसिंग उद्योग द्वारा सामग्री के रूप में बड़ी मात्रा में निकाले जाते हैं। वैश्विक आर्थिक मंदी के कारण, फर्म ने इस मामले में कम निवेश किया। भारतीय बाजार में उत्पाद की एकदम से मांग की कमी होने और अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में बड़ी सप्लाई का कोई फर्म आर्डर न होने के कारण, फर्म इस स्थिति में नहीं थी कि नई परियोजना में आगे धन लगा सके। ऐसे ठंडे बाजार परिदृश्य और कम्पनी की वित्तीय समस्या को देखते हुए दिसम्बर, 2009 में यह परियोजना समय से पहले बंद की गयी।

**प्रारम्भ परियोजनाएं**

**किण्वन (फोर्मेन्टेशन) द्वारा एल–अर्जिनीन के उत्पादन हेतु प्रक्रिया विकास**

इस परियोजना को जनवरी, 2010 में शुरू किया गया। इसमें उद्योग भागीदार जवाहरलाल नेहरू प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय (जे.एन.टी.यू.) ओर मेसर्स सेलेस्टियल लैब्स लिमिटेड, हैदराबाद हैं। इस परियोजना का उद्देश्य चुने हुए सूक्ष्म जीवों से एल–आर्जीनीन हेतु प्रक्रिया का विकास करना है। स्ट्रेन पारम्परिक मुटाजेनसिस और रीकोम्बीनेट अप्रोचेज द्वारा सुधारा जायेगा। उत्पादन के बाद, पैकेजिंग रूप में क्रिस्टलीकरण के द्वारा एल–अर्जिनीन का शुद्धीकरण किया गया है जिसके शरीर में अनेक कार्य हैं।

**विषमुक्तीकरण और अवशिष्ट हाइड्रोकार्बन की पुनः प्राप्ति हेतु जेट्रोफा बीज केक का प्रभावी उपयोग**

यह परियोजना मार्च, 2010 में शुरू की गयी। इसमें उद्योग भागीदार के रूप में उस्मानिया विश्वविद्यालय और मेसर्स नेचुरल बाया–इनर्जी लिमिटेड, हैदराबाद हैं। इसका उद्देश्य अलगीकृत सूडामोनास और मानक सूडो मोनास कल्चर से उचित डाई ऑसी जेनज और एल्केन हाड्रोक्सीलेसेज क चयन पर अध्ययन आयोजित करना है। आगे, परियोजना में यीस्ट में उपरोक्त एन्जाइम्स की क्लोनिंग, अवशिष्ट हाइड्रोकार्बन (बायोडीजल) की प्राप्ति और विषैले यौगिक का मूल्यांकन किया जायेगा।

**विशेष अध्ययन पूर्ण/चलाये गये**

**अवशोषण हेतु भारतीय बायोमास संसाधनों की उपलब्धता**

जैव ईंधन परियोजना कन्द्र के अन्तर्गत बायोमास की उपलब्धता पर एक राष्ट्रव्यापी गहन अध्ययन आयोजित किया गया और इसे एक विशेष रिपोर्ट के रूप में प्रकाशित किया गया। इस रिपोर्ट में चुने हुए बायोमास के उत्पादन के व्यापक राज्य–वार आंकड़े, उपलब्ध जैव–संसाधन, उनके उपयोग का वर्तमान स्तर, भंडारण और परिवहन का कार्य प्राप्ति के संसाधन और आगे काम में लेने हेतु फालतू बायोमास संसाधन को समाहित किया गया है और यह विभिन्न स्टेक धारकों के लिए देश में संभावित बायोमास उपलब्धता पर डाटा के सम्बंध में इनपुट्स का एक अच्छा स्त्रोत होगा।

**बायोमास व्युत्पन्न जैव उत्पाद–प्रौद्योगिकी रूझानों का मूल्यांकन, रिक्तियां और भारत में अवसर**

प्रौद्योगिकी नवपरिवर्तन (इनोवेशन) की चुनौती भरी परिस्थितियों में उपलब्ध भारतीय बायोमास से व्युत्पन्न मूल्यवर्धित जैव–उत्पादों की विशाल संभावना पर विचार करते हुए, टाइफैक ने एक विशेष अध्ययन शुरू किया है। इस अध्ययन में प्रौद्योगिकी रिक्तियों की पहचान, आर. एवं डी. आवश्यकताएं और दिशाएं तथा भारत में उनकी प्रभावी उपयोगिता के लिए प्रौद्योगिकी से जुड़ी कारोबार की संभावनाओं के क्षेत्रों का व्यापक मूल्यांकन होगा। आशा है की यह रिपोर्ट भारत में बायोटेक उद्योगों और अनुसंधान संगठनों क लिए 'एक प्रौद्योगिकी डोजियर' सिद्ध होगी। यह जैव–उत्पादों की संभावनाओं और आर. एवं डी. में परियोजनाओं को आगे बढ़ाने हेतु प्रौद्योागिकीय मार्गों, पायलट, आध–व्यावसायिक अथवा व्यावसायिक स्तर पर पहचान पर केन्दित होगी। प्रारूप रिपोर्ट का कार्य पूरा हो चुका है और अन्तिम रूप देने हेतु इसकी समीक्षा की जा रही है। भारत के बायोटेक केन्द्रों में, उद्योग/शैक्षिक संगठनों/आर. एवं डी. क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ चार विचारोत्तेजक बैठकों का आयोजन किया गया। बैठक में नयी धारणा और विचार मिले जो अन्तिम रिपोर्ट में जुड़ सकते हैं।

### राष्ट्रीय संगोष्ठी

टाइफैक ने विश्वकर्मा भवन, नई दिल्ली में विगत 09 अक्टूबर 2009 को इंडियन इंस्ट्टीटयूट ऑफ केमिकल इंजीनियर्स (आई.आई.सी.एच.ई.), उत्तरी क्षेत्रीय केन्द्र, नई दिल्ली के साथ मिलकर 'जैव प्रक्रिया प्रौद्योगिकियां : उभरते अवसर' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी का उद्घाटन डॉ. आर. चिदम्बरम, अध्यक्ष–टाइफैक और प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पी.एस.ए.), भारत सरकार ने किया। इस संगोष्ठी में शैक्षिक संगठनों, संस्थानों, सरकारी एजेंसियों, व्यावसायिक निकायों और उद्योगों क लगभग 130 प्रतिभागियों ने भाग लिया। देश में विभिन्न एजेंसियों द्वारा इस क्षेत्र में चलाई जा रहीं प्रौद्योगिकी विकास गतिविधियों पर विचार–विमर्श हुआ और प्रौद्योगिकीय मुद्दों और चुनौतियों के क्षेत्र में बहुमुखी जानकारी का आदान–प्रदान हुआ।

## 4.6.2 न्यायिक प्रक्रियाओं के साथ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की सम्बद्धता

इस क्षेत्र का उद्देश्य, न्यायिक, जांच एजेंसियों, फारेंसिक प्रयोगशालाओं और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संगठनों के साथ सहयोगी आधार पर प्रवर्तक प्रौद्योगिकी निदर्शन परियोजनाओं के संचालन द्वारा न्यायिक प्रक्रियाओं के साथ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की सम्बद्धता के स्तर को बढ़ाना है।

### पूर्ण परियोजनाए

इस वर्ष के दौरान 'क्राइम सीन रिकार्डिंग सिस्टम' नामक परियोजना पूर्ण हुई। इस परियोजना को संयुक्त रूप से बंगलौर पुलिस और मेसर्स इनकोर सोफ्टवेयर लिमिटेड, बंगलौर ,द्वारा कार्यान्वित किया गया। इस परियोजना में टैम्पर–प्रूफ प्राप्ति हेतु गणना उपकरण, भंडारण एवं अपराध दृश्य डाटा के संग्रहण हेतु पोर्टेबल गणना उपकरण का प्रयोग किया गया था।

### चालू परियोजनाएं

इस वर्ष के दौरान निम्नलिखित परियोजनाओं पर कार्य चलता रहा :

1. ई–कोर्टरूम : डिजिटल रिकार्डिंग एवं रीट्राइवल सिस्टम (ई–डी.आर.आर.एस.)
2. ई–कोर्टरूम : प्रलेख–सह–प्रमाण प्रबंधन प्रणाली (डी.ई.एम.एस.)
3. आर.एफ.आई.डी. प्रोद्योगिकी के उपयोग द्वारा अदालती मामलों के दस्तावेज खोज सूचना तंत्र
4. अपराध के भौतिक सुरागों का टैम्परप्रूफ और पर्यवेक्षित संग्रहण
5. भारतीय जनसंख्या में फोरेंसिक विश्लेषण हेतु एस.एन.पी. मार्कर्स के पैनल का चयन

## 4.6.3 चुने हुए एस.एम.ई. समूहों का प्रौद्योगिकी उन्नयन

यह कार्यक्रम, सतत आधार पर एस.एम.ई.एस. को अनुसंधान एवं विकास सहायता उपलब्ध कराने और चुने हुए एस.एम.ई. समूहों में प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप की योजना बनाने पर केन्द्रित है। अध्ययन का दृष्टिकोण (एप्रोच) शैक्षिक संस्थान–उद्योग सम्पर्कों को स्थापित करने और उनके उन्नयन पर आधारित है। प्रत्येक परियोजना में प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं के व्यापक मूल्यांकन के साथ, समूह में प्रौद्योगिकी स्थिति (उत्पाद एवं प्रक्रिया) पर विशिष्ट फोकस, रिक्तियों की पहचान (प्रतिस्पर्धा और बाजार साधनों के सम्बंध में) और अकादमिक और आर. एवं डी.

संस्थानों द्वारा लक्षित कार्यों के डिजाइनों के सम्बंध में सुझाव देना और उनका कार्यान्वयन सम्मिलित है। इस परियोजना का निष्कर्ष प्रौद्योगिकी रिक्ति अध्ययन है।

वर्तमान वैश्विक मानकों के संदर्भ में, रिक्तियों को दर्शाने के लिए गहन प्रौद्योगिकी मूल्यांकन अध्ययनों के कार्यान्वयन हेतु ग्यारह क्षेत्रों को चुना गया है। इनमें कास्टिंग (हावड़ा, पश्चिम बंगाल–फैरस, कोल्हापुर महाराष्ट्र–नॉनफैरस) खेल सामग्री क्लस्टर–जालंधर, पंजाब, पौटरी, सर्जिकल उपकरण (बरूईपुर, पष्चिम बंगाल,) डीजल पम्प एवं इंजीनियरिंग उद्योग (राजकोट, गुजरात) कृषि उपकरण उद्योग (करनाल, हरियाणा) वैज्ञानिक उपकरण (अम्बाला, हरियाणा) कालीन उद्योग क्लस्टर–भदोही, उ.प्र. एवं मालदा प. बंगाल का खाद्य प्रसंस्करण क्लस्टर और सांगानेर राजस्थान का हस्त निर्मित क्लस्टर, पौटरी (अ.भा. सर्वेक्षण) और अगरतला, त्रिपुरा का रबर क्लस्टर शामिल है।

इस अवधि के दौरान की हुई प्रगति और प्राप्त उपलब्धियों का विवरण नीचे दिया जा रहा है :

### पूर्ण अध्ययन

| क्र.सं. | अध्ययन का नाम | ज्ञान भागीदार |
|---|---|---|
| 1. | मालदा के खाद्य प्रसंस्करण क्लस्टर हेतु प्रौद्योगिकी रिक्ति विश्लेषण | सेंट्रल इंस्ट्टीटयूट ऑफ सबट्रोपिकल हॉर्टीकल्चर, लखनऊ |

### चालू परियोजनाएं/अध्ययन

### हावड़ा फाउन्ड्री क्लस्टर

इस क्लस्टर के लिए आर. एवं डी. और नवपरिवर्तन (इनोवेशन) केन्द्र स्थापित किया गया और जादवपुर विश्वविद्यालय ने एक मोबाइल कास्टिंग क्लीनिक शुरू किया है। यह क्लीनिक सेवांए प्रदान कर रहा है। यह क्लीनिक एक टाटा विंगर वैन में अवस्थित है। इसमें नमी, परागम्यता, मोल्ड की कठोरता और रेत की हरी कम्प्रेसिव सुदृढ़ता के परीक्षण हेतु रेत परीक्षण उपकरण है। यह मोबाइल वैन विभिन्न फाऊन्ड्रीज में परीक्षण के लिए क्लस्टर में घूमती है। इस अवधि में वाजिब दरों पर रेत परीक्षण हेतु हावड़ा में 50 फाऊन्ड्रीज को समाहित किया गया।

आर. एवं डी. और नवपरिवर्तन केन्द ने दो कपोलास पर ऊर्जा अंकेक्षण किये ताकि बेहतर डिजाइन किये गये कपोलास के साथ ऊर्जा की बचत हेतु क्षमता को निर्धारित किया जा सके। अंकेक्षण के अनुसार, वर्तमान ब्लास्ट कपोलास में डिजाइन में संशोधन करके ऊर्जा की बचत में 30% तक सुधार की सभांवना बनती है। पांच फाऊन्ड्रीज में विभाजित ब्लास्ट कपोलास के संशोधन की पहचान इंडियन फान्उड्री एसोसिएशन कोलकाता द्वारा की गयी और इस पर आर. एवं डी. तथा नवपरिवर्तन केन्द्र, जादवपुर विश्वविद्यालय में काम किया जा रहा है। फाउन्ड्री उद्योग के श्रेष्ठ कार्यों को प्रकाश में लाने के लिए एक वृत्तचित्र निर्माणधीन है।

### बरूईपुर सर्जिकल उपकरण उद्योग क्लस्टर

बरूईपुर सर्जिकल उपकरण उद्योग क्लस्टर हेतु आर. एवं डी. और नवपरिवर्तन केन्द्र में अब विभिन्न परीक्षण उपकरण लगने जा रहे है। एक बार पूरी तरह कार्यशील हो जाने के बाद यह केन्द्र क्लस्टर को आर. एवं डी. और तकनीकी सहयोग देने योग्य हो जायेगा। 3 जून, 2009 को बायोसाइंस एवं इजीनियरिंग स्कूल, जादवपुर विश्वविद्यालय कोलकता में सर्जनों के साथ एक बैठक आयोजित की गयी ताकि बरूईपुर क्लस्टर में लगाये जा रहे उपकरणों की गुणवत्ता, डिजाइन आदि के सम्बंध मे जानकारी मिल सके। 07 दिसम्बर, 2009 को 'उन्नत

निर्माण तकनीक' पर कॉमन फैसेलिटी सेंटर, बरूईपुर, प. बंगाल में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी ताकि क्लस्टर के स्थानीय उद्यमियों को सर्जिकल उपकरणों की आधुनिक निर्माण और गढ़न प्रौद्योगिकियों से परिचित कराया जा सके।

क्लस्टर के 100 कर्मचारियों को बैचों में प्रशिक्षण देने के लिए 'सर्जिकल उपकरणों हेतु निर्माण तकनीकों में उन्नयन' विषय पर एक विस्तृत प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूप–रेखा बनाई गयी है। बायोसाइंस एवं इंजीनियरिंग स्कूल जादवपुर विश्वविद्यालय, सर्जनों और विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के साथ मिलकर यह कार्यक्रम आयोजित करेगा। इस प्रशिक्षण से कर्मचारियों का फोर्जिंग, शेपिंग आदि की आधुनिक तकनीकों को समझने में सहायता मिलेगी। पाठ्यक्रम की विषय–वस्तु को उद्योग प्रतिनिधियों और अग्रणी सर्जनों के साथ परामर्श करके अन्तिम रूप दिया जा चुका है।

**मालदा खाद्य प्रसंस्करण क्लस्टर**

सेंट्रल इन्स्ट्टीयूट फॉर सबट्रापिकल हार्टीकल्चर (सी.आई.एस. एच.), लखनऊ ने 'फसलोपरांत फल एवं सब्जी प्रबंधन' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम 4–6 जून, 2009 को मालदा में आयोजित किया। कार्यक्रम में आधुनिक फसल तकनीकों भंडारण, फल और सब्जियों की पैकेजिंग और परिवहन विषयों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में लगभग 250 स्थानीय आम उत्पादकों ओर प्रासेसर्स ने भाग लिया।

इसी कड़ी में, सी.आई.एस.एच., लखनऊ ने 'फल और सब्जियों का मूल्यवर्धन और प्रसंस्करण' पर 20–22 जनवरी, 2010 का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें प्रतिभागियों के उसी समूह ने भाग लिया। इन प्रशिक्षण में फल और सब्जियों जैसे आम,अनानास, लीची, अमरूद, नीबू संतरा ओर टमाटर के सम्बंध में आधुनिक प्रोसेसिंग प्रौद्योगिकियों, गुणता आश्वासन पहलुओं आदि पर प्रकाश डाला गया।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और बागवानी विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार, मालदा के साथ विगत 6–7 अगस्त, 2009 'का' मालदा से आम और आम उत्पादों का निर्यात' पर एक दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में, 60 स्थानीय उद्यमियों को विभिन्न देशों मे फलों और सब्जियों के निर्यात हेतु कानूनी और तकनीकी आवश्यकताओं की जानकारी दी गयी।

फूड पार्क, मालदा में ' पल्प प्रोसेसिंग कम एसेप्टिक पल्प पैकेजिंग प्लांट' की स्थापना हेतु एक सभांव्यता अध्ययन, उपनिदेशक कृषि (फल) खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं बागवानी विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार, मालदा द्वारा तैयार किया जा रहा है। यह अध्ययन सी.आई.एस.एच., लखनऊ के पूर्व अध्ययन का निष्कर्ष है जिसने मालदा में आम और अन्य फलों के पूर्ण शोषण की व्यावसायिक संभावना के लिए मालदा में एसेप्टिक पैकेजिंग संयंत्र लगाने की आवश्यकता की पहचान की।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं बागवानी विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार, मालदा ने मालदा में 'जियोग्राफिकल इंडिकेशंस (जी.आई.) एंड पेंटेट्स' विषय पर एक दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इसका उद्देश्य मालदा खाद्य प्रसंस्करण क्लस्टर से पेटेंटिंग हेतु वर्तमान जी.आई.एस. और संभावना के व्यावसायिक उपयोग हेतु जागरूकता पैदा करना था।

### नये अध्ययन

| क्र. सं. | अध्ययन का शीर्षक | ज्ञान भागीदार |
|---|---|---|
| 1. | सांगानेर हस्तनिर्मित कागज हेतु प्रौद्योगिकी रिक्ति विश्लेषण | कुमारप्पा नेशनल हैंडमेंड पेपर इन्स्ट्टीटयूट, जयपुर |
| 2. | अगरतला, त्रिपुरा के समीप रबर उद्योग क्लस्टर हेतु प्रौद्योगिकी रिक्ति अध्ययन | नेशनल इंस्ट्टीटयूट ऑफ टेक्नोलोजी, अगरतला |

### अन्य प्रयास

देश के और अधिक एम.एस.एम.ई. क्लस्टर ओर शैक्षिक संगठनों/तकनीकी संस्थानों के मध्य सहजीवी सम्बंध स्थापित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। ऐसे क्लस्टर और उनके निकटस्थ शैक्षिक संगठनों आर. एवं डी. संस्थानों को पहचाने ककी प्रक्रिया पर काम हो रहा है।

### 4.6.4 विविध परियोजनाएं

### एच.डब्लू.पी., कोटा में सोडियम सल्फेट के शुष्कीकरण हेतु भाप की आपूर्ति करने वाले सौर तापीय कन्सन्ट्रटर्स का निदर्शन

कार्यान्वयन एजेंसी : भारी जल बोर्ड , मुम्बई

इस निदर्शन परियोजना का उद्देश्य भारी जल संयंत्र (एच.डब्लू. पी.) कोटा में सोडियम सल्फेट के शुष्कीकरण हेतु एक पूर्ण सोलर कन्सन्ट्रेट की स्थापना करना और चालू करना है। इस परियोजना में साइट पर स्थानीय साइट स्थितियां सोलर रेडियेशन स्तर आदि का अध्ययन और इष्टतम कानफिगरेशन की प्रणाली तक पहुंचने के अन्य सम्बंधित पैमानों के अध्ययन शामिल हैं। स्थापित तंत्र औद्योगिक/प्रवाही/रासायनिक वाष्पन अनुप्रयोगों में संभावित प्रयोग की स्थिति का भी मूल्यांकन करेगा।

इस वर्ष के दौरान इष्टतमीकृत (ऑप्टीमाइज्ड) सम्पूर्ण तंत्र का डिजाइन कार्य पूरा हुआ। 'अरूण 160' नाम की चार डिशेज, जिनमें प्रत्येक का सतह क्षेत्र 169 वर्ग मी. था, उन्हें संधटित तंत्र के साथ स्थापित किया गया। इसके चालन का परीक्षण पूरा हो चुका है। वर्तमान में, कन्संट्रेटर से निकलने वाली भाप को बाहर वायुमंडल में छोड़ा जा रहा है। कार्य चालू करने के दौरान आई छोटी–मोटी कमियों को ठीक किया जा रहा है।

अरूण 160 के प्रयोग द्वारा सौर औद्योगिक प्रवाही/रासायनिक वाष्पन प्रणाली के लिए औद्योगिक रसायनों और प्रवाहियों तथा विकसित हो रहे विनिर्देशों (स्पेशीफिकेशंस) के शुष्कीकरण के लिए अरूण सोलर कन्संट्रेटर सिस्टम की स्थापना परियोजना के द्वितीयक उद्देश्य हैं।

# 5 अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग

## 5.1 भारत–अन्तर्राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त प्रणाली विश्लेषण संस्थान (आई.आई.ए.एस.ए.) कार्यक्रम

अन्तर्राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त प्रणाली विश्लेषण संस्थान (आई.आई.ए. एस.ए.) एक स्वतंत्र गैर–सरकारी अनुसंधान संस्थान है, जिसका मुख्यालय ऑस्ट्रिया है। विभिन्न सदस्य देशों के अनेक अनुसंधान संगठनों द्वारा आई.आई.ए.एस.ए. को प्रायोजित किया जाता है। भारत जनवरी, 2007 से पांच वर्षों के लिए आई.आई. ए.एस.ए. का सदस्य है ओर टाइफैक को भारत के राष्ट्रीय सदस्य संगठन (एन.एम.ओ.) का दर्जा प्राप्त है। टाइफैक भारत–आई.आई.ए.एस.ए. कार्यक्रम' के रूप में आई.आई.ए.एस. ए. के साथ भारतीय सदस्यता का कार्यान्वयन करता है। कार्यक्रम का मार्गदर्शन एक भारतीय रांष्ट्रीय समिति द्वारा किया जाता है जिसके अध्यक्ष डॉ. कीर्ति पारिख हैं जो योजना आयोग के पूर्व सदस्य हैं।

### गतिविधियों की झलकियां

- **आई.आई.ए.एस.ए. कार्यक्रमों में युवा भारतीय अनुसंधानकर्ताओं की भागीदारी** : दो युवा भारतीय अनुसंधानकर्ताओं ने युवा वैज्ञानिक ग्रीष्म कार्यक्रम (वाई. एस.ए.एस.पी.) में सफलता पूर्व भाग लिया/कार्यक्रम को आई.आई.ए.एस.ए. और टाइफैक के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया गया। साथ ही एक भारतीय अनुसंधानकर्ता का आई.आई.ए.एस.ए. से वित्तीय सहायता पोस्ट डॉक्टरल कार्यक्रम में भागीदारी हेतु चुना गया।

- **आई.आई.ए.एस.ए. गतिविधियों में वरिष्ठ अनुसंधानकर्ताओं की भागीदारी** : अनेक अन्तर्राष्ट्रीय भागीदारों के साथ आई.आई.ए.एस.ए. वैश्विक ऊर्जा नीति कार्यसूची को पूर्नपरिभाषित करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है। इस बदु–स्टेकधारक गतिविधि को उद्देश्य पूरे विश्व भर मे सतत विकास हेतु ऊर्जा सेवाएं उपलब्ध कराने की चुनैतियों से निपटने मं नीति निर्माताओं की सहायता करना है। अनेक वरिंष्ठ भारतीय अनुसंधाकर्ता/स्टेक धारक इस प्रमख आई.आई.ए.एस.ए. पहले में योजना बनाने और इसे गति देने में भागीदारी कर रहे हैं। और इसके प्रवर्तको और उप–प्रवर्तकों की भूमिका निभा रहे हैं।

- **टाइफैक–आई.आई.ए.एस.ए. अध्ययन** : आई.आई.ए. एस.ए. के साथ भारतीय सहायेगात्मक अध्ययनों को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से एक नये टाइफैक सहायता प्राप्त प्रयास 'टाइफैक–आई.आई.ए.एस.ए. अध्ययन' शुरू किये गये।आशा है कि अध्ययन, आई.आई.ए.एस.ए. विशलेषणात्मक क्षमता के साथ भारतीय अनुसंधानकर्ताओं के अर्न्तदृष्टि सहायोग द्वारा महत्वपूर्ण नीतिपरक विद्वतापूर्ण 'परिणाम लाने में समर्थ होंगे।

- **एक आई.आई.ए.एस.ए. लघु पुस्तकालय** : टाइफैक में स्थापित किया गया है जहां इच्छुक अनुसंधानर्ताओं हेतु अनेक आई.आई.ए.एस.ए. प्रकाशनों को उपलब्ध कराया गया है।

### चालू अध्ययन

#### 2050 तक वैश्विक ऊर्जा परिदृश्यों पर भारतीय परिप्रेक्ष्य (पर्सपेक्टिव)

'2050 वैश्विक ऊर्जा परिदृश्यों पर भारतीय परिप्रेक्ष्य पर इन्टीग्रेटेड रिसर्च एंड एक्शन फॉर डेवलपमेंट (आई.आर.ए.डी.ई.), नई दिल्ली के साथ एक भारत–आई.आई.ए.एस. अध्ययन शुरू किया गया। इस अध्ययन का उद्देश्य, सन 2050 क वर्ष तक भारत के दीर्ध अवधि ऊर्जा मिश्रण, भविष्य के ऊर्जा प्रौद्योगिकी विकल्प और जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में निवेशों की पहचान

करना है। इस अध्ययन में सतत विकास को बनाये रखने के लिए भावी ऊर्जा प्रौद्योगिकीय कार्य के मुद्दों पर भी प्रकाश डाला जायेगा। यह दीर्घ अवधि विस्तृत अध्ययन, अन्य क्षेत्रों की तुलना में भारत की स्थिति के मूल्यांकन में मदद करेगा और इस प्रकार नीति निर्माताओं के लिए लाभदायक होगा।

### अन्य गतिविधियां

### भारतीय वन प्रबंधन संस्थान, भोपाल में इकोलोजिकल मॉडलिंग हेतु कार्यशाला

- टाइफैक, आई.आई.एफ.एम. और आई.आई.ए.एस.ए. द्वारा सयुंक्त रूप से 28–29 जनवरी, 2010 को इकोलोजिकल मॉडलिंग पर एक दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी। इस कार्यशाला को प्राथमिक रूप से इस प्रकार संयोजित और डिजाइन किया गया था, ताकि कार्यकारी भारतीय फोरेस्टर्स, वन नीति के योजनाकारों, वरिष्ठ वानिकी अनुसंधानकर्ताओं और अन्य जैसे भारतीय प्रतिभागियों को इकोलोजीकल मॉडलिंग विशेष कौशल प्रदान करने में आई.आई.ए.एस.ए. अनुसंधानकर्ताओं की विशेषज्ञता का लाभ मिल सके। कार्यशाला में ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाने और नीति निर्माण प्रक्रिया में ईकोलोजीकल मॉडलिंग की भूमिका को बढ़ाने पर भी प्रकाश डाला गया।

- "जनसांख्यिकी : भारत हेतु अन्तर्राष्ट्रीय संदर्श (पर्सपेक्टिव) और चुनौतियां" पर एक आई.आई.पी.एस.आई.आई.ए.एस.ए.–टाइफैक सयुंक्त संगोष्ठी विगत 12–13 फरवरी, 2010 को इंटरनेशनल इंस्ट्टीटयूट फॉर पोपुलेशन साइंसेज (आई.आई.पी.एस.), मुम्बई में आयोजित की गयी। इस संगोष्ठी में दो आई.आई.ए.एस.ए. अनुसंधानकर्ताओं और जनसांख्यिकी ओर जनासंख्या विज्ञान के 25 प्रसिद्ध विशेषज्ञों ने अपने वक्तव्य दिये। इसक विषयों में नश्वरता, रोग्रस्तता, जनसांख्यिकीय लाभांश, जनसांख्यिकी मॉडल्स, डाटा और मापन एच.आई.वी./एड्स से जुड़े मुद्दे और कुछ संक्रामक रोगों जैसे शहरीकरण, विकास एवं पर्यावरण शामिल थे। भविष्य के अनुसंधानों हेतु मुख्य उभरते हुए अनुसंधान मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

- 'स्वास्थ्य अनुसंधान के क्षेत्र में, भारत के साथ प्रस्तावित वर्तमान सहयोग सम्बंध के भाग क रूप में स्वास्थ्य के विशेष संदर्भ के साथ माइक्रो–साइमुलेशन मॉडलिंग' विषय पर इंस्ट्टीटयूट ऑफ इकोनोमिक ग्रोथ (आई.ई.जी.), दिल्ली एवं आई.आई.ए.एस.ए. के साथ एक संयुक्त कार्यशाला आयोजित करने की योजना तैयार हुई।

- एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल (डेलीगेशन) ने जून, 2009 एवं एन.एम.ओ. दिवस को आयोजित आई.आई.ए.एस.ए. परिषद की बैठक में भाग लिया। उन्होंने आई.आई.ए.एस.ए. की नयी नीति योजना के विकास पर चर्चा में योगदान दिया। विभिन्न आई.आई.ए.एस.ए. अनुसंधानकर्ताओं से आई.आई.ए.एस.ए. के साथ भारतीय सहयोगात्मक कार्यों के विकास और भारत में संयुक्त कार्यशालाएं आयोजित करने क मुद्दे पर चर्चा हुई।

- डॉ. कीर्ति एस.पारिख ने नवम्बर, 2009 में आयोजित आई.आई.ए.एस.ए. परिषद बैठक में भाग लिया। इसमें ऊर्जा एवं जलवायु परिवर्तन भोजन और जल तथा गरीबी और समानता क क्षेत्रों में आई.आई.ए.एस.ए. के अनुसंधान फोकस पर आई.आई.ए.एस.ए. क नयी नीति योजना (2011 से 2020) पर विस्तृत चर्चा हुई।

- डॉ. कंचन चोपड़ा, पूर्व–निदेशक–आई.ई.जी. दिल्ली ने मार्च, 2010 में आई.आई.ए.एस.ए. परिषद की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।

### भारत आई.आई.ए.एस.ए. कार्यक्रम पर संस्थानों में दी गयी प्रस्तुतियां

लक्षित भारतीय संस्थानों में अनुसंधाकर्ताओं क विशाल नेटवर्क तक पहुचंने के क्रम में और कार्यक्रम में भारतीय अनुसंधानकर्ताओं की भागीदारी को बढ़ाने के लिए, देश के विभिन्न भागों में, अनेक संस्थानों में व्यापक प्रस्तुतीकरण दिये गये ताकि उन्हें भारत–आई.आई.ए.एस.ए. कार्यक्रम में

उपलब्ध अवसरों से परिचित कराया जा सके। इसमें निम्नलिखित संस्थान शामिल है :

1. दी एनर्जी रिसर्च इन्स्ट्टीटयूट (टी.ई.आर.आई.), नई दिल्ली
2. इंडियन इन्स्ट्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट (आई.आई.एम.) बंगलौर
3. मद्रास स्कूल ऑफ इनोनोमिक्स (एम.एस.ई.) चेन्नई
4. इंटरनेशनल इन्स्ट्टीटयूट फॉर पोपुलर साइंसेज (आई. आई.पी.एस.) मुम्बई
5. इंडियन इन्स्ट्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट, कोलकाता
6. इंडियन इन्स्ट्टीटयूट ऑफ फोरेस्ट मैनेजमेंट (आई.आई. एफ.एम.), भोपाल
7. नेशनल इनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग एंड रिसर्च इन्स्ट्टीटयूट (एन.ई.ई.आर.आई.), नागपुर
8. इंडियन इन्स्ट्टीटयूट ऑफ टेक्नोलोजी (आई.आई.टी.) मद्रास
9. दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स (डी.एस.ई.), दिल्ली
10. इंदिरा गांधी इंस्ट्टीटयूट ऑफ डेवलपमेंट एंड रिसर्च (आई.जी.आई.डी.आर.), मुम्बई
11. इंडियन कौंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकोनोमिक रिलेशंस (आई.सी.आर.आई.ई.आर.)
12. इन्स्ट्टीटयूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट (आई.आर.एम.), आनंद
13. नेशनल कौंसिल ऑफ अप्लायड इकोनोमिक रिसर्च (एन. सी.ए.ई.आर.), दिल्ली
14. एक्स एल.आर.आई., जमशेदपुर

## 5.2 ए.एस.ई.ए.एन. के साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग

टाइफैक ने ए.एस.ई.ए.एन. सचिवालय के माध्यम से ए.एस.ई.ए. एन. देशों के बीच एस. एवं टी. सहयोग को मजबूत करने क लिए अपने प्रयास जारी रखे।

# 6 मानव संसाधन एवं आधारभूत विकास

## 6.1 प्रशिक्षण

1. डॉ. डी. मजुमदार, वैज्ञानिक–'डी' और श्री विपिन शुक्ला, वैज्ञानिक–डी. ने 'विज्ञान और ग्रामीण समाज' विषय पर आयोजित दो सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम 20 अप्रैल से 01 मई, 2009 को लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, मसूरी में आयोजित हुआ था।

2. श्री मुकेश माथुर वैज्ञानिक–डी ने 'वरिष्ठ वैज्ञानिकों हेतु प्रौद्योगिकी व्यवसायीकरण' पर आयोजित एक दो सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम 01 जून से 12 जून, 2009 को एडमिनिस्ट्रटिव स्टॉफ कॉलेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद में आयोजित हुआ।

3. श्री पी.आर. बसाक, वैज्ञानिक–ई ने 'फासिल इकोनोमी से बायोमास इकोनोमी' विषय पर एक सप्ताह तक चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम इंडियन इस्ट्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम, देहरादून में 19–21 अगस्त 2009 को आयोजित किया गया।

4. डॉ. अंकुर गोयल, वैज्ञानिक–बी. ने 'बिजनेस इन्क्यूबेशन' पर एक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया जो 6–8 अगस्त, 2009 का एस.टी.ई.पी., पी.एस.जी. कॉलेज ऑफ टेक्नोलोजी, कोयम्बटूर में आयोजित किया गया।

5. श्री टी. चन्द्रशेखर, वैज्ञानिक–ई ने 'डी.एस.टी. के अधीनस्थ और सहायता प्राप्त संस्थानों के सतर्कता अधिकारियों हेतु अभिमुखीकरण कार्यशाला/प्रशिक्षण' पर एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम 30 नवम्बर से 4 दिसम्बर, 2009 को सी.बी.आई. अकादमी, गाजियाबाद में आयोजित हुआ।

6. श्री इन्दु वरमानी, सूचना सहायक ने 'साइबर कानून, सूचना सुरक्षा एवं वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों हेतु कंटयूटर' विषय पर आयोजित एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम 'इंडियन इंस्ट्टट्यूशन ऑफ प्लानिंग एडमिनिस्ट्रेशन' में 7–13 सितम्बर, 2009 को आयोजित हुआ।

7. श्रीमती किरण जकारिया, वैज्ञानिक–डी ने 'वरिष्ठ महिला वैज्ञानिकों हेतु सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम' विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम 23 नवम्बर से 04 दिसम्बर, 2009 तक सेंटर फॉर इकोनोमिक्स एवं फाइनेंस एडमिनिस्ट्रटिव स्टॉफ कॉलेज ऑफ इंडिया में आयोजित हुआ।

8. डॉ. गौतम गोस्वामी, वैज्ञानिक–ई. ने 'खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण गुणवत्ता की चुनौतियों से निपटने मे मृदा (सोइल) विज्ञान' पर 22–25 दिसम्बर, 2009 को इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्ट्टीट्यूट, नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया।

9. श्री ए.परीदा, निदेशक ने 'ऊर्जा सुरक्षा एवं प्रबंधन' विषय पर 8–12 फरवरी, 2010 को नेशनल इंस्ट्टीटयूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, बंगलौर में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया।

10. डॉ. पी.के. अनिल कुमार, वैज्ञानिक ने 'कनिष्ठ और मध्यम स्तर के वैज्ञानिकों हेतु नेतृत्व विकास कार्यक्रम' पर 01 फरवरी– 05 फरवरी, 2010 को लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, मसूरी में आयोजित एक कार्यक्रम में भागीदारी की।

## 6.2 अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, प्रशिक्षणों और संगोष्ठियों में भागीदारी

i) डॉ. नीरज सक्सेना, वैज्ञानिक–डी ने 'विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकारी सम्पर्क' विषय पर 17–19 जून, 2009 को ग्लासगो, यू.के. में आयोजित सम्मेलन में भाग लिया।

ii) श्रीमती किरण जकारिया, वैज्ञानिक–डी और श्री एस. बिस्वास, सलाहकार ने 8–12 जून, 2009 को ऑस्ट्रिया में आयोजित आई.आई.ए.एस.ए. शासी परिषद बैठक में भाग लिया।

iii) श्री दीपक भटनागर, परामर्शदाता ने 'सक्रिय जानकारी नेटवर्क–भारत से नये प्रतिमान' विषय पर 13–14 जुलाई, 2009 को आई.सी.टी.पी.आई., पोर्टो, पुर्तगाल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

iv) डॉ. गौतम गोस्वामी, वैज्ञानिक–ई ने 'मानवधिकार और संचार' विषय पर 21–24 जुलाई, 2009 को इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर मीडिया एंड कम्यनिकेशन रिसर्च (आई.ए.एम.सी.आर.), मेक्सिको सिटी, मेक्सिको में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया।

v) टाइफैक ने 4–15 सितम्बर, 2009 को थेसालोंकी, ग्रीस में आयोजित प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी/मेले में भाग लिया।

vi) टाइफैक ने 30 सितम्बर से 03 अक्टूबर, 2009 तक सेंट पीटर बर्ग, रूस में आयोजित इंडिया शो में भाग लिया।

vi) श्री संजय सिंह, सलाहकार ने 'मार्बल्स वेस्ट्स' विषय पर 15–18 अक्टूबर, 2009 को दियारबकीर, चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इन्डस्ट्री, इस्तांबूल, टर्की में आयोजित एक संगोष्ठी में भाग लिया।

vii) श्री सुरेश कुमार के. वैज्ञानिक–डी ने 'विकासशील देशों में आई.पी.आर. और प्रौद्योगिकी अन्तरण' विषय पर 16–24 अक्टूबर, 2009 (दो सप्ताह) तक मिशीगन स्टेट युनिवर्सिटी, लेंसिंग, यू.एस.ए. में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

ix) श्रीमती संगीता नागर, वैज्ञानिक–डी ने 1–6 नवम्बर, 2009 को यूरोपियन पेटेंट ऑफिस, ब्यारिज, फ्रांस में आयोजित ई.पी.ओ. पेटेंट सूचना सम्मेलन' में भाग लिया।

x) श्री अर्ध्य सरदार, वैज्ञानिक–डी ने 'हाइब्रिड एवं हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों हेतु ऑफ लाइन और रीयल टाइम साइमुलेटर' विषय पर एरलेंगन और न्यूरेमबर्ग, जर्मनी में 2–4 फरवरी, 2010 को आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

## 6.3 प्रकाशन

**प्रकाशनों की विवरण अनुलग्नक–1 में देखा जा सकता है।**

## 6.4 ई–रिसोर्सेज

टाइफैक ने डी.एस.टी.–सी.एस.आई.आर. संध से जुड़ने का निर्णय लिया है ताकि ई–जर्नल्स और वैज्ञानिक तथा तकनीकी पेपरों और दस्तावेजों के व्यापक क्षेत्र का लाभ उठाया जा सके। नये संकाय के माध्यम से टाइफैक आठ विभिन्न ई–डाटाबेसों को सीधे ग्राहक बना है ताकि हम अधिक से संख्या में वैज्ञानिक और तकनीकी जर्नल्स का लाभ उठा सकें।

## 6.5 राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

टाइफैक ने विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति के मार्गदर्शन में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के प्रयास जारी रखे।

राजभाषा हिन्दी प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं नियमित रूप से आयोजित की गयीं। डी.एस.टी. के सहयोग से हिन्दी दिवस एवं हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया। इस दौरान राजभाषा प्रवीणता प्रतियोगितायें जैसे प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन, वाक्, हिन्दी कविता पाठ आदि आयोजित की गयीं। नोटिंग और ड्राफ्टिंग में हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहन देने के लिए एक प्रोत्साहन 'योजना भी शुरू की गयी।

## 6.6 टाइफैक पुस्तकालय

वैज्ञानिक/तकनीकी सूचनाओं के प्रवाह को गतिशील एवं सुसाध्य बनाने के लिए टाइफैक पुस्तकालय ने अपने कार्य को सुदृढ़ करना जारी रखा। टाइफैक वैज्ञानिकों और प्रयोगकर्ताओं की परिवर्तनशील आवश्कताओं को वैज्ञानिक पुस्तकें/रिपोर्टें और जर्नल्स/सीरियल्स की प्राप्ति के द्वारा पूरा किया गया।

इस वर्ष के दौरान कुल 56 नयी वैज्ञानिक पुस्तकें, तकनीकी पुस्तकें और रिपोर्टे खरीदी गयीं जिनमें हिन्दी भाषा की भी कुछ पुस्तके थीं। अब टाइफैक पुस्तकालय में कुल पुस्तक संख्या 2,294 हो गयी है। इसके अलावा 36 नये वैज्ञानिक और तकनीकी जर्नल्स और अन्य पत्रिकाओं का ग्राहक बनाया गया।

# 7 राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन

एन.एम.बी.ए. ने विभिन्न प्रयोगों और अनुप्रयोगों में बांस प्रौद्योगिकियों के प्रोत्साहन और सरलीकरण हेतु परियोजनाओं को सहायता देना जारी रखा। इस वर्ष के दौरान प्राप्त बड़ी उपलब्धियों का विवरण निम्नलिखित है :

## 1. छत्तीसगढ़–विद्यालय–एक अद्यतन (अपडेट)

छत्तीसगढ़ के दन्तेवाड़ा जिले में 18 विभिन्न स्थानों पर आवासीय विद्यालयों हेतु इन्जीनियर्ड प्रीफेब्री केटेड स्टूक्चर्स के प्रयोग द्वारा कुल 276 अध्ययन कक्षों का निर्माण किया गया। ये ढांचे छत्तीसगढ़ राज्य सरकार क राजीव गांधी शिक्षा मिशन के भाग के रूप में बनाये गये थे। इस परियोजना का उद्देश्य, पारम्परिक इंट, सीमेंट और इस्पात क विकल्प के रूप में इन्जीनियर्ड बांस सामग्री के प्रयोग का निदर्शन और व्यवसायीकरण था। टिकाऊ और मौसम प्रतिरोधी होने के अलावा, ऐसे ढ़ाचों ने पारम्परिक ईंट और मोर्टार निर्माण के कम लागत के साथ शीघ्र तैयार होने वाले विकल्प उपलब्ध कराये।

परियोजना सफलतापूर्वक पूर्ण हुई। इन फेब्रीकेटेड स्ट्रक्चर्स में लगभग 25,000 विद्यार्थी बैठ सकेंगे।

## 2. बांस आधारित पॉली हाऊस

पिछले कुछ वर्षों से फूल और सब्जियां उगाने के लिए नियंत्रित पर्यावरणीय स्थितियों को सुनिश्चत करने हेतु पालीहाऊसेज का उपयोग उठाने पर है।

स्टील आधारित पॉली हाऊसेज की तुलना में अपनी आनुंशिक स्ट्रक्चरल सामग्री के रूप में बांस मे अपार संभावनाएं हैं। विभिन्न आकारों के ऐसे ढांचे, पूरे भारत भर में संस्थागत और निदर्शनात्मक प्रयोजनों से लगाये गये हैं। इनमें से एक प्रसिद्ध संरचना, जी.बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर उत्तराखंड में वर्गमीटर क्षेत्रफल में पोलीहाऊस का निर्माण है।

## 3. पर्यावरण–पर्यटन को प्रोत्साहन

### 3.1 हाई एन्ड बांस कॉटेज–आई.टी.डी.सी., पुडुचेरी

आई.टी.डी.सी. सहायता प्राप्त होटल पुडुचेरी में बांस स्ट्रक्चर्स के क्षेत्र में 2009 मे शुरू की गयी थीं। समुद्र के सामने 40'X36' माप के इस स्ट्रक्चर के साथ जल कक्ष (क्लोजेट) और डेक दर्शन की सुविधा इस होटल के मुख्य आकर्षणों में से एक हैं। ऐसे ढांचे (स्ट्रक्चर्स) निर्माण कार्यों में बांस के बहुमुखी उपयोग पर प्रकाश डालते है, जहां बांस को होटलों और रिसोर्ट्स जैसे ताक खंडो (निच सेगमेंट्स) के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

### 3.2 बोध गया में पर्यटक कॉटेज

प्रीफैब्रीकेटेड बांस स्ट्रक्चर्स को विभिन्न सरकारी निकायों और संस्थानों में प्रोत्साहित करने के अपने प्रयासों के अन्तर्गत, एन. एम.बी.ए. ने बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के साथ भागीदारी मे बोधगया में कॉटेजों का निर्माण किया है। 5000 वर्ग फीट मे फैली ये 20 कॉटेज मेहमानों का एक अलग अनुभव प्रदान करती हैं। प्रत्येक कॉटेज एक शयन कक्ष और जल कक्ष तथा मूल सुविधाओं से सुसज्जित हैं। यह उद्यम पर्यटन क्षेत्र में प्री.–फैब्रीकेटेड इंजीनियर्ड बांस स्ट्रक्चर्स के प्रयोग को अच्छी निदर्शन परियोजना के रूप में दर्शाता है।

### 4. नेशनल इंस्ट्टीटयूट ऑफ फैशन टेक्नोलोजी (एन. आई.एफ.टी.) कांगड़ा

एन.एम.बी.ए. ने कांगड़ा, हिलाचंल प्रदेश के एनआई.एफ.टी. केन्द्र के निर्माण हेतु सुविधाएं उलब्ध कराई हैं। परियोजना में इंजीनियर्ड प्रीफैब्रीकेटेड सामगी के आधार पर अध्ययन कक्षों का निर्माण सम्मिलित है। इसका अनुमानित क्षेत्र 10,000 वर्ग फम्ट है। ऐसी परियोजनाएं बांस आधारित स्ट्रक्चर्स के अधिप्रमाणन, स्कीकृति और वास्तविक मांग को बढ़ाती हैं। ऐसेप्रयासों को सार्वजनिक आवासों और आधारभूत विकास कार्य क्रमों से जोड़ने के कदम उठाये जा रहे है जहां बड़े स्तर पर लोगों की तात्कालिक आवयकताओं को पूरा किया जा सके।

### 5. ग्रीन रूम एवं स्कल्पचरल केन्द्र

नव परिवर्तननात्मक स्ट्रक्चर्स हेतु बांस के प्रयोग के क्रम में एन. एम.बी.ए. ने आई.एफ. सी.आई. टॉवर, नेहरू प्लेस नई दिल्ली में एक ग्रीन रूम ओर स्ल्पचरल केन्द्र बनाने की एक परियोजना को सहायता प्रदान की है। यह एक प्रमुख स्थान पर व्यस्थित है। ऐसे निर्माण सौंदर्यपरक प्रयोजनों के लिए बांस आधारित सामग्री के उपयोग को बढ़ाने हेतु बेहतरीन निदर्शन परियोजना के रूप में कार्य करते हैं। इस निर्माण मे पूरे बांस के साथ–साथ इंजीनियर्ड बांस का प्रयोग हुआ है।

### 6. प्रौद्योगिकी के साथ बांस का अमलगमेशन

बांस, अनेक इलेक्ट्रोनिक और अन्य उपकरणों में प्लास्टिक, धातु और लकड़ी के पुर्जों के स्थान पर नूतन विकल्प अनुप्रयोग के रूप में काम आ सकता है। ऐसे अनुप्रयोगों को निदर्शित करने के लिए बांस सूक्ष्मदर्शी, बांस कैलीडोस्कोंप, बांस सोलर गार्डन लाइट, बांस स्पीकर्स के उत्पाद प्रोटोटाइप विकसित किये गये। इस परियोजना का कार्यान्वयन एस.डी.आर. टेक्नोलोजीस, दिल्ली द्वारा किया गया।

बांस सूक्ष्मदर्शी

बांस स्पीकर

### 7. प्रसंस्करण के द्वारा बांस प्ररोहों (शूट्स) का मूल्य वर्धन

सेंट्र फुड टेक्नोलोजिकल रिसर्च इन्स्ट्टीट्यूट को बांस प्ररोहों से नये उत्पादा जैसे कैंडीज, चटनी, अचार सूप मिक्स, डीहाइड्रेटेड बांस प्ररोह आदि विकसित करने के लिए सहायता प्रदान की गयी है। विकास उत्पादों को निर्माण की स्थितियों, भंडार और पैकेजिंग स्थितियों के लिए मानकीकरण किया जायेगा। यह परियोजना भोज्य उत्पाद के रूप बांस में प्ररोहों के प्रयोग को प्रोत्साहन देने में उपयोगी होगी।

### 8. चपटे बांस आधारित सोलर प्लेट कलेक्टर वाटर हीटर एवं ग्रेन ड्रायर

एन.एम.बी.ए. ने मुख्य अवयव के रूप हरित सामग्री के उपयोग द्वारा सोलर वाटर हीटर और ग्रेन ड्रायर प्रोटोटाइप का विकास किया है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य घरेलू प्रयोग हेतु कम लागत के और बेहतर मॉडल के उत्पादों का विकास करना है।

### 9. ऊर्जा उत्पादन हेतु बांस से विकेन्द्रीकृत छोटे पावर पैक साइक्लिग उपकरण

इस उपकरण के प्रोटोटाइप का विकास कि जा चुका है। इसमें लगभग 45 मिनट की साइकिल पैडलिंग से इतनी विजी पैदा होती है कि एक 40 वाट का बल्ब चार घन्टे तक जल सकता हैं इस उपकरण से इस्दराज कक्षेत्रों मेंरहने वाले लोगों को कुछ घन्टों के लिए बिजल मिल सकती है।

### 10. बांस की हाइड्रोपोनिक इकाई का विकास

हाइड्रोपोनिक, एल्युमीनियम फ्रेम पर लगे पी.वी.सी. पाइपों के प्रयोग द्वारा बिना मृदा (साइल) के जल में खनिज पोषक विलयनों का उपयोग करके पौधे उगानेकी विधि है। मेसर्स वर्ल्ड किड इन्क, मुम्बई बासं की हाइड्रोपोनिक इकाई का विकास कर रही है, जो रूफटाप हाइड्रोजोनिक डेमों ग्रीन के साथ प्लास्टिक और एल्युमीनियम रूपां ो प्रति स्थापित करेगी।

### 11. बांस प्रशिक्षण एवं उत्पाद विकास केन्द्र

बांस क्षेत्र में कार्य कौशल प्रशिक्षण, उद्यमिता किास, उत्पाद विकास और सम्बंधित अनुप्रयोगों में सहायता देने के क्रम में सरकारी निजी भागीदारी (पी.पी.पी.) मोड अथवा संयुक्त सहयोग से बांस प्रशिक्षण एवे उत्पाद विकास केन्द्र की स्थापना के लिए के.ओ.एन. बी.ए.सी. महाराष्ट्र बांस विकास एजेंसी–छत्तीसगढ़, उड़ीसा बांस विकास एजेंसी, उड़ीसा तपिनी बांस केन्द्र, अहमदा बाद और सोसाइटी फॉर डेवलपमेंट ऑफ कम्पोजिट, बंगलौर के साथ करार किये हैं। ये केन्द्र उपलब्ध करायेंगे :

i) चटाई बुनाई, सिल्वर, उत्पादन, छड़ी निर्माण, बेसिक फर्नीचर, बोर्ड आधारित फेब्रीकेशन, और पूर्ण बांस स्ट्रक्चर्स/हाऊसिंग सारकोष निर्माण मैकेमाइज्ड फर्नीचर ओर बांस प्ररोह उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों में कर्मचारियों को प्रशिक्षण

ii) प्रशिक्षण सत्रों का विकास, कर्मचारियों और उद्यमियों हेतु करीकुलम

iii) प्रौद्योगिकी अनुसंधान एंव बाजार उध्ययन

iv) उत्पाद एवं डिजाइन विकास

v) विभिन्न बांस उत्पादों का निर्माण

vi) स्ट्रक्चर्स के गढ़न हेतु परियोजनाएं चलाना और बांस उत्पादों विशेषकर फर्नीचर, चटाईयों, छड़ियों आदि की सप्लाई

vii) बांस उद्यो हेतु व्यवसाय इन्क्यूवेशन

viii) बांस आधारित औद्योगिक अनुप्रयोगों को प्रोत्साहन और विपणन (मार्केटिंग)

ix) बांस क्षेत्र में शिक्षा, जागरूकता और क्षमता निर्माण

## 12. दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय ने भुगतान आधार पर अपने विभिन्न कॉलेजों में इंजीनियर्ड बांस प्री–फैब्रीकेटेड स्ट्रक्चर्स को अध्ययन कक्षों, संकाय कक्षें और क।टीन या कैफेटेरिया के रूप में लगाने पर अपनी इच्छा दर्शाई है। तदानुसार, एनएम.बी.ए ने 22 कॉलेजों में ऐसे अध ाारभूत ढांचों को लगाने की एक परयिोजना को सहायता प्रदान की। स्ट्रक्चर लगाने का काम पूरा हो चुका है और इन्हें आगामी अकादमिक सत्र से प्रयोग में लाया जायेगा। पर्यावरण मित्र होनके साथ–साथ ऐसे स्ट्रक्चर सस्ते, कम रख–रखाव वाले और कम समय में लगने वाले होते हैं।

## 13. बांस टिम्बर

बांस टिम्बर लकड़ी का सिद्ध बेहतरीन विकल्प है और यह री–इनफोएर्ड कम्प्रेसड बांस बीम और बोर्ड के रूप मं उपलब्ध हैं। यह इमारती लकड़ी का 100%विकल्प है क्योंकि इसे किसी भी दिशा में चीरा, बालू से मकाया, पालिश किया जा सकता है। दरवाजों, खिड़कियों और फर्नीचर जैसे लकड़ी अनुप्रयोगों में इसका उपयोग किया जा सकता है। एन.एम.बी.ए. चिचाला, जिला नागपुर, महाराष्ट्र में बांस टिम्बर निर्माण इकाई की स्थापना के लिए सहायता प्रदान कर रहा है।

## 14. बांस शिल्प शोरूम

एन.एम.बी.ए. की सहायता से पूर्ण बांस और बांस कम्पोजिट सामग्री के प्रयोग द्वारा 11 बासं कक्ष और एक भंडार कक्ष के साथ एक विशाल बांस शिल्प शोरूम बनाया गया। इस सुविधा को अपयोग 9–महादेव रोड, नई दिल्ली पर भारत के शिल्प की विशिष्ट प्रदर्शनियों के लिए किया गया जायेगा। इसका उद्घाटन, सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार ने किया।

## 15. भारतीय बांस पोर्टल की शुरूआत

माननीय सचिव विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विगत 07 अप्रैल, 2010 को बेब आधारित मार्केटिंग पोर्टल का उद्घाटन किया गया। इस पोर्टल का उद्देश्य भारत भर में बांस के सामान और बांस अनुप्रयोगों के कार्य से जुड़ें उद्यमों, संगठनों, सहकारी समितियों अथवा समुदायों के लिए एक वेब आधारित प्लेटफार्म उपलब्ध कराता है ताकि वे विश्व भर के बाजारों में उपने उत्पादों का प्रदर्शन कर सके और अपने कारोबारी अवसरों का विस्तार करने में समर्थ हो सकें। बांस निर्माता/प्रोसेसर्स इसमें पजीकरण कराकर लाभ ले सकते हैं। इस पोर्टल का सम्पर्क है:

http://www.indiabambooallinall.org

## 16. भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला

14–27 नवम्बर, 2009, नई दिल्ली भारतीय व्यापार प्रोत्साहन संगठन (आई.टी.पी.ओ.) द्वारा प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 14–27 नवम्बर को आयोजित होने वाला भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला एक महत्वपूर्ण घटना (इवेंट) है। एन.एम.बी.ए. ने अपने सहायता प्राप्त उद्यमियों के साथ इसमें भाग लिया। एन. एम.बी.ए. मंडप का उद्घाटन माननीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सरकार ने किया। एन.एम.बी.ए. ने आई.आई.टी.एफ. 2009 में केन्द्र सरकार के मण्डपों की प्रदर्शनी में उत्कृष्टता में प्रथम स्थान पाने पर स्वर्ण पदक प्राप्त किया। प्रदर्शित उत्पादों में पूरी तरह बांस के बने घर, इंजीनियर्ड बांस प्रीफैब आश्रय (शेल्टर्स), आपदा सहायता आवास, फ्लोरिंग, थर्मोप्लास्टिक्स, फर्नीचर, चारकोल, ब्लाइंड्स, अगर बत्तियां आदि थे। बांस साइकिल, सूक्ष्मदर्शी, लैम्प, नयी बांस कुर्सियां, बांस टिम्बर को बांस के अनुप्रयोग क्षेत्रों को समझने के लिए देखा जा सकता है। एन.एम.बी.ए को पर्यावरण मित्रता, जैव–अवक्रमण (बायो–डीग्रेडेबल) उत्पादों और हरित समाधान के क्षेत्र में वैश्विक प्रयासों से जुड़ने पर गर्व है।

व्यापार मेला के दौरान, एन.एम.बी.ए. ने पहली बार प्रकृति की चमत्कारी घास के 1500 उपयोगों के ऊपर केन्द्रित बम्बूस्टिक 2009 प्रस्तुत किया। इस उत्सव का उद्देश्य युवा दिलों और दिमागों को उस बांस के उपयोग के प्रति प्रेरित करना था, जोकि स्वच्छ, हरित भारत के लिए एक सरलता से नवीकृत होने वाला संसाधन है।

# 8 भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन (मिशन फॉर जियोस्पेशियल एप्लीकेशन्स)

यह मिशन मोड परियोजना 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी द्वारा भारतीय कृषि का पुनर्सशक्तीकरण' के रूप में, 11 वीं योजना के लिए कुल 4.90 करोड़ रूपये की लागत से 2007 के दौरान शुरू हुई। परियोजना का अब विस्तार हो चुका है और इसका नया नाम 'भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन' रखा गया है और 11 वीं योजना हेतु इसकी लागत बढ़कर 24.50 करोड़ रूपये कर दी गयी है।

## मिशन की संक्षिप्त गतिविधियां

### I. कृषि मूल्यांकन

परियोजना को प्रारम्भ में विभिन्न मौसम घटनाओं जैसे ओला वृष्टि, बाढ़ और सूखे के प्रभाव पर दृष्टि रखने के उद्देश्य से शुरू किया गया। इसका लक्ष्य वास्तविक समय आधार पर, ग्रामीण स्तर पर केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों एवं अन्य उपयोगकर्ताओं को फसल क्षेत्र, फसल स्वास्थ्य, उत्पादन आदि पर डाटा उपलब्ध कराना है। उपरोक्त पर विभिन्न चीनी मिलों, राज्य सरकारों एवं अन्य सरकारी एजेंसियों को सूचनाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

### II. बाढ़ प्रतिरूपण (मॉडलिंग) और पूर्वानुमान

बाढ़ जैसे प्राकृतिक प्रकोपों पर दृष्टि रखने के लिए आवश्यक परिणाम (कोरोलरी) के रूप में मिशन ने बाढ़ प्रतिरूपण (मॉडलिंग) और नदी बेसिनों की मानीटरिंग के कार्य को शुरू किया है। इसका उद्देश्य सुरक्षित नदी बेसिनों के सम्बंध में, वास्तव में बाढ़ के आने की स्थिति से पहले चेतावनी प्रणाली उपलब्ध कराने और सभांवनाओं के साथ बाढ़ अनुक्रमणिका (इन्डेक्स) तैयार करना है। विकसित सक्षमताओं में शामिल हैं क) ग्रामीण स्तर तक बाढ़ का क्षेत्र ख) ग्रामीण स्तर तक बाढ़ मानचित्र ग) बाढ़ के पानी की मात्रा घ) जल भराव की गहराई ङ) ग्रामीण स्तर तक बाढ़ का पूर्वानुमान (वर्षा और नदियों से पानी छोड़ जाने के आधार पर च) वर्षा से नदियों के जल स्तर में वृद्धि छ) विभिन्न बांधों और तालाबों से छोड़े गये पानी के बाद बाढ़ आने का अनुमानित समय, ज) एक विशेष क्षेत्र/गांव में जल भर जाने की अवधि झ) बाढ़ का बांया तट/दांया तट आदि। गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुरोध पर साबरमती नदी बेसिन का प्रतिरूपण किया गया और राज्य सरकार ने मिशन द्वारा तैयार किये गये बाढ़ मानचित्र को सफलता पूर्वक अधि ाप्रमाणित किया। सफलता के साथ देश के अन्य भागों में भी बाढ़ संभावित असुरक्षित नदी बेसिनों हेतु गतिविधि ायों को विस्तार दिया गया है। मानसून मौसम 2009–10 के दौरान वास्तविक समय बाढ़ प्रतिरूपण (मॉडलिंग) एक महत्वपूर्ण विशिष्टता थी। संख्यात्मक मॉडल द्वारा गुजरात सिंचाई विभाग से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण किया गया और एक नदी 'तापी' के लिए इसका परिणाम गुजरात आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को उपलब्ध कराया गया। इसका बिहार के बागमती और अडमारा नदी बेसिन और उड़ीसा के महानदी और बैतरणी नदी बेसिनों तक विस्तार किया गया। भविष्य में देश के सभी नदी तंत्रों को समाहित किया जायेगा। मिशन ने नई संचार प्रौद्योगिकियों के उपयोग द्वारा जटिल स्थितियों में जल स्तर की निगरानी के लिए एक नये सेंसर का भी विकास किया है।

### III. आन्तरिक सुरक्षा

1. **3–डी टेरेन मॉडल्स** : कृषि मूल्यांकन एवं बाढ़ प्रतिरूपण (मॉडलिंग) के अन्तर्गत किये गये परीक्षण सुरक्षा के क्षेत्र में प्रयोगों तक पहुंचे। उपरोक्त परियोजनाओं के अन्तर्गत विकसित सक्षमता केउपयोग द्वारा, मिशन हाई–रीसोल्यूशन' सेटेलाइट मेजरी और डिजिटल टोपो मानचित्रों को संघटित करके 3–डी मॉडल को तैयार करने में सफल

रहा। इन परियोजनाओं के अन्तर्गत तैयार मॉडलों का गृह मंत्रालय और आन्तरिक सुरक्षा से जुड़ी अन्य सरकारी एजेंसियों द्वारा भी किया जा सकता है। 'हाई–रीसोल्यूशन सैटेलाइट इमेजरी को जी.आई.एस. प्लेटफार्म में डिजिटल टोपों शीट क साथ जोड़ा गया है ताकि 3–डी मॉडल्स का उत्पादन किया जा सके जोकि विमान चालन (नेवीगेशन) और प्रचालनात्मक योजना में मदद के लिए अन्य लक्ष्यों के साथ समस्याप्रद भूभाग और ढ़लानो को दर्शाये। क्षेत्र (टेरेन) मॉडल्स का गृह मंत्रालय, झारखंड, छत्तीसगढ़, पूर्वात्तर राज्य सरकारों, बी.एस.एफ. और सी. आर.पी.एफ. आदि को उपलब्ध कराया गया है।

2. **सामरिक (टेक्टीकल) रेडियो सेट्स** : पायलट परियोजना के अन्तर्गत, मिशन केन्द्रीय और राज्य पुलिस, अर्ध–सैनिक बलों को संचार और क्षेत्रीय प्रचालनों (फील्ड ऑपरेशन्स) हेतु अनुसंधान एवं विकास आधार सामरिक रेडियो सेट्स (एच.एफ., लो.वी.एच.एफ. और वी.एच.एफ. हेतु) का विकास कर रहा है। इस मिशन द्वारा विकसित 3–डी क्षेत्र (टेरेन) मॉडल्स के क्षेत्रीय प्रचालन और संचार तंत्र के प्रौद्योगिकीय मसलों पर एस.एस.बी., आई.टी.बी. पी., बी.एस.एफ., सी.आर.पी.एफ., सी.आई.एस.एफ., गृह मंत्रालय और विभिन्न राज्य सरकारों के अधिकारियों को प्रस्तुतीकरण दिये गये। हाल ही में, गृह मंत्रालय ने रिपोर्ट दी है, जिसमें उन्होंने सुझाव दिये हैं और चरण बद्ध तरीके से पुलिस में इन प्रौद्योगिकियां के प्रयोग की सिफारिश की है। सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.) और सी.आर.पी.एफ., मिशन द्वारा उनके पुलिस प्रचालनों के लिए विकसित ऊपरलिखित संचार तंत्रों और क्षेत्र (टेरेन) मॉडलों का उपयोग कर रहे हैं।

3. **आपदा प्रबंधन और विकास गतिविधियों की मॉनीटरिंग**

उपरोक्त गतिविधियों के अलावा, मिशन ने हाल ही में आपदा प्रबंधन और विकास गतिविधियों की निगरानी के नये क्षेत्रों में प्रवेश किया है। मणिपुर सरकार ने मिशन से अनुरोध किया है कि मिशन उनकी सड़क निर्माण, ग्रामीण, आवास निर्माण आदि विकास गतिविधियों को मानीटर करे। ऐसे ही उत्तराखंड सरकार ने अपने भू–स्खलन कार्यों की मानीटरिंग के लिए मिशन से सम्पर्क किया है।

अनुलग्नक–1

# प्रकाशनों की सूची

1. **'यौगिक–आश्चर्यजनक सामग्री',** संगीता बख्शी एवं एस. बिस्वास, कोरोजन यथा वर्ल्ड कोरकोन, 2009 पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन और एक्सपो की कार्यवाहियों में प्रकाशित/नेशनल एसोसिएशन ऑफ कोरोजन इंजीनियर्स (एन.एसी.ई.) इंटरनेशनल, मुम्बई ,द्वारा 29 सितम्बर–01 अक्टूबर, 2009 को आयोजित

2. **'समुद्री क्षेत्र में यौगिकों का अनुप्रयोग',** संगीता बख्शी एवं एस. बिस्वास, समुद्री अनुप्रयोगों पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कार्यशाला एवं एक्सपो (आई.डब्लू.सी.ई.एम. 2010) की कार्यवाहियों में प्रस्तुत और प्रकाशित, डिफेन्स इन्स्ट्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलोजी, पुणे, जनवरी 14–16, 2010 को आयोजित

3. **'जैव प्रक्रिया प्रौद्योगिकियां'–टाइफैक प्रयास'**–पी. आर. बसाक, निर्मला कौशिक और सौमित्र बिस्वास द्वारा अक्टूबर, 2009 को टाइफैक, नई दिल्ली में "जैव प्रक्रिया प्रौद्योकियां : उभरते हुए अवसर" विषय पर टाइफैक–आई. आई.सी.एच.ई. संगोष्ठी में प्रस्तुत और संगोष्ठी की कार्यवाहियों में प्रकाशित

4. **'सगमरमर गारा (स्लरी) क लाभकारी उद्योग हेतु भारत में अनुसंधान एवं विकास प्रयास'**–संजय सिंह द्वारा और 'संगमरमर अपशिष्ट (वेस्ट)' पर एक संगोष्ठी में प्रस्तुत और इसकी कार्यवाहियों में प्रकाशित। इसका आयोजन 15–16 अक्टूबर 2009 को दियार वाकिर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इन्डस्ट्री इस्ताम्बूल, टर्की द्वारा किया गया।

5. **'जैव संसाधन से जैव उत्पाद–प्रौद्योगिकी रूझान एवं अवसर'**–पी.आर. बसाक, निर्मला कौशिक, सौमित्र बिस्वास,12–13 दिसम्बर को कुआलालुम्पुर (मलयेशिया) मे जैव प्रक्रिया इंजीनियरी में रूझान, माइक्रोट्राइ, 2009 पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियों में प्रकाशित

6. **'जैव ईंधन एवं जैव उत्पाद'**–पी.आर. बसाक ने नेशनल पॉवर ट्रेनिंग इन्स्ट्टीट्यूट (एन.पी.टी.आई.) द्वारा जनवरी, 2010 में एन.टी.पी.सी., बदरपुर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रस्तुत।

7. **'ऊर्जा वाहक के रूप में मेथेनॉल'**–पी.आर. बसाक, निर्मला कौशिक, सौमित्र बिस्वास, सर्च (वोल 13, सं. 02) फरवरी, 2010

8. **'जैव ईंधनों की नई पीढ़ी'–प्रौद्योगिकी एवं आर्थिक परिप्रेक्ष्य**, निर्मला कौशिक, सौमित्र बिस्वास और पी.आर. बसाक द्वारा 19–21 मार्च, 2010 को मद्रास स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स में 'प्रौद्योगिकी विकास एवं पर्यावरण' पर आयोजित सम्मेलन में प्रस्तुत।

# लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सदस्यगण
शासी निकाय,
प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद्
नई दिल्ली –110016

हमने **प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक), नई दिल्ली** के 31 मार्च 2010 तक के सलंग्न तुलन–पत्र तथा इसी तिथि तक की अवधि के संलग्न आय एवं व्यय लेखा की लेखा–परीक्षा कर दी है। इन वित्तीय विवरणों का उत्तरदायित्व टाइफैक के प्रबन्धकों पर है। हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखा–परीक्षा (ऑडिट) के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अभिमत को प्रकट करना है।

हमने भारत में सामान्यतयः लेखा–परीक्षा के स्वीकृत मानदंडों के अनुसार लेखा–परीक्षा आयोजित की है। इन मानदंडों से यह अपेक्षा की जाती है कि हम इन वित्तीय विवरणो की सामग्री की यथार्थता के बारे में समुचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की आयोजना करें और इसे निष्पादित करें। एक लेखा परीक्षा में वित्तीय विवरणों में दी गई राशि और प्रकटनों के समर्थन में साक्ष्यों की परीक्षण के आधार पर जांच करना शामिल है। एक लेखापरीक्षा में प्रबंधकों द्वारा प्रयुक्त लेखाविधि नीतियों और उल्लेखनीय अनुमानों के आकलन के साथ–साथ वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का भी मूल्यांकन करना शामिल है। हमें विश्वास है कि हमारी लेखापरीक्षा में हमारे अभिमत के लिए समुचित आधार विद्यमान हैं।

अनुबंध ए. आर–1 के अनुसार लेखापरीक्षा आपत्तियों के अधीन, अनुसूची–39 और 40 के अनुसार लेखाओं पर टिप्पणियों, नोट संख्या बी–1–> टाइफैक के प्रकाशनों के स्टॉक का लेखा न रखना, नोट संख्या बी. 2–> कुछ मामलों में क्रियान्वयन एजेन्सी से उपयोग की गई अनुदान की राशि के सम्बंध मे उपयोगिता विवरणों की प्राप्ति न होना, के संबंध मे टिप्पणियां दी गई हैं, और हम रिपोर्ट देते हैं कि :

1. हमने लेखापरीक्षा के लिए आवश्यक सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त किये, जो हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार आवश्यक थे।
2. हमारे विचार में टाइफैक द्वारा कानून के अनुसार लेखा पुस्तकों को उचित रूप से बनाए रखा गया है।
3. इस रिपोर्ट से सम्बन्धित तुलनपत्र और आय एवं व्यय लेखा की लेखा पुस्तकों से सम्मति है।
4. हमारे विचार, पूर्ण जानकारी और हमें दिये गये स्पष्टीकरण के अनुसार उपर्युक्त लेखा, अनुसूचियों और उन पर की गई टिप्पणियों सहित, सोसायटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम द्वारा निर्दिष्ट सूचना को अपेक्षानुसार प्रदान किया गया हैं और ये सही एवं निष्पक्ष स्थिति को प्रदर्शित करते हैं :

   क) तुलन–पत्र के संबंध, में टाइफैक के कार्यो हेतु 31 मार्च 2010 की स्थिति;

   ख) आय एंव व्यय खाते के मामले में, इसी तिथि को समाप्त लेखाकंन वर्ष हेतु आय से अधिक व्यय

**कृते चांदीवाला विरमानी एंड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदीवाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
**चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स**

हस्ता/–
**(भारत भूषण)**
**भागीदार**
**सदस्यता सं. 87365**

दिनांक : 23.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
# वर्ष 2009–10 हेतु सांविधिक लेखा परीक्षा

**लेखा परीक्षण आपत्तियां**

**क) टाइफैक**

1. आयकर विभाग ने वर्ष 2005–06 हेतु आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 226 के अन्तर्गत 8,28 14,300/–रूपये के भुगतान की मांग रखी है। टाइफैक ने इस देयता को स्वीकार नहीं किया है आ उपयुक्त अपील प्राधिकारी के समक्ष अपना विरोध जताया है। अपील अभी तक लम्बित है। आयकर के खाते में 8,28,14,300/–रूपये की यह एक आकस्मिक देयता है। टाइफैक ने कथित देयता के लिए विरोध क अन्तर्गत 50 लाख रूपये की राशि जमा कर दी है और इस राशि को वसूली योग्य अग्रिम की मद में दर्शाया है।

2. कानूनी कार्यवाहियों को शुरू करने सहित वसूली प्रक्रिया के मामले में आन्तरिक नियंत्रण कमजोर है। विशेषकर घरेलू प्रौद्योगिकी मामलों में/ऐसे भी मामले हैं जहां पुनर्भुगतान को एक बार से अधिक पुनः समोजित (री–शेडयूल) किया गया लेकिन वसूली धीमी ही रही। उदाहरण के लिए हाई–टेक इंजीनियरिंग, मुम्बई को प्रौद्योगिकी विकास सहायता के लिए 20 लाख रूपये की राशि मंजूर की गयी और अनुबंध के अनसार पार्टी से 30 लाख रूपये मूल्य की पी.डी.सी. प्राप्त की गयी। पुनर्भुगतान को एक से अधिक बार पुनर्संयोजित किया गया और अन्त में पार्टी निम्नलिखित पुनर्भुगतान संयोजन पर सहमत हुई :

| क्र.सं. | चैक का दिनांक | राशि (लाख रूपयों में) |
|---|---|---|
| 01 | 01.08.2003 | 2.00 |
| 02 | 01.02.2004 | 2.00 |
| 03 | 01.08.2004 | 2.00 |
| 04 | 01.02.2005 | 2.50 |
| 05 | 01.08.2005 | 2.50 |
| 06 | 01.02.2006 | 2.50 |
| 07 | 01.08.2006 | 2.50 |
| 08 | 01.02.2007 | 3.00 |
| 09 | 01.08.2007 | 4.00 |
| 10 | 01.02.2008 | 7.00 |
| | **कुल पुनर्भुगतान** | **30.00** |

उपरोक्त सभी चैक बाउंस हो गये लेकिन इतने वर्षों तक कोई कानूनी कार्यवाही नहीं की गयी। इसने कुछ मामलों मे निम्नलिखित कमियां नोट की है :–

1. मार्च, 2008 और मार्च, 2009 को समाप्त वर्ष हेतु पार्टियों से लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण नहीं लिया गया।
2. अन्य उधार देने वालो से अनापत्ति प्रमाणपत्र नहीं लिया गया। जबकि परिसम्पत्तियों उनक पास गिरवी हैं और टाइफैक परी–पुस्सु अधिकार का आनंद ले रहा है।
3. गारंटी डीड पर गारंटीयता की देयता की सीमा नहीं दर्शाई गयी है।
4. बंधक सम्पत्तियों का बीमा नहीं लिया जा रहा है।
5. कम्पनी के पी.ए.एन. कार्ड की प्रति रिकार्ड में नहीं है। और गारंटीदाता
6. कम्पनियों का कोई एम.ओ.ए. और ए.ओ.ए. नहीं लिया गया है।

3. 12,48,000/–रूपये की राशि का दिनांक 13.11.2009 का चैक सं. 50 81 35 वसूली के लिए पड़ा है।

4. टी.डी.एस. भुगतान आधार पर काटा जाता है लेकिन आयकर अधिनियम के अनुसार टी.डी.एस. का 'जमा (क्रेडिट) और भुगतान, जो भी पहले हो' काटा जाना चाहिए।

5. बहियों के अनुसार 31.03.2010 को कुल लधु अवधि जमा 3,16,66,342/–रूपये के हैं जबकि इन जमाओं के बदले भौतिक उपकरण (फिजीकल इन्स्ट्रुमेंट्स) 3,02,67,745/–रूपये के है। और लघु अवधि जमा उचित (सस्पेंस) खाते में 13,98,597/–रूपये की शेष राशि दर्शाई गयी है। इसे ठीक किये जाने की जरूरत है और सक्षम अधिकारी से उचित अनुमोदन लेकर इसका उचित समायोजन किया जायेगा।

6. कुछ मामलों मे यह पाया गया है कि वर्तमान चालू देयताएं लम्बे समय से बकाया है। यह सुनिश्चित किया जाये कि इन देयताओं का भुगतान हुआ है या नहीं/यदि नहीं तो इन्हें उचित अनुमोदन लेकर बट्टे खाते डाला जाये :

   1) जी.एस.एल.आई.एस. – 133/–रूपये

   2) देय वेतन (प्रो. गणपति) – 1800/–रूपये

7. 1,20,91,059/–रूपये की राशि का भुगतान किया गया और उसे इस वर्ष में खर्च के रूप में बुक किया गया, जबकि यह खर्च विगत वर्ष 2008–09 से सम्बंधित है जिसके लिए पिछले वर्ष में कोई प्रावधान नहीं किया गया था। यहां इस वर्ष के अधिशेष (सरप्लस) को 1,20,91,059/–रूपये तक डी–फ्लेटेड के रूप में दर्शाया गया है।

8. वित्तीय वर्ष 2010–11 में 50,55,194/–रूपये की एक राशि का भुगतान हुआ जबकि यह खर्च चालू वित्तीय वर्ष 2009–10 से सम्बंधित है जिसके लिए चालू वर्ष में कोई प्रावधान नहीं किया गया। यहां इस वर्ष के अधिशेष (सरप्लस) को 50,55,194/–रूपये तक इनफ्लेटेड के रूप में दर्शाया गया है।

9. मूल्यांकन वर्ष 2010–2011 की टी.डी.ए. विवरणियों (रिटर्न्स) को नियत तिथि के बाद जमा किया गया। जैसा कि नीचे वर्णित है :

| तिमाही | नियत तिथि | फाइल करने की तिथि |
|---|---|---|
| पहली | 15.07.2009 | 07.09.2009 |
| दूसरी | 15.10.2009 | 13.11.2009 |
| तीसरी | 15.01.2010 | 02.03.2010 |

10. निम्नलिखित शेष पिछले 2–3 वर्षों से बकाया हैं जिनका अब तक समायोजन नहीं किया गया :

**नामे शेष डेबिट बेलेंस**

- छुटपुट देनदार–एम.टी.एन.एल. 5,357/–रूपये
- एस.ए.आई.एल. एन.एम.पी.पी. 19,736,55/–रूपये
- स्वागत कार्यालय (डी.एस.टी.) का निर्माण 32,59,953/–रूपये
- छुटपुट देनदार–डी.एस.टी. 26,36,440/–रूपये

## अनुबंध ए.आर.–1 टाइफैक–लेखा प्रेक्षणों के उत्तर

1. टाइफैक ने पहले ही आयकर आयुक्त अपील XXI के समक्ष एक अपील दायर की है जो कि 6 सितम्बर, 2010 हेतु पोस्ट हुई। अपील को 06 सितम्बर, 2010 को टाइफैक केपक्ष में सुना गया। केस का निपटाने के आवश्यक आदेश जारी किये जा रहे हैं। सी.आई.टी. अपील XXI से आदेश मिलने पर आयकर विभाग पर 50 लाख रूपये की राशि ब्याज सहित वापस करने का दावा किया जायेगा।

2. सभी मामलों कानूनी नोटिस जारी किये गये हैं। विभिनन परियोजनाओं में आदलती मामले फाइल किये गये, उन पर कार्य चल रहा है। सभी बकाया राशियों की वसूली के लिए सभी संभव प्रयास किये जा रहे हैं।

3. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एस.डी.ए. शाखा, नई दिल्ली ने भारतीय स्टेट बैंक की मेटुर डम शाखा, तमिलनाडु को 31.08.2010 को एक पिछला अनुस्मारक जारी किया है कि वह 12,48,000/–रूपये की राशि का डुप्लीकेट मांग ड्राफ्ट जारी होना है।

4. भविष्य में अनुपालन हेतु इस बिन्दु को नोट किया।

5. लधु अवधि जमा उचिंत (सस्पेंस) खाते में दर्शायी गयी 13,98,597/–रूपये की राशि में से, 11,91,860/–रूपये की राशि को मिलान (री–कन्साइल) किया जा चुका है। वित्तीय वर्ष 2001–02 के दौरान, लेखा परीक्षण के समय, अर्जित आधार (एक्रुअल बेसिस) पर लधु अवधि जमा को ब्याज खाते में जमा किया गया था और वही राशि वित्तीय वर्ष 2003–03 में लघु अवधि जमा का नकदीकरण कराते हुए असावधानी से दुबारा ब्याज खाते में जमा हो गयी। उचिंत (सस्पेंस) खाते में छोड़ी गयी 2,06,737/–रूपये की शेष राशि का मिलान किया जा रहा है। सक्षम अधिकारी के अनुमोदन से पूर्ण राशि को चालू वर्ष में समायोजित किया जायेगा।

6. संकेतित देयताओं का भुगतान वर्ष 2010–2011 में किया जायेगा।

7. इस बिन्दु को भविष्य में अनुपालन हेतु नोट किया गया।

8. इस बिन्दु को भविष्य में अनुपालन हेतु नोट दिया गया।

9. इस बिन्दु को भविष्य में अनुपालन हेतु नोट दिया गया।

10. मामले को सम्बंधित विभाग/एजेंसी के समक्ष बकाया राशि की प्रतिपूर्ति हेतु पहले ही प्रस्तुत किया जा चुका है।

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)
## 31 मार्च 2010 को तुलन पत्र (बैलेंस शीट)

(राशि–रूपये में)

| | अनुसूची | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|
| **निकाय/पूंजीगत निधि और देयताएं** | | | |
| निकाय/पूंजीगत निधि | **1** | 200,517,116.19 | 180,558,601.63 |
| रिजर्व और अधिशेष | **2** | 0.00 | 0.00 |
| उद्दिष्ट/विन्यास निधि (इयरमार्क्ड/इनडोमेंट फंड्स) | **3** | 0.00 | 0.00 |
| सुरक्षित ऋण और उधार | **4** | 0.00 | 0.00 |
| असुरक्षित ऋण और उधार | **5** | 0.00 | 0.00 |
| आस्थगित ऋण देयताएं | **6** | 0.00 | 0.00 |
| चालू देयताएं और प्रावधान | **7** | 43,607,481.99 | 49,256,504.99 |
| **जोड** | | **244,124,598.18** | **229,815,106.62** |
| **परिसम्पत्तियां** | | | |
| अचल परिसम्पत्तियां (निवल) | **8** | 110,637,513.35 | 119,087,252.12 |
| निवेश–उद्दिष्ट/विन्यास निधि से | **9** | 0.00 | 0.00 |
| निवेश–अन्य | **10** | 0.00 | 0.00 |
| चालू परिसम्पत्तियां, ऋण, अग्रिम,इत्यादि | **11** | 133,487,084.83 | 110,727,854.50 |
| विविध व्यय (बट्टे खाते अथवा समायोजित न किए जाने की मात्रा तक) | | | |
| **जोड़** | | **244,124,598.18** | **229,815,106.62** |
| महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां | **39** | | |
| आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणिया | **40** | | |

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

**कृते चांदीवाला विरमानी एण्ड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदीवाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
**चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स**

| हस्ता/ | हस्ता/ | हस्ता/ | हस्ता/ |
|---|---|---|---|
| **(भारत भूषण)** | लेखा अधिकारी | रजिस्ट्रार | वैज्ञानिक प्रभारी |
| (भागीदार) | | | |
| **सदस्यता सं. 87365** | | | |

दिनांक : 23.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)
## 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

(राशि–रूपये में)

| आय | अनुसूची / अनुबन्ध | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|
| बिक्री / सेवाओं से आय | अनुसूची 12 | 0.00 | 0.00 |
| अनुदान / आर्थिक सहायता | अनुसूची 13 | **172,800,000.00** | 26,820,000.00 |
| शुल्क / अभिदान | अनुसूची 14 | **16,065.00** | 3,570.00 |
| निवेशों से आय | अनुसूची 15 | 0.00 | 0.00 |
| रायल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय | अनुसूची 16 | **413,308.00** | 125,951.00 |
| अर्जित ब्याज | अनुसूची 17 | **3,282,793.00** | 2,425,538.00 |
| अन्य आय | अनुसूची 18 | **350,952.00** | 83,666.00 |
| तैयार माल के स्टॉक में वृद्धि / (ह्रास) और प्रगति–परक कार्य | अनुसूची 19 | 0.00 | 0.00 |
| परियोजनाओं से निधि की वापसी | अनुसूची 20 | **67,421,021.00** | 42,075,961.00 |
| **जोड़ (क)** | | **244,284,139.00** | **71,534,686.00** |
| **व्यय** | | | |
| स्थापना व्यय | अनुसूची 21 | 40,546,407.00 | 40,183,458.40 |
| अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि | अनुसूची 22 | 22,021,208.91 | 46,339,904.83 |
| अनुदान, आर्थिक सहायता इत्यादि पर व्यय | अनुसूची 23 | 15,162,223.00 | 30,731,613.00 |
| ब्याज | अनुसूची 24 | 0.00 | 0.00 |
| मूल्यह्रास (वर्ष के अन्त में निवल जोड़) | अनुसूची 8 | 12,824,522.77 | 14,055,453.71 |
| **जोड़ (ख)** | | **90,554,361.68** | **131,310,429.94** |
| व्यय पर आय के आधिक्य के कारण शेष (क–ख) | | 153,729,777.32 | |
| आय पर व्यय के आधिक्य के कारण शेष (क–ख) | | 0.00 | 59,775,743.94 |
| विशेष रिजर्व को अन्तरित (प्रत्येक को स्पष्ट करें) | | | |
| सामान्य रिजर्व को / से अन्तरित | | | |
| निकाय / पूंजीगत निधि का अग्रानीत आधिक्य (घाटा) का शेष | | 153,729,777.32 | 59,775,743.94 |
| महत्वपूर्ण लेखाविधि नीतियां और लेखा पर टिप्पणियां आकस्मिक देयताएं | | | |

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

**कृते चांदीवाला विरमानी एण्ड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदीवाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
**चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स**

| हस्ता / | हस्ता / | हस्ता / | हस्ता / |
|---|---|---|---|
| **(भारत भूषण)** | लेखा अधिकारी | रजिस्ट्रार | वैज्ञानिक प्रभारी |
| **(भागीदार)** | | | |
| **सदस्यता सं. 87365** | | | |

दिनांक : 23.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)
## प्रौद्योगिकी परिदृश्य 2020
## 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

(राशि–रूपये में)

| आय | अनुसूची / अनुबन्ध | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|
| अनुदान / आर्थिक सहायता | **अनुसूची 25** | 0.00 | 0.00 |
| अर्जित ब्याज | **अनुसूची 26** | 0.00 | 8,878,344.00 |
| परियोजनाओं से निधि की वापसी | **अनुसूची 27** | 13,093,753.24 | 17,254,109.58 |
| **जोड़ (क)** | | **13,093,753.24** | **26,132,453.58** |
| **व्यय** | | | |
| स्थापना / प्रशासनिक व्यय | **अनुसूची 28** | 13,144,601.00 | 10,296,608.00 |
| परियोजना व्यय | **अनुसूची 29** | 135,217,399.00 | 321,983,713.00 |
| **जोड़ (ख)** | | **148,362,000.00** | **332,280,321.00** |
| व्यय पर आय के आधिक्य के कारण शेष (क–ख) | | 0.00 | 0.00 |
| आय पर व्यय के आधिक्य के कारण शेष (क–ख) | | 135,268,246.76 | 306,147,867.42 |
| **निकाय / पूंजीगत निधि को अन्तरित घाटे के कारण शेष** | | 0.00 | 130,368,290.61 |
| **टाइफैक निकाय / पूंजीगत निधि को अन्तरित घाटे के कारण शेष** | | 135,268,246.76 | 175,779,576.81 |

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

**कृते चांदीवाला विरमानी एण्ड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदीवाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
**चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स**

| हस्ता / | हस्ता / | हस्ता / | हस्ता / |
|---|---|---|---|
| **(भारत भूषण)** | लेखा अधिकारी | रजिस्ट्रार | वैज्ञानिक प्रभारी |
| (भागीदार) | | | |
| **सदस्यता सं. 87365** | | | |

दिनांक : 23.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)
## पेटेन्ट सुसाध्य केन्द्र
## 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

(राशि–रूपये में)

| आय | अनुसूची / अनुबन्ध | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|
| अनुदान / आर्थिक सहायता | **अनुसूची 30** | 15,000,000.00 | 14,000,000.00 |
| अर्जित ब्याज | **अनुसूची 31** | 0.00 | 0.00 |
| अन्य आय | **अनुसूची 32** | 163,149.00 | 120,144.00 |
| परियोजनाओं से निधि की वापसी | | | |
| **जोड़ (क)** | | **15,163,149.00** | **14,120,144.00** |
| स्थापना / प्रशासनिक व्यय | **अनुसूची 33** | 10,548,229.00 | 7,955,505.00 |
| परियोजना व्यय | **अनुसूची 34** | 3,916,309.00 | 12,528,812.00 |
| **जोड़ (ख)** | | **14,464,538.00** | **20,484,317.00** |
| व्यय पर आय के आधिक्य के कारण शेष (क–ख) | | **698,611.00** | |
| आय पर व्यय के आधिक्य के कारण शेष (क–ख) | | 0.00 | 6,364,173.00 |
| **निकाय / पूंजीगत निधि के अन्तरित आधिक्य / घाटे के कारण शेष** | | **698,611.00** | 6,364,173.00 |

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

**कृते चांदीवाला विरमानी एण्ड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदीवाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
**चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स**

| हस्ता / | हस्ता / | हस्ता / | हस्ता / |
|---|---|---|---|
| **(भारत भूषण)** | लेखा अधिकारी | रजिस्ट्रार | वैज्ञानिक प्रभारी |
| (भागीदार) | | | |
| **सदस्यता सं. 87365** | | | |

दिनांक : 23.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)
## महिला वैज्ञानिकों के लिए अध्येयतावृत्ति
## 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

(राशि–रूपये में)

| आय | अनुसूची / अनुबन्ध | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|
| अनुदान / आर्थिक सहायता | **अनुसूची 35** | 15,496,000.00 | 10,900,000.00 |
| अर्जित ब्याज | **अनुसूची 36** | 0.00 | 0.00 |
| अन्य आय | **अनुसूची 37** | 0.00 | 0.00 |
| परियोजनाओं से निधि की वापसी | | | |
| **जोड़ (क)** | | **15,496,000.00** | **10,900,000.00** |
| **व्यय** | | | |
| व्यय | **अनुसूची 38** | 14,685,955.00 | 13,742,015.00 |
| **जोड़ (ख)** | | **14,685,955.00** | **13,742,015.00** |
| व्यय पर आय के आधिक्य के कारण शेष (क–ख) | | **810,045.00** | |
| आय पर व्यय के आधिक्य के कारण शेष (क–ख) | | | 2,842,015.00 |
| **निकाय / पूंजीगत निधि के अन्तरित आधिक्य / घाटे के कारण शेष** | | 810,045.00 | 2,842,015.00 |

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

**कृते चांदीवाला विरमानी एण्ड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदीवाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
**चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स**

| हस्ता / | हस्ता / | हस्ता / | हस्ता / |
|---|---|---|---|
| **(भारत भूषण)** | लेखा अधिकारी | रजिस्ट्रार | वैज्ञानिक प्रभारी |
| (भागीदार) | | | |
| **सदस्यता सं. 87365** | | | |

दिनांक : 23.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)
## 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

### अनुसूची–1–निकाय / पूंजीगत निधि

(राशि–रूपये में)

| | टाइफैक | परिदृश्य **2020** | पेटेन्ट सुसाध्य केन्द्र | महिला वैज्ञानिकों के लिए अध्येयतावृत्ति | चालू वर्ष **31.03.2010** को | गत वर्ष **31.03.2009** को |
|---|---|---|---|---|---|---|
| आद्य शेष (ओपनिंग बेलेंस) | **181,679,678.31** | **0.00** | **569,155.32** | **-1,690,232.00** | **180,558,601.63** | **474,265,176.53** |
| एस.टी.एम. एवं फ्लाई एश से अन्तरित | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | **0.00** | 81,423,224.46 |
| व्यय पर आय का आधिक्य | 153,729,777.32 | 0.00 | 698,611.00 | 810,045.00 | **155,238,433.32** | 0.00 |
| टाइफैक पूंजीगत निधि को अन्तरित राशि | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | **0.00** | 8,582,002.00 |
| **जोड़** | **335,409,455.63** | **0.00** | **1,267,766.32** | **-880,187.00** | **335,797,034.95** | **564,270,402.99** |
| आय पर व्यय का आधिक्य | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 199,350,222.55 |
| पिछले वर्ष के समायोजन | 11,672.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 11,672.00 | |
| सी.ए.आर. पूंजीगत निधि में घाटे के रूप में दर्शाई गई राशि आद्य शेष को अब टाइफैक पूंजीगत निधि में अन्तरित किया गया है | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 8,582,002.00 |
| परिदृश्य 2020 में किये गये अधिक खर्च के शेष को टाइफैक पूंजीगत निधि में अन्तरित किया जा रहा है | 135,268,246.76 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 135,268,246.76 | 175,779,576.81 |
| **जोड़** | **135,279,918.76** | **0.00** | **0.00** | **0.00** | **135,279,918.76** | **383,711,801.36** |
| **इति शेष (क्लोजिंग बैलेंस)** | **200,129,536.87** | **0.00** | **1,267,766.32** | **-880,187.00** | **200,517,116.19** | **180,558,601.63** |

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक)
## 31 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

### अनुसूची–2 रिजर्व और अधिशेष

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **1. पूंजीगत रिजर्वः** | | |
| पिछले लेखा के अनुसार | 0.00 | 0.00 |
| वर्ष के दौरान वृद्धियां | 0.00 | 0.00 |
| घटाएंः वर्ष के दौरान ह्रास | 0.00 | 0.00 |
| **2. पुनः मूल्यांकन रिजर्वः** | | |
| पिछले लेखा के अनुसार | 0.00 | 0.00 |
| वर्ष के दौरान वृद्धि | 0.00 | 0.00 |
| घटाएंः वर्ष के दौरान ह्रास | 0.00 | 0.00 |
| **3. विशेष रिजर्वः** | | |
| पिछले लेखा के अनुसार | 0.00 | 0.00 |
| वर्ष के दौरान वृद्धियां | 0.00 | 0.00 |
| घटाएंः वर्ष के दौरान ह्रास | 0.00 | 0.00 |
| **4. सामान्य रिजर्वः** | | |
| पिछले लेखा के अनुसार | 0.00 | 0.00 |
| वर्ष के दौरान वृद्धियां | 0.00 | 0.00 |
| घटाएंः वर्ष के दौरान ह्रास | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **0.00** |

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक) (नियमित)
## 31 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

### अनुसूची–3 उद्दिष्ट/विन्यास निधि (इयरमार्क्ड/इनडाउमेंट फंड्स)

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **क) निधियों का आद्य शेष** | **0.00** | **0.00** |
| **ख) निधियों में वृद्धियां:** | | |
| 1) दान/अनुदान | 0.00 | 0.00 |
| 2) निधियों से किए गए निवेशों से आय | 0.00 | 0.00 |
| 3) अन्य वृद्धियां (प्रत्येक को स्पष्ट करे) | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़ (क+ख)** | **0.00** | **0.00** |
| **ग) निधियों के उद्देश्यों की बाबत उपयोगिता/व्यय** | | |
| **i) पूंजीगत व्यय** | 0.00 | 0.00 |
| अचल परिसम्पत्तियां | 0.00 | 0.00 |
| अन्य वृद्धियां (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| **ii) राजस्व व्यय** | | |
| वेतन, मजदूरी और भत्ता आदि | 0.00 | 0.00 |
| किराया | 0.00 | 0.00 |
| अन्य प्रशासनिक व्यय | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़ (ग)** | **0.00** | **0.00** |
| **वर्ष के अन्त में निवल शेष (क+ख+ग)** | **0.00** | **0.00** |

**टिप्पणियां**

1. अनुदान के साथ संबद्ध शर्तो के आधार पर, संबद्ध शीर्ष के अन्तर्गत प्रकटन किया जायेगा।
2. केन्द्र/राज्य सरकारों से प्राप्त आयोजना निधियों को पृथक निधियों के रूप में दर्शाया जायेगा तथा इन्हें किसी अन्य निधि के साथ शामिल नहीं किया जायेगा।

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) (नियमित)
# 31 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–4 सुरक्षित ऋण और उधार

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| 1. केन्द्रीय सरकार | 0.00 | 0.00 |
| 2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| 3. वित्तीय संस्थान | | |
| क) सावधि ऋण | 0.00 | 0.00 |
| ख) ब्याज प्रोद्भूत और देय | 0.00 | 0.00 |
| 4. बैंक | | |
| क) सावधि ऋण | 0.00 | 0.00 |
| ब्याज प्रोद्भूत और देय | 0.00 | 0.00 |
| ख) अन्य ऋण (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| ब्याज प्रोद्भूत और देय | 0.00 | 0.00 |
| 5. अन्य संस्थाएं और एजेंसिया | 0.00 | 0.00 |
| 6. ऋण पत्र और बांड | 0.00 | 0.00 |
| 7. अन्य (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **0.00** |

**नोटः** एक वर्ष में देय राशि

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक) (नियमित)
## 31 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

### अनुसूची–5 सुरक्षित ऋण और उधार

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| 1. केन्द्रीय सरकार | 0.00 | 0.00 |
| 2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| 3. वित्तीय संस्थान | | |
| 4. बैंक | | |
| क) सावधि ऋण | 0.00 | 0.00 |
| ख) अन्य ऋण (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| 5. अन्य संस्थाएं और एजेंसियां | 0.00 | 0.00 |
| 6. ऋण पत्र और बांड | 0.00 | 0.00 |
| 7. सावधि जमा | | |
| 8. अन्य (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **0.00** |

**नोटः** एक वर्ष में देय राशि

### अनुसूची–6 आरक्षित अधिशेष (सरप्लस)

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| क) पूंजीगत उपस्कर और अन्य परिसम्पत्तियों को बंधक बनाकर प्राप्त प्रतिग्रहण राशि (एसेप्टेंसेज) | 0.00 | 0.00 |
| ख) अन्य | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **0.00** |

**नोटः** एक वर्ष में देय राशि

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) (नियमित)
# 31 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–7 चालू देयताएं और प्रावधान

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| क. **चालू देयताएं** | 0.00 | 0.00 |
| **1. विविध लेनदार** | 0.00 | 0.00 |
| **2. विविध लेनदार** | | |
| माल के लिए | 0.00 | 0.00 |
| अन्य | 0.00 | 0.00 |
| **3. प्राप्त अग्रिम** | | |
| हाई प्योरिटी मैग्नैशिया परियोजना का विकास | 0.00 | 0.00 |
| **4. ब्याज प्रोद्भूत लेकिन देय नहीः** | 0.00 | 0.00 |
| सुरक्षित ऋण/उधार | 0.00 | 0.00 |
| असुरक्षित ऋण/उधार | 0.00 | 0.00 |
| **5. सांविधिक देयताएं** | 0.00 | 0.00 |
| अतिशोध्य (ओवरड्यूज) | 0.00 | 0.00 |
| अन्य | 0.00 | 0.00 |
| **6. अन्य चालू देयताएं** | | |
| देय वेतन (प्रो. गणपति) | 1,800.00 | 1,800.00 |
| **7. सुरक्षित जमा** | | |
| पुराने चैक | 1,681,285.06 | 766,955.06 |
| देय व्यय (अनुबन्ध–9 के अनुसार) | 4,103,187.00 | 3,904,421.00 |
| परियोजना इकोसर (अनुबन्ध–10 के अनुसार) | 19,107,292.00 | 19,107,292.00 |
| यंगून में भारतीय–म्यांमार एस. एंड टी. मैत्री पुस्तकालय (अनुबन्ध–11) | 959,659.00 | 959,659.00 |
| री साइक्लेबल पर भारतीय कॉपर मार्केट फोकस (अनुबन्ध–12) | 0.00 | 0.00 |
| एससीसीएल (एम) मनुगुरू की भूमिगत खान में एच.डब्ल्यूपी पौंड की राख में बड़े पैमाने पर एफएएम का भराव (अनुबन्ध–14) | 8,294,830.00 | 8,294,830.00 |
| एमएसईबी–एश उपयोग/प्रबन्धन (अनुबन्ध–13) | 600,094.00 | 3,578,194.00 |
| भूकम्प प्रभावित प्राकृतिक प्रकोप (अनुबन्ध–15) | 165,157.00 | 142,557.00 |
| धरोहर राशि : मैसर्स निम्बस हार्बर प्राइवेट लिमिटेड | 20,000.00 | 20,000.00 |
| राष्ट्रीय सेमिनार–सह–व्यवसाय बैठक के लिए फ्लाई एश प्रायोजना | 285,268.00 | 285,268.00 |
| डी.आर.डी.ओ.–पी.एफ.सी. (अनुबन्ध–16) | 0.00 | 17,291.00 |
| धरोहर राशि : शक्ति शुगर्स लिमिटेड | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : प्रतापपुर शुगर इंडस्ट्री लि. | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : आर.बी.एन. शुगर मिल्स | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : एल.एच. शुगर | 100,000.00 | 100,000.00 |
| | **35,618,572.06** | **37,478,267.06** |

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| धरोहर राशि : रिगा शुगर | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : जीन्द कोपरेटिव शुगर | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : विष्णु शुगर | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : डी.एस.एम. शुगर | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : वलसाड शुगर | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : बुधेवाल कं. | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : पलवल शुगर लि. | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : गोदावरी शुगर मिल | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : पदमश्री डॉ. विट्ठल राव विखो पाटिल एस.एस.के.लि | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : मवाना शुगर | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : ई.आई.डी. पैरी पगालूर | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : विश्वासराव नाइक एस.एस.के. लिमेटेड | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : मैसर्स टरेना एस.एस.के. लिमिटेड | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : शाकुम्भरी शुगर लिमि. | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : श्री तलाबू तालुका एस.के.एम. | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : बिल्लेश्वरी खुर्द उद्योग खेदुत सहकारी मंडल लि. | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : संजीवनी एस.एस.के. लिमिटेड | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : राहुरी एस.एस.के. लिमिटेड | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : अशोक एस.एस.के. लिमिटेड | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : सिंभावली शुगर | 300,000.00 | 300,000.00 |
| धरोहर राशि : जगदम्बा एस.एस.के | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : राना शुगर लि. | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : धरणी शुगर एंड केमिकल लिमिटेड | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : त्रिवेणी इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लि. | 200,000.00 | 200,000.00 |
| धरोहर राशि : उत्तम शुगर लिमिटेड | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : चामुण्डेश्वरी शुगर मिल | 200,000.00 | 200,000.00 |
| धरोहर राशि : मंसूरपुर शुगर | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : भारत शुगर लिमिटेड | 100,000.00 | 100,000.00 |
| धरोहर राशि : मैसर्स संसवाल ट्रेवेल्स | 10,000.00 | 0.00 |
| धरोहर राशि : मैसर्स यात्रिका ट्रेवेल्स | 10,000.00 | 0.00 |
| | **3,220,000.00** | **3,200,000.00** |

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| धरोहर राशि : मैसर्स ओमनी टेक सिस्टमस | 10,000.00 | 0.00 |
| धरोहर राशि : मैसर्स भगवती इन्टरनेशनल | 30,000.00 | 0.00 |
| जी.एस.एल.आई.एस. | 133.00 | 133.00 |
| एम.पी.एस.ई.बी. कृषि विकास ताप पावर संयंत्र; सरणी में फ्लाई एश का उपयोग (अनुबन्ध–17) | 356,825.00 | 1,023,250.00 |
| बी.ए.एस.आई.सी (जलवायु परिवर्तन के लिए संस्थानात्मक क्षमता का निर्माण और सुदृढ़ीकरण) (अनुबन्ध–18) | 0.00 | 0.00 |
| भारत इजरायली कार्यशाला (अनुबन्ध–19) | 0.00 | 0.00 |
| डी.एस.टी.:बी.एम.एफ. (जर्मनी) (अनुबंध–20) | 0.00 | 0.00 |
| मेडिकल योजना | 284,822.00 | 214,737.00 |
| प्रतिभूति जमा : भगवती इंटरनेशनल | 18,451.00 | 0.00 |
| अन्तर्राष्ट्रीय कांग्रेस सेमिनार खर्च | 2,725,412.00 | 5,783,613.00 |
| आई.आई.ए.एस.ए.– टाइफैक संयुक्त अध्ययन | 3,519.00 | 3,519.00 |
| कार्यान्वयन कार्यक्रम : फिजी शुगर इन्डस्ट्रीज | 0.00 | 293.00 |
| छुटपुट लेनदार : मैसर्स सुब्रह्मण्यम,नटराज एंड एसोसिएट्स | 0.00 | 212,945.00 |
| टाइफैक–विश्व बैंक परियोजना (अनुबंध–21) | 1,339,747.93 | 1,339,747.93 |
| **जोड़ (क)** | **4,768,909.93** | **8,578,237.93** |
| **जोड़ (क+ख)** | **43,607,481.99** | **49,256,504.99** |
| **ख) प्रावधान** | 0.00 | 0.00 |
| कराधान के लिए | 0.00 | 0.00 |
| उपदान (ग्रेच्युटी) | 0.00 | 0.00 |
| अधिवर्षिता / पेंशन | 0.00 | 0.00 |
| संचित छुट्टी का नकद भुगतान | 0.00 | 0.00 |
| व्यापार वारंटी / दावे | 0.00 | 0.00 |
| अन्य (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़ (ख)** | **0.00** | **0.00** |
| **कुल जोड़ (क+ख)** | **43,607,481.99** | **49,256,504.99** |

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक) (नियमित)
## 31 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

### अनुसूची–8 अचल परिसम्पत्तियां

(राशि–रूपये में)

| | सकल ब्लॉक | | | | | मूल्यह्रास | | | | निवल ब्लॉक | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | वर्ष के शुरु में लागत/मूल्यांकन | वर्ष के दौरान वृद्धियां | फ्लाई एस. और एस.टी.एम. से वर्ष के अन्त पर अन्तरण | वर्ष के दौरान कटौतियां | वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन | वर्ष के शुरु में | वर्ष के दौरान पर | वर्ष के दौरान कटौतियां | वर्ष के अंत के अनुसार | चालू वर्ष के अंत के अनुसार | गत वर्ष के अंत के अनुसार |
| क. अचल परिसम्पत्तियां | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| 1. क) फ्री होल्ड | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| ख) पट्टे पर (लीज होल्ड) | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| **2. भवन** | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| क) पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि पर | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| ख) पट्टे वाली भूमि पर | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| घ) ईकाई के स्वामित्व से रहित भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर | 117850000.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 117850000.00 | 48260753.50 | 6958924.65 | 0.00 | 55219678.15 | **62630321.85** | 69589246.50 |
| ड) टाइफैक भवन का आन्तरिक कार्य | 48691182.00 | 2481708.00 | 0.00 | 0.00 | 51172890.00 | 4817220.10 | 4560424.44 | 0.00 | 9377644.54 | **41795245.46** | 43873961.90 |
| 3. संयंत्र मशीनरी एवं उपस्कर EQUIPMENT : Fire Alarm System at TIFAC Building | 0.00 | 1004583.00 | 0.00 | 0.00 | 1004583.00 | 0.00 | 113128.80 | 0.00 | 113128.80 | 891454.20 | 0.00 |
| 4. वाहन | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| 5. फर्नीचर और फिक्सचर | 1657397.60 | 155072.00 | 0.00 | 0.00 | 1812469.60 | 1184806.11 | 57177.95 | 0.00 | 1241984.06 | **570485.54** | 472591.49 |
| 6. कार्यालय उपस्कर | 20947121.77 | 581478.00 | 0.00 | 0.00 | 21528599.77 | 16261693.36 | 779736.14 | 0.00 | 17041429.50 | **4487170.27** | 4685428.41 |
| 7. कम्प्यूटर/सहायक पुर्जे | 4875666.28 | 140976.00 | 0.00 | 0.00 | 5016642.28 | 4438753.96 | 315609.79 | 0.00 | 4754363.75 | **262278.53** | 436912.32 |
| 8. विद्युत संस्थापना | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| 9. पुस्तकालय में पुस्तकें | 5443726.55 | 10967.00 | 0.00 | 0.00 | 5454693.55 | 5414615.05 | 39521.00 | 0.00 | 5454136.05 | **557.50** | 29111.50 |
| 10. नलकूप एवं जल आपूर्ति | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| 11. अन्य अचल परिसम्पत्तियां | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | **0.00** | 0.00 |
| **चालू वर्ष का जोड़** | 199465094.20 | 4374784.00 | 0.00 | 0.00 | 203839878.20 | 80377842.08 | 12824522.77 | 0.00 | 93202364.85 | 110637513.35 | 119087252.12 |
| **पिछले वर्ष** | 149272517.21 | 49902261.00 | 364765.99 | 74450.00 | 199465094.20 | 66322388.37 | 14055453.71 | 0.00 | 80377842.08 | 119087252.12 | 82950128.84 |
| **ख. चल रहे पूंजीगत कार्य** | | | | | | | | | | | |
| **उपर्युक्त में परिसम्पत्तियों की लागत को किराया–क्रय के आधार पर शामिल किया गया है।** | | | | | | | | | | | |

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक) (नियमित)
## 31 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

### अनुसूची–9 उद्दिष्ट/विन्यस्त निधि (इयरमार्क्ड/इनडाउमेंटफंड) से निवेश

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| 1. सरकारी प्रतिभूतियों में | 0.00 | 0.00 |
| 2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां | 0.00 | 0.00 |
| 3. शेयर्स | 0.00 | 0.00 |
| 4. ऋण पत्र और बांड्स | 0.00 | 0.00 |
| 5. आर्थिक सहायता और संयुक्त उद्यम | 0.00 | 0.00 |
| 6. अन्य (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **0.00** |

### अनुसूची–10 निवेश–अन्य

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| 1. सरकारी प्रतिभूतियों में | 0.00 | 0.00 |
| 2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां | 0.00 | 0.00 |
| 3. शेयर्स | 0.00 | 0.00 |
| 4. ऋण पत्र और बांड्स | 0.00 | 0.00 |
| 5. आर्थिक सहायता और संयुक्त उद्यम | 0.00 | 0.00 |
| 6. अन्य (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **0.00** |

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) (नियमित)
## 31 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

**अनुसूची–11 चालू परिसम्पत्तियां, ऋण, अग्रिम इत्यादि** (राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | | गत वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| **क) चालू परिसम्पत्तियां** | | | | |
| **1.** तालिकाएं (इन्वेंट्रीज) | | | | |
| भण्डार और स्पेयर्स | | **0.00** | | **0.00** |
| खुले औजार | | **0.00** | | **0.00** |
| यापार में लगा स्टॉक | | **0.00** | | **0.00** |
| तैयार माल | | **0.00** | | **0.00** |
| प्रगति परक कार्य | | **0.00** | | **0.00** |
| **2. विविध देनदार** | | | | |
| विविध देनदार – डी.एस.टी | 2,636,440.00 | | 2,639,680.00 | |
| विविध देनदार – एम.टी.एन.एल. | 5,357.00 | | 5,357.00 | |
| विविध देनदार – मानदेय | 0.00 | | 0.00 | |
| विविध देनदार – एस.टी.एम. | 0.00 | **2,641,797.00** | 0.00 | **2,645,037.00** |
| **3. हाथ में नकद रोकड़ (चैक/ड्राफ्ट और अग्रदाय सहित)** | | **3,524.00** | | **8,587.00** |
| **4. बैंक में जमा** | | | | |
| अनुसूचित बैंक के पास (यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया) | | | | |
| चालू खाते में | 0.00 | | 0.00 | |
| जमा खाते में (अल्पावधि जमा) (अनुबन्ध–7) | 30,267,745.00 | | 51,442,454.00 | |
| बचत खाते में | 86,705,099.28 | | 36,074,546.95 | |
| यू.बी.आई.,एस.डी.ए., नई दिल्ली | 1,398,597.00 | | 0.00 | |
| प्राप्ति योग्य ब्याज पर | 0.00 | | 0.00 | |
| | 0.00 | **118,371,441.28** | 0.00 | **87,517,000.95** |
| गैर–अनुसूचित बैंक के पास | | | | |
| चालू खाते में | 0.00 | | 0.00 | |
| जमा खाते में | 0.00 | | 0.00 | |
| बचत खाते में | 0.00 | **0.00** | 0.00 | **0.00** |

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | | गत वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| **5. डाक घर–बचत खाता** | | **0.00** | | **0.00** |
| **ऋण, अग्रिम और अन्य परिसम्पत्तियां** | | | | |
| स्टाफ (अनुबंध–1) | | **2,479,734.00** | | **1,962,542.00** |
| नकद या वस्तु अथवा प्राप्य मूल्य के रूप में वसूलीयोग्य अग्रिम और अन्य राशियां | | | | |
| पूंजीगत लेखा पर | | | | |
| परियोजनाओं की सामग्री के लिए अग्रिम | | | | |
| आई.आई.एम., बंगलुरू | 0.00 | | 0.00 | |
| एस.ए.आई. एल. एन.एम.पी.पी. | 19,736.55 | **19,736.55** | 19,736.55 | **19,736.55** |
| पूर्व भुगतान | | | | |
| अन्य | | **0.00** | | **0.00** |
| अग्रिमः फ्रैकिंग मशीन | 9,422.00 | | 5,251.00 | |
| प्रतिभूति जमा : लीज आवास के लिए (श्री जी. श्रीनिवास) | 9,500.00 | | 9,500.00 | |
| प्रतिभूति जमा : एम.टी.एन.एल. के पास | 67,500.00 | **86,422.00** | 67,500.00 | **82,251.00** |
| बी.आई.एस.आर. (हल्दवानी) को अग्रिम | 76,173.00 | | 76,173.00 | |
| स्वागत कार्यालय का निर्माण (डी.एस.टी.) | 3,259,953.00 | | 3,259,953.00 | |
| प्रतिभूति जमा : एस.आर.एन्टरप्राइजिज | 2,700.00 | | 2,700.00 | |
| प्रतिभूति जमा : टाटा टेलिसर्विसेज लिमिटेड | 16,000.00 | | 16,000.00 | |
| प्रतिभूति जमा : मेसर्स मन्नू लाल एंड संस | | **3,354,826.00** | | **3,354,826.00** |
| **अर्जित आय :** | | | | |
| उद्दिष्ट/विन्यास निधियों से निवेश पर | 0.00 | | 0.00 | |
| निवेश पर–अन्य | 0.00 | | 0.00 | |
| ऋणों और अग्रिमों पर | 0.00 | | 0.00 | |
| अन्य (अप्राप्य बकाया आय सहित–रू.....) | 0.00 | | 0.00 | |
| प्राप्य दावे | | | | |
| अग्रिम : अशोक होटल | 0.00 | | 200,000.00 | |
| सीपीएफ | 732.00 | | 732.00 | |
| अग्रिम : इरिडियम इन्टेरक्टिव लि. | 0.00 | | 178,900.00 | |

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | | गत वर्ष | |
|---|---|---|---|---|
| अग्रिम–डी.ए.वी.पी. | 0.00 | | 219,797.00 | |
| विविध देनदार–डी.बी.टी. | 15,620.00 | | 0.00 | |
| अग्रिम : निदेशक, आई.आई.पी.एस. मुम्बई | 500,000.00 | | 0.00 | |
| विविध देनदार : केन्द्रीय सड़क परिवहन संस्थान | 10,936.00 | | 10,936.00 | |
| अग्रिम–टाइफैक कोर, वायरलेस प्रौद्योगिकी | 0.00 | | 13,000,000.00 | |
| अग्रिम–एग्रो एवं इंडस्ट्रियल बायो टेक्नोलॉजी टी.आई.ई.टी., पटियाला | 0.00 | | 717,434.00 | |
| अग्रिम : डॉ. शर्मा नर्सिंग होम | 0.00 | | 73,800.00 | |
| अग्रिम–होटल जनपथ | 599.00 | | 599.00 | |
| अग्रिम : आई.आई.टी. खड़गपुर | 0.00 | | 250,000.00 | |
| अग्रिम–सिने : टैप फंड | 0.00 | **527,887.00** | 22,700.00 | **14,674,898.00** |
| | | **3,988,871.55** | | **18,131,711.55** |
| डी.आर.डी.ओ.–पी.एफ.सी. (अनुबंध–16) | 323,411.00 | | 0.00 | |
| एशिया भारत कार्यशाला | 66,974.00 | | 66,974.00 | |
| प्रतिभूति जमा : किराया सुश्री इत्तिका सिंगल | 40,000.00 | | 40,000.00 | |
| प्रतिभूति जमा : श्रीमती प्रेमलता व्यास | 105,000.00 | | 105,000.00 | |
| छुटपुट देनदार : प्रो. आनंद पटवर्धन | 0.00 | | 29,427.00 | |
| छुटपुट देनदार : जियों स्पेशियल एप्लीकेशंस | 208,450.00 | | 208,450.00 | |
| अग्रिम : मेसर्स डायकिन एयर कडीशनिंग इंडिया प्रा.लि. | 200,382.00 | | 0.00 | |
| अग्रिम : आई.आई.टी.–दिल्ली | 57,500.00 | | 0.00 | |
| वित्त वर्ष 2004–2005 हेतु आयकर | 5,000,000.00 | | 0.00 | |
| टी.डी.एस. (परामर्श पर) | 0.00 | **6,001,717.00** | 13,125.00 | **462,976.00** |
| **जोड़** | | **133,487,084.83** | | **110,727,854.50** |

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक) (नियमित)
## 31 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

### अनुसूची–12–बिक्री/सेवाओं से आय

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **1. बिक्री से आय** | | |
| क) तैयार माल की बिक्री | 0.00 | 0.00 |
| ख) कच्चे माल की बिक्री | 0.00 | 0.00 |
| ग) रद्दी माल की बिक्री | 0.00 | 0.00 |
| **2. सेवाओं से आय** | | |
| क) श्रम और प्रसंस्करण प्रभार | 0.00 | 0.00 |
| ख) व्यावसायिक/परामर्शी सेवाएं | 0.00 | 0.00 |
| ग) एजेंसी कमीशन और दलाली | 0.00 | 0.00 |
| घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपस्कर/सम्पत्ति) | 0.00 | 0.00 |
| ङ) अन्य (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **0.00** |

### अनुसूची–13–अनुदान/आर्थिक सहायता (टाइफैक नियमित)

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| 1. केंद्रीय सरकार से | | |
| क) टाइफैक अनुदान | | |
| क) सहायता–अनुदान (योजना) | 172,000,000.00 | 26100000.00 |
| ख) सहायता–अनुदान (गैर–योजना) | 800,000.00 | 720000.00 |
| 2. राज्य सरकार (रें) | 0.00 | 0.00 |
| 3. सरकारी एजेंसियां | 0.00 | 0.00 |
| 4. संस्थान/कल्याण निकाय | 0.00 | 0.00 |
| 5. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन | 0.00 | 0.00 |
| 6. अन्य (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **172,800,000.00** | **26820000.00** |

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) (नियमित)
## 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

### अनुसूची–14–शुल्क/अभिदान

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **1. प्रवेश शुल्क** | 0.00 | 0.00 |
| **2. वार्षिक शुल्क/अभिदान** | 0.00 | 0.00 |
| **3. संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क** | 0.00 | 0.00 |
| **4. परामर्शी शुल्क** | 0.00 | 0.00 |
| **5. अन्य (स्पष्ट करें)** | 0.00 | 0.00 |
| पुराने सामान के निपटान हेतु निविदा फार्म | | |
| कार किराये के लेखा हेतु निविदा | 0.00 | 3,000.00 |
| आर.टी.आई.ए. प्रश्न | 565.00 | 70.00 |
| फायर अलार्म हेतु निविदा | 6,000.00 | 0.00 |
| स्टेशनरी हेतु निविदा | 0.00 | 500.00 |
| टाइफैक की हाऊस कीपिंग हेतु निविदा | 9,500.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **16,065.00** | **3,570.00** |

### अनुसूची–15–निवेशों से आय (उद्दिष्ट/विन्यास निधियों से निवेश से प्राप्त आय निधियों को अन्तरित)

(राशि–रूपये में)

| विवरण | उद्दिष्ट निधि से निवेश | | उद्दिष्ट निधि से निवेश–अन्य | |
|---|---|---|---|---|
| | चालू वर्ष | | गत वर्ष | |
| **1. ब्याज** | | | | |
| क) सरकारी प्रतिभूतियों पर | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| ख) अन्य बांड/ऋण–पत्र | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| **2. लाभांश** | | | | |
| क) शेयर्स पर | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| ख) म्यूचल फंड प्रतिभूतियों पर | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| **3. किराया** | | | | |
| 4. अन्य (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **0.00** | **0.00** | **0.00** |

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) (नियमित)
# 31 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–16–रायल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| 1. प्रकाशनों से आय | 413308.00 | 125951.00 |
| **जोड़** | **413308.00** | **125951.00** |

## अनुसूची–17–अर्जित ब्याज (नियमित)

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **1. सावधि जमा पर :** | | |
| अनुसूचित बैंकों के पास | 835,825.00 | 1,286,184.00 |
| गैर–अनुसूचित बैंकों के पास | 0.00 | 0.00 |
| संस्थानों के पास | 0.00 | 0.00 |
| अन्य | | |
| **2. बचत खाते पर :** | | |
| अनुसूचित बैंकों के पास | 2,379,442.00 | 856,394.00 |
| गैर–अनुसूचित बैंकों के पास | 0.00 | 0.00 |
| संस्थानों के पास | 0.00 | 0.00 |
| अन्य (परियोजना ब्याज) | 1,582.00 | 0.00 |
| **3. ऋण पर :** | | |
| कर्मचारी/स्टाफ (एल.टी.ए., स्कूटर एवं कार) | 36,045.00 | 117,332.00 |
| अन्य | | |
| एच.बी.ए. : श्री एन.एस. नायर | 0.00 | 120,628.00 |
| एच.बी.ए. : डॉ. डी.एन. सिंह | 29,899.00 | 45,000.00 |
| **4. देनदारों और अन्य प्राप्तियों पर ब्याज** | | |
| **जोड़** | **3,282,793.00** | **2,425,538.00** |

**नोट :** स्रोत पर कर की कटौती के बारे में सूचित किया जाए।

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) (नियमित)
## 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

### अनुसूची–18–अन्य आय

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **1. परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान से लाभ** | | |
| स्वयं की परिसम्पत्तिरयां | 0.00 | 0.00 |
| अनुदान के बिना अथवा निशुल्क अर्जित परिसम्पत्तियां | 0.00 | 0.00 |
| निर्यात् प्रोत्साहनों की प्राप्ति | 0.00 | 0.00 |
| विविध सेवाओं के लिए शुल्क | 0.00 | 0.00 |
| **विविध आय** | | |
| अन्य प्राप्तियां (कम्प्यूटर्स) | 7,500.00 | 10,200.00 |
| अन्य प्राप्तियां | 272,618.00 | 61,650.00 |
| छुट्टी का वेतन एवं पेंशन अंशदान | 0.00 | 11,816.00 |
| ग्रेच्युटी | 70,834.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **350,952.00** | **83,666.00** |

### अनुसूची–19–तैयार माल और चालू कार्य में स्टॉक में वृद्धियां/ह्रास

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **क. अन्त शेष (क्लोजिंग स्टॉक)** | | |
| 1) तैयार माल | 0.00 | 0.00 |
| 2) चालू कार्य | 0.00 | 0.00 |
| **ख. घटाएं : आद्य शेष (ओपनिंग स्टॉक)** | | |
| 1) तैयार माल | 0.00 | 0.00 |
| 2) चालू कार्य | 0.00 | 0.00 |
| **कुल** | **0.00** | **0.00** |

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) (नियमित)
## 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

### अनुसूची–20–परियोजनाओं से धन वापसी (टाइफैक नियमित लेखा)

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| घरेलू प्रौद्योगिकी (अनुबंध–5) | 17,478,500.00 | 19,477,000.00 |
| उन्नत यौगिक (कम्पोजिटस) कार्यक्रम (अनुबंध–5) | 20,537,600.00 | 12,270,080.00 |
| चीनी प्रौद्योगिकी मिशन (अनुबंध–5) | 29,100,000.00 | 9,700,000.00 |
| टी.ई.पी.पी. परियोजना (अनुबंध–5) | 254,921.00 | 628,881.00 |
| फ्लाई एश उपयोगिता कार्यक्रम (अनुबंध–5) | 50,000.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **67,421,021.00** | **42,075,961.00** |

### अनुसूची–21–स्थापना व्यय (टाइफैक नियमित)

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| क) वेतन | 27,892,260.00 | 23,924,250.00 |
| वेतन–समेकित | 3,378,305.00 | 1,335,930.00 |
| वेतन (छठा वेतन आयोग ) | 6,214,926.00 | 6,106,794.00 |
| वेतन–एजेंसी | 0.00 | 149,775.00 |
| ख) भविष्य निधि में टाइफैक का अंशदान | 0.00 | 2,373,179.00 |
| ग) **अन्य (स्पष्ट करें)** | | |
| परामर्शी प्रभार | 50,578.00 | 98,755.40 |
| मानदेय | 121,700.00 | 204,480.00 |
| चिकित्सा व्यय | 1,632,021.00 | 3,163,335.00 |
| छुट्टी यात्रा रियायत | 497,763.00 | 316,404.00 |
| उपदान (ग्रेच्युटी) | 0.00 | 1,566,366.00 |
| छुट्टी नकदीकरण | 146,407.00 | 749,821.00 |
| सन्तान शिक्षा भत्ता | 360,005.00 | 191,369.00 |
| मानदेय (हिन्दी भाषा हेतु प्रोत्साहन योजना) | 0.00 | 3,000.00 |
| छुट्टी वेतन और पेंशन अंशदान | 252,442.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **40,546,407.00** | **40,183,458.40** |

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) (नियमित)

## 31 मार्च 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

**अनुसूची–22–प्रशासनिक व्यय इत्यादि** (राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| मरम्मत और अनुरक्षण | 479,126.00 | 1,526,503.00 |
| किराया, दरें और कर | 690,972.00 | 609,930.00 |
| कार किराया प्रभार | 1,755,166.00 | 1,947,053.00 |
| डाक, टेलीफोन और संचार प्रभार | 2,596,194.00 | 2,304,655.00 |
| मुद्रण, लेखन–सामग्री और प्रकाशनों का मुद्रण | 1,197,641.00 | 1,188,418.00 |
| यात्रा और सवारी व्यय | 196,581.00 | 164,872.00 |
| अभिदान व्यय (सब्सक्रिप्शन चार्जेस) | 305,364.00 | 349,286.00 |
| शुल्कों पर व्यय (ट्यूशन शुल्क) | 42,000.00 | 9,480.00 |
| लेखा–परीक्षकों का पारिश्रमिक | 35,596.00 | 71,449.00 |
| विज्ञानपन और प्रचार | 144,599.00 | 168,334.00 |
| **अन्य (स्पष्ट करें)** | | |
| बैंक प्रभार | 33,334.91 | 5,874.15 |
| विविध कार्यालय खर्च | 1,457,539.00 | 1,095,292.00 |
| सदस्यता शुल्क | 35,646.00 | 22,106.00 |
| विश्वकर्मा भवन का अनुरक्षण | 9,003,033.00 | 4,179,479.00 |
| कानूनी प्रभार (लीगल चर्जेस) | 114,025.00 | 670,110.00 |
| डब्लू.ए.आई.टी.आर..ओ. सदस्यता शुल्क | 23,518.00 | 43,500.00 |
| राजभाषा समिति बैठक | 2,700.00 | 0.00 |
| विदेश यात्रा | 1,099,157.00 | 756,994.68 |
| डाटा अंशदान | 0.00 | 0.00 |
| आई.आई.ए.एस.ए.–टाइफैक संयुक्त कार्यशाला टाइफैक | 1,124,931.00 | 1,495,491.00 |
| भारत–आई.आई.ए.एस.ए. सदस्यता शुल्क | 0.00 | 28,300,185.00 |
| ब्याज (सिविल एवं इंटीरियर) | 0.00 | 615,000.00 |
| टाइफैक सोफ्टवेयर विकास | 1,162,850.00 | 0.00 |
| टाइफैक भवन की हाउसकीपिंग | 521,236.00 | 815,893.00 |
| **जोड़** | **22,021,208.91** | **46,339,904.83** |

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक) (नियमित)
## 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

### अनुसूची–23–अनुदान, आर्थिक सहायता इत्यादि पर व्यय

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **संस्थानों/संगठनों को प्रदत्त अनुदान** | | |
| परियोजना व्यय (अनुबंध–4 ) | 15162223.00 | 30731613.00 |
| **जोड़** | **15162223.00** | **30731613.00** |

### अनुसूची–24–ब्याज

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| सावधि ऋण पर (बैंक प्रभारों सहित) | 0.00 | 0.00 |
| अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभारों सहित) | 0.00 | 0.00 |
| अन्य (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **000.00** | **0.00** |

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## प्रौद्योगिकी परिदृश्य 2020
## 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

### अनुसूची–25–अनुदान/आर्थिक सहायता (परिदृश्य 2020) (प्राप्त अटल अनुदान और आर्थिक सहायता)

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **केन्द्रीय सरकार से** | | |
| **प्रौद्योगिकी परिदृश्य 2020–अनुदान** | | |
| सहायता–अनुदान (योजना) | 0.00 | 0.00 |
| सहायता –अनुदान (गैर योजना) | 0.00 | 0.00 |
| **राज्य सरकार (रें )** | 0.00 | 0.00 |
| **सरकारी एजेंसियां** | 0.00 | 0.00 |
| **संस्थान/संगठन** | 0.00 | 0.00 |
| **अन्तर्राष्ट्रीय संगठन** | 0.00 | 0.00 |
| **अन्य (स्पष्ट करें )** | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **0.00** |

### अनुसूची–26–अर्जित ब्याज (परिदृश्य 2020)

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **सावधि–जमा पर :** | | |
| अनुसूचित बैंकों से (अनुबंध–2) | 0.00 | 8,875,017.00 |
| गैर–अनुसूचित बैंकों से | 0.00 | 0.00 |
| संस्थानों से | 0.00 | 0.00 |
| अन्य | 0.00 | 3,327.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **8,878,344.00** |
| **टिप्पणी** : स्रोत पर कर कटौती के विषय में सूचित किया जाय। | | |

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## टाइफैक – प्रौद्योगिकी परिदृश्य 2020
## 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

**अनुसूची–27**

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| परियोजना से धन वापसी (प्रौद्योगिकी परिदृश्य 2020) (अनुबंध–8) | 13,093,753.24 | 17,254,109.58 |
| **जोड़** | **13,093,753.24** | **17,254,109.58** |

**अनुसूची–28**

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| स्थापना और प्रशासनिक व्यय (अनुबंध–6) | 13,144,601.00 | 10,296,608.00 |
| **जोड़** | **13,144,601.00** | **10,296,608.00** |

**अनुसूची–29**

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| परियोजना व्यय (अनुबंध–6 क) | 135,217,399.00 | 321,983,713.00 |
| **जोड़** | **135,217,399.00** | **321,983,713.00** |

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## पेटेन्ट सुसाध्य केन्द्र
## 31 मार्च 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

### अनुसूची–30–अनुदान, आर्थिक सहायता (पेटेंट सुसाध्य केन्द्र)
### (अटल अनुदान और आर्थिक सहायता प्राप्त)

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **केन्द्रीय सरकार से** | | |
| **पेटेन्ट सुसाध्य केन्द्र अनुदान** | | |
| सहायता–अनुदान (आयोजना) | 15,000,000.00 | 14,000,000.00 |
| सहायता–अनुदान (गैर–आयोजना) | 0.00 | 0.00 |
| **राज्य सरकार (रें)** | 0.00 | 0.00 |
| **सरकारी एजेंसियां** | 0.00 | 0.00 |
| **संस्थान/संगठन** | 0.00 | 0.00 |
| **अन्तर्राष्ट्रीय संगठन** | 0.00 | 0.00 |
| **अन्य (स्पष्ट करें)** | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **15,000,000.00** | **14,000,000.00** |

### अनुसूची–31–अर्जित ब्याज (पेटेंट सुसाध्य केन्द्र)

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **सावधि–जमा पर :** | | |
| अनुसूचित बैंकों से | 0.00 | 0.00 |
| गैर–अनुसूचित बैंकों से | 0.00 | 0.00 |
| संस्थानों से | 0.00 | 0.00 |
| अन्य (ब्याज : स्कूटर अग्रिम) | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **0.00** |
| **नोट** : स्रोत पर कर की कटौती के बारे में सूचित किया जाए। | | |

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## पेटेन्ट सुसाध्य केन्द्र
## 31 मार्च 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

### अनुसूची 32

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| अन्य आय (अनुबन्ध–3) | 163149.00 | 120144.00 |
| **जोड़** | **163149.00** | **120144.00** |

### अनुसूची 33

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| स्थापना और प्रशासनिक व्यय (अनुबन्ध–3 क) | 10548229.00 | 7955505.00 |
| **जोड़** | **10548229.00** | **7955505.00** |

### अनुसूची 34

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| परियोजना व्यय (अनुबन्ध–3 ख) | 3916309.00 | 12528812.00 |
| **जोड़** | **3916309.00** | **12528812.00** |

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## महिला वैज्ञानिकों के लिए अध्येयतावृत्ति
## 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

### अनुसूची–35–अनुदान/आर्थिक सहायता (महिला वैज्ञानिको को अध्येतावृत्ति) (अटल अनुदान और आर्थिक सहायता प्राप्त)

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **केन्द्रीय सरकार से** | | |
| **महिला वैज्ञानिकों के लिए अध्येयतावृत्ति–अनुदान** | | |
| सहायता–अनुदान (आयोजना) | 15,496,000.00 | 10,900,000.00 |
| सहायता–अनुदान (गैर–आयोजना) | 0.00 | 0.00 |
| **राज्य सरकार (रें)** | 0.00 | 0.00 |
| **सरकारी एजेंसियां** | 0.00 | 0.00 |
| **संस्थान/संगठन** | 0.00 | 0.00 |
| **अन्तर्राष्ट्रीय संगठन** | 0.00 | 0.00 |
| **अन्य (स्पष्ट करें)** | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **15,496,000.00** | **10,900,000.00** |

### अनुसूची–36–अर्जित ब्याज

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **सावधि–जमा पर :** | 0.00 | 0.00 |
| अनुसूचित बैंकों में | 0.00 | 0.00 |
| गैर–अनुसूचित बैंकों में | 0.00 | 0.00 |
| संस्थानों में | 0.00 | 0.00 |
| अन्य | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **0.00** |
| **नोट : स्रोत पर कर की कटौती के बारे में सूचित किया जाए।** | | |

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## महिला वैज्ञानिकों के लिए अध्येयतावृत्ति
## 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

**अनुसूची 37**

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| अन्य आय | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **0.00** |

**अनुसूची 38**

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| व्यय (परीक्षा व्यय सहित महिला वैज्ञानिकों को वृत्तिका (स्टाइपेंड) | 14,685,955.00 | 13742015.00 |
| **जोड़** | **14,685,955.00** | **13742015.00** |

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## 31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

**अनूसूची–39**

**31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए लेखाविधि नीतियों एवं लेखा पर टिप्पणियां**

**क. लेखाविधि नीतियां**

1) परिषद् ने 'वाणिज्य' की लेखा प्रणाली को अपनाया है।

2) अचल परिसम्पत्तियों को मूल्यह्रास घटाकर लागत मूल्य पर दिखाया गया है।

3) पूर्व अवधि और असाधारण मदें तथा लेखाविधि नीतियों में परिवर्तन, जो कि परिषद् के वित्तीय कार्यकलापों पर भौतिक प्रभाव रखता है, का प्रकटन किया गया है।

4) मूल्यह्रास की आयकर अधिनियम 1961 के अनुसार गणना की गयी है।

5) इस तथ्य पर ध्यान दिये बिना कि प्रदान की गई राशि, लेखाविधि वर्ष के दौरान पूर्ण रूप से उपयोग की गई है, विविध परियोजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत की गई राशि को, उस वर्ष के व्यय के रूप में दिखाया गया है, जिस वर्ष इसे जारी किया गया था।

6) वर्ष के दौरान विशिष्ट उद्देश्यों के लिए प्राप्त अनुदान मे से बची हुई राशि को पूंजीगत खाते में स्थानान्तरित किया गया है।

7) लाभभोगियों के साथ करार में निर्दिष्ट शर्त के अनुसार उनके द्वारा टाइफैक को दी गई सहायता/अनुदान की प्रतिपूर्ति का लेखा, प्राप्ति के आधार पर रखा जायेगा।

8) परियोजना के लिए किए गए सभी वितरणों को वित्तीय वर्ष के दौरान व्यय के रूप में माना गया है तथा उक्त वितरण में से, यदि कोई परिसम्पत्ति सृजित की गई है, तो उसे पुस्तकों में परिसम्पत्तियों के रूप में नहीं दिखाया गया है।

9) चालू परियोजनाओं/अध्ययनों इत्यादि के संबंध में आकस्मिक देयताओं को न तो दिखाया गया है और ना ही निर्धारित किया गया है।

10) वित्तीय विवरण में कुल व्यय योजना और गैर योजना के रूप में नही दिखाया गया है।

**ख. लेखाओं से संबंधित टिप्पणियां**

1) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अनुच्छेद (ii) के प्रयोजन हेतु, अधिसूचना सं. 951 (फा.सं. डी.जी./आई.टी.(ई)/एन.डी.–116135 (i) (ii) /93–आई.टी.(ई) दिनांक 30 नवम्बर, 1993 से 31.03.2006 तक टाइफैक को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 1212 के अन्तर्गत 01.04.05 से पंजीकरण और आयकर अधिनियम की धारा (23 सी) 10 के अन्तर्गत अनुमोदन दिया गया जो वित्त वर्ष 2009–10 लागू 200 टाइफैक को वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डी.एस.आई.आर.) 31.03.2012 तक के लिए एक वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान संगठन क रूप में मान्यता दी है। आयकर अधिनियम 1961 के नियम–6 के अन्तर्गत निर्धारित प्राधिकरण द्वारा टाइफैक को वैज्ञानिक संस्थान' धोषित किया गया है।

2) प्रकाशनों और अध्ययनों का भंडार, जिसे परिषद् द्वारा प्रकाशित और लागत पर वितरित किया गया है, वर्ष के अन्त में विद्यमान स्टॉक के रूप में उसका लेखा नहीं रखा गया है।

3) वर्ष के दौरान प्रयुक्त/प्रदत्त अनुदान के संबंध में चार्टर्ड अकाउंटेंटस द्वारा प्रमाणित लेखा परीक्षित वित्तीय/उपयोगिता प्रमाणपत्र कुछ मामलों में क्रियान्वयन करने वाली एजेंसियों से अभी तक प्राप्त नही हुआ है।

4) टाइफैक के पूर्ववर्ती परीक्षित विवरणों के संबंध में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग/संसद द्वारा कोई पूछताछ/टिप्पणी नहीं की गई है। यह रजिस्ट्रार द्वारा प्रमाणित है।

5) पिछले वर्ष के आंकड़ों की चालू वर्ष के आकड़ों के साथ तुलना करने के लिए आवश्यकतानुसार इनका पुनः समूहन किया गया है।

6) अलाभकारी संगठनों के लिए सी.ए.जी. द्वारा प्रदत्त नये फार्मेट के अनुसार लेखा तैयार किए गए हैं। पिछले वर्ष के आंकड़ों को भी फार्मेट के अनुसार पुनः व्यवस्थित किया गया है। टाइफैक के द्वारा प्राप्त सभी प्रकार के अनुदानों को लेखा में दर्शाने के लिए आय और व्यय लेखा फार्मेट को परिवर्तित कर दिया है। पिछले वर्ष के आंकड़ों का तदानुसार आय और व्यय लेखा में पुनः समूहन किया गया है।

7) कर्मचारी की मृत्यु/सेवानिवृत्ति पर देय ग्रेच्युटी की बाबत देयताओं के लिए प्रावधान नहीं किया गया है।

8) कर्मचारियों को संचित छुट्टी के बढ़ते नकद भुगतान का लाभ देने के लिए प्रावधान नहीं किया गया है।

9) पूंजीगत सामग्री पर किये खर्च को अनुदान उपयोग में नामे डाला गया है ओर नीचे दिये अन्तिम विवरणों में उसे नियत परिसम्पत्तियों को रूप में नही दर्शाया गया है :

| **विजन 2020 का पूंजीगत खर्च** | **चालू वर्ष** | **गता वर्ष** |
|---|---|---|
| कम्प्यूटर/पुर्जे | 0.00 | 31,980.00 |
| कार्यालय उपकरण | 0.00 | 45,624.00 |

10) पूंजीगत सामान की खरीद परहुए खर्च को उपयोगीकृत अनुदान में नामे डाला गया है और वित्तीय विवरणों में इन्हें अचल परिसम्पत्तियों में नहीं दर्शाया गया है। विवरण निम्नलिखित है :

| पेटेंट सुसाध्य केन्द्र का पूंजीगत खर्च | चालू वर्ष (रू.) | गत वर्ष (रू.) |
|---|---|---|
| कम्प्यूटर/पुर्जे | 1,08,588.00 | 0.00 |
| कार्यालय उपकरण | 0.00 | 0.00 |

11) राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन और भूस्थानिक अनुप्रयोग मिशन के वित्तीय विवरण टाइफैक के भाग हैं, लेकिन उन्हें टाइफैक के वित्तीय विवरणों के साथ नहीं जोड़ा गया है।

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

**कृते चांदीवाला विरमानी एण्ड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदीवाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
**चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स**

| हस्ता/ | हस्ता/ | हस्ता/ | हस्ता/ |
|---|---|---|---|
| **(भारत भूषण)** | **लेखा अधिकारी** | **रजिस्ट्रार** | **वैज्ञानिक प्रभारी** |
| **(भागीदार)** | | | |
| **सदस्यता सं. 87365** | | | |

दिनांक : 23.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

### अनुसूची–40–आकस्मिक देयताएं और लेखाओं पर टिप्पणियां (सोदाहरण)

**1. आकस्मिक देयताएं**

1.1 इकाई के प्रति दावे, जिनकी ऋण के रूप में पावती नहीं दी गई है–रूपये शून्य (गत वर्ष शून्य)

1.2 निम्न के संबंध में :

– इकाई द्वारा/की ओर से दी गई बैंक गारंटी–रूपये शून्य (गत वर्ष रूपये शून्य)

– इकाई की ओर से बैंक द्वारा खोले गये साख–पत्र–रूपये शून्य (गत वर्ष रूपये शून्य)

– बैंक से कटौती किए गए बिल–रूपये शून्य (गत वर्ष रूपये शून्य)

1.3 निम्न के सबंध में विवादित मांग :

– आयकर रूपये शून्य (गत वर्ष रूपये शून्य)

– बिक्री कर–रूपये शून्य (गत वर्ष रूपये शून्य)

– म्यूनिसिपल कर–रूपये शून्य (गत वर्ष रूपये शून्य)

1.4 आदेशों के क्रियान्वयन न करने के संबंध में पार्टियों के दावे, जिनका इकाई द्वारा विरोध किया गया हो, के संबंध में–रूपये शून्य (गत वर्ष रूपय शून्य)

**2. पूंजीगत वचनबद्धता**

पूंजीगत लेखा पर क्रियान्वयन न किए गए ठेकों का अनुमानित मूल्य और जिनका प्रावधान (अग्रिमों का निवल) न किया गया हो, के संबंध में–रूपये शून्य (गत वर्ष रूपये शून्य)

**3. लीज का दायित्व**

संयंत्र और मशीनरी के लिए वित्तीय लीज व्यवस्था के अन्तर्गत किराये के लिए भावी दायित्व की राशि–रूपये शून्य (गत वर्ष रूपये शून्य)

**4. चालू परिसम्पत्तियां, ऋण और अग्रिम**

प्रबन्धकों के विचार में चालू परिसम्पत्तियां, ऋणों और अग्रिमों का मूल्य कार्य के साधारण रूप में प्राप्ति के आधार पर है, जिसे तुलनपत्र में दर्शाई धनराशि के समतुल्य रखा गया है।

**5. कराधान**

आयकर अधिनियम 1961 के अन्तर्गत किसी प्रकार की कर योग्य राशि न होने के कारण आयकर के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नही समझा गया है।

# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)

## 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

**अनुसूची–40–आकस्मिक देयताएं और लेखाओं पर टिप्पणियां (सोदाहरण)–जारी...**

(राशि रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **6 विदेशी मुद्रा में कारोबार** | | |
| **6.1 सी.आईएफ. के आधार पर परिकलित आयात का मूल्य** | | |
| – तैयार माल की खरीद | लागू नहीं | लागू नहीं |
| – कच्चा माल और उपस्कर (मार्गस्थ सहित) | लागू नहीं | लागू नहीं |
| – पूंजीगत माल | लागू नहीं | लागू नहीं |
| – भण्डार, अतिरिक्त पुर्जे और उपभोज्य (कनज्युमेबल) | लागू नहीं | लागू नहीं |
| **6.2 विदेशी मुद्रा में व्यय** | | |
| क) यात्रा | लागू नहीं | लागू नहीं |
| ख) वित्तीय संस्थानों/बैकों को विदेशी मुद्रा में अदा की गई धनराशि और ब्याज का भुगतान | लागू नहीं | लागू नहीं |
| ग) अन्य व्यय | लागू नहीं | लागू नहीं |
| – बिक्री पर कमीशन | लागू नहीं | लागू नहीं |
| – कानूनी और व्यावसायिक व्यय | लागू नहीं | लागू नहीं |
| – विविध व्यय | लागू नहीं | लागू नहीं |
| **6.3 आय** | | |
| एफ.ओ. के आधार पर निर्यात् का मूल्य | लागू नहीं | लागू नहीं |
| **6.4 लेखा–परीक्षकों को पारिश्रमिक** | | |
| लेखा परीक्षक के रूप में | | |
| – कराधान मामलों के लिए | 19,413.00 | 19775.00 |
| – प्रबन्धन सेवाएं | 0.00 | 0.00 |
| – प्रमाणन के लिए | 0.00 | 0.00 |
| अन्य | 0.00 | 0.00 |

7.) पिछले वर्ष के लिए तदनुरूपी आकड़ों का आवश्यकतानुसार पुनः समूहन/पुनः व्यवस्थित किया गया है।

8.) 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र और उस वर्ष के अन्त के लिए आय और व्यय लेखा के साथ संलग्न अनुसूचियां 1–40 इनका अविभाज्य अंग हैं।

अनुलग्नक–1

## कर्मचारियों को अग्रिम

(राशि–रूपये में)

| क. अग्रिम | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **कर्मचारियों को अग्रिम** | | |
| श्री रवि दत्त | 1500.00 | 8000.00 |
| श्री विपिन कुमार | 9500.00 | 0.00 |
| श्री उमा शंकर महतों | 8000.00 | 0.00 |
| श्री सुरेन्द्र कुमार | 0.00 | 2500.00 |
| श्री सुशील कुमार झा | 0.00 | 500.00 |
| श्री राजन शर्मा | 0.00 | 9000.00 |
| सुश्री उमा दराल | 9000.00 | 0.00 |
| श्री अनीश एस. | 7000.00 | 2000.00 |
| सुश्री पूनम नागपाल | 0.00 | 2500.00 |
| श्री विश्राम भक्त | 8000.00 | 0.00 |
| श्री उज्ज्वल कुमार | 1500.00 | 7500.00 |
| श्री संजय सुंदरियाल | 500.00 | 6500.00 |
| श्री महिपाल सिंह रावत | 1000.00 | 7000.00 |
| श्री विपिन चन्द्र शुक्ला | 0.00 | 5500.00 |
| श्री दीप प्रकाश | 8500.00 | 5500.00 |
| श्री सैमसन जॉर्ज | 0.00 | 5000.00 |
| सुश्री श्रीदेवी एन. | 0.00 | 1500.00 |
| श्री पंकज सुन्दरियाल | 10000.00 | 8000.00 |
| सुश्री आशा कुमारी | 0.00 | 5000.00 |
| श्री कुवर सिंह | 9000.00 | 9000.00 |
| श्री रविन्द्र कुमार सुन्दरियाल | 3000.00 | 0.00 |
| श्री सुरेश बाबू | 0.00 | 4000.00 |
| **ख. एच.बी.ए. अग्रिम** | | |
| श्री ए.के. आहूजा | 430000.00 | 550000.00 |
| सुश्री संगीता बख्शी | 295800.00 | 0.00 |
| श्री पी.आर. बासाक | 501000.00 | 573000.00 |
| | **1303300.00** | **1212000.00** |

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **ग. कार अग्रिम** | | |
| श्री एम.थमराई सेल्वन | 172500.00 | 0.00 |
| श्री सुरेश कुमार के. | 84600.00 | 106200.00 |
| डॉ. गौतम गोस्वामी | 102000.00 | 120000.00 |
| श्री दीप प्रकाश | 125000.00 | 0.00 |
| डॉ. एस.के. गोयल | 133200.00 | 176400.00 |
| श्री टी. चन्द्रशेखर | 169200.00 | 180000.00 |
| सुश्री संगीता बख्शी | 160000.00 | 0.00 |
| **घ. यात्रा छुट्टी रियायत** | | |
| श्री एन.एस. नायर | 31878.00 | 0.00 |
| श्री पी.आर. बासाक | 19314.00 | 0.00 |
| सुश्री गीता नायर | 15200.00 | 0.00 |
| डॉ. डी.एन. सिंह | 0.00 | 19000.00 |
| **ङ. दौरा अग्रिम** | | |
| श्री साजिद मुबाशिर | 81042.00 | 81042.00 |
| सुश्री संगीता बख्शी | 0.00 | 32400.00 |
| श्री संजय सिंह | 6000.00 | 0.00 |
| श्री दीपक कुमार | 5000.00 | 0.00 |
| **छ. स्कूटर अग्रिम** | | |
| श्री शम्भू कुमार | 25500.00 | 0.00 |
| श्री सैमसन जॉर्ज | 500.00 | 6500.00 |
| श्री अनीश एस. | 28500.00 | |
| श्री संजय सुन्दरियाल | 17000.00 | 29000.00 |
| | **1176434.00** | **750542.00** |
| **कुल (क+ख)** | **2479734.00** | **1962542.00** |

अनुग्लनक–2

## अर्जित ब्याज (प्रौद्योगिकी परिदृश्य 2020)

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **1.** सावधि जमाओं पर | | |
| परिदृश्य 2020 | 0.00 | 8875017.00 |
| कुल | **0.00** | **8875017.00** |

अनुलग्नक–3

## पेटेंट सुसाध्य केन्द्र

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **अन्य आय** | | |
| अन्य प्राप्तियां | 71950.00 | 0.00 |
| पेटेंट खोज प्रभार | 3000.00 | 644.00 |
| सी.डी. रोम इकास्वा 'ए' और बी. | 88199.00 | 119500.00 |
| **कुल** | **163149.00** | **120144.00** |

अनुलग्नक–3 क

## पेटेंट सुसाध्य केन्द्र

**(राशि–रूपये में)**

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **स्थापना एवं प्रशासनिक व्यय** | | |
| वेतन स्थापना एवं प्रशासनिक व्यय | 2991808.00 | 2109359.00 |
| समेकित वेतन | 932243.00 | 29677.00 |
| वेतन (छठा वेतन आयोग) | 501185.00 | 0.00 |
| चिकित्सा प्रतिपूर्ति | 62363.00 | 67409.00 |
| विज्ञापन व्यय | 194215.00 | 37725.00 |
| मानदेय | 7500.00 | 2900.00 |
| सन्तान शिक्षा भत्ता | 98153.00 | 18618.00 |
| छुट्टी यात्रा रियायत | 119414.00 | 4281.00 |
| ट्यूशन शुल्क | 0.00 | 480.00 |
| मुद्रण प्रभार | 28875.00 | 96610.00 |
| विविध कार्यालय खर्च | 348983.00 | 143112.00 |
| वाहन खर्च | 8463.00 | 5953.00 |
| कम्प्यूटर/पुर्जे | 108588.00 | 0.00 |
| टेलीफोन एवं टेलेक्स | 66395.00 | 94016.00 |
| छुट्टी नकदीकरण | 26822.00 | 0.00 |
| डाक खर्च एवं कूरियर | 0.00 | 45180.00 |
| पेटेंट की फाइलिंग | 4893758.00 | 4851184.00 |
| इकास्वा 'ए' और बी. सी.डी. रोम | 8570.00 | 48490.00 |
| टाइफैक अंशदायी भविष्य निधि | 0.00 | 163566.00 |
| कार किराया प्रभार, वार्षिक अंशदान, पत्र एवं पत्रिकाएं, लेखन सामग्री, बैठक व्यय, यात्रा खर्च, सदस्यता शुल्क आदि | 146794.00 | 10507.00 |
| मरम्मत एवं रख–रखाव | 4100.00 | 7396.00 |
| पेटेंट खोज प्रभार | 0.00 | 219042.00 |
| **कुल** | **10548229.00** | **7955505.00** |

अनुलग्नक–ख

## पेटेंट सुसाध्य केन्द्र

(Amount Rs.)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **परियोजना व्यय** | | |
| पेटेंट सूचना केन्द्र टी.एस.सी.एस.टी. | 618000.00 | 0.00 |
| पेटेंट सूचना केन्द्र कोलकाता | 0.00 | 1177000.00 |
| पेटेंट सूचना केन्द्र जी.बी. | 0.00 | 718952.00 |
| पेटेंट सूचना केन्द्र त्रिपुरा | 0.00 | 877000.00 |
| पेटेंट सूचना केन्द्र (ए.एस.टी.ई.सी.) | 0.00 | 762500.00 |
| पेटेंट सूचना केन्द्र (एम.पी. परिषद एस. एवं टी.) | 0.00 | 762000.00 |
| पेटेंट सूचना केन्द्र (पी.एस.सी.एस.टी.) | 117000.00 | 1197500.00 |
| पेटेंट सूचना केन्द्र (के.एस.सी.एस.टी.) | 332000.00 | 691532.00 |
| पेटेंट सूचना केन्द्र (शिमला) | 701047.00 | 70000.00 |
| पेटेंट सूचना केन्द्र (रायपुर) | 0.00 | 743592.00 |
| पेटेंट सूचना केन्द्र (जयपुर) | 0.00 | 256000.00 |
| पेटेंट सूचना केन्द्र (लखनऊ) | 0.00 | 835000.00 |
| पेटेंट सूचना केन्द्र (एच.एस.सी.एस.टी.) | 725365.00 | 80940.00 |
| पेटेंट सूचना केन्द्र (इम्फाल) | 80000.00 | 300000.00 |
| पेटेंट सूचना केन्द्र (त्रिवेन्द्रम) | 315000.00 | 671814.00 |
| पेटेंट सूचना केन्द्र (गांधी नगर) | 100500.00 | 1142224.00 |
| बौद्धिक सम्पदा सुसाध्यता | 0.00 | 500000.00 |
| परियोजना से संबंधित खर्च (पेटेंट कार्यशाला खर्च सहित) | 927397.00 | 1742758.00 |
| **कुल** | **3916309.00** | **12528812.00** |

अनुलग्नक–4

## परियोजना व्यय (टाइफैक नियमित लेखा)

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **अनुवर्ती कार्रवाई/विशेष पहल** | | |
| कीटनाशक विश्वकोष | 1367500.00 | 2620500.00 |
| मिजोरम राज्य में व्यवसायिक फसल के रूप में हल्दी की बड़े स्तर पर खेती हेतु इष्टतम प्रयोग | 0.00 | 150000.00 |
| भारतीय उत्पादन एवं आर. एवं एस. सिस्टम पर अनुसंधान एवं विकास में एफ.डी.आई. प्रभाव | 0.00 | 1025000.00 |
| भारतीय रसायन उद्योग प्रौद्योगिकी अनिवार्यता एवं ज्ञान आधारित कारोबार गतिविधियों पर अध्ययन | 463260.00 | 0.00 |
| वैश्विक हेतु केन्द्र अथवा वैश्विक हेतु स्थानीय ? आर. एवं डी. केन्द्र में एफ.डी.आई. परीक्षण | 0.00 | 197100.00 |
| भारतीय परिप्रेक्ष्य में 2050 तक विश्व ऊर्जा परिदृश्य पर एक टाइफैक आई.आई.ए.एस.ए. अध्ययन | 400000.00 | 0.00 |
| सोडियम के शुष्कीकरण हेतु भाप की आपूर्ति करने वाले 165 एम–2 प्रत्येक के चार अरूण 160 सोलर थर्मल कन्स्ट्रेटर्स का निदर्शन | 2937500.00 | 0.00 |
| ऑटोमोबाइल उद्योग में ज्ञान के सृजन और विकीर्णन (डिफ्यूजन) में आर. एवं डी. में एफ.डी.आई. का निर्धारण और प्रभाव | 500000.00 | 0.00 |
| **उप अनुसूची जोड़** | **5668260.00** | **3992600.00** |
| **देश में विकसित प्रौद्योगिकी** | | |
| परियोजना संबंधित खर्च | 0.00 | 54769.00 |
| **उप अनुसूची जोड़** | **0.00** | **54769.00** |
| **टैप परियोजनाएं** | | |
| परियोजना सम्बंधित खर्च | 21150.00 | 89769.00 |
| रबर टाइप टयूब बचाव उपकरण का डिजाइन एवं विकास | 44164.00 | 0.00 |
| डायबिटीज–II पर देसी औषधियों का डिजाइन और विकास | 70000.00 | 0.00 |
| स्टोव में सेफ्टी वॉल्व | 0.00 | 10000.00 |
| पाऊडर्ड बायोमास फायर्ड बर्नर | 120000.00 | 30000.00 |
| कम लागत के योगहर्ट निर्माण उपकरण की डिजाइनिंग | 0.00 | 91024.00 |
| टैप आउटरीच केन्द्र (टी.यू.सी.) (सी.जी.सी.आर.आई.) | 0.00 | 452756.00 |
| दृष्टि रोग से ग्रसित व्यक्तियों के लिए स्केचिंग उपकरण | 165000.00 | 0.00 |
| कैंसर की जांच हेतु इनवाइवा डाईइलेक्ट्रिक मापन उपकरण | 175000.00 | 0.00 |
| पशुओं के घावों को भरना | 100000.00 | 0.00 |
| एस.आर.आई.एस.टी.आई. के साथ पशुओं में गर्भनाल | 100000.00 | 0.00 |
| कपास में लगने वाले कीड़ों का नाश करना | 100000.00 | 0.00 |
| पशुओं में ब्लॉट और अफारे का ईलाज | 100000.00 | 0.00 |
| रक्त दाब, सन्धिशोथ (ऑर्थराइटिस) और हृदय रोगों का इलाज | 100000.00 | 0.00 |
| | **1095314.00** | **673549.00** |

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| पशुओं के अतिसार का इलाज | 100000.00 | 0.00 |
| विकलांगों हेतु जैक सहित ट्राली | 80000.00 | 0.00 |
| मानवचालित मोबाइल चार्जर | 196604.00 | 0.00 |
| लेजर ग्रेड रोडामाइन–6 जी.डाई. का संश्लेषण (99.9 शुद्ध, अवशोषण अधिकतम 530) | 0.00 | 198000.00 |
| फ्रीडम रेटेड टेबिल की सिंगल डिग्री | 220000.00 | 0.00 |
| नोवल इन्टरनल कम्बशन इंजन | 326311.00 | 0.00 |
| दात प्रेशर का विकास | 25575.00 | 0.00 |
| वायु निगरानी हेतु ऑटोनोमस मिनी यू.ए.वी | 0.00 | 220000.00 |
| फोटोग्राफिक फिल्म के उत्पाद हेतु प्रक्रिया प्रौद्योगिकी का विकास | 0.00 | 136400.00 |
| 10. भारतीय प्रवर्तन (इनोवेशन) संधि 2007 | 0.00 | 100000.00 |
| सोफ्ट सामग्री की गीली और सूखी अवस्था में पेस्ट और पाऊडर बनाने हेतु सुधारीकृत ग्राइडिंग मशीन | 0.00 | 110000.00 |
| टी.ई.पी.पी. आऊटटीच केन्द्र हेतु प्रशिक्षण सह–अभिमुखीकरण कार्यक्रम | 0.00 | 24960.00 |
| तापीय चालकता मापन उपकरण का विकास | 0.00 | 49500.00 |
| पादप तेल स्टोव के व्यावसायिक प्रोटोटाइप का विकास | 48357.00 | 0.00 |
| छोटे संयंत्र में पैलेटिंग पोल्ट्री फीड की नई प्रक्रिया | 0.00 | 317500.00 |
| होल स्टेल पैडी थ्रेशर | 0.00 | 77000.00 |
| रेसक्यू–आई (विक्शन लोकेशन सिस्टम) | 0.00 | 165000.00 |
| दाल थ्रेशर का विकास | 0.00 | 25575.00 |
| पूर्ण फ्लोरेसेंट लैम्प | 0.00 | 48800.00 |
| री–कार्नफिगुरेबल ऑटोनोमस एयर व्हीकल | 0.00 | 550000.00 |
| चार पहिया वाहनों के लिए माउटिंग एवं डी माउन्टिंग डिवाइस बैरिंग | 0.00 | 41250.00 |
| फंड्स फोटोग्राफी हेतु कम लागत के व्यापक क्षेत्र डिजिटल कैमरे का विकास | 0.00 | 99150.00 |
| जे.एस. मिल्कर मैनुअल मिल्किंग मशीन का डिजाइन परिष्करण | 0.00 | 100000.00 |
| **उप अनुसूची जोड़** | **2092161.00** | **2936684.00** |

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **उन्नत यौगिक कार्यक्रम** | | |
| हाई स्पीड प्लेनिंग टाइप कम्पोजिट बोट्स | 0.00 | 2820000.00 |
| बहुउद्देश्यीय मॉडुलर हाउसिंग सिस्टम का विकास | 0.00 | 640000.00 |
| एसेसरीज सहित फिलामेंट वाउन्ड वेंचुरे स्क्रबर का विकास | 0.00 | 2150000.00 |
| फिलामेंट वाउन्ड कम्पोजिट रोड टैंकर का विकास | 0.00 | 2080000.00 |
| तेल एवं गैस क्षेत्र के लिए फिलामेंट वाउन्ड पाइपों और पाइप फिटिंग्स का विकास | 0.00 | 2560000.00 |
| बांस कम्पोजिट लैमिनेट्स और एसेसरीज | 0.00 | 6670000.00 |
| **उप अनुसूची जोड़** | **0.00** | **16920000.00** |
| **प्रोद्योगिकी परिष्करण विपणन कार्यक्रम (टी.आर.ई.एम.ए.पी.)** | | |
| टी.आर.ई.एम.ए.पी., खर्च | 62734.00 | 26745.00 |
| टी.आर.ई.एम.ए.पी., टी.सी.एफ.ए. वी.आई.टी.–टी.बी.आई. वेल्लूर में | 400000.00 | 0.00 |
| टी.आर.ई.एम.ए.पी., टी.सी.एफ.ए. ए.पी.टी.डी.सी., हैदराबाद में | 400000.00 | 0.00 |
| टी.आर.ई.एम.ए.पी., टी.सी.एफ.ए. एम.एस.आर.एस.ए.एस., बंगलौर में | 400000.00 | 0.00 |
| टी.आर.ई.एम.ए.पी., टी.सी.एफ.ए.एफ.आई.टी.टी., आई.आई.टी., दिल्ली में | 400000.00 | 0.00 |
| टी.आर.ई.एम.ए.पी. आई.टी. बी.एच.यू. वाराणसी में | 400000.00 | 0.00 |
| टी.आर.ई.एम.ए.पी. टी.सी.एफ.ए., आई.आई.टी., खड़गपुर में | 400000.00 | 0.00 |
| फिंगर प्रिंट्स की जांच हेतु नोवल फ्लोरेसेंट रीजेन्ट | 56000.00 | 0.00 |
| साइड व्यू मिरर एडजस्टमेंट और प्रोटेक्शन सिस्टम | 80000.00 | 0.00 |
| **उप अनुसूची जोड़** | **2598734.00** | **26745.00** |
| **चीनी प्रौद्योगिकी इकाई** | | |
| परियोजना रिपोर्ट बनाना (एस.टी.एम.) | 440628.00 | 0.00 |
| **उप अनुसूची जोड़** | **440628.00** | **0.00** |
| परियोजना से सम्बंधित खर्च | 4362440.00 | 6800815.00 |
| **उप अनुसूची जोड़** | **4362440.00** | **6800815.00** |
| **जोड़** | **15162223.00** | **30731613.00** |

अनुलग्नक–5

# परियोजनाओं से धन वापसी (टाइफैक नियमित लेखा)

(राशि रू. में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **(क) देश में विकसित प्रौद्योगिकी** | | |
| विभिन्न अवयवों की कोटिंग हेतु डिटोनेशन स्प्रे कोटिंग जॉब शॉप की स्थापना | 400000.00 | 0.00 |
| बायो–एडहेसिव आई.एस.ओ. एमाइल 2 साइएनो एक्राइलेट का निर्माण | 0.00 | 600000.00 |
| देश में विकसित फ्लेमेबिल गैस सेंसर्स एवं अन्य मॉनीटरिंग उपकरणों का विकास | 0.00 | 800000.00 |
| उत्पादन वाइपर इन्टरमिटेंट मॉड्यूल का निर्माण | 0.00 | 183000.00 |
| कम आणविक भार के हिपेरिन की तैयारी हेतु एक अनूठी विधि | 1010000.00 | 670000.00 |
| ओपन हार्ट सर्जिकल अनुप्रयोगों हेतु हीमोकन्सन्ट्रेटर्स का प्रौद्योगिकी विकास एवं व्यवसायीकरण | 450000.00 | 450000.00 |
| कॉर्टिको स्टेरोइड परियोजना बेक्लामेथेस वन डेप्रोप्रायोनेट | 2100000.00 | 6000000.00 |
| लघु और मध्यम क्षमता रेंज में प्राकृतिक गैस/मीथेनाल के सुधार पर आधारित व्यावसायिक रूप से आकर्षक हाइड्रोजन जेनरेटर | 0.00 | 440000.00 |
| उच्च ताप वाष्प अवस्थिति उत्प्रेरक प्रयोग द्वारा जैविक रसायनों के उत्पादन हेतु अर्ध–व्यावसायिक निदर्शन सुविधा की व्यवस्था | 0.00 | 860000.00 |
| 2/3 व्हीलर चच प्रयोग हेतु वेट टाइप फ्रिक्शन सिंथेटिक सामग्री का विकास | 600000.00 | 0.00 |
| ओमेगा 3 फिश ऑयल के उत्पादन हेतु पायलट संयंत्र | 1100000.00 | 2200000.00 |
| शेलाक अनुप्रयुक्त जल प्रवाही से पर्यावरण मित्र लेक–डाई | 500000.00 | 200000.00 |
| मानव रक्त के अवयवीकरण के इष्टतम प्रयोग की उपयोगिता एवं बॉयोमेडिक अवशोषण | 0.00 | 4000000.00 |
| प्रोबायोटिक्स का विलगीकरण एवं लक्षण वर्णन और सिम्बायोटिक सम्पाक (प्रेपेरेशन) का निर्माण | 2000000.00 | 2000000.00 |
| ए.डी. गम–जॉब शॉप की स्थापना | 162500.00 | 0.00 |
| क्लीनिकल निर्णय सहायता सिस्टम | 2160000.00 | 720000.00 |
| नूतन हिमवीर बुखारी का निर्माण | 796000.00 | 354000.00 |
| बॉयोमॉस और ज्वलनशील कचरे के लिए पेटेलाइजेशन प्रौद्योगिकी का व्यवसायीकरण | 250000.00 | 0.00 |
| बॉयोमेडिकल प्रयोगों हेतु मानव रक्त और उसके व्युत्न्नों का अवयवीकरण | 2100000.00 | 0.00 |
| रेड मड/फ्लाई एश पॉलीमर डोर शटर्स का निर्माण | 100000.00 | 0.00 |
| बायो रिएक्टर्स का पायलेट स्तर पर निर्माण | 600000.00 | 0.00 |
| उच्च दाब में द्रवीभूत कार्बन डाई ऑक्साइड के प्रयोग द्वारा होप्स से प्लेकरिंग यौगिकों को निकालना | 3125000.00 | 0.00 |
| असंतृप्त पॉलीमर रेजिन का निर्माण | 25000.00 | 0.00 |
| **उप जोड़ (क)** | **17478500.00** | **19477000.00** |

(राशि रू.में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **ख) उन्नत यौगिक (एडवांस्ड कम्पोजिट) कार्यक्रम** | | |
| डीजल लोकोमोटिव ड्राइवरों के केबिन हेतु यौगिक इन्टीरियर्स | 859280.00 | 1318560.00 |
| यौगिक मोड्यूलर एकॉस्टिक इन्क्लोजर का विकास | 1100000.00 | 600000.00 |
| यौगिक हाऊस बोट्स का निर्माण | 1728000.00 | 0.00 |
| हाई स्पीड प्लेनिंग टाइप कम्पोजिट बोट्स | 1804800.00 | 0.00 |
| यौगिक कृत्रिम अंगों का विकास | 0.00 | 30000.00 |
| यौगिक फिलामेंट वाउन्ड प्रेशर वैसेल का विकास | 1500000.00 | 2300000.00 |
| कम्प्रेशन मोल्डिंग द्वारा जी.आर.पी. ग्रिड और ग्रेटिंग्स का विकास | 612000.00 | 612000.00 |
| यौगिक हाऊस बोटों का विकास | 0.00 | 1728000.00 |
| लम्बी दूरी की यात्रा बसों के लिए यौगिक पुर्जों का विकास | 1361520.00 | 1361520.00 |
| फिलामेंट वाउन्ड कम्पोजिट रोड टैंकर का विकास | 1248000.00 | 2496000.00 |
| रेलवे यात्री कोचों के लिए यौगिक इन्टीरियर्स | 4672000.00 | 1824000.00 |
| तेल और गैस क्षेत्र के लिए फिलामेंट वाउन्ड पाइपों और पाइप फिटिंग्स का विकास | 3072000.00 | 0.00 |
| एसेसीरीज के साथ फिलामेंट वाउन्ड वेन्चुरी स्क्रबर्स का विकास | 2580000.00 | 0.00 |
| **उप जोड़ (ख)** | **20537000.00** | **12270080.00** |
| **ग) चीनी प्रौद्योगिकी मिशन** | | |
| इथाईल लेक्टेट परियोजना | 8300000.00 | 8300000.00 |
| हमारी शक्तिनगर युनिट पर कंडेसिंग और कूलिंग सिस्टम का ऑटोमेशन | 8400000.00 | 0.00 |
| सेकेन्ड्री जूसों से इथेनॉल | 11000000.00 | 0.00 |
| डिस्टलरी एफ्लुऐंट ट्रीटमेंट सिस्टम | 1400000.00 | 1400000.00 |
| **उप जोड़ (ग)** | **29100000.00** | **9700000.00** |
| **घ) टैप परियोजना** | | |
| पर्सनल इलैक्ट्रिक ट्रांसपोर्टर | 0.00 | 437447.00 |
| अल्ट्रासाउन्ड और कलर ड्रापलर खोजों के लिए मैम्ब्रेन | 0.00 | 832.00 |
| आउटरीच सेन्टर (टी.यू.सी.) | 167447.00 | 190602.00 |
| डिस्पोजेबल बोतलों और जारों के लिए टेम्परप्रूफ सील | 75000.00 | 0.00 |
| नेत्र रोग से ग्रसित रोगियों के लिए स्केचिंग उपकरण | 12474.00 | 0.00 |
| **उप जोड़ (घ)** | **254921.00** | **628881.00** |
| **ञ) फ्लाई एश उपयोगिता कार्यक्रम** | | |
| बड़ी मात्रा में फ्लाई एश ईंटों का उत्पादन | 50000.00 | 0.00 |
| **उपजोड़ (ञ)** | **50000.00** | **0.00** |
| **कुल** | **67421021.00** | **42075961.00** |

अनुलग्नक–6

## परिदृश्य 2020 का व्यय

(राशि रू. में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **स्थापना एवं प्रशासनिक खर्चे** | | |
| विविध कार्यालय खर्च | 79575.00 | 70003.00 |
| पत्र–पत्रिकाओं का खर्च | 16409.00 | 15635.00 |
| प्रकाशनों का मुद्रण | 124300.00 | 0.00 |
| मुद्रण शुल्क (प्रिंटिंग खर्च) | 0.00 | 12591.00 |
| टेलीफोन/इन्टरनेट प्रभार | 123479.00 | 154990.00 |
| कार किराया/सवारी खर्च | 304518.00 | 146216.00 |
| चिकित्सा प्रतिपूर्ति | 842389.00 | 315566.00 |
| वेतन | 7451883.00 | 5363309.00 |
| कम्प्यूटर/पुर्जे | 0.00 | 31980.00 |
| छुट्टी यात्रा रियायत | 70865.00 | 154094.00 |
| मानदेय | 408400.00 | 242000.00 |
| विज्ञापन खर्चे | 0.00 | 353508.00 |
| कार्यशाला व्यय/प्रदर्शनी | 1768420.00 | 2459545.00 |
| कर्मचारी सी.पी.एफ. अंशदान | 0.00 | 301111.00 |
| ट्यूशन शुल्क | 0.00 | 480.00 |
| संतान शिक्षा भत्ता | 93580.00 | 40540.00 |
| छुट्टी नकदीकरण | 0.00 | 80531.00 |
| ग्रेच्युटी | 0.00 | 257773.00 |
| विदेश यात्रा | 289669.00 | 21309.00 |
| छुट्टी नकदीकरण | 13936.00 | 5707.00 |
| कानूनी प्रभार | 43250.00 | 209700.00 |
| टाइफैक सदस्यता | 0.00 | 1500.00 |
| कार्यालय उपकरण | 0.00 | 45624.00 |
| स्टेशनरी | 3578.00 | 12896.00 |
| वेतन (छठा वेतन आयोग) | 1510350.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **13144601.00** | **10296608.00** |

अनुलग्नक–6 क

# परिदृश्य 2020 का परियोजना व्यय

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **कृषि क्षेत्र** | | |
| पश्चिम बंगाल के विभिन्न भागों में आलू उत्पादन की वर्तमान स्थिति और पश्चिम बंगाल के भागों में प्रसंस्करण के द्वारा विभिन्न उत्पादों के लिए आलू | | |
| उपजाने की उपयुक्तता पर अध्ययन | 0.00 | 28280.00 |
| देवरिया परियोजना में कृषि परियोजना | 372830.00 | 12499.00 |
| चमोली, उत्तरांचल में कृषि परियोजना | | 0.00 |
| पटना के पाली गंज क्षेत्र में औषधीय और सुंगधीय | | |
| पौधों की खेती को प्रोत्साहन | 340892.00 | 58000.00 |
| कृषि परियोजना–सिक्किम | 0.00 | 122000.00 |
| देवरिया में सुंगधीय पौधों की खेती के माध्यम से कृषि विविधीकरण का निदर्शन | 346590.00 | 449184.00 |
| पूर्वी भारत की अम्लीय भूमि की उत्पादकता वृद्धि के लिए कृषि विविधीकरण | 708470.00 | 0.00 |
| गहरे जल स्तर वाले धान क्षेत्र में जल उत्पादकता बढ़ाना | 426407.00 | 1833000.00 |
| देवरिया जिले में कम उत्पादकता वाले क्षेत्रों में सिस्टम एप्रोच का निदर्शन | 82206.00 | 362000.00 |
| लोवर पालानी हिल्स में जैविक खेती द्वारा छोटे और मंझोले किसानों के जीविकोपार्जन को मजबूती प्रदान करना | 610744.00 | 48000.00 |
| कृषि उत्पादों के मूल्य वर्धन और प्रसंस्करण द्वारा किसानो और ग्रामीण महिलाओं हेतु सहायक प्रशिक्षण, रोजगार और आय बढ़ाने वाले कार्यक्रम | 370160.00 | 401995.00 |
| शिमला जिले में प्रमाणित जैविक सब्जियों का प्रारम्भिक प्रसंस्करण और पैकेजिंग | 0.00 | 388000.00 |
| किसानों के जरिये चावल–गेंहू फसल प्रणाली में कृषि, क्वालिटी मोड उत्पादन, बी.एच.यू. वाराणसी | 752788.00 | 515000.00 |
| उ.प्र. के बाराबंकी जिले में मेंथा खेती का खेत पर निदर्शन, लोकप्रियकरण और व्यवसायीकरण तथा प्रसंस्करण | 663176.00 | 750000.00 |
| मूल्य वर्धित सुगंधित चावल (कालानमक) से पूर्वी उ.प्र. के किसानों की कृषि आय में वृद्धि | 303746.00 | 790000.00 |
| पालीगंज पटना में सुधारीकृत बीज उत्पादन एवं गुणन | 1134864.00 | 185000.00 |
| जैव कीटनाशक और वृद्धि प्रोत्साहक के रूप में टाइकोडर्मा का खेत पर निदर्शन, | 1253000.00 | 295000.00 |
| पिंडेर घाटी में कृषि विकास परियोजना | 0.00 | 413197.00 |
| कीटों जंगली फफूंदी और रूट नाट निमटोड बीमारियों से बचाव हेतु निदर्शन और प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों के खेतों तक आई.पी.एम. प्रौद्योगिकी पैकेज को पहुंचाना | 208773.00 | 344600.00 |
| कम कीमत की समुद्री पैलेजिक मछलियों का मूल्यवर्धन | 855000.00 | 0.00 |
| **उप जोड़** | **8429646.00** | **6995755.00** |

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **स्वास्थ्य रक्षा उपकरण** | | |
| उत्तरांचल परियोजना : उत्तरांचल में मोबाइल अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र क | 0.00 | 5758961.00 |
| ज्ञानवर्धन गतिविधि के लिए बाकोपा मोनियरी सत का मानकीकरण और अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसायीकरण | 5750000.00 | 0.00 |
| **उप जोड़** | **5750000.00** | **5758961.00** |
| **अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में लक्षित कार्यक्रम** | | |
| चयनित खेल सामग्री हेतु प्रौद्योगिकी रिक्ति अध्ययन और संभावित सुधार उपाय | 38159.00 | 955000.00 |
| खाद्य प्रसंस्करण उद्योग क्लस्टर हेतु प्रौद्योगिकी रिक्ति विश्लेषण | 145026.00 | 0.00 |
| क्रिकेट बैट के निष्पादन के मूल्यांकन हेतु कार्य परीक्षण | 37500.00 | 0.00 |
| कृषि उपकरण उद्योग क्लस्टर (करनाल) हेतु प्रौद्योगिकी रिक्ति विश्लेषण | 0.00 | 78375.00 |
| कृषि उपकरण उद्योग क्लस्टर (अम्बाला) के लिए प्रौद्योगिकी रिक्ति विश्लेषण | 0.00 | 345000.00 |
| पुलिस थानों पर सूचना के प्रग्रहण हेतु डिजिटल पैन एवं कागज प्रौद्योगिकी | 0.00 | 545800.00 |
| उत्तरांचल में रज्जुमार्ग की स्थापना | 0.00 | 0.00 |
| टैम्पर प्रूफ एवं सुरक्षित कोर्टरूम डिजिटल रिकार्डिंग एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्रणाली | 2557000.00 | 2310000.00 |
| मस्तिष्क विद्युतीय सक्रियक प्रोफाइलिंग हेतु नोर्मेटिव डाटा | 0.00 | 80000.00 |
| पौटरी अध्ययन | 274179.00 | 0.00 |
| टैलर वेल्डेड ब्लेन्क्स एवं हाइड्रो फोर्मड पार्ट्स का विकास | 0.00 | 2300000.00 |
| इलेक्ट्रोमेग्नेटिक फोर्मिंग (ई.एम.एफ.) के प्रयोग द्वारा | | |
| ऑटोमोबाइल पुर्जे विकसित करने में क्षमता का विकास | 492000.00 | 0.00 |
| बौद्धिक नियंत्रण विधियों के प्रयोग द्वारा गुणता आश्वासन स्थिति की मॉनीटरिंग और दोष की पहचान | 210500000 | 0.00 |
| हावड़ा क्लस्टर के कास्टिंग क्षेत्र हेतु प्रौद्योगिकी रिक्ति विश्लेषण अध्ययन | 0.00 | 860200.00 |
| एल्केलो थर्मिफिक थर्मोमोनोन से एल्कलाई स्टेबल | 0.00 | 313500.00 |
| सेल्यूरेट हेतु विकास एवं प्रक्रिया का इष्टतम प्रयोग स्टीरियो स्पेसीफिक सक्रिय फार्मास्यूटीकल अवयवों की | | |
| प्राप्ति के लिए रेसीमिक अणुओ का एंजाइमेटिक रूपान्तरण | 0.00 | 8750000.00 |
| अपराध दृश्य प्रशिक्षण एवं दक्षता परीक्षण हेतु पारस्परिक प्रतियमान वास्तविकता साइमुलेटर सोफ्टवेयर | 2405000.00 | 0.00 |
| भारतीय जनसंख्या में फोरेंसिक विश्लेषण हेतु एस.एन.पी. मार्करों के पैनल का चयन | 2800000.00 | 0.00 |
| छोटी कार के लिए सोफ्टवेयर मानक | 2500000.00 | 0.00 |
| टमाटर के स्टीविया पत्तों और लाइकोपैना से स्लेवियोसाइड के उत्पादन हेतु एन्जाइमेटिक प्रक्रिया का विकास | 8000000.00 | 8000000.00 |
| मीजो–साइकोपेंट–1, 4 डायासीटेट से 4–आर–हाइड्रो ऑक्सीलोपेंट ई.एन.ई.–1 (एस) का बॉयों ट्रांसफर्मेन्टेशन | 5300000.00 | 2400000.00 |

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| ऑटोमोबाइल हेतु एल्युमिनियम मिश्राधातु अवयवों के अर्ध ठोस निर्माण और स्क्वीज कास्टिंग | 350000.00 | 19030000.00 |
| शेयर्ड ट्रांसपोर्ट सेवाएं–कार्बन फूट प्रिन्ट्स कम करने का एक प्रयास | 0.00 | 300000.00 |
| इलेक्ट्रिक एवं हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए अल्ट्रा कैपेसिटर | 0.00 | 19306000.00 |
| | **27003864.00** | **65573875.00** |
| आई.सी. इन्जनों में सीधे वनस्पति तेलों का प्रयोग | 0.00 | 33084000.00 |
| फार्मास्यूटीकल ग्रेड चिटोसन और मूल्यवर्धित उत्पादन का विकास | 0.00 | 2100000.00 |
| वैज्ञानिक उपकरण उद्योग समूह (अंबाला) के लिए | 0.00 | 105600.00 |
| प्रौद्योगिकी रिक्ति विश्लेषण | 10000000.00 | 15210000.00 |
| बायोफ्यूल्स हेतु केन्द्र | 15210000.00 | 0.00 |
| कोयम्बंटुर बस टर्मिनल पर वाहन ट्रेकिंग सिस्टम और कन्ट्रोल सिस्टम | 4263000.00 | 4000000.00 |
| ई–कोर्ट रूम डिजिटल रिकार्डिंग एवं रीट्राइवल सिस्टम | 0.00 | 5800000.00 |
| (ई–डी.आर.आर.एस.) ई–कोट रूम दस्तावेज–सह सबूत प्रबंधन तंत्र (डी.ई.एम.एस.) | 0.00 | 3900000.00 |
| बरूईपुर सर्जिकल उपकरण उद्योग क्लस्टर हेतु आर. एवं डी. केन्द्र | 0.00 | 3652000.00 |
| हावड़ा फाउन्ड्री क्लस्टर हेतु आर. एवं डी. केन्द्र | 0.00 | 8982375.00 |
| रोबोटिक आर्म के प्रयोग द्वारा कम कीमत का फ्लेक्सिबल ऑटोमेशन (एल.सी.एफ.ए.) | 14086000.00 | 0.00 |
| भारत में टेक्नोलॉजी रूझानों रिक्तियों और अवसरों का बायोमास डेराइव्ड बायोप्रोडक्ट्स के मूल्यांकन का अध्ययन फूड पार्क, मालदा में पल्प प्रोसेसिंग | 856000.00 | 0.00 |
| कम एसेप्टिक पल्प पैकेजिंग प्लांट की स्थापना | 300000.00 | 0.00 |
| हैंडमेड पेपर इन्डस्ट्री क्लस्टर (जयपुर) हेतु प्रौद्योगिकी रिक्ति विश्लेषण अध्ययन | 494040.00 | 0.00 |
| एन.ओ.जैड. नियंत्रण प्रौद्योगिकी पर आई.सी. इंजन एवं डेरीवेशन अध्ययन पर पैनल | 40000.00 | 0.00 |
| बाजार की मांगों की पूर्ति हेतु बरूईपुर सर्जिकल उपकरण क्लस्टर हेतु उन्नत प्रौद्यागिकियों पर कार्यशाला | 115616.00 | 0.00 |
| फर्मेंटेशन द्वारा एल–आर्जिनी के उत्पादन द्वारा प्रक्रिया विकास | 900000.00 | 0.00 |
| **उप जोड़** | **57788520.00** | **142407850.00** |
| **इंजीनियरिंग कॉलेजों का उन्नयन** | | |
| डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग में टाइफैक कोर | 0.00 | 3886000.00 |
| उन्नत कम्प्यूटिंग एवं सूचना प्रक्रिया में टाइफैक | 0.00 | 3976239.00 |
| कोर ऑटोमेटिव इलेक्ट्रोनिक्स में टाइफैक–कोर | 0.00 | 4000000.00 |
| मिशन रीच वेबसाइट का डिजाइन, विकास एवं रख–रखाव और वेब आधारित सेवाओं को सुचारूसे चलाना | 1941691.00 | 1150603.00 |
| डायबीटिक रेटिनोपैथी में टाइफैक–कोर | 0.00 | 18600000.00 |
| वायरलेस प्रौद्योगिकियों में टाइफैक–कोर उत्पाद | 13000000.00 | 15070324.00 |
| डिजाइन एवं इष्टतम प्रयोग और सहयोगात्मक उत्पाद वाणिज्य में टाइफैक–कोर | 0.00 | 5362500.00 |
| पर्यावरणीय ज्योमैटिक्स में टाइफैक–कोर | 0.00 | 4000000.00 |
| | **14941691.00** | **36045666.00** |

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| अन्तर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी में टाइफैक–कोर | 3700000.00 | 0.00 |
| एयरक्राफ्ट रख–रखाव में टाइफैक–कोर | 0.00 | 9300000.00 |
| ई–आऊट रीच में टाइफैक–कोर | 0.00 | 1645000.00 |
| पर्वेसिव कम्प्यूटिंग प्रौद्योगिकी क्षेत्र में टाइफैक कोर | 5000000.00 | 0.00 |
| एम.एस. विश्वविद्यालय, बडोदरा | 4446000.00 | 0.00 |
| डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय टाइफैक कोर | 0.00 | 700000.00 |
| औद्योगिक बायोटेक्नोलॉजी में टाइफैक कोर | 717434.00 | 5991200.00 |
| फार्माकोजिनोमिक्स के क्षेत्र में टाइफैक कोर | 4730000.00 | 1000000.00 |
| प्रशिक्षण कार्यक्रम | 0.00 | 784000.00 |
| ग्रीन फार्मेसी में टाइफैक कोर | 0.00 | 6500000.00 |
| औद्योगिक सुरक्षा क्षेत्र में टाइफैक कोर | 0.00 | 8750000.00 |
| फूड प्रोसेसिंग प्रौद्योगिकी और गुणता नियंत्रण के क्षेत्र में टाइफैक कोर | 0.00 | 9660000.00 |
| तकनीकी टेक्सटाइल के क्षेत्र में टाइफैक कोर | 0.00 | 7500000.00 |
| ई–लर्निंग कन्टेंट सिस्टम की स्थापना हेतु ई–लर्निंग क्षेत्र में टाइफैक कोर | 0.00 | 10400000.00 |
| टेक्सटाइल प्रौद्योगिकी ओर मशीनरी के क्षेत्र में टाइफैक कोर | 4600000.00 | 2400000.00 |
| पॉवर ट्रांसफर्मेटेशन डायग्नोस्टिक्स के क्षेत्र में टाइफैक कोर | 0.00 | 10600000.00 |
| मशीन विजन के क्षेत्र में टाइफैक कोर | 4250000.00 | 0.00 |
| टेलीमेटिक्स के क्षेत्र में टाइफैक कोर | 15600000.00 | 0.00 |
| **उप जोड़** | **57985125.00** | **131275866.00** |
| **सड़क निर्माण एवं परिवहन** | | |
| परिवहन तंत्रों के लिए नई वायरलेस प्रौद्योगिकियों के प्रयोग द्वारा इन्टेलीजेंट एवं इंटर एक्टिव टेलीमेटिक्स | 0.00 | 2500000.00 |
| सी.ए.आर. कम कीमत के फ्लेक्सिबिल ऑटोमेशन | 0.00 | 26950000.00 |
| **उप जोड़** | **0.00** | **29450000.00** |
| **टैक्सटाइल मशीनरी** | | |
| टैक्सटाइल में एस.एवं टी. रिक्तियों का मूल्यांकन और शिक्षा संस्थानो के क्षमता निर्माण का मूल्यांकन | 274000.00 | 600000.00 |
| **उप जोड़** | **274000.00** | **600000.00** |
| परियोजना सम्बंधित व्यय | 4990108.00 | 5495281.00 |
| **उप जोड़** | **4990108.00** | **5495281.00** |
| **कुल** | **135217399.00** | **321983713.00** |

अनुलग्नक–7

# बैकों में लघु अवधि जमा

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **लघु अवधि जमा** | | |
| टाइफैक | 30267745.00 | 50000000.00 |
| फ्लाई एश उपयोगिता कार्यक्रम | 0.00 | 22970.00 |
| चीनी प्रौद्योगिकी मिशन | 0.00 | 43857.00 |
| परिदृश्य 2020 | 0.00 | 1375627.00 |
| **कुल** | **30267745.00** | **51442454.00** |

अनुलग्नक–8

## परियोजना प्रौद्योगिकी परिदृश्य 2020 से धन वापसी

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| चार रंगों के रैपियर शटललेस लूम (बुनाई मशीन) का विकास | 378000.00 | 0.00 |
| येलो फिन टुना के लाइन और स्टीक का प्रसंस्करण और निर्यात | 1206192.24 | 0.00 |
| वेफ्ट एक्युमुलेटर | 0.00 | 139583.00 |
| डाटा लोगिंग सुविधाओं सहित वेफ्ट सेट (ऑटोमेटिक फैब्रिक स्ट्रेटनिंग सिस्टम) | 0.00 | 315018.00 |
| प्रति मीटर इन्डिकेटर एवं ऑटोमेटिक कन्ट्रोलर पर प्रतिशतता वृद्धि | 0.00 | 40800.00 |
| कपास संदूषण (कन्टेमिनेशन) विश्लेषक | 0.00 | 88800.00 |
| ऑटोमेटिक कोन वाइंडर के निर्माण हेतु प्रौद्येगिकी उन्नयन | 0.00 | 6266325.00 |
| सतत बलीचिंग रेंज का डिजाइन, विकास एवं निर्माण | 51280.00 | 2563994.58 |
| सेल्फ प्रोपेल्ड आर्टीकुलेटेड क्रेन मॉडल एफ–15 | 0.00 | 1036200.00 |
| बहु उद्देश्यीय लोडर मॉडल एम.–1000 | 0.00 | 899400.00 |
| सिल्क फ्रेब्रिक्स में जरी का नॉन डिस्ट्रक्टिव परीक्षण | 240000.00 | 0.00 |
| शेटलेस बुनाई मशीनों और सहायक पुर्जों का डिजाइन और विकास | 856684.00 | 776667.00 |
| माइक्रो इनकैप्स्यूलेटेड ओमेगा 3 पाऊडर का निर्माण | 1939000.00 | 1939000.00 |
| डाई एक्साहास्ट रेट नियंत्रक | 0.00 | 140000.00 |
| शिमला जिले में प्रमाणित सब्जियों की प्राइमरी प्रोसेसिंग और पैकेजिंग | 215250.00 | 0.00 |
| करनाल कृषि उपकरण समूह हेतु प्रौद्योगिकी रिक्ति विश्लेषण | 0.00 | 83854.00 |
| निम्न श्रेणी के कच्चे माल और बायोमास (पौटरी) पर एक प्रौद्योगिकी पैकेज का विकसित निदर्शन | 2323952.00 | 0.00 |
| डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग प्रौद्योगिकी के प्रयोग द्वारा पिलिंग टेस्टर का डिजाइन और विकास | 276587.00 | 30000.00 |
| प्रोसेस्ड म्युनिसपल ठोस अप्रयोज्य सामग्री से ए.6.6 एम.डब्लू. पॉवर प्लांट एंव जेनेरेटेड इलेक्ट्रिकल | 300000.00 | 600000.00 |
| मूल्यवर्धित उत्पादों के निर्माण के लिए ग्रामीण स्तर पर समेकित शुद्ध दूध उत्पादन नेटवर्क की स्थापना | 2088000.00 | 1044000.00 |
| फार्मास्यूटीकल ग्रेड चिटोसन और मूल्य वर्धित उत्पादों का विकास | 2100000.00 | 0.00 |
| अम्बाला वैज्ञानिक उपकरण उद्योग समूह हेतु प्रौद्योगिकी रिक्ति विश्लेषण | 0.00 | 68129.00 |
| इन्टेजीजेंट कन्ट्रोल पैथोडोलॉजी के प्रयोग द्वारा मानीटरिंग और दोष की पहचान की गुणता आश्वासन स्थिति | 1118808.00 | 0.00 |
| 4 स्ट्रोक डायरेक्ट इन्जेक्शन स्माल पेट्रोल इंजन के लिए इंजन प्रबंधन प्रणाली | 0.00 | 1222339.00 |
| **कुल** | **13093753.24** | **17254109.58** |

अनुलग्नक–9

## देय खर्च

(राशि–रूपये में)

| विवरण | | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|
| देय वेतन | | 3747013.00 | 3285325.00 |
| मैसर्स संसवाल ट्रेवेल्स | | 107288.00 | 100974.00 |
| मैसर्स एम.टी.एन.एल. | | 69461.00 | 69212.00 |
| मैसर्स प्राइम सिस्टम टेक्नोलॉजीज | | 0.00 | 12650.00 |
| मैसर्स भगवती इन्टरनेशनल | | 40376.00 | 0.00 |
| मैसर्स चांदीवाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स | | 19413.00 | 19775.00 |
| मैसर्स निम्बस हार्बर फैसिलिटीज मैनेजमेंट प्राइवेट लि. | | 0.00 | 53226.00 |
| मैसर्स एसी.ई.टैवेल्स प्रा.लि. | | 0.00 | 109747.00 |
| मैसर्स युनी एक्सप्रेस प्रा.लि. | | 0.00 | 235167.00 |
| मैसर्स यश टूर एंड टेवेल्स | | 26379.00 | 18345.00 |
| मैसर्स वाटर पाइन्ट | | 30371.00 | 0.00 |
| मैसर्स ओमनी ट्रेडर्स | | 19755.00 | 0.00 |
| मैसर्स जे.एम.डी. टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट कं | | 28333.00 | 0.00 |
| मैसर्स यात्रिका ट्रेवेल्स | | 14798.00 | 0.00 |
| **कुल** | **4103187.00** | **3904421.00** | |

अनुलग्नक–10

## परियोजना इकोसर

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| क) शेष अग्रसारित | 19107292.00 | 10663154.00 |
| ख) आय | 0.00 | 8444138.00 |
| उप जोड़ | **0.00** | **8444138.00** |
| परियोजना से धन वापसी | 0.00 | 0.00 |
| **उप जोड़** | **0.00** | **0.00** |
| **कुल क+ख** | **19107292.00** | **19107292.00** |
| **ग) व्यय** | | |
| i) पूंजी खर्च : नियत परिसंपत्तियां | 0.00 | 0.00 |
| ii) राजस्व खर्च | 0.00 | 0.00 |
| **कुल (i+ii) 'ग'** | **0.00** | **0.00** |
| **शेष अगले वर्ष में ले जाया गया (क+ख–ग)** | **19107292.00** | **19107292.00** |

अनुलग्नक–11

## भारत–म्यांमार अनुदान यंगून में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मित्रता पुस्तकालय

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| क) शेष अग्रसारित | **959659.00** | **959659.00** |
| ख) आय | 0.00 | 0.00 |
| उप जोड | **0.00** | **0.00** |
| कुल क+ख | **959659.00** | **959659.00** |
| ग) खर्च : | | |
| i) पूंजी खर्च : नियत परिसंपत्तियां | 0.00 | 0.00 |
| ii) राजस्व खर्च | | |
| परियोजना खर्च | 0.00 | 0.00 |
| कुल (i+ii) 'ग' | **0.00** | **0.00** |
| शेष अगले वर्ष में ले जाया गया (क+ख–ग) | **959659.00** | **959659.00** |

अनुलग्नक–12

## रिसाइक्लेबिल्स पर भारतीय तांबा बाजार फोकस

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| क) शेष अग्रसारित | **0.00** | **225916.00** |
| ख) आय | | |
| अर्जित ब्याज | **0.00** | 0.00 |
| अन्य आय | **0.00** | 0.00 |
| उप जोड़ | **0.00** | **0.00** |
| कुल क+ख | **0.00** | **225916.00** |
| ग) खर्च | | |
| i) पूंजी खर्च : नियत परिसंपत्तियां | | 0.00 |
| ii) राजस्व खर्च | | 0.00 |
| iii) परियोजना खर्च | **0.00** | 0.00 |
| कुल (i+ii+iii) 'ग' | **0.00** | **225916.00** |
| शेष अगले वर्ष में ले जाया गया (क+ख–ग) | **0.00** | **0.00** |

अनुलग्नक–13

## एम.एस.ई.बी.–एश उपयोगिता/प्रबंधन

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| क) शेष अग्रसारित | **3578194.00** | **3578194.00** |
| ख) आय | | |
| अनुदान सहायता | 0.00 | 0.00 |
| अर्जित ब्याज | 0.00 | 0.00 |
| अन्य आय | 0.00 | 0.00 |
| उप जोड़ | **0.00** | **0.00** |
| कुल क+ख | **3578194.00** | **3578194.00** |
| ग) खर्च | | |
| i) पूंजी खर्च : नियत परिसंपत्तियां | 0.00 | 0.00 |
| ii) राजस्व खर्च | 0.00 | 0.00 |
| iii) परियोजना खर्च | 0.00 | 0.00 |
| कृषि में एम.एस.ई.बी. फ्लाई एश | 2978100.00 | 0.00 |
| ईंट निर्माण में एम.एस.ई.बी. फ्लाई एश | 0.00 | 0.00 |
| कुल (i+ii+iii) ग' | **2978100.00** | **0.00** |
| शेष अगले वर्ष में ले जाया गया (क+ख–ग) | **600094.00** | **3578194.00** |

अनुलग्नक–14

## एच.डब्लू.पी. पौंड एश का एफ.ए.एम. बड़े स्तर पर एस.सी.सी.एल. (मनुगुरू) की भूमिगत खानों में भराव

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| क) शेष अग्रसारित | **8294830.00** | **8294830.00** |
| ख) आय | | |
| अनुदान सहायता | 0.00 | 0.00 |
| अर्जित ब्याज | 0.00 | 0.00 |
| अन्य आय | 0.00 | 0.00 |
| उप जोड़ | **0.00** | **0.00** |
| कुल क+ख | **8294830.00** | **8294830.00** |
| ग) व्यय | | |
| i) पूंजी खर्च–चालू परिसंपत्तियां | 0.00 | 0.00 |
| ii) राजस्व खर्च | 0.00 | 0.00 |
| iii) परियोजना खर्च | 0.00 | 0.00 |
| कुल (i+ii+iii) ग' | **0.00** | **0.00** |
| शेष अगले वर्ष में ले जाया गया (क+ख–ग) | **8294830.00** | **8294830.00** |

अनुलग्नक–15

## प्राकृतिक प्रकोप भूकंप सेवित

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| क) शेष अग्रसारित | **142557.00** | **142557.00** |
| ख) आय | | |
| अनुदान सहायता | **72600.00** | **0.00** |
| अर्जित ब्याज | 0.00 | 0.00 |
| अन्य आय | 0.00 | 0.00 |
| **उप जोड़** | **72600.00** | **0.00** |
| **कुल क+ख** | **215157.00** | **142557.00** |
| **ग) व्यय** | | |
| i) पूंजी व्यय : नियत परिसंपत्तियां | 0.00 | 0.00 |
| ii) राजस्व खर्च | 0.00 | 0.00 |
| iii) परियोजना खर्च : | 50000.00 | 0.00 |
| भूकम्प पर फिल्म निर्माण | 0.00 | 0.00 |
| **कुल (i+ii+iii) ग'** | **50000.00** | **0.00** |
| **शेष अगले वर्ष में ले जाया गया (क+ख–ग)** | **165157.00** | **142557.00** |

अनुलग्नक–16

## डी.आर.डी.ओ. – पी.एफ.सी.

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **क) शेष अग्रसारित** | **17291.00** | **-490.00** |
| **ख) आय** | | |
| अनुदान सहायता | **13634052.00** | 12335352.00 |
| अर्जित ब्याज | | 0.00 |
| अन्य आय | | |
| **उप जोड़** | **13634052.00** | **12335352.00** |
| **कुल क+ख** | **13651343.00** | **12334862.00** |
| **ग) व्यय** | | |
| i) पूंजी खर्च : नियत परिसंपत्तियां | | 0.00 |
| ii) राजस्व खर्च | | 0.00 |
| iii) परियोजना खर्च | **13974754.00** | 12317571.00 |
| **कुल (i+ii+iii) ग'** | **13974754.00** | **12317571.00** |
| **शेष अगले वर्ष में ले जाया गया (क+ख–ग)** | **-323411.00** | **17291.00** |

अनुलग्नक–17

## एम.पी.एस.ई.बी.–कृषि विकास थर्मल पावर संयंत्र, सारणी में फ्लाई एश का उपयोग

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **क) शेष अग्रसारित** | **1023250.00** | **1023250.00** |
| **ख) आय** | | |
| अनुदान सहायता | | |
| अर्जित ब्याज | | |
| अन्य आय | | |
| **उप जोड़** | **0.00** | **0.00** |
| **कुल क+ख** | **1023250.00** | **1023250.00** |
| **ग) व्यय** | | |
| i) पूंजी खर्च : नियत परिसंपत्तियां | | |
| ii) राजस्व खर्च | | |
| iii) परियोजना खर्च | 666425.00 | |
| **कुल (i+ii+iii) ग'** | **666425.00** | **0.00** |
| **शेष अगले वर्ष में ले जाया गया (क+ख–ग)** | **356825.00** | **1023250.00** |

अनुलग्नक–18

## बेसिक : जलवायु परिवर्तन हेतु भवन निर्माण एवं सशक्तीकरण सांस्थानिक क्षमता

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **क) शेष अग्रसारित** | **0.00** | **425895.00** |
| **ख) आय** | | |
| अनुदान सहायता | | **0.00** |
| अर्जित ब्याज | | **0.00** |
| अन्य आय | | **0.00** |
| **उप जोड़** | **0.00** | **0.00** |
| **कुल क+ख** | **0.00** | **425895.00** |
| **ग) व्यय** | | |
| i) पूंजी खर्च : नियत परिसंपत्तियां | | 0.00 |
| ii) राजस्व खर्च | | 0.00 |
| iii) परियोजना खर्च | | 425895.00 |
| **कुल (i+ii+iii) ग'** | **0.00** | **425895.00** |
| **शेष अगले वर्ष में ले जाया गया (क+ख–ग)** | **0.00** | **0.00** |

अनुलग्नक–19

## इंडो–इजराइल कार्यशाला

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **क) शेष अग्रसारित** | **0.00** | **182637.00** |
| **ख) आय** | | |
| अनुदान सहायता | | 0.00 |
| अर्जित ब्याज | | 0.00 |
| अन्य आय | | 0.00 |
| **उप जोड़** | **0.00** | **0.00** |
| **कुल क+ख** | **0.00** | **182637.00** |
| **ग) व्यय** | | |
| i) पूंजी खर्च : नियत परिसंपत्तियां | | 0.00 |
| ii) राजस्व खर्च | | 0.00 |
| iii) परियोजना खर्च | | 182637.00 |
| **कुल (i+ii+iii) ग'** | **0.00** | **182637.00** |
| **शेष अगले वर्ष में ले जाया गया (क+ख–ग)** | **0.00** | **0.00** |

अनुलग्नक–20

## डी.एस.टी.–बी.एम.बी.एफ. (जर्मनी)

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **क) शेष अग्रसारित** | **0.00** | **104586.00** |
| **ख) आय** | | |
| अनुदान सहायता | | 0.00 |
| अर्जित ब्याज | | 0.00 |
| अन्य आय | | 0.00 |
| **उप जोड़** | **0.00** | **0.00** |
| **कुल क+ख** | **0.00** | **104586.00** |
| **ग) व्यय** | | |
| i) पूंजी खर्च : नियत परिसंपत्तियां | | |
| ii) राजस्व खर्च | | |
| iii) परियोजना खर्च | | 104586.00 |
| **कुल (i+ii+iii) ग'** | **0.00** | **104586.00** |
| **शेष अगले वर्ष में ले जाया गया (क+ख–ग)** | **0.00** | **0.00** |

अनुलग्नक–21

# टाइफैक–विश्व बैंक परियोजना

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **क) शेष अग्रसारित** | **1339747.93** | **12364422.00** |
| **ख) आय** | | |
| अनुदान सहायता | 0.00 | 0.00 |
| अर्जित ब्याज | 0.00 | 0.00 |
| अन्य आय | 0.00 | 0.00 |
| **उप जोड़** | **0.00** | **0.00** |
| **कुल क+ख** | **1339747.93** | **12364422.00** |
| **ग) व्यय** | | |
| i) पूंजी खर्च : नियत परिसंपत्तियां | 0.00 | 0.00 |
| ii) राजस्व खर्च | 0.00 | 0.00 |
| iii) परियोजना खर्च | 0.00 | 11024674.07 |
| **कुल (i+ii+iii) ग'** | **0.00** | **11024674.07** |
| **शेष अगले वर्ष में ले जाया गया (क+ख–ग)** | **1339747.93** | **1339747.93** |

# प्रौद्योगिकी सूचना पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## 31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति और भुगतान

| प्राप्तियां | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **1. आद्य शेष (ओपनिंग बेलेंसेज)** | | |
| नकद रोकड़ | 8587.00 | 7468.00 |
| बैंक में जमा राशि | 0.00 | 0.00 |
| चालू खाते में | 0.00 | 0.00 |
| जमा खाते में | 36074546.95 | 328273280.00 |
| बचत खाते में | 51442454.00 | 5847010.00 |
| फ्रैंकिंग मशीन के लिए अग्रिम | 5251.00 | 26158.00 |
| **2. प्राप्त अनुदान** | | |
| भारत सरकार से–योजना (टाइफैक) | 172000000.00 | 26100000.00 |
| राज्य सरकार से–गैर–योजना (टाइफैक) | 800000.00 | 720000.00 |
| राज्य सरकार से | 0.00 | 0.00 |
| महिला वैज्ञानिकों के लिए अध्येयतावृत्ति | 15496000.00 | 10900000.00 |
| **3. निवेशों से आय** | | |
| उद्दिष्ट/विन्यस्त निधि | 0.00 | 0.00 |
| स्वयं की निधि | 0.00 | 0.00 |
| **4. प्राप्त ब्याज** | | |
| बैंक जमाओं पर (टाइफैक) | 835825.00 | 1286184.00 |
| बैंक बचत पर (टाइफैक) | 2381024.00 | 856394.00 |
| ऋण, अग्रिम, इत्यादि (स्टाफ अग्रिम) | 65944.00 | 282960.00 |
| परिदृश्य 2020 से ब्याज | 0.00 | 8878344.00 |
| **5. अन्य आय (स्पष्ट करें)** | | |
| एच.जी.टी. परियोजनाओं से धन की वापसी (अनुबंध–5) | 17478500.00 | 19477000.00 |
| एडवांस्ड कम्पोजिट कार्यक्रम से धन वापसी | 20537000.00 | 12270080.00 |
| परिदृश्य 2020 से धन की वापसी | 13093753.24 | 17254109.58 |
| अन्य आय (अनुसूची 18) | 350952.00 | 83666.00 |
| चीनी प्रौद्योगिकी मिशन से धन की वापसी | | |
| टी.ई.पी.पी. परियोजना से धन की वापसी | 254921.00 | 628881.00 |
| फ्लाई एश उपयोगिता कार्यक्रम से धन वापसी | 500000.00 | 0.00 |
| **6. पेटेन्ट सुसाध्य केन्द्र के लिए प्राप्तियां** | | |
| अनुदान सहायता | 15000000.00 | 14000000.00 |
| पेटेन्ट खोज प्रभार | 3000.00 | 644.00 |
| एकस्व ए और बी सी डी रोम | 88199.00 | 119500.00 |
| अन्य प्राप्तियां | 71950.00 | 0.00 |

| प्राप्तियां | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **7. उधार ली गई राशि** | **0.00** | **0.00** |
| **8) अन्य प्राप्तियां (विवरण दें)** | | |
| टाइफैक रिपोर्टो के प्रसारण के लिए सामान्य प्रभार | 413308.00 | 125951.00 |
| कार किराये पर लेने हेतु लेखा के लिए निविदा | 0.00 | 3000.00 |
| आर.टी.आई. अधिनियम प्रश्न | 565.00 | 70.00 |
| स्टेशनरी सामग्री हेतु निविदा फार्म | 0.00 | 500.00 |
| फायर एलार्म हेतु निविदा | 6000.00 | 0.00 |
| टाइफैक की हाऊसकीपिंग हेतु निविदा | 9500.00 | 0.00 |
| पुराने चेक प्राप्त | 914330.00 | 589483.00 |
| डी.आर.डी.ओ.–पी.एफ.सी. | 13634052.00 | 12335352.00 |
| पेशगी : अशोक होटल | 200000.00 | 0.00 |
| पेशगी : इरीडियम इन्टरेक्टिव लि. | 178900.00 | 0.00 |
| पेशगी : डी.ए. वी.पी. | 219797.00 | 0.00 |
| पेशगी : वायरलेस टेक्नोलॉजी में टाइफैक कोर | 13000000.00 | 0.00 |
| पेशगी : एग्रो एवं इंडस्ट्रियल बॉयोटेक्नोलॉजी टी.आई.ई.टी. पटियाला | 717434.00 | 0.00 |
| पेशगी : डॉ. शर्मा नर्सिंग होम | 73800.00 | 0.00 |
| पेशगी : आई.आई.टी. खड़गपुर | 2500000.00 | 0.00 |
| पेशगी : एस.आई.एन.ई. टैप फंड | 22700.00 | 0.00 |
| छुटपुट देनदार : प्रोफे. आनंद पटवर्धन | 29427.00 | 0.00 |
| अन्तर्राष्ट्रीय कांग्रेस सेमिनार खर्च | 0.00 | 5783613.00 |
| चीनी प्रौद्योगिकी मिशन से धन वापसी | 29100000.00 | 9700000.00 |
| भूंकप : प्राकृतिक प्रकोप | 22600.00 | 0.00 |
| आई.आई.ए.एस.ए. : टाइफैक संयुक्त अध्ययन | 0.00 | 9111767.00 |
| पेशगी संग्रहण (एच.वी.ए.सी.) | 0.00 | 986413.00 |
| पेशगी राशि : मैसर्स संसवाल ट्रेवल्स | 10000.00 | 0.00 |
| पेशगी राशि : यात्रिका ट्रेवल्स | 10000.00 | 0.00 |
| पेशगी राशि : ओमनी टैक सिस्ट्मस | 10000.00 | 0.00 |
| पेशगी राशि : मैसर्स भगवती इन्टरनेशनल | 30000.00 | 0.00 |
| प्रतिभूति जमा : गेस्ट हाऊस (सर्वप्रिय विहार) | 0.00 | 10000.00 |
| श्री सैमसन जॉर्ज : (एल.टी.ए. ऋण और स्कूटर ऋण) | 0.00 | 600000 |
| पूंजि निधि | 1160.00 | 133892981.46 |
| चिकित्सा योजना | 70085.00 | 74246.00 |
| विविध देनदार : डी.एस.टी. | 3240.00 | 0.00 |
| विविध देनदार : भगवती इंटरनेशनल | 18451.00 | 0.00 |
| नियत परिसम्पत्तियां (वर्ष के दौरान प्राप्त) | 0.00 | 74450.00 |

| प्राप्तियां | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| परियोजना इकोसर | 0.00 | 8444138.00 |
| आई.आई.ए.एस.ए.–टाइफैक संयुक्त अध्ययन | 00.0 | 3519.00 |
| कार्यान्वयन कार्यक्रम : फिजी चीनी उद्योग | 0.00 | 293.00 |
| छुटपुट लेनदार : मैसर्स सुबह्मण्यम नटराज एवं एसोसिएट्स | 0.00 | 212945.00 |
| छुटपुट देनदार : मानदेय | 0.00 | 5000.00 |
| छुटपुट देनदार एस.टी.एम. | 0.00 | 41058083.00 |
| आई.आई.एम. बंगलौर | 0.00 | 2630.00 |
| प्रतिभूति जमा : लीज आवास (जी. श्रीनिवास) | 0.00 | 20000.00 |
| प्रतिभूति जमा : हौज खास पी.ओ. | 0.00 | 17.00 |
| प्रतिभूति जमा :अतिथि गृह | 0.00 | 46000.00 |
| प्रतिभूति जमा : मैसर्स मन्नू लाल एंड संस | 0.00 | 47986.00 |
| मैसर्स : इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (प्रो. आनंद पटवर्धन) | 0.00 | 5014.00 |
| भारत–आई.आई.ए.एस.ए. संयुक्त कार्यशाला | 0.00 | 1242295.00 |
| अग्रिम : केन्द्रीय विद्यालय, जे.एन.यू. | 0.00 | 20380.00 |
| अन्तर्राष्ट्रीय कांग्रेस सेमिनार खर्च | 0.00 | 2118686.00 |
| अग्रिम : इंडिया इंटर नेशनल सेंटर | 0.00 | 41368.00 |
| अग्रिम : बी.ए.आई.एफ. डेवलपमेंट रिसर्च फाउन्डेशन | 0.00 | 50000.00 |
| प्रतिभूति जमा : संपदा निदेशालय | 0.00 | 2400.00 |
| छुटपुट देनदार : फ्लाई एश परामर्श लेखा | 0.00 | 16842.00 |
| शिक्षा उपकर | 0.00 | 54.00 |
| आयकर | 0.00 | 1817.00 |
| पेशगी राशि : चीनी प्रौद्योगिकी मिशन उद्योग | 0.00 | 36000000.00 |
| | **152936.00** | **190997144.46** |
| | **404983856.19** | **676644972.24** |

# प्रौद्योगिकी सूचना पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## 31.03.2010 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति और भुगतान

| | भुगतान | | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| **1** | **व्यय** | | | |
| क) | स्थापना व्यय (अनुसूची 21 के अनुसार) | 40546407.00 | | |
| | जोंड़े : आद्य व्यय देय | 2535073.00 | | |
| | घटाएं : देय व्यय | 2768059.00 | 40313421.00 | 39020712.40 |
| ख) | प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 22 के अनुसार) | 22021208.91 | | |
| | जोड़ें : आद्य व्यय देय | 600751.00 | | |
| | जोड़े : अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री पर हानि | 0.00 | | |
| | घटाएं : देय व्यय | 326375.00 | 22295584.91 | 46280840.83 |
| | घटाएं : अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री पर हानि | | | |
| | (पिछले वर्ष के आंकड़ों में अप्रचलन व्यय शामिल नहीं है।) | | | |
| ग) | अनुदान, आर्थिक सहायता इत्यादि पर व्यय (अनुसूची–23 के अनुसार) | | 15162223.00 | 30731613.00 |
| **2** | **विविध परियोजनाओं के लिए निधि से किया गया भुगतान** | | | |
| | अनुदान उपयोग–पेटेन्ट सुसाध्य केन्द्र | 14464538.00 | | |
| | जोड़े : आद्य व्यय देय | 219946.00 | | |
| | घटाएं : देय व्यय | 324971.00 | 14359513.00 | 20400351.00 |
| | अनुदान उपयोग–परिदृश्य 2020 | 148362000.00 | | |
| | जोड़े : आद्य व्यय देय | 548651.00 | | |
| | घटाएं : व्यय देय | 683782.00 | 148226869.00 | 332135671.00 |
| | अनुदान उपयोग–महिला वैज्ञानिकों के लिए अध्येयतावृत्ति | | 14685955.00 | 13742015.00 |
| | **अचल परिसम्पत्तियों में वृद्धि** | | | |
| | कार्यालय उपस्कर | | 581478.00 | 638711.00 |
| | फर्नीचर | | 155072.00 | 25408.00 |
| | लाइब्रेरी पुस्तकें | | 10967.00 | 96782.00 |
| | कम्प्यूटर एवं पुर्जे | | 140976.00 | 375728.00 |
| | टाइफैक भवन में फायर अलार्म सिस्टम | | 1004583.00 | 0.00 |

| भुगतान | | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|
| | **अधिशेष राशि/ऋण की वापसी** | | |
| | स्टाफ को प्रदत्त अग्रिम | 517192.00 | 471129.00 |
| **3** | **अन्य भुगतान (स्पष्ट करें)** | | |
| | प्रतिभूति जमा : इको रेल मल्टीटैक सिस्टम | 0.00 | 150.00 |
| | श्री सैमसन जॉर्ज (स्कूटर अग्रिम) | 0.00 | 19500.00 |
| | टाइफैक विश्व बैंक परियोजना | 0.00 | 11024674.07 |
| | छुटपुट देनदार : मैसर्स सुब्रामण्यम, नटराज एवं एसोसिएट्स | 212945.00 | 0.00 |
| | अन्तर्राष्ट्रीय कांग्रेस सेमिनार खर्च | 3058201.00 | 7902299.00 |
| | बेसिक : जलवायु परिवर्तन के लिए संस्थानात्मक क्षमता का निर्माण और सुदृढ़ता | 0.00 | 425895.00 |
| | हाई प्यूरिटी मैग्नीशिया हेतु परियोजना का विकास | 0.00 | 78680.00 |
| | टाइफैक रिपोर्ट प्रकाशन हेतु अल्प प्रभार | 0.00 | 6183.00 |
| | पेशगी राशि : मन्नूलाल एंड संस | 0.00 | 500000.00 |
| | भारत–इजरायल कार्यशाला | 0.00 | 182637.00 |
| | डी.आर.डी.ओ.–पी.एफ.सी. | 13974754.00 | 12317571.00 |
| | एम.एसई.बी : राख उपयोगिता/प्रबंधन | 2978100.00 | 0.00 |
| | एम.पी.एस.ई.बी.–कृषि विकास थर्मल पावर संयत्र, सारणी में फ्लाई एश का उपयोग | 666425.00 | 0.00 |
| | अग्रिम : वायरलेस प्रौद्योगिकी में टाइफैक–कोर | 0.00 | 11634150.00 |
| | डी.एस.टी.–बी.एम.बी.एफ. (जर्मनी) | 0.00 | 104586.00 |
| | छुटपुट देनदार : डी.बी.टी. | 15620.00 | 0.00 |
| | छुटपुट देनदार : केन्द्रीय सड़क परिवहन संस्थान | 500000.00 | 0.00 |
| | पूंजीगत निधि | 0.00 | 52469757.00 |
| | प्रतिभूति जमा : मैट्रिक्स पॉवर प्रॉडक्ट्स | 0.00 | 15741.00 |
| | प्रतिभूति जमा : यूनियन टेक इंडिया प्रा.लि. | 0.00 | 81017.00 |
| | प्रतिभूति जमा : एपेक्स परिफेरल्स इंडिया प्रा.लि. | 0.00 | 1845.00 |
| | प्रतिभूति जमा : सिस्टम टेक्नोलॉजी | 0.00 | 1695.00 |
| | प्रतिभूति जमा : मन्नूलाल एंड संस (इलेक्ट्रिकल कार्य ) | 0.00 | 188564.00 |
| | प्रतिभूति जमा : ग्रफिक्स सिस्टम्स प्रा.लि. | 0.00 | 89454.00 |
| | | **278859878.91** | **580963359.30** |

| भुगतान | | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|
| प्रतिभूति जमा : इम्प्रेशन सर्विसेज प्रा.लि. | | 0.00 | 30000.00 |
| रिसाइक्लेबिल्स में भारतीय तांबा बाजार फोकस | | 0.00 | 225916.00 |
| पेशगी राशि : ज्यो हाइड्रोमेटिक्स (इंडिया) रूड़की | | 0.00 | 17750.00 |
| पेशगी राशि : मैसर्स क्राम्पटन ग्रीव्स | | 0.00 | 15000.00 |
| पेशगी राशि : मैसर्स इम्प्रेशन प्रा.लि. | | 0.00 | 20000.00 |
| पेशगी राशि : मैसर्स निम्बस हार्बर प्रा.लि. | | 0.00 | 30000.00 |
| जैव ईंधनों पर कार्यशाला | | 0.00 | 54039.00 |
| ब्याज (सिविल एंव इन्टीरियर्स) : मन्नू लाल एंड संस | | 0.00 | 615000.00 |
| प्रधानमंत्री राहत निधि (सुनामी) | | 0.00 | 18128.00 |
| प्रतिभूति जमा : लीज आवास | | 0.00 | 20000.00 |
| लम्बित कार्य : मैसर्स मन्नू लाल एंड संस | | 0.00 | 25000.00 |
| छुटपुट लेनदार : श्री रमेश कुमार के. | | 0.00 | 975.00 |
| मैसर्स महेश्वरी राइस मिलर | | 0.00 | 1062500.00 |
| टाइफैक भवन की आन्तरिक सज्जा | | 2481708.00 | 4674174.00 |
| अग्रिम : इरिडियम इन्टरेक्टिव लि. | | 0.00 | 178900.00 |
| अग्रिम : डी.ए.वी.पी. | | 0.00 | 11850.00 |
| अग्रिम : डॉ. शर्मा नर्सिंग होम | | 0.00 | 73800.00 |
| अग्रिम : आई.आई.टी., खड़गपुर | | 0.00 | 250000.00 |
| एशिया भारत कार्यशाला | | 0.00 | 66974.00 |
| प्रतिभूति जमा : सुश्री इतिका सिंगल | | 0.00 | 40000.00 |
| प्रतिभूति जमा : श्रीमती प्रेमलता व्यास | | 0.00 | 105000.00 |
| छुटपुट देनदार : प्रोफे. आनंद पटवर्धन | | 0.00 | 29427.00 |
| अग्रिम : मैसर्स डाइकिन एयर कंडीशनिंग इंडिया प्रा.लि. | | 200382.00 | 0.00 |
| अग्रिम : आई.आई.टी. दिल्ली | | 57500.00 | 0.00 |
| वित्त वर्ष 2004–05 हेतु आयकर | | 293.00 | 0.00 |
| वित्त वर्ष 2004–05 हेतु आयकर | | 5000000.00 | 0.00 |
| छुटपुट देनदार : विज्ञान और प्रौद्योगिकी के द्वारा भारतीय कृषि का पुनः शक्ति वर्धन | | 0.00 | 208450.00 |
| पूंजीगत निधि | | 11672.00 | 0.00 |

| भुगतान | | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|
| लघु अवधि जमा (उचिंत खाता) | | 1398597.00 | 0.00 |
| **फ्लाई एश परामर्शी परियोजना और एस.टी.एम. से परिसम्पत्तियां अन्तरित** | | | |
| कम्प्यूटर / पुर्जे | | 0.00 | 10586.28 |
| फर्नीचर | | 0.00 | 21930.00 |
| कार्यालय उपकरण | | 0.00 | 332249.71 |
| टी.डी.एस. (परामर्श पर) | | 0.00 | 13125.00 |
| **अन्त शेष** | | | |
| नकद राशि | | 3524.00 | 8587.00 |
| बैंक में जमा राशि | | 86705099.28 | 36074546.95 |
| लधु अवधि जमा | | 31666342.00 | 51442454.00 |
| फ्रैकिंग मशीन | | 9422.00 | 5251.00 |
| | | **127534539.28** | **95681612.94** |
| | | **406394418.19** | **676644972.24** |

**कृते चांदीवाला विरमानी एण्ड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदीवाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
**चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स**

हस्ता /
**(भारत भूषण)**
**(भागीदार)**
**सदस्यता सं. 87365**

हस्ता /
**लेखा अधिकारी**

हस्ता /
**रजिस्ट्रार**

हस्ता /
**वैज्ञानिक प्रभारी**

दिनांक : 23.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

न्यासीगण
टाइफैक अंशदायी भविष्य निधि न्यास
नई दिल्ली–110016

मान्यवर,

हमने टाइफैक अंशदायी भविष्य निधि न्यास के 31 मार्च, 2010 तक की स्थिति के अनुसार कार्यों से संबंधित संलग्न विवरण की, नई दिल्ली में रखी गयी लेखा–पुस्तकों सहित, लेखा–परीक्षा कर दी है। भविष्य निधि के प्रावधानों तथा लेखा के विविध प्रावधान अधिनियम के अनुपालन की भी जांच कर ली गई है।

लेखा पुस्तकों की ऐसी परीक्षा के आधार पर तथा बिन्दु सं. 1 के अनुसार दी गई टिप्पणियों के अधीन हम रिपोर्ट करते हैं कि :–

1. इस रिपोर्ट में प्रस्तुत कार्यों के विवरण का न्यास की लेखा–पुस्तकों से सामंजस्य है।

2. हमारे विचार, पूर्ण जानकारी तथा हमें दिये गये स्पष्टीकरण के अनुसार संबद्ध लेखे निम्न के संबंध में सही और निष्पक्ष स्थिति को प्रदर्शित करते हैं।

क) न्यास कार्यों के संबंध में कार्यों के विवरण के मामले में 31 मार्च, 2010 की स्थिति।

**कृते चांदीवाला विरमानी एंड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदीवाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स

हस्ता/–
**भारत भूषण**
(भागीदार)
सदस्यता सं. 87365

दिनांक : 23.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# अंशदायी भविष्य निधि–टाइफैक
## 31 मार्च, 2010 को ट्रायल बेलेंस

(राशि रुपये में)

| क्र.सं. | विवरण | नामे राशि | जमा राशि |
|---|---|---|---|
| 1 | कर्मचारी अंशदान खाता | | 12,658,016.70 |
| 2 | नियोक्ता का अंशदान खाता | | 11,707,901.00 |
| 3 | ब्याज खाता | | 14,204,606.70 |
| 4 | सी.पी.एफ. अग्रिम–श्री अनिल कुमार राय | 71,975.00 | |
| 5 | सी.पी.एफ. अग्रिम–श्री अर्ध्य सरदार | 81,250.00 | |
| 6 | सी.पी.एफ. अग्रिम–श्रीमती माला सरपाल | 68,450.00 | |
| 7 | सी.पी.एफ. अग्रिम–श्रीमती प्रोमिला खिलानी | 14,000.00 | |
| 8 | सी.पी.एफ. अग्रिम– श्री महिपाल सिंह रावत | 21,430.00 | |
| 9 | सी.पी.एफ. अग्रिम–डॉ. गौतम गोस्वामी | 30,842.00 | |
| 10 | सी.पी.एफ. अग्रिम–श्री सुरेन्द्र प्रसाद | 44,400.00 | |
| 11 | सी.पी.एफ. अग्रिम–श्री एस. बासु | 1,100.00 | |
| 12 | सी.पी.एफ. अग्रिम– श्री टी. चन्द्रशेखर | 41,600.00 | |
| 13 | सी.पी.एफ. अग्रिम–श्री रनबीर सिंह | 21,600.00 | |
| 14 | सी.पी.एफ. अग्रिम–श्रीमती पूनम नागपाल | 4,400.00 | |
| 15 | सी.पी.एफ. अग्रिम–श्री दीपक कुमार | 151,000.00 | |
| 16 | सी.पी.एफ. अग्रिम–श्री अनीश एस. | 24,000.00 | |
| 17 | सी.पी.एफ. अग्रिम–श्रीमती रेनू बाली | 36,200.00 | |
| 18 | सी.पी.एफ. अग्रिम–श्रीमती उमा दराल | 22,000.00 | |
| 19 | सी.पी.एफ. अग्रिम–श्री दीप प्रकाश | 69,200.00 | |
| 20 | सी.पी.एफ. अग्रिम–सुश्री रचना भट्ट | 40,200.00 | |
| 21 | श्री सुशील कुमार झा | 66,600.00 | |
| 22 | श्री पी.आर. बासाक | 140,000.00 | |
| 23 | श्री मुकेश माथुर | 200,000.00 | |
| 24 | श्री सुरेन्द्र कुमार | 100,000.00 | |
| 25 | श्री पंकज सुन्दरियाल | 8,000.00 | |
| 26 | बैंक प्रभार | 149,339.00 | |
| 27 | फ्लेक्सी जमा'–यू.बी.आई | 370,433.00 | |
| 28 | अल्पावधि जमा'–(यू.बी.आई) | 26,836,108.00 | |
| 29 | आर.बी.आई. में विशेष जमा खाता | 520,330.00 | |
| 30 | बैंक में जमा | 9,436,067.40 | |
| | **कुल** | **38,570,524.40** | **38,570,524.40** |

**कृते चांदीवाला विरमानी एंड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदी वाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
**चार्टर्ड अकाउंटेन्टस**

हस्ता/–
**भारत भूषण**
**(भागीदार)**
**सदस्यता सं. 87365**

दिनांक : 23.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# अंशदायी भविष्य निधि–टाइफैक
## 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार कार्य–विवरण

| गत–वर्ष 31.03.2009 | विवरण | | चालू वर्ष 31.03.2010 को | गत वर्ष 31.03.2009 को | विवरण | चालू वर्ष 31.03.2010 को |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | **अर्जित ब्याज** | | | 1121080.54 | **यू.बी.आई. के पास** | 9436067.40 |
| 10673065.70 | पिछला शेष | 12375346.70 | | | **जमा** | |
| | जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त | | | 520330.00 | आर.बी.आई. के पास विशेष जमा | 520330.00 |
| 2310049.00 | वर्ष के दौरान अर्जित | 1829260.00 | | 25386995.00 | यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के पास लघु अवधि जमा शेष | 26836108.00 |
| | | | | 256556.00 | फ्लेक्सी जमा–यू.बी.आई. | 370433.00 |
| 12983114.70 | | 14204606.70 | | | **स्टाफ के सदस्यों को ऋण/अग्रिम** | |
| 607768.00 | घटाएं : वर्ष के दौरान भुगतान | 0.00 | 14204606.70 | 41295.00 | श्री अनिल कुमार राय | 71975.00 |
| 12375346.70 | | | | 150000.00 | श्री अर्ध्य सरदार | 81250.00 |
| | **कर्मचारी अंशदान** | | | 128450.00 | श्रीमती माला सरपाल | 68450.00 |
| 13657667.84 | पिछला शेष | 8712493.84 | | 38000.00 | श्रीमती प्रोमिला खिलानी | 14000.00 |
| 4662717.00 | जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त | 5960192.86 | | 41230.00 | श्री महिपाल सिंह रावत | 21430.00 |
| | | | | 60842.00 | डॉ. गौतम गोस्वामी | 30842.00 |
| 9607891.00 | घटाएं : वर्ष के दौरान भुगतान | 2014670.00 | 12658016.70 | 11000.00 | श्री रवि दत्त | 0.00 |
| 8712493.84 | | | | 1000.00 | श्री पी.के. अनिल कुमार | 0.00 |
| | | | | | श्री सुरेन्द्र प्रसाद | 44400.00 |
| | | | | 12000.00 | श्री शम्भू कुमार | 0.00 |
| | **टाइफैक अंशदान** | | | 36700.00 | श्री अरबिन्द कुमार सिंह | 0.00 |
| 6539442.00 | पिछला शेष | 7101538.00 | | 11300.00 | श्री एस. बासु | 1100.00 |
| 2788922.00 | जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त | 4628051.00 | | 105200.00 | श्री टी. चन्द्रशेखर | 41600.00 |
| | | | | 55200.00 | श्री रनबीर सिंह | 21600.00 |
| 2226826.00 | घटाएं : वर्ष के दौरान भुगतान | 21688.00 | 11707901.00 | 11600.00 | श्रीमती पूनम नागपाल | 4400.00 |
| 7101538.00 | | | | 43000.00 | श्री दीपक कुमार | 151000.00 |
| | | | | 31000.00 | श्री सुरेश कुमार के. | 0.00 |
| | | | | 36000.00 | श्री अनीश एस. | 24000.00 |
| | | | | 56600.00 | श्रीमती रेनू बाली | 36200.00 |
| | | | | 34000.00 | श्रीमती उमा दराल | 22000.00 |
| | | | | 0.00 | श्री दीप प्रकाश | 69200.00 |
| | | | | 0.00 | श्रीमती रचना भट्ट | 40200.00 |
| | | | | 0.00 | श्री सुशील कुमार झा | 66600.00 |
| | | | | 0.00 | श्री पी.आर. बसाक | 140000.00 |
| | | | | 0.00 | श्री मुकेश माथुर | 200000.00 |
| | | | | 0.00 | श्री सुरेन्द्र कुमार | 100000.00 |
| | | | | 0.00 | श्री पंकज सुन्दरियाल | 8000.00 |
| | | | | | बैंक प्रभार | 149339.00 |
| **28189378.54** | कुल | | **38570524.40** | **28189378.54** | कुल | **38570524.40** |

**कृते चांदीवाला विरमानी एंड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदी वाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
**चार्टर्ड अकाउंटेन्टस**

हस्ता/–

| | | |
|---|---|---|
| **भारत भूषण** | **हस्ता.** | **हस्ता.** |
| **(भागीदार)** | **अध्यक्ष** | **न्यासी** |

**सदस्यता सं. 87365**
दिनांक : 23.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# अंशदायी भविष्य निधि–टाइफैक
## 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार कार्य–विवरण

| गत वर्ष 31.03.2010 को | विवरण | चालू वर्ष 31.03.2010 को |
|---|---|---|
| 1,121,080.54 | यू.बी.आई. के पास जमा | 9,436,067.40 |
| 520,330.00 | आर.बी.आई. के पास विशेष जमा | 520,330.00 |
| 25,386,995.00 | यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के पास | 26,836,108.00 |
| 256,556.00 | फ्लेक्सी जमा–यू.बी.आई. | 370,433.00 |
| | **स्टाफ के सदस्यों को ऋण/अग्रिम** | |
| 41295.00 | श्री अनिल कुमार राय | 71975.00 |
| 150000.00 | श्री अर्घ्य सरदार | 81250.00 |
| 128450.00 | श्रीमती माला सरपाल | 68450.00 |
| 38000.00 | श्रीमती प्रोमिला खिलानी | 14000.00 |
| 41230.00 | श्री महिपाल सिंह रावत | 21430.00 |
| 60842.00 | डॉ. गौतम गोस्वामी | 30842.00 |
| 11000.00 | श्री रवि दत्त | 0.00 |
| 1000.00 | डॉ. पी. के. अनिल कुमार | 0.00 |
| 0.00 | श्री सुरेन्द्र प्रसाद | 44400.00 |
| 12000.00 | श्री शम्भू कुमार | 0.00 |
| 36700.00 | श्री अरबिन्द कुमार सिंह | 0.00 |
| 11300.00 | श्री एस. बासु | 1100.00 |
| 105200.00 | श्री टी. चन्द्रशेखर | 41600.00 |
| 55200.00 | श्री रनबीर सिंह | 21600.00 |
| 11600.00 | श्रीमती पूनम नागपाल | 4400.00 |
| 43000.00 | श्री दीपक कुमार | 151000.00 |
| 31000.00 | श्री सुरेश कुमार के. | 0.00 |
| 36000.00 | श्री अनीश एस. | 24000.00 |
| 56600.00 | श्रीमती रेनू बाली | 36200.00 |
| 34000.00 | श्रीमती उमा दराल | 22000.00 |
| 0.00 | श्री दीप प्रकाश | 69200.00 |
| 0.00 | श्रीमती रचना भट्ट | 40200.00 |
| 0.00 | श्री सुशील कुमार झा | 66600.00 |
| 0.00 | श्री पी.आर. बसाक | 140000.00 |
| 0.00 | श्री मुकेश माथुर | 200000.00 |
| 0.00 | श्री सुरेन्द्र कुमार | 100000.00 |
| 0.00 | श्री पंकज सुन्दरियाल | 8000.00 |
| 0.00 | बैंक प्रभार | 149339.00 |
| **28,189,378.54** | कुल | **38,570,524.40** |

**कृते चांदीवाला विरमानी एंड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदी वाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
**चार्टर्ड अकाउंटेन्टस**

हस्ता/–
**भारत भूषण**
**(भागीदार)**
**सदस्यता सं. 87365**
दिनांक : 23.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सदस्यगण
भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन
नई दिल्ली–110016

हमने **प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक), नई दिल्ली** के अन्तर्गत 'भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन' के 31 मार्च, 2010 तक के संलग्न आय एवं व्यय लेखा की लेखा–परीक्षा कर दी है।

इन वित्तीय विवरणों का उत्तरदायित्व भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन–टाइफैक के प्रबन्धकों पर है। हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखा'–परीक्षा (आडिट) के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अभिमत को प्रकट करना है।

हमने भारत में सामान्यतः लेखा–परीक्षा के स्वीकृत मानदंडों के अनुसार लेखा–परीक्षा आयोजित की है।

इन मानदंडों से यह अपेक्षा की जाती है कि हम इन वित्तीय विवरणों की सामग्री की यथार्थता के बारे में समुचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की आयोजना करें और इसे निष्पादित करें। एक लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों में दी गई राशि और प्रकटनों के समर्थन में साक्ष्यों की परीक्षण के आधार पर जांच करना शामिल है। एक लेखापरीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखाविधि नीतियों और उल्लेखनीय अनुमानों के आकलन के साथ–साथ वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का भी मूल्यांकन करना शामिल है। हमें विश्वास है कि हमारी लेखापरीक्षा में हमारे अभिमत के लिए समुचित आधार विद्यमान हैं।

अनुबंध ए.आर'–1 के अनुसार लेखापरीक्षा आपत्तियों के अधीन, अनुसूची–13 के अनुसार, लेखाओं की टिप्पणियों पर हम रिपोर्ट करते हैं कि :

1. हमने लेखापरीक्षा के लिए आवश्यक सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त किये, जो हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार आवश्यक थे।
2. हमारे विचार में 'भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन–टाइफैक द्वारा कानून के अनुसार लेखा पुस्तकों को उचित रूप से बनाए रखा गया है।
3. इस रिपोर्ट से सम्बन्धित तुलनपत्र और आय एवं व्यय लेखा की लेखा पुस्तकों से सम्मति है।
4. हमारे विचार, पूर्ण जानकारी और हमें दिये गये स्पष्टीकरण के अनुसार उपर्युक्त लेखा अनुसूचियों और उन पर की गई टिप्पणियों द्वारा निर्दिष्ट सूचना को अपेक्षानुसार प्रदान किया गया है और ये सही एवं निष्पक्ष स्थिति को प्रदर्शित करते हैं :

   क) तुलन–पत्र के संबंध में भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन के कार्यों हेतु 31 मार्च 2010 की स्थिति।

   ख) आय और व्यय लेखा के संबंध में उक्त तिथि को समाप्त हुए लेखा वर्ष के लिए व्यय पर आय के आधिक्य की स्थिति।

**कृते चांदीवाला विरमानी एण्ड एसोसिएट्स**
**चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स**

हस्ता/–
**(भारत भूषण)**
**(भागीदार)**
**सदस्यता सं. 087365**

दिनांक : 27.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# वित्तीय वर्ष 2009–10 हेतु लेखा परीक्षा प्रेक्षण का उत्तर

## 1. क्रमांक 1 के प्रेक्षण का उत्तर

गत वर्ष के देय खर्चों में प्रावधान न किये जाने के सम्बंध में, यह उल्लेखित किया जाता है कि भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन एक गैर लाभकारी, प्रौद्यागिकी विकास और अनुसंधान तथा केन्द्रित संगठन है केन्द्रीय सरकार से सम्पूर्ण वित्तपोषित है और लेखांकन मानकों के अनुसार, स्थापना खर्चो जैसे वेतन, करों आदि को छोड़कर पूर्व अवधि के खर्चों के लिए प्रावधान किया जाना आवश्यक नहीं है।

अनुबंध–1

# भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन
# वित्तीय वर्ष 2009–2010 हेतु सांविधिक लेखा परीक्षा

1. 2,93,519/–रूपये की राशि का भुगतान किया गया और वर्ष के दौरान इसे खर्च के रूप में बुक किया गया जबकि यह खर्च पिछले वर्ष से सम्बंधित है जिसके लिए गत वर्ष में कोई प्रावधान नहीं किया गया था। अतः इस वर्ष को अधिशेष (सरप्लस) को 2,93,519/–रूपये की राशि तक अवस्फीति (डी–फ्लेटेड) के रूप में दर्शाया गया है।

# भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## 31 मार्च 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए तुलन पत्र

(राशि–रूपये)

| निकाय/पूंजीगत निधि और देयताएं | अनुसूची | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|
| **निकाय/पूंजीगत निधि** | **1** | 45050907.20 | **5886931.20** |
| रिजर्व और अधिशेष | | 00.00 | **00.00** |
| उद्दिष्ट/विन्यास निधियां (इयरमार्क्ड/इनडोमेंट फंड्स) | | 00.00 | **00.00** |
| सुरक्षित ऋण और उधार | | 00.00 | **00.00** |
| असुरक्षित ऋण और उधार | | 00.00 | **00.00** |
| आस्थगित ऋण देयताएं | | 00.00 | 00.00 |
| चालू देयताएं और प्रावधान | 2 | 9420614.00 | **244336.00** |
| **जोड़** | | **54471521.20** | **6131267.20** |
| **परिसम्पत्तियां** | | | |
| अचल परिसम्पत्तियां (निवल) | 3 | 12490455.00 | 5304615.00 |
| निवेश–उद्दिष्ट/विन्यास निधियों से | | 00.00 | 00.00 |
| निवेश–अन्य | | 00.00 | 00.00 |
| चालू परिसम्पत्तियां, ऋण, अग्रिम,इत्यादि | 4 | 41981066.20 | 826652.20 |
| प्रगतिपरक पूंजीगत कार्य | | 00.00 | 00.00 |
| विविध व्यय (बट्टे खाते अथवा समायोजित न किए गये की मात्रा तक) | | 00.00 | 00.00 |
| **जोड़** | | **54471521.20** | **6131267.20** |
| महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां | 13 | | |
| **आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणियां** | 14 | | |

हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के अनुसार

**कृते चांदीवाला विरमानी एण्ड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदीवाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
**चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स**

| हस्ता/– | हस्ता/– | हस्ता/– | हस्ता/– | हस्ता/– |
|---|---|---|---|---|
| **भारत भूषण** | **लेखा अधिकारी** | **वरि. प्रशा. अधिकारी** | **रजिस्ट्रार** | **मिशन निदेशक** |
| **(भागीदार)** | **एन.एम.बी.ए./एम.जी.ए.** | **(बी.के. मंथन)** | **(एन.एम.बी.ए./एम.जी.ए.)** | **(एम.जी.ए./डी.एस.टी)** |
| **सदस्यता सं. 87365** | | | | |

दिनांक : 27.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## 31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

(राशि–रूपये)

| आय | अनुसूची / अनुबन्ध | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|
| बिक्री / सेवाओं से आय | अनुसूची 5 | 00.00 | 00.00 |
| अनुदान / आर्थिक सहायता | अनुसूची 6 | 85000000.00 | 11096000.00 |
| रायल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय | अनुसूची 7 | 00.00 | 00.00 |
| अर्जित ब्याज | अनुसूची 8 | 582045.00 | 67399.00 |
| अन्य आय | अनुसूची 9 | 250000.00 | 2205.00 |
| शुल्क अभिदान | | 00.00 | 00.00 |
| निवेश से आय | | 00.00 | 00.00 |
| **जोड़ (क)** | | **85832045.00** | **11165604.00** |
| **व्यय** | | | |
| अनुदान / सहायता आदि पर व्यय | अनुसूची 10 | 30208067.00 | 00.00 |
| स्थापना व्यय | अनुसूची 11 | 4528589.00 | 1300939.00 |
| प्रशासनिक व्यय आदि | अनुसूची 12 | 4305579.00 | 1706646.80 |
| मूल्यह्रास पर (वर्ष के अन्त में निवल जोड़) | अनुसूची 03 | 7625834.00 | 2271087.00 |
| **जोड़ (ख)** | | **46668069.00** | **5278672.80** |
| **व्यय पर आय के आधिक्य के कारण शेष (क–ख)** | | | |
| **आय पर व्यय के आधिक्य के कारण शेष (क–ख)** | | **39163976.00** | **5886931.20** |
| **निकाय / पूंजीगत निधि को अन्तरित आधिक्य (सरप्लस) का शेष** | | **39163976.00** | |
| निकाय / पूंजीगत निधि को अन्तरित घाटे का शेष | | | |

हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के अनुसार

**कृते चांदीवाला विरमानी एण्ड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदीवाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
**चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स**

| हस्ता / – | हस्ता / – | हस्ता / – | हस्ता / – | हस्ता / – |
|---|---|---|---|---|
| **भारत भूषण** | **लेखा अधिकारी** | **वरि. प्रशा. अधिकारी** | **रजिस्ट्रार** | **मिशन निदेशक** |
| **(भागीदार)** | **एन.एम.बी.ए. / एम.जी.ए.** | **(बी.के. मंथन)** | **(एन.एम.बी.ए. / एम.जी.ए.)** | **(एम.जी.ए. / डी.एस.टी)** |
| **सदस्यता सं. 87365** | | | | |

दिनांक : 27.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

**अनुसूची–1– निकाय/पूंजीगत निधि**

(राशि–रूपये में)

| | भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन का चालू–वर्ष का शेष | भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन का गत वर्ष का शेष |
|---|---|---|
| आद्य शेष (ओपनिंग बैलेंस) | **5886931.20** | **00.00** |
| डी.एस.टी. से नहीं ली गयीं अचल संपत्तियों की लेखा पुस्तकों में ह्रास के लिए आद्य शेष में अन्तर की राशि | 00.00 | 00.00 |
| व्यय पर आय का आधिक्य | **39163976.00** | **5886931.20** |
| **जोड़** | 45050907.20 | 5886931.20 |
| आय पर व्यय का आधिक्य | **00.00** | **00.00** |
| **जोड़** | 00.00 | 00.00 |
| इति शेष (क्लोजिंग बैलेंस) | **45050907.20** | **5886931.20** |

# भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## 31 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

**अनुसूची–2 चालू देयताएं और प्रावधान**

(राशि–रूपये में)

| | चालू–वर्ष | गत–वर्ष |
|---|---|---|
| **क) चालू देयताएं** | | |
| **1. प्रतिग्रहण राशि (एसेप्टेंसेज)** | | |
| **2. विविध लेनदार** | | |
| क) माल के लिए | 00.00 | 00.00 |
| ख) अन्य (प्रतिभूति रिटेन सन मनी) | | |
| मैसर्स सिमरा अथ्लांटिक सोफ्टवेयर लि., हैदराबाद | 53,144.00 | 00.00 |
| मैसर्स ज्यो सिस्टम ज्यो स्पेशियल इमेजिंग इंडिया प्रा.लि. | 3,64,817.00 | 00.00 |
| **3. प्राप्त अग्रिम** | | |
| सी.आर.पी.एफ. नई दिल्ली 10 कार्य स्टेशनों को प्राप्ति | 78,51,318.00 | 00.00 |
| **4. ब्याज प्रोद्भूत लेकिन देय नहीः** | | |
| क) सुरक्षित ऋण/उधार | 00.00 | 00.00 |
| ख) असुरक्षित ऋण/उधार | 00.00 | 00.00 |
| **5. सांविधिक देयताएं** | | |
| क) अतिशोध्य (ओवरड्यूज) | 00.00 | 00.00 |
| ख) अन्य | 00.00 | 00.00 |
| **6. अन्य चालू देयताएं** | | |
| क) देय वेतन | 6,74,556.00 | 229375.00 |
| ख) देय सी.पी.एफ. | 18,000.00 | 9100.00 |
| ग) देय समूह बीमा | 738.00 | 346.00 |
| घ) लेखा–परीक्षा शुल्क देय | 16,545.00 | 5515.00 |
| ङ) देय स्थापना खर्च (अन्य) | 198699.00 | 00.00 |
| च) देय प्रशानिक खर्च | 242797.00 | 00.00 |
| **कुल जोड़ (रूपये)** | **94,20,614.00** | **244336.00** |

# भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
# 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–3 अचल परिसम्पत्तियां

(राशि–रूपये में)

| विवरण | सकल ब्लॉक | | | | मूल्यह्रास | | | | निवल ब्लॉक | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | वर्ष के शुरू म लागत/ मूल्यांकन | वर्ष के दौरान वृद्धियां | वर्ष के दौरान कटौतियां | वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन | 31.3.2009 तक मूल्यह्रास | ओपनिंग बेलेंस पर | वर्ष के दौरान वृद्धियों पर | वर्ष के अंत तक जोड़ | चालू वर्ष के अंत के अनुसार | गत वर्ष के अंत के अनुसार |
| क. अचल परिसम्पत्तियां | | | | | | | | | | |
| 1.क) पूर्ण स्वामित्व (फ्री होल्ड) | 00.00 | 00.00 | 0.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 |
| ख) पट्टे पर (लीज होल्ड) | 00.00 | 00.00 | 0.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 |
| **2. भवन** | | | | | | | | | | |
| क) पूर्ण स्वामित्व पर | 00.00 | 00.00 | 0.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 |
| ख) पट्टे पर ली गई भूमि पर | 00.00 | 00.00 | 0.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 |
| ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर | 00.00 | 00.00 | 0.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 |
| घ) भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर्स | 00.00 | 00.00 | 0.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 |
| ङ) आन्तरिक कार्य | 00.00 | 00.00 | 0.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 |
| **3.** संयंत्र मशीनरी एवं उपस्कर | 00.00 | 00.00 | 0.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 |
| 4. वाहन | 00.00 | 00.00 | 0.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 |
| 5. फर्नीचर एवं फिक्सचर–आई.एस.पी. | 00.00 | 470784.00 | 0.00 | 470784.00 | 00.00 | 00.00 | 23539.00 | 23539.00 | 447245.00 | 00.00 |
| 6. कार्यालय उपस्कर–आई.एस.पी | 00.00 | 171481.00 | 0.00 | 171481.00 | 00.00 | 00.00 | 12861.00 | 12861.00 | 158620.00 | 00.00 |
| **7.** अरदास सोफ्टवेयर, आई.एस.पी | 00.00 | 3648173.00 | 0.00 | 3648173.00 | 00.00 | 00.00 | 1094452.00 | 1094452.00 | 2553721.00 | 00.00 |
| 8. कम्प्यूटर/पुर्जे–आई.एस.पी | 00.00 | 8439186.00 | 0.00 | 8439186.00 | 00.00 | 00.00 | 2531756.00 | 2531756.00 | 5907430.00 | 00.00 |
| 9. कम्प्यूटर/सहायक पुर्जे एम.जी.ए. | 5332487.00 | 2300.00 | 0.00 | 5334787.00 | 1599746.00 | 2239645.00 | 690.00 | 2240335.00 | 1494706.00 | 3732741.00 |
| 10. कम्प्यूटर्स हेतु सोफ्टवेयर एम.जी.ए. | 2236000.00 | 531440.00 | 0.00 | 2767440.00 | 670800.00 | 939120.00 | 318864.00 | 1257984.00 | 838656.00 | 1565200.00 |
| 11. स्काईलाइन मशीन, आई.एस.पी. | 00.00 | 1544400.00 | 0.00 | 1544400.00 | 00.00 | 00.00 | 463320.00 | 463320.00 | 1081080.00 | 00.00 |
| 12. पुस्तकालय में पुस्तकें, एम.जी.ए. | 7215.00 | 3910.00 | 0.00 | 11125.00 | 541.00 | 1001.00 | 586.00 | 1587.00 | 8997.00 | 6674.00 |
| 13. नलकूप एंव जल आपूर्ति | 0.00 | 00.00 | 0.00 | 0.00 | 00.00 | 00.00 | 0.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 |
| 14. अन्य अचल परिसम्पत्तियां | 0.00 | 00.00 | 0.00 | 0.00 | 00.00 | 00.00 | 0.00 | 00.00 | 00.00 | 00.00 |
| **वर्तमान वर्ष का जोड़** | 7575702.00 | 14811674.00 | 0.00 | 22387376.00 | 2271087.00 | 3179766.00 | 4446068.00 | 7625834.00 | 12490455.0 | 5304615.00 |
| **पिछले वर्ष** | 00.00 | 7575702.00 | 0.00 | 7575702.00 | 00.00 | 00.00 | 2271087.00 | 2271087.00 | 5304615.00 | 00.00 |
| **ख. चालू पूंजीगत कार्य** | | | | | | | | | | |

*Note:*-नोट :– अरदास एवं स्काईलाइन सोफ्टवेयर वित्त वर्ष 2009–10 हेतु केवल कार्यालय प्रयोग के लिए है।

# भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

**अनुसूची–4 चालू परिसम्पत्तियां, ऋण, अग्रिम इत्यादि**

(राशि–रूपये में)

| | चालू–वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **क) चालू परिसम्पत्तियां** | | |
| **1. तालिकाएं (इन्वेट्रीज)** | | |
| क) भण्डार और स्पेयर्स | 00.00 | 00.00 |
| ख) खुले औजार | 00.00 | 00.00 |
| ग) व्यापार में लगा स्टॉक | 00.00 | 00.00 |
| – तैयार माल | 00.00 | 00.00 |
| – चल रहा कार्य | 00.00 | 00.00 |
| – कच्चा माल | 00.00 | 00.00 |
| **2. विविध देनदार** | | |
| विविध देनदार | 00.00 | 00.00 |
| **3. हाथ में नकद रोकड़ (चेक/ड्राफ्ट और अग्रदाय सहित)** | 5000.00 | 00.00 |
| **4. बैंक में जमा** | | |
| क) अनुसूचित बैंक के पास (यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया) | 00.00 | 00.00 |
| चालू खाते में | 00.00 | 00.00 |
| जमा खाते में (अल्पावधि जमा) | 41904916.20 | 826652.20 |
| बचत खाते में | 00.00 | 00.00 |
| प्राप्ति योग्य ब्याज | 00.00 | 00.00 |
| ख) गैर–अनुसूचित बैंकों के पास | | |
| चालू खाते में | 00.00 | 00.00 |
| जमा खाते में | 00.00 | 00.00 |
| बचत खाते में | 00.00 | 00.00 |
| प्राप्ति योग्य ब्याज | 00.00 | 00.00 |
| **5. डाक घर–बचत खाता** | 00.00 | 00.00 |
| **जोड़ (क)** | 4,19,09,916.20 | 826652.20 |

(राशि–रूपये में)

| | चालू–वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **ख. ऋण, अग्रिम और अन्य परिसम्पत्तियां** | | |
| 1. ऋण | | |
| 2. नकद या वस्तु अथवा प्राप्य मूल्य के रूप में वसूलीयोग्य अग्रिम और अन्य राशियां | 00.00 | 00.00 |
| क) पूंजीगत लेखा पर | | |
| 3. परियोजनाओं की सामग्री के लिए अग्रिम | 00.00 | 00.00 |
| क) पूर्व भुगतान | 00.00 | 00.00 |
| ख) अन्य | 00.00 | 00.00 |
| 4. अर्जित आय :– | | |
| क) उद्दिष्ट/विन्यास निधियों से निवेश पर | 00.00 | 00.00 |
| ख) निवेश–अन्य | 00.00 | 00.00 |
| ग) ऋणों और अग्रिम पर | 00.00 | 00.00 |
| श्री मनीष कुमार तिरका | 10000.00 | 00.00 |
| दौरा अग्रिम : मेयर जन.जी.एस. चंदेला | 61150.00 | 00.00 |
| च) अन्य (अप्राप्य देय आय सहित) | 00.00 | 00.00 |
| 5. प्राप्य दावे | | |
| **जोड़ – (ख)** | **71,150.00** | **00.00** |
| **जोड़ (क+ख)** | **4,19,81,066.20** | **826652.20** |

# भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
# 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–5–बिक्री/सेवाओं से आय

(राशि–रूपये में)

| | चालू–वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **1. बिक्री से आय** | | |
| क) तैयार माल की बिक्री | 0.00 | 0.00 |
| ख) कच्चे माल की बिक्री | 0.00 | 0.00 |
| ग) रद्दी माल की बिक्री | 0.00 | 0.00 |
| **2. सेवाओं से आय** | | |
| क) लेबर और प्रोसेसिंग प्रभार | 0.00 | 0.00 |
| ख) व्यावसायिक/परामर्शी सेवाएं | 0.00 | 0.00 |
| ग) एजेंसी कमीशन और दलाली | 0.00 | 0.00 |
| घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपस्कर/सम्पत्ति) | 0.00 | 0.00 |
| ङ) अन्य (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **0.00** |

## अनुसूची–6–अनुदान/आर्थिक सहायता (टाइफैक) (अटल अनुदान और आर्थिक सहायता प्राप्त)

(राशि–रूपये में)

| | चालू–वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| 1. केंद्रीय सरकार से | | |
| **क. एम.जी.ए. अनुदान** | | |
| (आन्तरिक सुरक्षा परियोजना हेत आयोजना) | 15000000.00 | 11096000.00 |
| सहायता–अनुदान (योजना) | 70000000.00 | 00.00 |
| सहायता–अनुदान (गैर–योजना) | 00.00 | 00.00 |
| 2. राज्य सरकारें | 00.00 | 00.00 |
| 3. सरकारी एजेंसियां | 00.00 | 00.00 |
| 4. संस्थान/कल्याण निकाय | 00.00 | 00.00 |
| 5. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन | 00.00 | 00.00 |
| 6. अन्य (स्पष्ट करें) | 00.00 | 00.00 |
| **जोड़** | **8,50,00,000.00** | **11096000.00** |

# भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

### अनुसूची–7–रायल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय

(राशि–रूपये में)

| | चालू–वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| 1. रायल्टी से आय | 00.00 | 00.00 |
| 2. प्रकाशनों से आय | 00.00 | 00.00 |
| 3. अन्य (स्पष्ट करें) | 00.00 | 00.00 |
| 4. ब्याज : परिचालन अग्रिम (सिविल) | 00.00 | 00.00 |
| **जोड़** | **00.00** | **00.00** |

### अनुसूची–8–अर्जित ब्याज (नियमित)

(राशि–रूपये में)

| | चालू–वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| 1. सावधि जमा पर : | | |
| क) अनुसूचित बैंकों के पास | 00.00 | 00.00 |
| ख) गैर–अनुसूचित बैंकों के पास | 00.00 | 00.00 |
| ग) संस्थानों के पास | 00.00 | 00.00 |
| घ) अन्य | 00.00 | 00.00 |
| 2. बचत खाते पर : | | |
| क) अनुसूचित बैंकों के पास | 582045.00 | 67399.00 |
| ख) गैर–अनुसूचित बैंकों के पास | 00.00 | 00.00 |
| ग) डाक–घर बचत खाते | 00.00 | 00.00 |
| घ) अन्य | 00.00 | 00.00 |
| 3. ऋण पर : | | |
| क) कर्मचारी/स्टाफ | 00.00 | 00.00 |
| ख) अन्य (दीर्घकालीन अग्रिम) | 00.00 | 00.00 |
| 4. देनदारों और अन्य प्राप्तियों पर ब्याज | 00.00 | 00.00 |
| **जोड़** | **5,82,045.00** | **67399.00** |

**नोट** : स्रोत पर कर की कटौती के बारे में सूचित किया जाए।

# भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
# 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–9–अन्य आय

(राशि–रूपये में)

| | चालू–वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| 1. परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान से लाभ | | |
| क) स्वंय की परिसम्पत्तियां | 0.00 | 0.00 |
| 2. अनुदान से अथवा निशुल्क अर्जित परिसम्पत्तियां | 0.00 | 0.00 |
| 3. निर्यात् प्रोत्साहनों की प्राप्ति | 0.00 | 0.00 |
| 4. विविध सेवाओं के लिए शुल्क<br>मबाना शुगर मिल्स लि., उ.प्र. से परामर्शी शुल्क | 250000.00 | 0.00 |
| 5. विविध आय | 0.00 | 2205.00 |
| **कुल** | **250000.00** | **2205.00** |

## अनुसूची–10–अनुदान, आर्थिक सहायता इत्यादि पर व्यय

(राशि–रूपये में)

| | चालू–वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| क) संस्थानों/संगठनों को प्रदत्त अनुदान | | |
| **परियोजना व्यय अनुदान हेतु** | | |
| 1) एम.एम.–5 मेस्को पर पायलट परियोजना–स्केल मौसम पूर्वानुमान मॉडल (एम.जी.ए.) | 50,000.00 | 00.00 |
| 2) आन्तरिक सुरक्षा हेतु सेटेलाइट इमजरी के लिए पायलट परियोजना (एन.एस.आर.सी., हैदराबाद) | 10,00,000.00 | 00.00 |
| 3) आन्तरिक सुरक्षा हेतु रेडियो सोफ्टवेयर के लिए पायलट परियोजना (एस.डी.आर. टेक्नोलोजीट्स) | 5,00,000.00 | 00.00 |
| 4) एस.ओ.आई : 3–डी. आन्तरिक सुरक्षापरियोजनाहेतु जम्मू एवं कश्मीर के लिए हाई रीसोल्यूशन सेटेलाइट इमेजरी | 2,22,23,067.00 | 00.00 |
| 5) पायलट परियोजना : झाारखंड और, म.प्र. राज्य सरकारों के नक्सल प्रभावित क्षेत्रो में उडी टेरेन मॉडल, सेडर्स, जी.पी.एस. | 64,35,000.00 | 00.00 |
| ख) संस्थानों/संगठनों को प्रदत्त आर्थिक–सहायता | 00.00 | 00.00 |
| **जोड़** | **3,02,08,067.00** | **00.00** |

**नोट** : इकाइयों का नाम, उनके क्रियाकलाप और अनुदान/आर्थिक–सहायता की राशि को स्पष्ट करें।

# भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

**अनुसूची–11–स्थापना व्यय**

(राशि–रूपये में)

| | चालू–वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| क) वेतन | 42,47,731.00 | 1296139.00 |
| ख) ओ.टी. भत्ते और बोनस | 3,407.00 | 00.00 |
| ग) एन.पी.एस. हेतु टाइफैक नियोक्ता का अंशदान | 22992.00 | 00.00 |
| घ) भविष्य निधि में अंशदान (कर्मचारीगण) | 18000.00 | 00.00 |
| ङ) एन.पी.एस. कर्मचारी अंशदान | 22760.00 | 00.00 |
| च) वेतन बकाया–6ठा वेतन आयोग | 138397.00 | 00.00 |
| छ) कर्मचारियो को सेवानिवृत्ति और सेवान्त हितलाभों (ग्रेच्युटी) पर व्यय | 00.00 | 00.00 |
| ज) अन्य (स्पष्ट करें) | | |
| – चिकित्सा व्यय | 75,302.00 | 4800.00 |
| – छुट्टी यात्रा रियायत | 00.00 | 00.00 |
| – छुट्टी वेतन | 00.00 | 00.00 |
| – यात्रा भत्ते पर अन्तरण | 00.00 | 00.00 |
| पिछला वर्ष | 00.00 | 00.00 |
| **जोड़** | **45,28,589.00** | **1300939.00** |

# भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक) एन.एम.बी.ए.
## 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

**अनुसूची–12–प्रशासनिक व्यय आदि**

राशि–रूपये में)

| | चालू–वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| क) मरम्मत और अनुरक्षण | 29,662.00 | 14064.00 |
| ख) लेखा परीक्षा शुल्क | 22060.00 | 5515.00 |
| ग) कार किराया प्रभार और सवारी–खर्च | 11,55,630.00 | 344311.00 |
| घ) डाक, टेलीफोन और संचार प्रभार | 9,730.00 | 300875.00 |
| ङ) मुद्रण एवं लेखन'–सामग्री | 00.00 | 00.00 |
| च) यात्रा व्यय (घरेलू) | 9,630.00 | 69319.00 |
| छ) सेमिनारों/कार्यशालाओं/अन्य पर व्यय (डी) | 00.00 | 00.00 |
| ज) बैठकों पर व्यय | 14,098.00 | 00.00 |
| झ) डाटा कार्ड हेतु अन्तर्राष्ट्रीय अंशदान | 1,90,537.00 | 120738.00 |
| ञ) मुद्रण सामग्री व्यय | 41,979.00 | 00.00 |
| ट) विविध कार्यालय व्यय | 1,03,152.00 | 1625.00 |
| ठ) बैंक प्रभारसोफ्टवेयर हेतु बकाया) | 150.00 | 241.80 |
| ड) इन्टरनेट प्रभार | 8,87,074.00 | 206302.00 |
| ढ़) विदेश यात्रा | 1,74,072.00 | 21000.00 |
| ण) अन्य अचल परिसम्पत्तियां (डी.एस.टी./डी.एम. सेल मे सोफ्टवेयर हेतु बकाया) | 00.00 | 622656.00 |
| त) पत्र पत्रिकाएं | 748.00 | 00.00 |
| थ) डाटा संग्रहण प्रभार | 3,200.00 | 00.00 |
| द) विज्ञानपन शुल्क | 1,42,468.00 | 00.00 |
| ध) टेलीफोन प्रभार | 62,500.00 | 00.00 |
| न) परियोजना कार्यों हेतु मानदेय | 4,322.00 | 00.00 |
| प) अन्य (स्पष्ट करें) | 00.00 | 00.00 |
| **आन्तरिक सुरक्षा परियोजना प्रशासनिक खर्च** | | |
| 1. कार किराया प्रभार | 3,61,811.00 | 00.00 |
| 2. इन्टरनेट प्रभार | 736.00 | 00.00 |
| 3. बैठक व्यय | 12,500.00 | 00.00 |
| 4. यात्रा खर्च (घरेलू) | 10,79,520.00 | 00.00 |
| **जोड़** | **43,05,579.00** | **1706646.80** |

# भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन
## 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

**अनुसूची–13**

**31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए लेखाविधि नीतियां एवं लेखा पर टिप्पणियां**

**क. लेखाविधि नीतियां**

1) परिषद् ने 'वाणिज्य' की लेखा प्रणाली को अपनाया है।

2) अचल परिसम्पत्तियों को मूल्यह्रास घटा कर लागत मूल्य पर दिखाया गया है।

3) मूल्यह्रास की आयकर अधिनियम 1961 के अनुसार गणना की गई है।

4) लाभभोगियों के साथ करार में निर्दिष्ट शर्त के अनुसार, उनके द्वारा एम.जी.ए. को दी गई सहायता/अनुदान की धन वापसी का लेखा प्राप्ति के आधार पर रखा जायेगा।

5) चालू परियोजनाओं/अध्ययनों इत्यादि के संबंध में आकस्मिक देयताओं का न तो प्रावधान किया गया है और न ही निर्धारित किया गया है।

**ख) लेखाओं से संबंधित टिप्पणियां**

1) वर्ष के अन्त तक प्रकाशनों और अध्ययनों का भंडार, कोई नहीं है, जिन्हें परिषद् द्वारा प्रकाशित और मुद्रित किया गया है।

2) प्रौद्योगिकी, सूचना पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद के अन्तर्गत एम.जी.ए. के पिछले वर्ष के आंकड़े 2008––09 से आगे ले जाये गये हैं।

3) कर्मचारियों की मृत्यु/सेवा निवृत्ति पर देय ग्रेच्युटी की बाबत इस वर्ष कोई देयता नहीं है। ग्रेच्युटी हेतु प्रावधान नहीं किया गया है।

हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के अनुसार

**कृते चांदीवाला विरमानी एण्ड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदीवाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
**चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स**

| हस्ता/– | हस्ता/– | हस्ता/– | हस्ता/– | हस्ता/– |
|---|---|---|---|---|
| **भारत भूषण** | **लेखा अधिकारी** | **वरि. प्रशा. अधिकारी** | **रजिस्ट्रार** | **मिशन निदेशक** |
| **(भागीदार)** | **एन.एम.बी.ए./एम.जी.ए.** | **(बी.के. मंथन)** | **(एन.एम.बी.ए./एम.जी.ए.)** | **(एम.जी.ए./डी.एस.टी)** |
| **सदस्यता सं. 87365** | | | | |

दिनांक : 27.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन
# 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुई अवधि के लिए लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–14–आकस्मिक देयताएं और लेखाओं पर टिप्पणियां (सोदाहरण)

**1. आकस्मिक देयताएं**

1.1 इकाई के प्रति दावे, जिनकी ऋण के रूप में पावती नहीं दी गई है – रूपये ——— शून्य ———(गत वर्ष ——— शून्य ———)

1.2 निम्न के संबंध में :

– इकाई द्वारा/की ओर से दी गई बैंक गारंटी – रूपये ———शून्य ———(गत वर्ष रूपये ——— शून्य ———)

– इकाई की ओर से बैंक द्वारा खोले गये साख पत्र– रूपये ———शून्य ———(गत वर्ष रूपये ——— शून्य ———)

– बैंक से कटौती किए गए बिल – रूपये ———शून्य ———(गत वर्ष रूपये ———शून्य ———)

1.3 निम्न के संबंध में विवादित मांग :

– आयकर रूपये ———शून्य ———(गत वर्ष रूपये ——— शून्य ———)

– बिक्री कर रूपये ———शून्य ———गत वर्ष रूपये ———शून्य)

– म्यूनिसिपल कर रूपये ——— शून्य ———(गत वर्ष रूपये ———)

1.4 आदेशों के क्रियान्वयन न करने के संबंध में पार्टियों के दावे, जिनका इकाई द्वारा विरोध किया गया हो, के संबंध में – रूपये ——— शून्य ———

(गत वर्ष रूपये ——— शून्य ———)

**2. पूंजीगत वचनबद्धता**

पूंजीगत लेखा पर क्रियान्वित न किए गए ठेकों का अनुमानित मूल्य और जिनका प्रावधान (अग्रिमों का निवल) न किया गया हो – रूपये ——— शून्य——— (गत वर्ष रूपये ——— शून्य ———)

**3. लीज की देयताएं**

संयंत्र और मशीनरी के लिए वित्तीय लीज व्यवस्था के अन्तर्गत किराये के लिए भावी दायित्व की राशि–रूपये———शून्य———(गत वर्ष रूपये शून्य———)

**4. चालू परिसम्पत्तियां, ऋण और अग्रिम**

प्रबन्धकों के विचार में, चालू परिसम्पत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का मूल्य कार्य के साधारण रूप में प्राप्ति के आधार पर है, जिसे तुलन पत्र में दर्शाई गयी औसत धनराशि के समतुल्य रखा गया है।

**5. कराधान**

आयकर अधिनियम 1961 के अन्तर्गत किसी प्रकार की कर योग्य राशि न होने के कारण आयकर के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं समझाा गया है।

**6. विदेशी मुद्रा में कारोबार**

| | | चालू–वर्ष | गत–वर्ष |
|---|---|---|---|
| 6.1 | सी.आई.एफ. के आधार पर परिकलित आयात का मूल्य | | |
| | – तैयार माल की खरीद | लागू नहीं | लागू नहीं |
| | – कच्चा माल और उपस्कर (मार्गस्थ सहित) | लागू नहीं | लागू नहीं |
| | – पूंजीगत माल | लागू नहीं | लागू नहीं |
| | – भण्डार, अतिरिक्त पुर्जे और उपभोज्य (कनज्यूमेबल) | लागू नहीं | लागू नहीं |
| 6.2 | विदेशी मुद्रा में व्यय | | |
| | – यात्रा | लागू नहीं | लागू नहीं |
| | – वित्तीय संस्थानों/बैंकों को विदेशी मुद्रा में अदा की गई धनराशि और ब्याज का भुगतान | लागू नहीं | लागू नहीं |
| | – अन्य व्यय | | |
| | – बिक्री पर कमीशन | लागू नहीं | लागू नहीं |
| | – कानूनी और व्यावसायिक व्यय | लागू नहीं | लागू नहीं |
| | – विविध व्यय | लागू नहीं | लागू नहीं |
| 6.3 | आय | | |
| | एफ.ओ.वीं के आधार पर निर्यात् का मूल्य | लागू नहीं | लागू नहीं |
| 6.4 | लेखा–परीक्षकों को पारिश्रमिक | | |
| | लेखा परीक्षक के रूप में | | |
| | – कराधान मामलों के लिए | 0.00 | 0.00 |
| | – प्रबन्धन सेवाओं के लिए | 0.00 | 0.00 |
| | – प्रमाणन के लिए | 0.00 | 0.00 |
| | – अन्य | 0.00 | 0.00 |

7) पिछले वर्ष के लिए तदानुरूपी आंकड़ों का आवश्यकतानुसार पुनः समूहन/पुनः व्यवस्थित किया गया है।

8) 31 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र और वर्ष के अन्त के लिए आय और व्यय लेखा के साथ संलग्न अनुसूचियां 1–14 इनका अविभाज्य अंग है।

हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के अनुसार

**कृते चांदीवाला विरमानी एण्ड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदीवाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
**चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स**

| हस्ता/– | हस्ता/– | हस्ता/– | हस्ता/– | हस्ता/– |
|---|---|---|---|---|
| **भारत भूषण** | **लेखा अधिकारी** | **वरि. प्रशा. अधिकारी** | **रजिस्ट्रार** | **मिशन निदेशक** |
| **(भागीदार)** | **एन.एम.बी.ए./एम.जी.ए.** | **(बी.के. मंथन)** | **(एन.एम.बी.ए./एम.जी.ए.)** | **(एम.जी.ए./डी.एस.टी)** |
| **सदस्यता सं. 87365** | | | | |

दिनांक : 27.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## 31.3.2010 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति और भुगतान

| | प्राप्तियां | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|
| **1)** | **आद्य शेष** | | |
| | क) नकद रोकड़ | 00.00 | 00.00 |
| | ख) बैंक में जमा राशि | | |
| | i) चालू खाते में | 00.00 | 00.00 |
| | ii) जमा खाते में | 00.00 | 00.00 |
| | iiii) बचत खाते में (यू.बी.आई.) | 826652.20 | 00.00 |
| **2)** | **प्राप्त अनुदान** | | |
| | क) भारत सरकार से–योजना | 85000000.00 | 11096000.00 |
| | ख) भारत सरकार से–गैर योजना | 00.00 | 00.00 |
| | ग) राज्य सरकार से | 00.00 | 00.00 |
| **3)** | **निवेशो से आय** | | |
| | क) उद्दिष्ट/विन्यस्त निधि | 00.00 | 00.00 |
| | ख) स्वयं की निधि | 00.00 | 00.00 |
| **4)** | **प्राप्त ब्याज** | | |
| | क) बैंक जमाओं पर .(अनुसूची)<br>घटाएं : जमा पर प्राप्य | 00.00 | 00.00 |
| | प्रतिभूति जमा : | 00.00 | 00.00 |
| | ख) दौरा अग्रिम | 00.00 | 00.00 |
| | ग) बचत खाते से अर्जित ब्याज (अनुसूची–8) | 582045.00 | 67399.00 |
| | घ) प्रतिभूति जमा | 00.00 | 00.00 |
| **5)** | **अन्य आय स्पष्ट करें (अनुसूची–9)** | 250000.00 | 2205.00 |
| **6)** | **उधार ली गई राशि** | 00.00 | 00.00 |
| **7)** | **अन्य प्राप्तियां (ब्यौरा दें)** | | |
| | विविध अग्रिम : 10 कार्य स्टेशनों की सी.आर.पी.एफ. प्राप्ति | 7851318.00 | 00.00 |
| | **कुल (रू.)** | **94510015.20** | **11165604.00** |

# भू स्थानिक अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## 31.3.2010 को समाप्त वर्ष के लिए खर्चो का भुगतान

(राशि रूपये में)

| | भुगतान | | | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|
| 1) | **व्यय** | | | | |
| | क) स्थापना व्यय ) | | | | |
| | (अनुसूची 11 के अनुसार | रू. | 4528589.00 | | |
| | जोड़ें : आद्य व्यय देय | रू. | 238821.00 | | |
| | घटाएं : देय व्यय | रू. | 891993.00 | 3875417.00 | 1062118.00 |
| | ख) प्रशासनिक व्यय | | | | |
| | (अनुसूची 12 के अनुसार) | रू. | 4305579.00 | | |
| | जोड़ें : आद्य व्यय देय | रू. | 5515.00 | | |
| | जोड़े : अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री पर हानि | रू. | 00.00 | | |
| | घटाएं : देय व्यय | रू. | 259342.00 | | |
| | घटाएं : अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री पर हानि | रू. | 00.00 | | |
| | नियत परिसम्पत्तियों पर प्रतिधारण राशि हेतु प्रावधान घटाकर | रू. | 417961.00 | | |
| | (पिछले वर्ष के आंकड़ों में अप्रचलन व्यय शामिल नहीं है।) | | | 3633791.00 | 1701131.80 |
| | ग) अनुदान, आर्थिक सहायता इत्यादि पर व्यय (अनुसूची–10 के अनुसार) | | | 30208067.00 | 00.00 |
| 2) | **अचल परिसम्पत्तियों में वृद्धियां** | | | | |
| | पुस्तकालय में पुस्तकें | | | 3910.00 | 7215.00 |
| | कम्प्यूटर और सहायक पुर्जे | | | 8441486.00 | 5332487.00 |
| | कम्प्यूटरों हेतु सोफ्टवेयर | | | 531440.00 | 2236000.00 |
| | सरदार सोफ्टवेयर (आई.एस.) | | | 3648173.00 | 00.00 |
| | फर्नीचर एवं फिक्सचर (आई.एस.) | | | 470784.00 | 00.00 |
| | कार्यालय उपकरण (आई.एस.) | | | 171481.00 | 00.00 |
| | स्काई लाइन सोफ्टवेयर (आई.एस.) | | | 1544400.00 | 00.00 |
| 3) | **अन्य भुगतान (स्पष्ट करें)** | | | 00.00 | 00.00 |
| | आकस्मिक अग्रिम : श्री मनीष तिरखा | | | 10000.00 | 00.00 |
| | दौरा अग्रिम : मेजर जनरल पी.एस. चंदेला | | | 61150.00 | 00.00 |
| | छुटपुट अग्रिम : श्री बी.के. मथंन | | | 5000.00 | 00.00 |
| 4) | **अन्तशेष** | | | | |
| | नकद रोकड़ | | | 00.00 | 00.00 |
| | बैंक में जमा (यू.बी.आई.) | | | 14053598.20 | 826652.20 |
| | बैंक में जमा | | | 27851318.00 | 00.00 |
| | अल्पावधि जमा | | | 00.00 | 00.00 |
| | **जोड़** | | | **94510015.20** | **11165604.00** |

हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के अनुसार

**कृते चांदीवाला विरमानी एण्ड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदीवाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
**चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स**

| हस्ता/– | हस्ता/– | हस्ता/– | हस्ता/– | हस्ता/– |
|---|---|---|---|---|
| **भारत भूषण** | **लेखा अधिकारी** | **वीर. प्रशा. अधिकारी** | **रजिस्ट्रार** | **मिशन निदेशक** |
| **(भागीदार)** | **एन.एम.बी.ए./एम.जी.ए.** | **(बी.के. मंथन)** | **(एन.एम.बी.ए./एम.जी.ए.)** | **(एम.जी.ए./डी.एस.टी)** |
| **सदस्यता सं. 87365** | | | | |

दिनांक : 27.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सदस्यगण
राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
नई दिल्ली–110016

हमने **प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक), नई दिल्ली** के अन्तर्गत **राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन** के 31 मार्च, 2010 तक के संलग्न आय एवं व्यय लेखा की लेखा–परीक्षा कर दी है।

इन वित्तीय विवरणों का उत्तरदायित्व राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन–टाइफैक के प्रबन्धकों पर है। हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखा'–परीक्षा (आडिट) के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अभिमत को प्रकट करना है।

हमने भारत में सामान्यतः लेखा–परीक्षा के स्वीकृत मानदंडों के अनुसार लेखा–परीक्षा आयोजित की है।

इन मानदंडों से यह अपेक्षा की जाती है कि हम इन वित्तीय विवरणों की सामग्री की यथार्थता के बारे में समुचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की आयोजना करें और इसे निष्पादित करें। एक लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों में दी गई राशि और प्रकटनों के समर्थन में साक्ष्यों की परीक्षण के आधार पर जांच करना शामिल है। एक लेखापरीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखाविधि नीतियों और उल्लेखनीय अनुमानों के आकलन के साथ–साथ वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का भी मूल्यांकन करना शामिल है। हमें विश्वास है कि हमारी लेखापरीक्षा में हमारे अभिमत के लिए समुचित आधार विद्यमान हैं।

अनुबंध ए.आर'–1 के अनुसार लेखापरीक्षा आपत्तियों के अधीन, अनुसूची–24 और 25 के अनुसार, लेखाओं की टिप्पणियों पर हम रिपोर्ट करते हैं कि :

1. हमने लेखापरीक्षा के लिए आवश्यक सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त किये, जो हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार आवश्यक थे।
2. हमारे विचार में राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन–टाइफैक द्वारा विधि के अनुसार लेखा पुस्तकों को उचित रूप से बनाए रखा गया है।
3. इस रिपोर्ट से सम्बन्धित तुलनपत्र और आय एवं व्यय लेखा की लेखा पुस्तकों से सम्मति है।
4. हमारे विचार, पूर्ण जानकारी और हमें दिये गये स्पष्टीकरण के अनुसार उपर्युक्त लेखा अनुसूचियों और उन पर की गई टिप्पणियों द्वारा निर्दिष्ट सूचना को अपेक्षानुसार प्रदान किया गया है और ये सही एवं निष्पक्ष स्थिति को प्रदर्शित करते हैं :
   - i. तुलन–पत्र के संबंध में राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन के कार्यों हेतु 31 मार्च 2010 की स्थिति।
   - ii. आय और व्यय लेखा के संबंध में उक्त तिथि को समाप्त हुए लेखा वर्ष के लिए व्यय पर आय के आधिक्य की स्थिति।

**कृते चांदीवाला विरमानी एण्ड एसोसिएट्स**
**चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स**

हस्ता/–
**(भारत भूषण)**
**(भागीदार)**
**सदस्यता सं. 087365**

दिनांक : 27.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# वित्तीय वर्ष 2009–2010 हेतु सांविधिक लेखा परीक्षा

1. 2,28, 965/–रूपये की एक राशि का भुगतान किया गया और उसे चालू वर्ष 2009–2010 में खर्चे के रूप में बुक किया गया जबकि यह खर्च पिछले वर्ष 2008–09 से सम्बंधित है जिसके लिए पूर्व वर्ष में कोई प्रावधान नहीं हुआ (अनुबंध'–1) यहां इस वर्ष के लिए अधिशेष (सरप्लस) को 2,28,965/रूपये तक को अवस्फीति (डी–फ्लेटेड) में दर्शाया गया है।

2. 70,669/–रूपये की एक राशि का वित्तीय वर्ष 2010–2011 में भुगतान किया गया जबकि यह राशि वित्त वर्ष 2009–10 से सम्बंधित है जिसके लिए चालू वर्ष में कोई प्रावधान नहीं किया गया (अनुबंध–2)। यहां अधिशेष (सरप्लस) को इस वर्ष के लिए 70,669/–रूपये तक अवस्फीति (इन्फ्लेटेड) के रूप में दर्शाया गया है।

3. परियोजना के मूल्यांकन से सम्बधित आन्तरिक नियंत्रण के साथ वितरण के बाद मानीटरिंग और कानूनी प्रक्रिया शुरू करने सहित वसूली प्रक्रिया कमजोर है जिसे सुदृढ़ बनये जाने की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए मैसर्स सिम्बायोस बम्बू प्रोडक्ट्स प्रा.लि. के मामले में 07–11–2007 को 65 लाख रूपये की प्रौद्योगिकी विकास सहायता मंजूर की गयी और 15,27,311/–रूपये की राशि जारी हुई। भुगतान सीधे सप्लायर को किया गया लेकिन मशीन अभी तक नही ंलगी है।

**हमने कुछ मामलों में निम्नलिखित कमियां भी पाई हैं :**

क) मालिक/निदेशक द्वारा वैयक्तिक गारंटी नहीं दी गयी।

ख) मार्च, 2008 और मार्च, 2009 को समाप्त वर्ष के लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण प्राप्त नहीं हुए।

ग) आर.ओ.सी. को चार्ज रजिस्टर नहीं किये गये।

घ) उपयोगिता प्रमाणपत्र सी.ए. द्वारा प्रमाणित नही है।

ङ) बंधक परिसम्पत्तियों हेतु बीमा नहीं कराया गया।

च) पुनर्भुगतान की तिथि पुन नियत करने (री–शेड्यूलिंग) होने के बावजूद वसूली धीमी है। उदाहरण के लिए : कोंकण स्पेशलिटी पॉली प्रोडक्ट्स प्रा. लिमिटेड के मामले में मार्च, 2009 में 413 लाख रूपये के प्रारम्भिक ऋण की पुनः तिथि नियत (रीशेडयुल) हुई ओर पुन भुगतान 010.04.2009 से शुरू होना था। अभी तक 58,41,000/–रूपये में से कुल 32,00,000/–रूपये की वसूली हुई है।

# वित्तीय वर्ष 2009–10 हेतु लेखा प्रेक्षणों का उत्तर

**1. क्रमांक 1 और 2 के प्रेक्षणों का उत्तर**

वित्तीय वर्ष 2008–09 के लिए देय खर्चों हेतु प्रावधान नहीं किये जाने के सम्बंध में, यहां यह उल्लेखित किया जाये राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मशिन एक गैर लाभकारी, प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुसंधान केन्द्रित संगठन है और इसे केन्द्रीय सरकार से पूरी वित्तीय सहायता मिलती है ओर लेखांकन मानकों के अनुसार, इसके द्वारा स्थापना खर्चों जैसे वेतन, कर आदि को छोड़कर पूर्व अवधि के खर्चों के लिए प्रावधान करना आवश्यक नहीं है।

**2. प्रेक्षण 3 का उत्तर**

सभी मामलों में नियमित अनुवर्ती कार्रवाई के साथ समुचित नियंत्रण एवं उपाय किये जाते है। परियोजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए अधिकारियों द्वारा दौरे किये जाते हैं। उद्धृत हालिया मामले–मैसर्स सिम्बायोस बम्बू प्रोडक्ट्स प्रा. लिमिटेड, नागालैंड के मामले में, यह उल्लेखित किया जाता है कि शेष मंजूर धन राशि जारी नहीं की गयी है। इकाई से संबंधित पूरी अनुमोदित मशीनरी साइट पर पहुच चुकी है लेकिन चूंकि उसकी ट्रांसफर कोइल चोरी हो चुकी है, इसलिए इन मशीनों का परीक्षण नहीं हो सका ओर प्रत्येक परियोजना के लिए गठित मानीटरिंग समिति इनके कार्य निष्पादन को सत्यापित नहीं कर सकी। राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन के प्रबंधन ने यह विवेकपूर्ण निर्णय लिया कि शेष राशि की अदायगी को रोक दिया जाये। नये ट्रांसफार्मर को लगाने का काम राज्य विद्युत विभाग का है, जिस पर एनएम.बी.ए. का कोई नियंत्रण नहीं है।

कुल मामलों (ए) से (जी) तक की संकेतित कमियों के मामले में, यह उल्लेख करने की आवश्कता है कि बांस एक ग्रीन फील्ड क्षेत्र है। राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन बांस से सम्बंधित अनुसंधान, उत्पादों का विकास, प्रक्रिया और प्रौद्योगिकियों से जुड़ा है। कच्चे माल के रूप में अधिकांश बांस देश के उत्तरी पूर्व भाग में उपलब्ध है और प्रत्येक तकनीकी, वित्तीय, व्यावसायिक, कानूनी ओर सांविधिक आवश्यकताओं के लिए, राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन को उद्यमियों को मार्गदर्शन, सहायता और हस्त–दक्षता (हैंडहोल्डिंग) प्रदान करनी होती है। अनुमोदन के अनुसार, प्रौद्योगिकी विकास सहायता के विस्तार के समय, टाइफैक का एक भाग होने के नाते, राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन टाइफैक की कानूनी प्रलेखन प्रक्रियाओं का पालन कर रहा है। प्रौद्योगिकी विकास सहायता (टी.डी.ए.) के मामलों में, विभिन्न एजेंसियों से प्राप्त उपयोगिता प्रमाणपत्रों को चार्टरित लेखाकार में निश्चित रूप से सत्यापित कराया जाता है। रजिस्ट्रार, कंपनीज के पास चार्ज रजिस्ट्रेशन करने के सम्बंध में, लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण बंधक परिसंपत्तियों के बीमा के मामले के माले में एन.एम.बी.ए. कम्पनियों से सम्पर्क करता है। अधिकांश मामलों में आवश्यक औपचारिकताओं को कम्पनियों से पूरा कराया जाता है। उद्यमी जानकारी और इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी के कारण कम्पनियों के रजिस्टर्ड कार्यालयों में कागजातों को पहुंचाने में देरी कर देते हैं। यहां यह भी उल्लेखित है कि मैसर्स कोंकण स्पेशलिटी पौली प्रोडक्ट्स प्रा. लिमि. के हालिया मामले में परियोजना पूरी तरह कार्यान्वित नही हुई है। टी.डी.ए. की तिथि पुनः नियत करने के बाद भी, इकाई, एनएम.बी.ए. द्वारा अनुमोदित परियोजना के प्रचालन से पुनर्भुगतान नहीं नहीं कर रही है, बल्कि अन्य स्त्रोतों से कर रही है।

3. विभिन्न परियोजनाओं के करार के अनुसार, टाइफैक/एन.एम.बी.ए. द्वारा दी गयी वित्तीय सहायता को संस्थान को करार में वर्णित नियत अवधि के अनुसार वापस किया जाना हे लेकिन यह विश्लेषण किया गया कि कुछ कम्पनियों ने करारों के अनुसार अपनी किश्तों का पुनर्भुगतान नहीं किया है। विवरण निम्नलिखित हैं :

31 मार्च, 2010 को निम्नलिखित राशि अतिशोध्य (आवर ड्यूस) है ।

| 6 माह से कम अतिशोध्य (ओवरड्यूस) | 6 माह से अधिक और एक वर्ष तक अतिशोध्य | एक वर्ष से अधिक और तीन वर्ष तक | कुल (रू.) |
|---|---|---|---|
| 13904849/– | 15227949/– | 15833039/– | 42725837/ |

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## 31 मार्च 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए तुलन पत्र

(राशि–रूपये)

| निकाय/पूंजीगत निधि और देयताएं | अनुसूची | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|
| **निकाय/पूंजीगत निधि** | 1 | 244710229.29 | 150366027.29 |
| रिजर्व और अधिशेष | 2 | 00.00 | 00.00 |
| उद्दिष्ट/विन्यास निधियां (इयरमार्क्ड/इनडोमेंट फंड्स) | 3 | 00.00 | 00.00 |
| सुरक्षित ऋण और उधार | 4 | 00.00 | 00.00 |
| असुरक्षित ऋण और उधार | 5 | 00.00 | 00.00 |
| आस्थगित ऋण देयताए | 6 | 00.00 | 00.00 |
| चालू देयताएं और प्रावधान | 7 | 2224421.00 | 515986.00 |
| **जोड़** | | **246934650.29** | **150882013.29** |
| **अचल परिसम्पत्तियां (निवल)** | | | |
| निवेश–उद्दिष्ट/विन्यास निधियों से | 8 | 3513063.00 | 3295753.00 |
| | 9 | 00.00 | 00.00 |
| निवेश–अन्य | 10 | 00.00 | 00.00 |
| चालू परिसम्पत्तियां, ऋण, अग्रिम, इत्यादि | 11 | 243421587.29 | 147586260.29 |
| प्रगतिपरक पूंजीगत कार्य | | 00.00 | 00.0000.00 |
| विविध व्यय (बट्टे खाते अथवा समायोजित न किए गये की मात्रा तक) | | 00.00 | 00.0000.00 |
| **जोड़** | | **246934650.29** | **150882013.29** |
| महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां | 24 | | |
| **आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणियां** | 25 | | |

हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के अनुसार

**कृते चांदीवाला विरमानी एण्ड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदीवाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
**चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स**

| हस्ता/ | हस्ता/ | हस्ता/ | हस्ता/ |
|---|---|---|---|
| **(भारत भूषण)** | लेखा अधिकारी | रजिस्ट्रार | मिशन निदेशक |
| (भागीदार) | एन.एम.बी.ए. | एन.एम.बी.ए. | एन.एम.बी.ए. |
| **सदस्यता सं. 87365** | | | |

दिनांक : 27.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
# 31 मार्च 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए तुलन पत्र

(राशि–रूपये)

| आय | अनुसूची / अनुबन्ध | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|
| बिक्री / सेवाओं से आय | अनुसूची 12 | 0.00 | 0.00 |
| अनुदान / आर्थिक सहायता | अनुसूची 13 | 300000000.00 | 200000000.00 |
| शुल्क / अभिदान | अनुसूची 14 | 0.00 | 0.00 |
| निवेशों से आय | अनुसूची 15 | 0.00 | 0.00 |
| रायल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय | अनुसूची 16 | 102347.00 | 479193.00 |
| अर्जित ब्याज | अनुसूची 17 | 6072655.00 | 5779020.00 |
| अन्य आय | अनुसूची 18 | 65403123.00 | 35411704.00 |
| तैयार माल के स्टॉक में वृद्धि / (ह्रास) और प्रगति'– परक कार्य | अनुसूची 19 | 0.00 | 0.00 |
| परियोजनाओं एवं अन्य से निधि की वापसी | | | |
| **जोड़ (क)** | | **371578125.00** | **241669917.00** |
| **व्यय** | | | |
| स्थापना व्यय | अनुसूची 20 | 9624417.00 | 6433791.00 |
| अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि | अनुसूची 21 | 17983125.00 | 16213978.92 |
| अनुदान, आर्थिक सहायता इत्यादि पर व्यय (परियोजना व्यय) | अनुसूची 22 | 249215527.00 | 188853854.00 |
| ब्याज | अनुसूची 23 | 00.0 | 00.00 |
| मूल्यह्रास (वर्ष के अन्त में निवल जोड़) | अनुसूची 08 | 410854.00 | 369392.00 |
| **जोड़ (ख)** | | **277233923.00** | **211871015.92** |
| **व्यय पर आय के आधिक्य के कारण शेष (क–ख)** | | **94344202.00** | **29798901.08** |
| **आय पर व्यय के आधिक्य के कारण शेष (क–ख)** | | | |
| **निकाय / पूंजीगत निधि को अन्तरित आधिक्य (सरप्लस) का शेष** | | **94344202.00** | |
| **निकाय / पूंजीगत निधि को अन्तरित घाटे का शेष** | | | |

हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के अनुसार

**कृते चांदीवाला विरमानी एण्ड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदीवाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
**चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स**

| हस्ता / | हस्ता / | हस्ता / | हस्ता / |
|---|---|---|---|
| **(भारत भूषण)** | लेखा अधिकारी | रजिस्ट्रार | मिशन निदेशक |
| (भागीदार) | एन.एम.बी.ए. | एन.एम.बी.ए. | एन.एम.बी.ए. |
| **सदस्यता सं. 87365** | | | |

दिनांक : 27.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
# 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–1– निकाय/पूंजीगत निधि

(राशि–रूपये में)

| | राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन का चालू–वर्ष का शेष | राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन का गत वर्ष का शेष |
|---|---|---|
| आद्य शेष (ओपनिंग बैलेंस) | **150366027.29** | **120567126.21** |
| एन.एम.बी.ए.एफ/परिसंपत्ति की अनुसूची से टाइफैक से नहीं ली गयी अचल संपत्तियों की लेखा पुस्तकों में मूल्य ह्रास के लिए आद्य शेष में अन्तर की राशि | 00.00 | 00.00 |
| व्यय पर आय का आधिक्य | **94344202.00** | **29798901.08** |
| **जोड़** | 244710229.29 | 150366027.29 |
| आय पर व्यय का आधिक्य | **00.00** | **00.00** |
| **जोड़** | 00.00 | 00.00 |
| इति शेष (क्लोजिंग बैलेंस) | **244710229.29** | **150366027.29** |

## अनुसूची–2–रिजर्व और अधिशेष

(राशि–रूपये में)

| | चालू–वर्ष | गत–वर्ष |
|---|---|---|
| 1. पूंजीगत रिजर्वः | | |
| पिछले लेखा के अनुसार | 0.00 | 0.00 |
| वर्ष के दौरान वृद्धियां | 0.00 | 0.00 |
| घटाएंः वर्ष के दौरान कटौतियां | 0.00 | 0.00 |
| 2. पुनः मूल्यांकन रिजर्वः | | |
| पिछले लेखा के अनुसार | 0.00 | 0.00 |
| वर्ष के दौरान वृद्धियां | 0.00 | 0.00 |
| घटाएंः वर्ष के दौरान कटौतियां | 0.00 | 0.00 |
| 3. विशेष रिजर्वः | | |
| पिछले लेखा के अनुसार | 0.00 | 0.00 |
| वर्ष के दौरान वृद्धियां | 0.00 | 0.00 |
| घटाएंः वर्ष के दौरान कटौतियां | 0.00 | 0.00 |
| 4. सामान्य रिजर्वः | | |
| पिछले लेखा के अनुसार | 0.00 | 0.00 |
| वर्ष के दौरान वृद्धियां | 0.00 | 0.00 |
| घटाएंः वर्ष के दौरान कटौतियां | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | 0.00 | 0.00 |

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
# 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–3 उद्दिष्ट/विन्यास निधि

(राशि–रूपये में)

| | चालू–वर्ष | गत–वर्ष |
|---|---|---|
| **क) निधियों का आद्य शेष** | **0.00** | **0.00** |
| **ख) निधियों में वृद्धियां:** | | |
| i) दान/अनुदान | 0.00 | 0.00 |
| ii) निधियों से किए गए निवेशों से आय | 0.00 | 0.00 |
| iii) अन्य वृद्धियां (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़ (क+ख)** | **0.00** | **0.00** |
| **ग) निधियों के उद्देश्यों की बाबत उपयोगिता/व्यय** | | |
| **1) पूंजीगत व्यय** | | |
| अचल परिसम्पत्तियां | 0.00 | 0.00 |
| अन्य | 0.00 | 0.00 |
| **2) राजस्व व्यय** | | |
| वेतन, मजदूरी और भत्ता आदि | 0.00 | 0.00 |
| किराया | 0.00 | 0.00 |
| अन्य प्रशासनिक व्यय | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़ (ग)** | **0.00** | **0.00** |
| **वर्ष के अन्त में निवल शेष (क+ख–ग)** | **0.00** | **0.00** |

**टिप्पणियां**

1. अनुदान के साथ संबद्ध शर्तो के आधार पर संबद्ध शीर्ष के अन्तर्गत प्रकटन किया जायेगा।
2. केन्द्र/राज्य सरकारों से प्राप्त आयोजना निधियों को पृथक निधियों के रूप में दर्शाया जायेगा तथा इन्हें किसी निधि के साथ शामिल नहीं किया जायेगा।

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

**अनुसूची–4 सुरक्षित ऋण और उधार** (राशि–रूपये में)

| | चालू–वर्ष | गत–वर्ष |
|---|---|---|
| 1. केन्द्रीय सरकार | 0.00 | 0.00 |
| 2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| 3. वित्तीय संस्थान | | |
| क) सावधि ऋण | 0.00 | 0.00 |
| ख) ब्याज प्राद्भूत और देय | 0.00 | 0.00 |
| 4. बैंक | | |
| क) सावधि ऋण | | |
| - ब्याज प्रोद्भूत और देय | 0.00 | 0.00 |
| ख) अन्य ऋण (स्पष्ट करें) | | |
| - ब्याज प्रोद्भूत और देय | 0.00 | 0.00 |
| 5. अन्य संस्थाएं और एजेंसियां | 0.00 | 0.00 |
| 6. ऋण पत्र और बांड | 0.00 | 0.00 |
| 7. अन्य (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **0.00** |

**नोटः** एक वर्ष में देय राशि

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
# 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–5 असुरक्षित ऋण और उधार

(राशि–रूपये में)

| | चालू–वर्ष | गत–वर्ष |
|---|---|---|
| 1. केन्द्रीय सरकार | 0.00 | 0.00 |
| 2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| 3. वित्तीय संस्थान | 0.00 | 0.00 |
| 4. बैंक | | |
| क)सावधि ऋण | 0.00 | 0.00 |
| ख) अन्य ऋण (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| 5. अन्य संस्थाएं और एजेंसियां | 0.00 | 0.00 |
| 6. ऋण पत्र और बांड | 0.00 | 0.00 |
| 7. नियत जमा (फिक्स्ड डिपोजिट्स) | 0.00 | 0.00 |
| 8. अन्य (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **0.00** |

**नोटः** एक वर्ष में देय राशि

## अनुसूची–6 आस्थगित ऋण देयताएं

(राशि–रूपये में)

| | चालू–वर्ष | गत–वर्ष |
|---|---|---|
| a) पूंजीगत उपस्कर और अन्य परिसम्पत्तियों के बंधक रखने के द्वारा प्राप्त प्रतिग्रहण राशि | 0.00 | 0.00 |
| b) अन्य | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **0.00** |

नोट : एक वर्ष में देय राशि

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

### अनुसूची–7 चालू देयताएं और प्रावधान

(राशि–रूपये में)

| | चालू–वर्ष | गत–वर्ष |
|---|---|---|
| **क) चालू देयताएं** | | |
| **1. प्रतिग्रहण राशि (एसेप्टेंसेज)** | | |
| **2. विविध लेनदार** | | |
| क) माल के लिए | 00.00 | 00.00 |
| ख) अन्य | 00.00 | 00.00 |
| **3. प्राप्त अग्रिम** | | |
| धरोहर राशि जमा : अनिल इन्टर प्राइजेज, देवास | 100000.00 | 00.00 |
| धरोहर राशि जमा : गार्नेट ट्रल्स, देवास | 100000.00 | 00.00 |
| धरोहर राशि जमा : ओ.वी.एन. बॉयो एनर्जी प्रा.लि. गुड़गांव | 100000.00 | 00.00 |
| धरोहर राशि जमा : श्री इंजीनियर्स, हैदराबाद | 100000.00 | 00.00 |
| धरोहर राशि जमा : देवा बम्बू एंड एलाइड इंडस्ट्री, इम्फाल | 5000.00 | 00.00 |
| धरोहर राशि जमा : धनजल मैकेनिकल वर्क्स प्रा.लि. | 100000.00 | 00.00 |
| धरोहर राशि जमा : प्रिस कार्बन एंड चारकोल लि. | 5000.00 | 00.00 |
| धरोहर राशि जमा : आर.डी. इंडस्ट्रीज कारपोरेशन, कोलकाता | 100000.00 | 00.00 |
| **4. ब्याज प्रोद्भूत लेकिन देय नहीः** | | |
| क) सुरक्षित ऋण/उधार | 00.00 | 0.00 |
| ख) असुरक्षित ऋण/उधार | 00.00 | 0.00 |
| **5. सांविधिक देयताएं** | | |
| क) अतिशोध्य (ओवरड्यूज) | 00.00 | 0.00 |
| ख) अन्य | 00.00 | 0.00 |
| **6. अन्य चालू देयताएं** | | |
| क) देय वेतन | 579214.00 | 494986.00 |
| ख) लेखा–परीक्षा शुल्क देय | 33090.00 | 20000.00 |
| ग) वाहन खर्च पेशगी देय | 1000.00 | 1000.00 |
| घ) प्रशानिक व्यय देय | 389675.00 | 00.00 |
| **कुल जोड़ (क)** | **1612979.00** | **515986.00** |
| **ख) प्रावधान** | | |
| 1. कराधान के लिए | 00.00 | 00.00 |
| 2. उपदान (ग्रच्युटी) | 00.00 | 00.00 |
| 3. अधिवर्षिता/पेंशन | 408472.00 | 00.00 |
| 4. संचित छुट्टी का नकद भुगतान | 202970.00 | 00.00 |
| 5. व्यापार वारंटी/दावे | 00.00 | 00.00 |
| 6. अन्य (स्पष्ट करें) | 00.00 | 00.00 |
| **जोड़ (ख)** | **611442. 00** | **00.00** |
| **कुल जोड़ (क+ख)** | **2224421.00** | **515986.00** |

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
# 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–8 अचल परिसम्पत्तियां

(राशि–रूपये)

| | सकल ब्लॉक | | | | मूल्यह्रास | | | | निवल ब्लॉक | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| विवरण | वर्ष के शुरू म लागत / मूल्यांकन | वर्ष के दौरान वृद्धियां | वर्ष के दौरान कटौतियां | वर्ष के अंत में लागत / मूल्यांकन | 31.3.2009 तक मूल्यह्रास | ओपनिंग बेलेंस पर | वर्ष के दौरान वृद्धियों पर | वर्ष के अंत तक जोड़ | चालू वर्ष के अंत के अनुसार | गत वर्ष के अंत के अनुसार |
| क. अचल परिसम्पत्तिया | | | | | | | | | | |
| 1. क) पूर्ण स्वामित्व (फ्री होल्ड) | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| ख) पट्टे पर (लीज होल्ड) | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| **2. भवन** | | | | | | | | | | |
| क) पूर्ण स्वामित्व पर | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| ख) पट्टे पर ली गई भूमि पर | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| घ) भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर्स | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| ङ) आन्तरिक कार्य | 3319566.00 | 0.00 | 0.00 | 3319566.00 | 456690.00 | 143144.00 | 0.00 | 599834.00 | 2719732.00 | 2862876.00 |
| **3.** संयंत्र मशीनरी एवं उपस्कर | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| 4. वाहन | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| 5. फर्नीचर एवं फिक्सचर | 103527.00 | 0.00 | 0.00 | 103527.00 | 25093.00 | 7843.00 | 0.00 | 32936.00 | 70591.00 | 78434.00 |
| 6. कार्यालय उपस्कर | 200828.00 | 163770.00 | 0.00 | 364598.00 | 50684.00 | 22522.00 | 23646.00 | 96852.00 | 267746.00 | 150144.00 |
| 7. कम्प्यूटर / सहायक पुर्जे | 937104.00 | 316220.00 | 0.00 | 1253324.00 | 784949.00 | 91293.00 | 103431.00 | 979673.00 | 273651.00 | 152155.00 |
| 8 . विद्युत संस्थापन | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| 9. पुस्तकालय में पुस्तकें | 77913.00 | 525.00 | 0.00 | 78438.00 | 25769.00 | 7822.00 | 79.00 | 33670.00 | 44768.00 | 52144.00 |
| 10 . नलकूप एंव जल आपूर्ति | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| 11. फायर अलार्म सिस्टम | 0.00 | 147649.00 | 0.00 | 147649.00 | 0.00 | 0.00 | 11074.00 | 11074.00 | 136575.00 | 0.00 |
| 12. अन्य अचल परिसम्पत्तियां | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| **वर्तमान वर्ष का जोड़** | 4638938.00 | 628164.00 | 0.00 | 5267102.00 | 1343185.00 | **272624.00** | **138230.00** | 1754039.00 | **3513063.00** | 3295753.00 |
| **पिछले वर्ष** | 4366774.00 | 272164.00 | 0.00 | 4638938.00 | 973793.00 | 281060.00 | 88332.00 | 1343185.00 | 3295753.00 | 3392981.00 |
| **ख. चालू पूंजीगत कार्य** | | | | | | | | | | |

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
# 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–9 उद्दिष्ट/विन्यस्त निधि से निवेश

(राशि–रूपये में)

| | चालू–वर्ष | गत–वर्ष |
|---|---|---|
| 1. सरकारी प्रतिभूतियों में | 0.00 | 0.00 |
| 2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां | 0.00 | 0.00 |
| 3. शेयर्स | 0.00 | 0.00 |
| 4. ऋण पत्र और बांड | 0.00 | 0.00 |
| 5. आर्थिक सहायता और संयुक्त उद्यम | 0.00 | 0.00 |
| 6. अन्य (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **0.00** |

## अनुसूची–10 निवेश–अन्य

(राशि–रूपये में)

| | चालू–वर्ष | गत–वर्ष |
|---|---|---|
| 1. सरकारी प्रतिभूतियों में | 0.00 | 0.00 |
| 2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां | 0.00 | 0.00 |
| 3. शेयर्स | 0.00 | 0.00 |
| 4. ऋण पत्र और बांड | 0.00 | 0.00 |
| 5. आर्थिक सहायता और संयुक्त उद्यम | 0.00 | 0.00 |
| 6. अन्य (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **0.00** |

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
# 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–11 चालू परिसम्पत्तियां, ऋण, अग्रिम इत्यादि

(राशि–रूपये में)

| | चालू–वर्ष | गत–वर्ष |
|---|---|---|
| **क) चालू परिसम्पत्तियां** | | |
| 1. तालिकाएं (इन्वेंट्रीज) | | |
| क) भण्डार और स्पेयस | 0.00 | 0.00 |
| ख) खुले औजार | 0.00 | 0.00 |
| ग) व्यापार में लगा स्टॉक | | |
| तैयार माल | 0.00 | 0.00 |
| चल रहा कार्य | 0.00 | 0.00 |
| कच्चा माल | 0.00 | 0.00 |
| 2. विविध देनदार | | |
| विविध देनदार – एम.टी.एन.एल. | 0.00 | 0.00 |
| 3. हाथ में नकद रोकड़ (चेक/ड्राफ्ट और अग्रदाय सहित) | 156094.00 | 0.00 |
| 4. बैंक में जमा | | |
| अनुसूचित बैंक के पास (यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया) | 0.00 | 0.00 |
| चालू खाते में | 0.00 | 0.00 |
| जमा खाते में (अल्पावधि जमा) | 0.00 | 0.00 |
| बचत खाते में | 243033671.29 | 147547815.29 |
| प्राप्ति योग्य ब्याज | 0.00 | 0.00 |
| 5. गैर–अनुसूचित बैंकों के पास | | |
| चालू खाते में | 0.00 | 0.00 |
| जमा खाते में | 0.00 | 0.00 |
| बचत खाते में | 0.00 | 0.00 |
| प्राप्ति योग्य ब्याज | 0.00 | 0.00 |
| 6. डाक घर–बचत खाता | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़ (क)** | **243189765.29** | **147547815.29** |

(राशि–रूपये में)

| | चालू–वर्ष | गत–वर्ष |
|---|---|---|
| **ख ऋण, अग्रिम और अन्य परिसम्पत्तिया** | | |
| 1. ऋण | 00.00 | 00.00 |
| 2. नकद या वस्तु अथवा प्राप्य मूल्य के रूप में वसूलीयोग्य अग्रिम और अन्य राशियां | | |
| क) पूंजीगत लेखा पर | 00.00 | 00.00 |
| 1) परियोजनाओं की सामग्री के लिए अग्रिम | | |
| ख) पूर्व भुगतान | | |
| ग) अन्य | | |
| – प्रतिभूति जमा : एम.टी.एन.एल. | 200.00 | 200.00 |
| – प्रतिभूति जमा : टाटा इंडिकाम | 00.00 | 25000.00 |
| – प्रतिभूति जमा : श्री हरीश सी. गौड़ | 00.00 | 3000.00 |
| – दौरा अग्रिम : सुश्री तजिन्दर कौर | 8000.00 | 8000.00 |
| – दौरा अग्रिम : श्री सुधीर पाण्डेय | 00.00 | 2000.00 |
| – दौरा अग्रिम : श्री असीम नारायण | 5000.00 | 00.00 |
| – छुटपुट नकदी अग्रिम : सुश्री सुजा एस. जॉर्ज | 3000.00 | 00.00 |
| 3. अर्जित आय :– | 00.00 | 00.00 |
| क) उद्दिष्ट/विन्यास निधियों से निवेश पर | | |
| ख) निवेश–अन्य | 00.00 | 00.00 |
| ग) ऋणों और अग्रिम पर | 00.00 | 00.00 |
| घ) अन्य (अप्राप्य देय आय सहित) | 00.00 | 00.00 |
| – लीज आवास : श्री असीम नारायण | 00.00 | 245.00 |
| 4. प्राप्य दावे | 215622.00 | 00.00 |
| **जोड़ – (ख)** | **231822.00** | **38445.00** |
| **जोड़ (क+ख)** | **243421587.29** | **147586260.29** |

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
# 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–12–बिक्री/सेवाओं से आय

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **1. बिक्री से आय** | | |
| क) तैयार माल की बिक्री | 0.00 | 0.00 |
| ख) कच्चे माल की बिक्री | 0.00 | 0.00 |
| ग) रद्दी माल की बिक्री | 0.00 | 0.00 |
| **2. सेवाओं से आय** | | |
| क) लेबर और प्रोसेसिंग प्रभार | 0.00 | 0.00 |
| ख) व्यावसायिक/परामर्शी सेवाएं | 0.00 | 0.00 |
| ग) एजेंसी कमीशन और दलाली | 0.00 | 0.00 |
| घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपस्कर/सम्पत्ति) | 0.00 | 0.00 |
| ङ) अन्य (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **0.00** |

## अनुसूची–13–अनुदान/आर्थिक सहायता (टाइफैक) (अटल अनुदान और आर्थिक सहायता प्राप्त)

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| 1. केंद्रीय सरकार से | | |
| क) एन.एम.बी.ए. अनुदान | | |
| सहायता–अनुदान (योजना) | 300000000.00 | 200000000.00 |
| सहायता–अनुदान (गैर–योजना) | 0.00 | 0.00 |
| 2. राज्य सरकारें | 0.00 | 0.00 |
| 3. सरकारी एजेंसियां | 0.00 | 0.00 |
| 4. संस्थान/कल्याण निकाय | 0.00 | 0.00 |
| 5. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन | 0.00 | 0.00 |
| 6. अन्य (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **300000000.00** | **200000000.00** |

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
# 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–14–शुल्क/अभिदान

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| 1. प्रवेश शुल्क | 0.00 | 0.00 |
| 2. वार्षिक शुल्क/अभिदान | 0.00 | 0.00 |
| 3. सेमिनार/कार्यक्रम शुल्क | 0.00 | 0.00 |
| 4. परामर्शी शुल्क | 0.00 | 0.00 |
| 5. अन्य (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **0.00** |

## अनुसूची–15–निवेशों से आय (उद्दिष्ट/विन्यास निधियों पर निवेश से प्राप्त आय निधियों को स्थानान्तरित)

(राशि–रूपये में)

| विवरण | उद्दिष्ट निधि से निवेश | | निवेश–अन्य | |
|---|---|---|---|---|
| | चालू वर्ष | गत वर्ष | चालू वर्ष | गत वर्ष |
| 1. ब्याज | | | | |
| क) सरकारी प्रतिभूतियों पर | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| ख) अन्य बांड/ऋण–पत्रों पर | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| 2. लाभांश | | | | |
| क) शेयर्स पर | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| ख) म्यूचल फंड प्रतिभूतियां | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| 3. किराया | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| 4. अन्य (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| **जोड** | **0.00** | **0.00** | **0.00** | **0.00** |

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
## 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

### अनुसूची–16–रायल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| 1. रायल्टी से आय | 00.00 | 00.00 |
| 2. प्रकाशनों से आय | 102347.00 | 479193.00 |
| 3. अन्य (स्पष्ट करें) | 00.00 | 00.00 |
| 4. ब्याज : परिचालन अग्रिम (सिविल) | 00.00 | 00.00 |
| **जोड़** | **102347.00** | **479193.00** |

### अनुसूची–17–अर्जित ब्याज (नियमित)

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| 1. सावधि जमा पर : | | |
| क) अनुसूचित बैंकों के पास | 0.00 | 0.00 |
| ख) गैर–अनुसूचित बैंकों के पास | 0.00 | 0.00 |
| ग) संस्थानों के पास | 0.00 | 0.00 |
| घ) अन्य | 0.00 | 0.00 |
| 2. बचत खाते पर : | | |
| क) अनुसूचित बैंकों के पास | 6072655.00 | 5779020.00 |
| ख) गैर–अनुसूचित बैंकों के पास | 0.00 | 0.00 |
| ग) डाक–घर बचत खाते | 0.00 | 0.00 |
| घ) अन्य | 0.00 | 0.00 |
| 3. ऋण पर : | | |
| क) कर्मचारी/स्टाफ | 0.00 | 0.00 |
| ख) अन्य (दीर्घकालीन अग्रिम) | 0.00 | 0.00 |
| 4. देनदारों और अन्य प्राप्तियों पर ब्याज | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **6072655.00** | **5779020.00** |

**नोट** : स्रोत पर कर की कटौती के बारे में सूचित किया जाए।

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
# 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–18–अन्य आय

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| 1. परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान से लाभ | | |
| क) स्वंय की परिसम्पत्तियां | 0.00 | 0.00 |
| 2. अनुदान से अथवा निशुल्क अर्जित परिसम्पत्तियां | 0.00 | 0.00 |
| 3. निर्यात् प्रोत्साहनों की प्राप्ति | 0.00 | 0.00 |
| 4. विविध सेवाओं के लिए शुल्क | 0.00 | 0.00 |
| 5. विविध आय | 0.00 | 0.00 |
| - अन्य प्राप्तियां (डॉक्यूमेंट्री फिल्म) | 00.00 | 28000.00 |
| - अन्य प्राप्तियां (लाइसेंस शुल्क/लीज आवास) | 1225.00 | 2940.00 |
| - अन्य प्राप्ति (प्रशिक्षण केन्द्र हेतु मशीन सप्लायरों की निविदा) | 16000.00 | 00.00 |
| - अन्य आय (एमबी. परियोजना/टाइफैक को मशीन की सप्लाई) | 00.00 | 3175540.00 |
| - अन्य प्राप्तियां (लधु अवधि टी.डी.ए. एवं विविध आय) | 2027924.00 | 00.00 |
| - **परियोजना अनुदान से खर्च न हुई और वापस की गई राशि** | | |
| ए.एफ.आई.आई.–जोधपुर (बहुस्थलीय परियोजना हेतु खर्च न गयी राशि) | 00.00 | 40802.00 |
| यू.बी.के.वी., पश्चिम बंगाल (बहुस्थलीय परियोजना हेतु खर्च न गयी राशि) | 00.00 | 126484.00 |
| एस.डी.सी. : प्री फैब स्ट्रक्चर एडवांस की आपूर्ति हेतु खर्च न गयी राशि | 187894.00 | 00.00 |
| टी.ई.आर.आई., नई दिल्ली (बम्बू सेटम परियोजना हेतु खर्च न की गयी राशि) | 00.00 | 560783.00 |
| - **परियोजना से धन वापसी** | | |
| एन.एफ.पी.एल. नागालैंड से–1800 टी.पी.ए. बांस कोंपल परियोजना की धन वापसी | 30000.00 | 15000.00 |
| एस.पी.एफ.– बोंगाई गांव में सिल्वर निर्माण (बाउन्स्ड चैक की वापसी) | 00.00 | 10000.00 |
| धनवापसी : देवा–इम्फाल (नेडफी परियोजना) में सिल्वर एवं फर्नीचर इकाई से धन वापसी | 169212.00 | 247892.00 |
| धन वापसी : बसेरा बिल्डिंग सेंटर, भोपाल | 159000.00 | 238500.00 |
| धन वापसी : कोसोन्स फोरेस्ट प्रॉडक्ट्स प्रा.लि., गुवाहाटी | 147787.00 | 80000.00 |
| धन वापसी : प्रिंस चारकोल हेतु कार्बन इन्डस्ट्री, नजीबाबाद | 00.00 | 150000.00 |
| धन वापसी : ईरोज वे प्रा. लि. नागपुर | 23250.00 | 30000.00 |
| धन वापसी : एस.एम. डब्लू पी.एल., बंगलुरू | 2772000.00 | 2772000.00 |
| धन वापसी : सुता बम्बू इन्डस्ट्री, नामसाई | 70000.00 | 83500.00 |
| धन वापसी : एस.वी.एम. एक्सपेंशन–ई.एफ. बम्बू फ्लाई युनिट | 00.00 | 546100.00 |

## अनुसूची–18–अन्य आय (जारी)

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| धन वापसी : जी.टी. देवास मैके–इन्स्ट्रमेंट फॉर बेटर क्वालिटी | 680000.00 | 680000.00 |
| धन वापसी : एच.पी.सी., नागोन पेपर मिल्स बम्बू डस्ट गैसीफायर हेतु | 7000000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : डब्लू एम.आई.पी.एल लुधियाना, एडवांस मशीन मैन्यफैक्चिरिंग यूनिट | 340000.00 | 562615.00 |
| धन वापसी : जैड बी.आई. बम्बू प्रोसेसिंग फ्लेटन्ड बम्बू यूनिट नामसाई | 69700.00 | 139400.00 |
| धन वापसी : वेधा मैकेनाइज्ड प्रोसेस यूनिट, नागपुर | 82000.00 | 245000.00 |
| धन वापसी :डी.एम.डब्लू.पी.एल. सकेन्ड्री बम्बू इंडस्ट्रीज कोलकाता | 528720.00 | 571280.00 |
| धन वापसी : एम.पी.पी.एल. बम्बू बोर्ड युनिट, गुवाहाटी | 200000.00 | 277700.00 |
| धन वापसी : टी.बी.आई, तेजू में बांस चटाई युनिट लगाना | 100000.00 | 40000.00 |
| धन वापसी : ए.बी.सी.पी.एल. बम्बू डुरोसाम/एगलू युनिट की स्थापना कोलकाता | 2750000.00 | 2750000.00 |
| धन वापसी : बी.बी.सी.सी.पी.एल. सिलचर में बंबू केन युनिट लगाना | 57000.00 | 85000.00 |
| धन वापसी : एम.बी.पी.पी.एल. मेघालय में बंबू बोर्ड युनिट स्थापना | 40000.00 | 102500.00 |
| धन वापसी : पी.बी.पी.एल. चोधम में बंबू बोर्ड युनिट स्थापना | 850000.00 | 1000000.00 |
| धन वापसी : रेडियो बम्बू इंडस्ट्र गुवाहाटी में बंबू बोर्ड युनिट स्थापना | 12884.00 | 100000.00 |
| धन वापसी : एस.ए.पी.एल. तिनसुकिया में बंबू बोर्ड युनिट स्थापना | 50000.00 | 50000.00 |
| धन वापसी : एस.जी.आई. सिंधुदुर्ग में बंबू बोर्ड युनिट स्थापना | 00.00 | 60000.00 |
| धन वापसी : एस.एन.एफ. कोल्हापुर में रोंपण फार्म युनिट | 336000.00 | 336000.00 |
| धन वापसी : जैड.एम.पी.एल. मिजोरम में छड़ी निर्माण युनिट स्थापना | 1000000.00 | 250800.00 |
| धन वापसी : बोनिक एग्रो फोरेस्ट प्रा. लि., अगरतला | 200000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : सीक बम्बू एंड बुड प्रोडक्टस प्रा.लि. आइजल | 825000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : एक्सेल बम्बू एन्टर प्राइजेस, कोहिमा | 100000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : गेस आर.टी.पी. बम्बू प्रा.लि. मिजोरम | 2400000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : एच.पी.सी., कोलकाता टिशु कल्चर लेबोरेट्री | 1500000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : केरल स्टेट बम्बू कारपोरेशन लि., अंगमालिया | 100000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : मंगलौर में कोंकण स्पेशलिटी थर्मो प्लास्टिक युनिट हेतु | 2000000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : लुइट वैली फूड प्रोसेसिंग प्रा. लि. जोरहाट | 63200.00 | 00.00 |
| धन वापसी : मिजोरम जोस स्टिक इंडस्ट्रीज | 15000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : पी.एस. ग्रीन गोल्ड बम्बू इंडस्ट्रीज, त्रिपुरा | 20000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : राइटी फूड प्रोसेसिंग प्रा.लि. गुवाहाटी | 15000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : श्री धर्मस्थल ग्रामोद्योग समिति, कर्नाटक | 1100000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : सेंट जेवियर फॉर गैसीफायर युनिट, विश्रामगंज | 20000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : विघ्न राज बम्बू प्रोडक्स प्रा.लि. गुवाहाटी | 167500.00 | 00.00 |
| धन वापसी : जोर क्राफ्ट प्रा.लि. आइजल | 5000.00 | 00.00 |

## अनुसूची–18–अन्य आय (जारी)

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| - **संरचना के निदर्शन हेतु परियोजना योगदान/सहायता** | | |
| - 56 इंजी. आर.ई.जी.टी. से प्रीफैब अंशदान | 645000.00 | 3284000.00 |
| - सी.ई.ओ., सी.जी. स्टेट मेडिसिनल प्लांट बोर्ड, रायुपर से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 443520.00 | 00.00 |
| - कॉले ऑफ वोकेशनल स्टडीज नई दिल्ली से प्रीफैब अंशदान | 1419264.00 | 00.00 |
| - आई.टी.डी.सी. पांडिचेरी से प्रीफैब स्ट्रक्चर हेतु भागीदार अंशदान | 00.00 | 2400000.00 |
| - दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रीफैब स्ट्रक्चर हेतु भागीदार अंशदान | 2335413.00 | 2775868.00 |
| - नागालैंड सरकार से प्री फैब स्ट्रक्चर हेतु भागीदार अंशदान | 00.00 | 3300000.00 |
| - राजस्थान परिषद से प्री फैब स्ट्रक्चर हेतु भागीदार अंशदान | 00.00 | 6000000.00 |
| - जम्मू और कश्मीर सरकार से प्री फैब स्ट्रक्चर हेतु भागीदार अंशदान | 00.00 | 2294000.00 |
| - कमला नेहरू कॉलेज, नई दिल्ली से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 1615660.00 | 00.00 |
| - श्री वेंकटेश्वर कॉलेज नई दिल्ली से से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 1114580.00 | 00.00 |
| - पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज नई दिल्ली से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 3801600.00 | 00.00 |
| - आचार्य नरेन्द्र देव कॉलेज नई दिल्ली से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 1394531.00 | 00.00 |
| - दयाल सिंह कॉलेज नई दिल्ली से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 3530587.00 | 00.00 |
| - लेडी श्रीराम कॉलेज नई दिल्ली से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 636310.00 | 00.00 |
| - महाराजा अग्रसेन कॉलेज नई दिल्ली से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 972160.00 | 00.00 |
| - मैत्रीय कॉलेज नई दिल्ली से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 570240.00 | 00.00 |
| - आत्माराम सवातन धर्म कॉलेज नई दिल्ली से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 1449281.00 | 00.00 |
| - बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम, गया से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 5427500.00 | 00.00 |
| - धन वापसी : एन.आई.एफ.टी., (12 स्ट्रचर) से भागीदार अंशदान | 6004762.00 | 00.00 |
| - धन वापसी : दिल्ली आई. कॉलेज, नई दिल्ली से भागीदार अंशदान | 1123300.00 | 00.00 |
| - धन वापसी : आई.एफ.सी. आई. लि.से भागीदार अंशदान | 1879119.00 | 00.00 |
| - धन वापसी : आई.एल.एफ. एवं एस. और टी.बी.एम., त्रिपुरा से भागीदार अंशदान | 2559000.00 | 00.00 |
| - धन वापसी : एन.बी.डी.ए., दीमापुर से भागीदार अंशदान | 250000.00 | 00.00 |
| **जोड़** | **65403123.00** | **35411704.00** |

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
# 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–19–तैयार माल और प्रगति मे रहने वाले कार्य के स्टॉक में वृद्धियां/घटौतियां

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **1. अन्त शेष (सामग्री क्लोजिंग स्टॉक)** | | |
| - तैयार माल | 0.00 | 0.00 |
| - प्रगति में रहने वाला कार्य | 0.00 | 0.00 |
| 2. घटाएं : आद्य शेष सामग्री (ओपनिंग स्टॉक) | | |
| - तैयार माल | 0.00 | 0.00 |
| - प्रगति में रहने वाला कार्य | 0.00 | 0.00 |
| **निवल वृद्धि/(ह्रास) (क–ख)** | **0.00** | **0.00** |

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
# 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–20–स्थापना व्यय (एन.एम.बी.ए)

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| क) वेतन | 6384001.00 | 4361380.00 |
| ख) भत्ते और बोनस | 13816.00 | 10362.00 |
| ग) भविष्य निधि में टाइफैक नियोक्ता का अंशदान | 9819.00 | 141730.00 |
| घ) भविष्य निधि में अंशदान (कर्मचारीगण) | 00.00 | 13000.00 |
| ङ) वेतन बकाया–6 ठा वेतन आयोग | 1952417.00 | 1361855.00 |
| च) कर्मचारियो को सेवानिवृत्ति और सेवान्त हितलाभों (ग्रेच्युटी) पर व्यय | 112060.00 | 00.00 |
| छ) अन्य (स्पष्ट करें) | | |
| - परामर्शी प्रभार | 00.00 | 00.00 |
| - मजदूरी | 00.00 | 00.00 |
| - मानदेय | 7212.00 | 00.00 |
| - चिकित्सा व्यय | 99582.00 | 181524.00 |
| - छुट्टी यात्रा रियायत | 00.00 | 172313.00 |
| - छुट्टी वेतन | 302273.00 | 00.00 |
| - लीज आवास | 75000.00 | 147000.00 |
| - यात्रा भत्ते पर अन्तरण | 00.00 | 00.00 |
| - टयूशन शुल्क | 27200.00 | 14400.00 |
| - पेंशन अंशदान | 635023.00 | 11902.00 |
| - पत्र–पत्रिकाओं पर व्यय | 6014.00 | 9965.00 |
| - जी.पी.एफ. (श्री राजू शर्मा) | 00.00 | 8000.00 |
| - समूह बीमा | 00.00 | 360.00 |
| **जोड़** | **9624417.00** | **6433791.00** |

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
# 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–21–प्रशासनिक व्यय आदि

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| क) मरम्मत और अनुरक्षण | 219592.00 | 122385.00 |
| ख) किराया, महसूल और कर | 00.00 | 00.00 |
| ग) कार किराया प्रभार | 2757517.00 | 2005081.00 |
| घ) डाक, और कूरियर प्रभार | 75815.00 | 291036.00 |
| ङ) मुद्रण एवं लेखन'–सामग्री | 501988.00 | 1687504.00 |
| च) यात्रा व्यय (घरेलू) | 1969155.00 | 2117710.00 |
| छ) सेमिनारों/कार्यशालाओं/अन्य पर व्यय (डी) | 5746868.00 | 5386689.00 |
| ज) बैठकों पर व्यय | 953660.00 | 167153.00 |
| झ) शुल्कों पर व्यय | 00.00 | 00.00 |
| ञ) लेखा–परीक्षकों का पारिश्रमिक | 35150.00 | 22472.00 |
| ट) विज्ञापन तथा प्रचार | 448133.00 | 484263.00 |
| ड) वाहन प्रभार | 127407.00 | 00.00 |
| ढ़) टेलीफोन और संचार प्रभार | 216119.00 | 00.00 |
| ण) इन्टरनेट प्रभार | 338890.00 | 00.00 |
| त) पत्रिकाओं हेतु शुल्क | 10175.00 | 00.00 |
| ठ) अन्य (स्पष्ट करें) | | |
| - लेखन–सामग्री | 276873.00 | 212466.00 |
| - विविध कार्यालय व्यय | 399408.00 | 389661.00 |
| - पत्र–पत्रिकाएं | 00.00 | 00.00 |
| - एन.आई.डी. प्रकाशन | 11352.00 | 00.00 |
| - बैंक प्रभार | 13837.00 | 11484.92 |
| ड) विश्वकर्मा भवन का अनुरक्षण | 00.00 | 00.00 |
| ढ़) अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री पर हानि | 00.00 | 00.00 |
| ण) कानूनी प्रभार | 00.00 | 00.00 |
| त) विदेश यात्रा | 3447455.00 | 2960095.00 |
| थ) एन.एम.बी.ए. पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन | 433731.00 | 355979.00 |
| द) अन्य अचल परिसम्पत्तियां | 00.00 | 00.00 |
| **जोड़** | **17983125.00** | **16213978.92** |

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
# 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–22–अनुदान, आर्थिक सहायता इत्यादि पर व्यय

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| **क) संस्थानों/संगठनों को प्रदत्त अनुदान** | | |
| परियोजना व्यय अनुदान (अनुबंध–क के अनुसार) | 148266397.00 | 138998640.00 |
| परियोजना व्यय ऋण (अनुबंध –ख के अनुसार) | 100949130.00 | 49855214.00 |
| **ख) संस्थानों/संगठनों को प्रदत्त आर्थिक–सहायता** | 0.00 | 0.000 |
| **जोड़** | **249215527.00** | **188853854.00** |

नोट : इकाइयों का नाम, उनके क्रियाकलाप और अनुदान/आर्थिक–सहायता की राशि को स्पष्ट करें।

## अनुसूची–23–ब्याज

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| क) सावधि ऋण पर (बैंक प्रभार सहित) | 0.00 | 0.00 |
| ख) अन्य ऋण (बैंक प्रभार सहित) | 0.00 | 0.00 |
| ग) अन्य (स्पष्ट करें) | 0.00 | 0.00 |
| **जोड़** | **0.00** | **0.00** |

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
# 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–24

**31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए लेखाविधि नीतियां एवं लेखा पर टिप्पणियां**

**क. लेखाविधि नीतियां**

1) परिषद् ने 'वाणिज्य' की लेखा प्रणाली को अपनाया है।

2) अचल परिसम्पत्तियों को मूल्यह्रास घटा कर लागत मूल्य पर दिखाया गया है।

3) पूर्व अवधि और असाधारण मदें तथा लेखाविधि नीतियों में परिवर्तन, जो कि परिषद् के वित्तीय कार्यकलापों पर भौतिक प्रभाव रखता है, का प्रकटन किया गया है।

4) मूल्यह्रास की आयकर अधिनियम 1961 के अनुसार गणना की गई है।

5) इस तथ्य पर ध्यान दिए गए बिना कि प्रदान की गई राशि लेखाविधि वर्ष के दौरान पूर्ण रूप से उपयोग की गई है, विविध परियोजनाओं (अनुदान/पुनर्भुगतान योग्य प्रौद्योगिकी सहायता) के अंतर्गत स्वीकृत की गई राशि को उस वर्ष के व्यय के रूप में दिखाया गया है, जिस वर्ष इसे जारी किया गया था।

6) लाभभोगियों के साथ करार में निर्दिष्ट शर्त के अनुसार, उनके द्वारा एन.एम.बी.ए. को दी गई सहायता/अनुदान की धन वापसी का लेखा प्राप्ति के आधार पर रखा जायेगा।

7) चालू परियोजनाओं/अध्ययनों इत्यादि के संबंध में आकस्मिक देयताओं का न तो प्रावधान गया है और ना ही निर्धारित किया गया है।

8) वर्ष 2007–08 और 2008–09 एवं 2009–10 हेतु उपयोग में आयी अनुदान सहायता में कार्यान्वयन एजेंसी का परियोजना विशिष्ट पूरक अंशदान शामिल है।

**ख) लेखाओं से संबंधित टिप्पणियां**

1) प्रकाशनों और अध्ययनों का भंडार, जिन्हें परिषद् द्वारा प्रकाशित और लागत पर वितरित किया गया है, उनका वर्ष के अन्त के दौरान विद्यमान स्टॉक के के रूप में लेखा नहीं रखा गया है।

2) वर्ष के दौरान प्रयुक्त/प्रदत्त अनुदान के संबंध में चार्टर्ड अकाउंटेंटस द्वारा प्रमाणित लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण/उपयोगिता प्रमाणपत्र कुछ मामलों में क्रियान्वयन करने वाली एजेंसियों से अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है।

3) पिछले वर्ष के आंकड़ों की चालू वर्ष के आंकड़ों के साथ तुलना करने के लिए आवश्यकतानुसार इनका पुनः समूहन किया गया है।

4) कर्मचारियों की मृत्यु/सेवा निवृत्ति पर देय ग्रेच्युटी की बाबत इस वर्ष कोई देयता नहीं है। ना ही भविष्य की देयता के लिए प्रावधान किया गया है।

**कृते चांदीवाला विरमानी एण्ड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदीवाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
**चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स**

| | | | |
|---|---|---|---|
| हस्ता/ | हस्ता/ | हस्ता/ | हस्ता/ |
| **(भारत भूषण)** | लेखा अधिकारी | रजिस्ट्रार | मिशन निदेशक |
| (भागीदार) | एन.एम.बी.ए. | एन.एम.बी.ए. | एन.एम.बी.ए. |
| **सदस्यता सं. 87365** | | | |

दिनांक : 27.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
# 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुई अवधि के लिए लेखा के भाग के रूप में अनुसूचियां

## अनुसूची–25–आकस्मिक देयताएं और लेखाओं पर टिप्पणियां (सोदाहरण)

**1. आकस्मिक देयताएं**

1.1 इकाई के प्रति दावे, जिनकी ऋण के रूप में पावती नहीं दी गई है – रूपये ——— शून्य ———(गत वर्ष ——— शून्य ———)

1.2 निम्न के संबंध में :

– इकाई द्वारा/की ओर से दी गई बैंक गारंटी – रूपये ———शून्य ———(गत वर्ष रूपये ——— शून्य ———)

– इकाई की ओर से बैंक द्वारा खोले गये साख पत्र– रूपये ———शून्य ———(गत वर्ष रूपये ——— शून्य ———)

– बैंक से कटौती किए गए बिल – रूपये ———शून्य ———(गत वर्ष रूपये ———शून्य ———)

1.3 निम्न के संबंध में विवादित मांग :

– आयकर रूपये ———शून्य ———(गत वर्ष रूपये ——— शून्य ———)

– बिक्री कर रूपये ———शून्य ———गत वर्ष रूपये ———शून्य)

– म्यूनिसिपल कर रूपये ——— शून्य ———(गत वर्ष रूपये ———)

1.4 आदेशों के क्रियान्वयन न करने के संबंध में पार्टियों के दावे, जिनका इकाई द्वारा विरोध किया गया हो, के संबंध में – रूपये ——— शून्य ———

(गत वर्ष रूपये ——— शून्य ———)

**2. पूंजीगत वचनबद्धता**

पूंजीगत लेखा पर क्रियान्वित न किए गए ठेकों का अनुमानित मूल्य और जिनका प्रावधान (अग्रिमों का निवल) न किया गया हो – रूपये ———
शून्य———(गत वर्ष रूपये ——— शून्य ———)

**3. लीज की देयताएं**

संयंत्र और मशीनरी के लिए वित्तीय लीज व्यवस्था के अन्तर्गत किराये के लिए भावी दायित्व की राशि–रूपये———शून्य———(गत वर्ष रूपये शून्य———)

**4. चालू परिसम्पत्तियां, ऋण और अग्रिम**

प्रबन्धकों के विचार में, चालू परिसम्पत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का मूल्य कार्य के साधारण रूप में प्राप्ति के आधार पर है, जिसे तुलन पत्र में दर्शाई गयी औसत धनराशि के समतुल्य रखा गया है।

**5. कराधान**

आयकर अधिनियम 1961 के अन्तर्गत किसी प्रकार की कर योग्य राशि न होने के कारण आयकर के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं समझाा गया है।

(राशि–रूपये में)

| 6. | विदेशी मुद्रा में कारोबार | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|
| 6.1. | सी.आई.एफ. के आधार पर परिकलित आयात का मूल्य | | |
| | - तैयार माल की खरीद | लागू नहीं | लागू नहीं |
| | - कच्चा माल और उपस्कर (मार्गस्थ सहित) | लागू नहीं | लागू नहीं |
| | - पूंजीगत माल | लागू नहीं | लागू नहीं |
| | - भण्डार, अतिरिक्त पुर्जे और उपभोज्य (कनज्यूमेबल) | लागू नहीं | लागू नहीं |
| 6.2 | विदेशी मुद्रा में व्यय | | |
| | a) यात्रा | लागू नहीं | लागू नहीं |
| | b) वित्तीय संस्थानों/बैंकों को विदेशी मुद्रा में अदा की गई धनराशि और ब्याज का भुगतान | लागू नहीं | लागू नहीं |
| | अन्य व्यय | | |
| | - बिक्री पर कमीशन | लागू नहीं | लागू नहीं |
| | - कानूनी और व्यावसायिक व्यय | लागू नहीं | लागू नहीं |
| | - विविध व्यय | लागू नहीं | लागू नहीं |
| 6.3 | आय | | |
| | एफ.ओ.वीं के आधार पर निर्यात् का मूल्य | लागू नहीं | लागू नहीं |
| 6.4 | लेखा–परीक्षकों को पारिश्रमिक | | |
| | लेखा परीक्षक के रूप में | 33090.00 | 20000.00 |
| | - कराधान मामलों के लिए | 0.00 | 0.00 |
| | - प्रबन्धन सेवाओं के लिए | 0.00 | 0.00 |
| | - प्रमाणन के लिए | 0.00 | 0.00 |
| | - अन्य | 0.00 | 0.00 |

7. पिछले वर्ष के लिए तदानुरूपी आंकड़ों का आवश्यकतानुसार पुनः समूहन/पुनः व्यवस्थित किया गया है।

8. 31 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र और वर्ष के अन्त के लिए आय और व्यय लेखा के साथ संलग्न अनुसूचियां 1–25 इनका अविभाज्य अंग है।

**कृते चांदीवाला विरमानी एण्ड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदीवाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
**चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स**

| हस्ता/ | हस्ता/ | हस्ता/ | हस्ता/ |
|---|---|---|---|
| **(भारत भूषण)** | **लेखा अधिकारी** | **रजिस्ट्रार** | **मिशन निदेशक** |
| **(भागीदार)** | **एन.एम.बी.ए.** | **एन.एम.बी.ए.** | **एन.एम.बी.ए.** |
| **सदस्यता सं. 87365** | | | |

दिनांक : 27.09.2010
स्थान : नई दिल्ली

अनुलग्नक–क

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
## परियोजना खर्च अनुदान सहायता (परियोजना)
## 1 अप्रैल, 2009 से 31 मार्च, 2010 तक

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| – म.प्र. और छत्तीसगढ़ में बांस आधारित छोटे और मंझोले उद्यमों का अध्ययन ए.डी.एस. | 00.00 | 2,66,100.00 |
| – बी.डी.ओ.–रस्किन : एन.बी.डी.ए. के साथ तुली में प्रशाखा प्रसंस्करण इकाई की स्थापना (नयी) | 00.00 | 4,39,643.00 |
| – बी.ई.एन.यू. : बेनू, कटलामारा, त्रिपुरा हेतु प्रेशर ट्रीटमेंट उपकरण की स्थापना (नयी) | 00.00 | 2,000.00 |
| – सी.आई.एच.सी.एस. :एपी, पश्चिमी कमांग, आ.प्र. में 25 के.डब्लू.ई. गैसीफायर इकाई की स्थापना | 00.00 | 4,09,533.00 |
| – सी.आई.पी.ई.टी., : सुनामी परियोजना हेतु अंडमान–निकोबार एवं पोर्ट ब्लेयर में पुनर्वास कार्यक्रम | 7,17,226,00 | 9,08,913.00 |
| – सी.टी.पी. : सी.टी.पी. बंगलुरू के साथ डी.जी.एस. एवं डी. के अन्तर्गत इंजी. बांस स्ट्रक्चर का सूचीकरण | 1,21,958.00 | 00.00 |
| – डी.एफ.बी. : दृष्टि फाउन्डेशन, मधुबनी, बिहार के साथ 25 के डब्लू.ई. गैसीफायर सिस्टम की स्थापना (ओ.वी.एन. बायो टैक) | 00.00 | 1,02,302.00 |
| – डी.एफ.ओ.,एच.डी.बी.टी.सी., कोकराझर, करीगांव, बी.टी.सी.में 20 हेक्टयर क्षेत्र में पौधारोंपण | 00.00 | 2,05,000.00 |
| – जी.जी.एफ.पी.पी.एल. : बांस भंडार, दिल्ली एवं अन्य स्थानों पर बांस टहनियों हेतु उत्पाद प्रोत्साहन अनुदान | 5,77,000.00 | 3,25,625.00 |
| – सिक्किम सरकार : बागवानी प्रभाग, सिक्किम सरकार हेतु प्रेशर ट्रीटमेंट उपकरण की स्थापना (नयी) | 00.00 | 3,60,298.00 |
| – आई.एच.बी.टी. : आई.एच.बीटी., पालमपुर के साथ व्याख्यात्मक संदर्भिका (एनोटेटेड बिबलिओंग्राफी) मानचित्र बनाना, पौध लगाना और विकसित करना | 89,150.00 | 00.00 |
| – आई.आई.टी., दिल्ली : पर्यावरण मित्रता सहित बांस छड़ों पर ब्लीचिंग एवं सूक्ष्म जीवनाशक शोधन और अनुप्रयोग पर अध्ययन | 00.00 | 1,00,000.00 |
| – आई.एन.ओ.एम.वाई. : इनोमी मीडिया द्वारा पहले से विकसित कन्टेंट स्ट्रक्चर और डिजाइन इन्टरफेस पर आधारित एन.एम.बी.ए. वेबसाइट का विकास | 3,64,000.00 | 3,72,000.00 |
| – आई.पी.आई.आर.टी.आई. : त्रिची (तमिलनाडु) में बांस चटाई इकाई की स्थापना | 00.00 | 9,95,000.00 |
| – आई.डब्लू.एस.टी. : गुआडुआ, अंगुस्ट, फोलिया आदि की खेती हेतु कार्य व्यवहारों के मानक पैकेज | 00.00 | 76,000.00 |
| – आई.डब्लू.एस.टी. : बांस इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं गुणवत्ता के स्टॉक के प्रवर्धन हेतु उत्पादन क्षमता बढ़ाना | 00.00 | 2,58,000.00 |
| – के.एफ.आर.आई. : के.एफ.आर.आई., पीची द्वारा बांस आधारित उत्पादन हेतु बी.आई.एस. मानक का संशोधन | 40,000,00 | 00.00 |
| – के.एस.बी.सी. : अंगामल्या केरल में बांस चटाई इकाई के यांत्रिकीकरण की व्यवस्था–नय | 00.00 | 5,85,427.00 |

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| – के.एस.बी.सी. : अंगामल्या केरल में बांस चटाई इकाई के यांत्रिकीकरण की व्यवस्था–नयी | 00.00 | 56,98,948.00 |
| – टी.बी.एस, नई दिल्ली : दिल्ली में बांस उत्पादों की मार्केटिंग | 8,00,000.00 | 17,11,453.00 |
| – एम.बी.पी.एल. : एम.बीडी.ए., मिजोरम (जी) हेतु 250 कि.ग्रा. बिक्वेटिंग एवं गैसीफायर उपकरण की स्थापना | 3,65,739.00 | 00.00 |
| – जी.बी. पंत विश्वविद्यालय के माध्यम से 10 क्षेत्रों में बांस प्रवर्धन का मल्टी लोकेशनल ट्रायल | 6,50,000.00 | 17,16,460.00 |
| – एन.बी.डी.ए.–एनबी.आर.सी., दीमापुर में बम्बू ब्लाइंड युनिट के गोल छड़ी एवं स्लेट आकार के लिए 100 के.डब्लू.ई.– गैसीफायर की स्थापना | 4,15,000.00 | 4,26,000.00 |
| – एन.एम.बी.ए. उत्पादों के निदर्शन के रूप में विभिन्न क्षेत्रों के चपटे बांस के प्रीफेब्रीकेटेड शेल्टर हेतु सामग्री की प्राप्ति | 8,67,916.00 | 3,00,964.00 |
| – लेह और करगिल क्षेत्र में बहुत ऊंचाई वाले क्षेत्रों हेतु प्रीफैब्रीकेटेड स्ट्रक्चर | 00.00 | 10,56,000.00 |
| – दन्तेवाड़ा (छत्तीसगढ़ इकाई) में प्रीफैब शेल्टर–500 हेतु सामग्री की प्राप्ति | 2,98,10,280.00 | 6,68,92,569.00 |
| – पी.यू.–भारतीय बांस के वर्गीकरण की दृष्टि से उपयोगी वानस्पतिक विशिष्टता का अध्ययन | 00.00 | 1,56,000.00 |
| – बांस यौगिक एवं काष्ठ विकल्पों की उत्पाद प्रोत्साहन योजना | 3,07,055.00 | 45,47,522.00 |
| – टी.ए.यू. : मदुरई आर.एवं डी. केन्द्र, न्यूट्रास्यूटीकल संयोजन मूल्यांकन | 00.00 | 1,51,000.00 |
| – टी.बी.एम. : टी.एफ.डी.पी.सी., बैष्णोपुर, त्रिपुरा द्वारा वैक्यूम प्रोसेसिंग बम्बू शूट इकाई की स्थापना | 00.00 | 28,434.00 |
| – टेर राजस्थान **अनुवाद करना है** | 8,30,400,00 | 00.00 |
| – टेरी सिहोर (म.प्र.) तकनीकी पैकेजेज–फ्लाई एश और माइको राइजल बायो के उपयोग द्वारा भूमि समृद्धीकरण के साथ बांस रोंपण | 00.00 | 2,10,786.00 |
| – बांस उत्पादों के परीक्षण प्रभार | 1,00,090.00 | 2,15,085.00 |
| – टेरी–राजस्थान में आई एस.पी. के द्वारा बांस रोपण | 00.00 | 6,70,240.00 |
| – टी.ई.आर.आई. : आर्थिक रूप से सस्ते बी. स्पाईसेज, डी. जिगानट्यूस, बम्बूसा आदि का विट्रो पुनर्उत्पादन | 00.00 | 7,39,200.00 |
| – जी.ओ.एम. : मेघालय राज्य सरकार हेतु शेड और क्लिन का निर्माण | 00.00 | 10,04,579.00 |
| – आई.डब्लू.एस.टी. : बंगलौर में वी.पी. सेंटर स्थापना | 00.00 | 1,60,000.00 |
| – के.एफ.आर.आई. : कीड़ो से बास की फसल पश्चात सुरक्षा | 00.00 | 1,02,146.00 |
| – कोसोन्स : गुवाहाटी, अमीगांव, गुवाहाटी में बांस फ्लोरिंग इकाई की स्थापना | 00.00 | 64,800.00 |
| – एन.बी.डी.ए.–तुली में शूट/वेक्यूम प्रोसेसिंग युनिट लगाना (227) | 1,23,907.00 | 00.00<br>3,93,891.00 |
| – नेहू, शिलांग परियोजना में प्रीफैब स्ट्रक्चर | 2,05,14,048.00 | 2,31,41,431.00 |
| – दिल्ली विश्वविद्यालय परियोजना हेतु प्रीफैब स्ट्रक्चर | 21,90,422.00 | 20,05,050.00 |
| – जम्मू एवं कश्मीर परियोजना हेतु ऊंचाई वाले क्षेत्रों में प्रीफैब स्ट्रक्चर | 20,23,020.00 | 81,50,744.00 |
| – भारतीय थलसेना पर मुख्यालय–56 (ई.सी.एच.एस.) हेतु 6 स्थानों पर प्रीफैब स्ट्रक्चर | 20,57,997.00 | 20,00,000 |

(राशि–रूपये में)

| | विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|
| – | नागालैंड सरकार/राज्य आपदा एमरजेंसी ऑपरेशन परियोजना हेतु प्रीफैब स्ट्रक्चर | 38,75,596.00 | 33,03,322.00 |
| – | एस.एस.ए.–राजस्थान सरकार परियोजना हेतु प्रीफैब इंजीनियरिंग बांस स्ट्रक्चर | 56,72,357.00 | 75,50,983.00 |
| – | डी.सी. तवांग परियोजना हेतु प्रीफैब स्ट्रक्चर | 00.00 | 5,54,123.00 |
| – | भारतीय थलसेना छावनी हेतु मथुरा परियोजना के लिए प्रीफैब स्ट्रक्चर | 00.00 | 26,38,388.00 |
| – | एस.आर.एफ.एल.के.ओ. : एन.एम.बी.ए. का फिल्म और मल्टीमीडिया प्रस्तुतीकरण | 19,07,267.00 | 3,20,000.00 |
| – | आई.आई.एस.सी. बी.आई.आर. : एन.बी.डी.ए. कोहिमा के लिए मल्टी ब्लेड कटर मशीन का विकास | 00.00 | 2,38,646.00 |
| – | आई.डब्लू.एस.टी. बंगलौर : बम्बू थर्मोप्लास्टिक मूल्यांकन के लिए प्रौद्योगिकी एंव व्यावसायीकरण | 00.00 | 1,90,000.00 |
| – | डब्लू.एम.आई.पी.एल.,एल.डी.एच.:–उन्नत छड़ी के विकास हेतु चीन से सिल्वरिंग मशीन का आयात | 00.00 | 2,62,615.00 |
| – | एफ.डी.सी. : एफ.डी.सी. मेघालय की परियोजना हेतु आसु आर्क इंडिया लि. कोलकाता के माध्यम से प्रेशर ट्रीटमेंट संयंत्र | 3,64,370.00 | 2,85,500.00 |
| – | एफ.आर.आई.–बम्बू ट्रीटमेंट हेतु संशोधित बांस उपकरण और अग्निरोधी रसायन हेतु विकास | 00.00 | 23,265.00 |
| – | जी.जी.एफ.पी.एल. : उत्तर पूर्व क्षेत्र में बांस शूट युनिट की मार्केटिंग | 00.00 | 7,54,000.00 |
| – | जी.टी.सी.–माया नगरी, पश्चिम बंगाल परियेाजना हेतु 5 क्लिन का निर्माण | 00.00 | 50,000.00 |
| – | आई.एच.बी.टी. : बांस की उत्पादकताओं में सुधार हेतु माइक्रोबायल इन्टरवेंशन पर अध्ययन | 00.00 | 3,41,600.00 |
| – | पी.एम.सी.टी.डब्लू : तंजावुर में ग्राम्य जानकारी के रूप में बांस उत्पादों और कम्पोजिट्स का प्रयोग | 00.00 | 1,23,483.00 |
| – | एस.डी.आर.टी. : विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ बांस का उत्पादन, विकास और इलेक्ट्रोनिक (मिश्रण) अमल गमेशन | 7,00,000.00 | 3,00,000.00 |
| – | जी.ओ.एम. : मेघालय राज्य (एस.ई. हैदराबाद) में छह ब्रिक्वेटिंग मशीन और पांच चारकोल क्लिन मशीनों को लगाना | 00.00 | 8,12,520.00 |
| – | इनोमी : भारतीय बास उत्पादों हेतु मार्केटिंग सहायता पोर्टल, नई दिल्ली | 3,57,500.00 | 00.00 |
| – | एम.एस.एफ. : बांस का शिक्षा क्षेत्र में कौशाल विकास और लाभकारी सामग्री में आविष्कार और सुधार, नई दिल्ली | 5,00,000.00 | 00.00 |
| – | एन.बी.डी.ए. : बम्बू क्लस्टर ग्राम में माइक्रो प्रोसेसिंग इकाई की स्थापना | 20,00,000.00 | 00.00 |
| – | ओ.वी.एम. : उत्तरी पूर्व क्षेत्र, असम में निदर्शनात्मक गैसीफायर इकाई की ए.एम.सी | 6,50,000.00 | 00.00 |
| – | देहरादून के कुछ गांवों में बांस आधारित कार्य्रे को करने वाले कर्मचारयिों के कार्य और उन जीवनयापन पर अध्ययन | 50,000.00 | 00.00 |
| – | एस.डब्लू.ई.ई.पी. : उ.प्र. के गांवों में पावर जेनरेशन के लिए बांस आधारित मशीन का विकास | 2,00,000.00 | 00.00 |
| – | एन.एम.बी.ए. भंडार, नई दिल्ली में बांस फ्लोरिंग टाइल्स का निदर्शन | 12,37,869.00 | 00.00 |
| – | जोगेन्द्रपुर ओर मालिस, त्रिपुरा में दो इकाईयें के रूप में एल.एफ.टी.एस.–टी.बी.एम. हेतु प्रीफैब स्ट्रक्चर | 45,39,209.00 | 00.00 |

(राशि–रूपये में)

| | विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|
| – | सी.ई.ओ., मेडिसिनल प्लांट बोर्ड, रायपुर हेतु प्रीफैब स्ट्रक्चर | 3,16,800.00 | 00.00 |
| – | आई.आई.एम., शिलांग हेतु प्रीफैब स्ट्रक्चर | 7,25,000.00 | 00.00 |
| – | आई.एफ.सी.आई. लि. नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में प्रीफैब स्ट्रक्चर | 18,79,119.00 | 00.00 |
| – | महाराजा अग्रसेन कालेज, नई दिल्ली में प्रीफैब स्ट्रक्चर | 9,72,160.00 | 00.00 |
| – | मैत्रेयी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में एक इकाई प्रीफैब स्ट्रक्चर | 5,70,240.00 | 00.00 |
| – | पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज, दिल्ली विश्व विद्यालय में प्रीफैब स्ट्रक्चर | 38,01,600.00 | 00.00 |
| – | कमला नेहरू **अनुवाद करना है** | 16,15,660.00 | 00.00 |
| – | वोकेशनल कॉलेज ऑफ स्टडीज दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रीफैब स्ट्रक्चर | 17,68,901.00 | 00.00 |
| – | श्री वेंकेटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रीफैब स्ट्रक्चर | 11,14,580.00 | 00.00 |
| – | आचार्य नरेन्द्र देन कॉलेज, नई दिल्ली में प्रीफैब स्ट्रक्चर | 18,71,841.00 | 00.00 |
| – | आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली में प्रीफैब स्ट्रक्चर | 13,69,728.00 | 00.00 |
| – | कर्नाटक में बाढ़ राहत हेतु एस.आई.पी. और निर्माण पर कम्पोजिट्स के विकास हेतु सी.वी.आर.आई./आई.आई.एस. बंगलौर हेतु प्रीफैब स्ट्रक्चर | 4,87,000.00 | 00.00 |
| – | सूचना एवं प्रभार निदेशालय, नई दिल्ली में प्रीफैब स्ट्रक्चर | 6,69,900.00 | 00.00 |
| – | लेडी श्रीराम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय हेतु प्रीफैब स्ट्रक्चर | 6,37,500.00 | 00.00 |
| – | बिहार राज्य पर्यटन निगम, बोध गया हेतु 20 स्ट्रक्चरों हेतु प्रीफैब स्ट्रक्चर | 60,80,717.00 | 00.00 |
| – | दयाल सिंह कॉलेज, नई दिल्ली हेतु प्रीफैब स्ट्रक्चर | 47,07,450.00 | 00.00 |
| – | दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट, नई दिल्ली हेतु प्रीफैब स्ट्रक्चर | 11,78,932.00 | 00.00 |
| – | आई.टी.डी.सी., अशोका समूह इकाई हेतु पांडिचेरी में प्रीफैब स्ट्रक्चर | 25,08,980.00 | 00.00 |
| – | एन.बी.डी.ए., कोहिमा हेतु प्रीफैब स्ट्रक्चर और रूफिंग शीट्स | 13,93,244.00 | 00.00 |
| – | एन.आई.एफ.टी., कांगड़ा हेतु 24 स्ट्रक्चरों के लिए प्रीफैब स्ट्रक्चर | 88,74,802.00 | 00.00 |
| – | सी.टी.पी., बंगलौर में कम्पोजिट पिरैमिड स्ट्रक्चर और गेस्ट हाऊस हेतु सपोर्ट के रूप प्रीफैब स्ट्रक्चर | 7,00,000.00 | 00.00 |
| – | ई.जी. डब्लू. : मेघालय मे महिला बांस कर्मचारियों का कौशल उन्नयन और विकास प्रशिक्षण | 2,00,000.00 | 00.00 |
| – | प्रशिक्षण केन्द्र : मधुबनी तेघड़ा, खटौना, बिहार में हेतु सोसाइट फॉर रिहेबिलेशन स्टडीज, नई दिल्ली | 1,00,000.00 | 00.00 |
| – | कुदाल मे कोंकण बम्बू एवं केन विकास केन्द्र के माध्यम से प्रशिक्षण केन्द्र | 18,89,716.00 | 00.00 |
| – | बिहार के सुफैल जिले में सैम्प्रेन, नई दिल्ली के माध्यम से प्रशिक्षण केन्द्र | 4,00,000.00 | 00.00 |
| – | तापी बांस विकास केन्द्र, अहमादाबाद के माध्यम से अहमदाबाद में प्रशिक्षण केन्द्र | 23,21,197.00 | 00.00 |

(राशि–रूपये में)

| विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| – ए.ई.पी.एल. : बांस कम्पोजिट्स और प्लास्टिक्स के प्रयोग द्वारा सी.एन.जी./ इलेकटट्रक सिटी टैक्सी में प्रस्ताव का विकास | 8,14,275.00 | 00.00 |
| – ए.पी.टी.डी.सी. और बी.बी.डी.बी. : बोडोलैंड बांस विकास बोर्ड और ए.पी.टी.डी.सी., हैदराबाद में सामुदायिक स्त्र की वर्गाकार छड़ी की निर्माण इकाई में कौशल विकास प्रशिक्षण का विकास | 1,85,000.00 | 00.00 |
| – भास्कर एफ.: भास्कर फाउन्डेशन के माध्यम से बिहार में बलिया में बाजार कौशल विकास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम | 1,40,000.00 | 00.00 |
| – डी.आर. : डिजाइन रूट, नई दिल्ली के द्वारा बांस स्ट्रक्चर और मकान बनाने की सामग्री, एक्टीवेट कार्बन, चारकोल, शूट, गैसीफायर फर्नीचर, फोटो अलबम एवं पोस्टर्स के मास्टर फोल्डर की डिजाइनिंग | 4,86,898.00 | 00.00 |
| – ई.एफ. : एकलव्य फाउन्डेशन, अहमादाबाद में नये बांस स्टोर की स्थापना | 4,50,000.00 | 00.00 |
| – ई.पी.सी. : इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट कन्सलटेंट, नई दिल्ली के द्वारा डिजास्टर एमरजेंसी ऑरेटिंग सेंट (कोहा के अर्न्तत इंजीनियरिंग बांस स्ट्रक्चर का डिजाइन प्रमाणन | 2,57,261.00 | 00.00 |
| – ई.वी.आई.पी.एल. : एमरजेंट वेंचर द्वारा बम्बू हाउसिंग क्षेत्र की मेथोडोलोजी के विकास एवं प्रलेखन हु संभव्यता/मूल्यांकन में अध्ययन | 2,75,750.00 | 00.00 |
| – इनबार : छोटे और बड़े बांस ढांचों केनिर्माण हेतु डिजाइन, विकास, अन्तरण, मानकीकरण, परिष्कृत बांस कनेक्शन प्रौद्योगिकी | 31,00,000.00 | 00.00 |
| – आई.पी.आई.आर.टी.आई. : आई.पी.आई.आर.टी.आई., बंगलौर द्वारा बांस आधारित मकानों की ऊर्जा दक्षता | 8,25000.00 | 00.00 |
| – आई.डब्लू.एस.टी. : बंगलौर में मशीन आयात के रूप में बांस से सेल्यूलेज नैना विहसकर्स का विकास | 20,91,652.00 | 00.00 |
| – जे.यू : जादवपुर, विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा एन.बी.सी. ओर सी.पी.डब्लू.डी. के साथ बांस प्रोद्योगिकी पर आर. एवं डी. परियोजना | 8,89,200.00 | 00.00 |
| – राइजोन 5 दाइजोन, अहमदाबाद द्वारा नये बांस भंडार की स्थापना | 1,50,000.00 | 00.00 |
| – एस.डी.सी.पी.एल. : एस.टी.ए.डी.डी. डेवलपमेंट कन्सल्टिंग प्रा.लि., नई दिल्ली द्वारा 'अध्ययन एवं अनुसंधान गतिविधियों के लिए ई.ओ.आई.' भारत में बांस फर्नीचर उत्पादों पर अध्ययन | 11,85,000.00 | 00.00 |
| – एस.आई.आर.: एस.आई.आई.आर., नई दिल्ली द्वारा बांस हाईजीनिक उत्पादों के लिए दोपायलट संयंत्रों की स्थापना | 11,06,500.00 | 00.00 |
| – टी.ई.आर.आई. : टी.ई.आर.आई., नई दिल्ली के द्वारा गैसीकरण इकाई में नियंत्रित मानकों के अन्तर्गत कच्ची गैस मं कुल तार और विशेष सामग्री के आकलन हेतु बांस की विभिन्न प्रजातियों का परीक्षण | 4,00,000.00 | 00.00 |
| – वी.डी.पी. : वी. डिजाइन पर्पल, चएडीगढ़ द्वारा आई.आई.टी.एफ. बम्बू यूबिकल्स स्ट्रक्चर एवं हिट्ल्स को बांस दुकान जनजाति तक पुर्न आवंटन | 9,57,750.00 | 00.00 |
| – वी.पी.ए.पी.एल. : वी.एल.एन. पौली एडिटिव प्रा.लि., नई दिल्ली के द्वारा बांस आधारित सोलर फ्लैट पाइट कलेक्टर की सेटिंग | 7,50,000.00 | 00.00 |
| – डब्लू.के.आई. : वर्ल्ड किड्स इन्क, मुम्बई द्वारा बांस आधारित हाइड्रोपोनिक्स इकाई का विकास | 2,00,000.00 | 00.00 |
| – डब्लू.के.आई.एन.सी. : वर्ल्ड किड्स इन्क द्वारा अलीबाग, मुम्बई में नये बांस भंडार की सेटिंग | 10,27,668.00 | 00.00 |
| **कुल** | 14,82,66,397.00 | 13,89,98,640.00 |

अनुलग्नक–ख

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन
# परियोजना खर्च (परियोजना ऋण)
# 1 अप्रैल, 2009 से 31 मार्च, 2010 तक

(राशि–रूपये में)

| | विवरण | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|---|
| – | बी.ए.एफ.पी.पी.एल. : नागचेरा, अगरतला में बांस गोल छड़ी और चारकोल निर्माण इकाई की स्थापना | 00.00 | 22,00,000.00 |
| – | सी.ई.ई. के.ई.– थिंगडावाल, कोलासिब, मिजोरम में बांस चटाई प्लाई और बोर्ड की निर्माण इकाई की स्थापना | 00.00 | 35,78,385.00 |
| – | सी.आर.आई. : क्राफ्ट्रीक्यू इंडस्ट्रीज द्वारा नागौन में छड़ी निर्माण की उत्पादन इकाई की स्थापना | 4,41,373.00 | 00.00 |
| – | जी.आर.टी.पी.बी.पी.एल : ग्रेस आर.टी.पी. मिजोरम द्वारा कोलासिब में बांस चटाई इकाई की स्थापना | 00.00 | 73,76,315.00 |
| – | जी.जी.जी.पी.एल.,उड़ीसा : बलियापंडा, पुरी में छड़ी निर्माण इकाई की स्थापना | 6,45,918.00 | 15,11,640.00 |
| – | के.एस.बी.सी. : अंगामाली,केरल में बांस चटाई की उत्पादन इकाई | 00.00 | 32,59,491.00 |
| – | के.एस.पी.पी.एल. : बंगलौर में बांस फाइबर थर्मोप्लास्टिक इकाई की स्थापना | 1,95,00,000.00 | 1,24,84,000.00 |
| – | एम.सी.बी.डब्ल्यू. : केनूर,, मणिपुर में छड़ी निर्माण इकाई लगाना | 8,72,800.00 | 3,02,200.00 |
| – | एन.ई.बी.आई. एस. डब्लू. : खारबाम, इम्फाल में छड़ी और चारकोल निर्माण इकाई की स्थापना | 00.00 | 3,02,200.00 |
| – | पी.बी.पी.एल., लोहित : पाटकाई द्वारा आलूबारी में बांस प्लाई इकाई की स्थापना | 00.00 | 11,56,360.00 |
| – | पी.के.बी.आई. : सैफई, एजवाल में छड़ी निर्माण इकाई की स्थापना | 00.00 | 9,50,350.00 |
| – | पी.एस.जी.जी.आई. : धर्मनगर, त्रिपुरा में गोल बांस स्टॉक इकाई की स्थापना | 00.00 | 9,50,000.00 |
| – | पी.सी.सी.आई.,एन : नजीबाबाद में बांस चारकोल एवं ब्रिक्वेटिंग मशीन 150 टी.पी.ए. की स्थापना | 20,87,500.00 | 18,74,000.00 |
| – | एस.डी.एस.जी.एस. : उत्तरा कन्नड़ा में बंगलौर में अगरबत्ती निर्माण इकाई | 00.00 | 15,00,000.00 |
| – | टी.बी.आई., तेजू–चपटीकृत बांस स्लेट्स इकाई की फीडर इकाई की स्थापना–अनुदान | 00.00 | 1,54,234.00 |
| – | जैड.ओ.जैड.ए.एम. : चैटलांग, एजवाल में छड़ी निर्माण इकाई की स्थापना | 00.00 | 4,47,514.00 |
| – | ए.ए.आई.ए.वी.सी.पी.एल. : बोंगाईगांव में एक्टीवेटेड कार्बन इकाई की स्थापना | 41,58,040.00 | 31,75,000.00 |
| – | सी.बी.टी.सी.–ब्रह्मपुत्र एन्टरप्राइजेज द्वारा नागौन में बांस छड़ी और पट्टी निर्माण इकाई की स्थापना | 00.00 | 15,00,125.00 |
| – | एम.ई.जी.एच.ए.बी.बी.पी. : शिलांग में बांस चारकोल निर्माण इकाई की स्थापना | 3,00,000.00 | 8,05,200.00 |
| – | एन.एस.पी.एल. : कामरूप, असम में बास प्लाई उद्योगों की स्थापना | 1,26,30,000.00 | 48,73,000.00 |

(राशि–रूपये में)

| | चालू वर्ष | गत वर्ष |
|---|---|---|
| – एस.ए.टी.पी.एल. : बांस उत्पादों के बेहतर प्रबंधन हेतु ब्रिक्वेटिंग मशीन की स्थापना, मशीन को मां कामाख्या उद्योग से स्वरंगा एग्रो टेक प्रा.लि. तिनसुकिया में ले जाया गया | 1,00,000.00 | 2,73,200.00 |
| – डी.एफ.आई. : पश्चिम गारो हिल्स, मेघालय में बांस प्रशाख (शूट) प्रसंस्करण इकाई का विस्तार | 8,50,000.00 | 8,00,000.00 |
| – ई.बी.ई. : नगवाल्बा, पेरेन, नागालैंड में बांस शूट फरमेंटेड पैकेजिंग का उन्नयन | 1,07,600.00 | 3,82,000.00 |
| – ए.ए.एफ.जी.पी. : पापुम पारा, अरूणाचल में छड़ी निर्माण इकाई की स्थापना | 12,25,000.00 | 00.00 |
| – ए.एन.पी.एल. : भंडोरी गांव, भोपाल में 1.20 एम.डब्लू गैसीफायर बांस इकाई लगाना | 1,06,00,000.00 | 00.00 |
| – डी.बी.एम.एम.पी.एल : कोल्हापुर में बांस चटाई बोर्ड इकाई लगाना | 1,46,66,776.00 | 00.00 |
| – डी.एल.एस.आई.पी.एल. : नागपुर में बांस टिम्बर इकाई लगाना | 1,35,00,000.00 | 00.00 |
| – जी.बी.टी.सी.पी.एल. : कहिलापाड़ा, गुवाहाटी में 200 किलोवाट गैसीफायर बांस इकाई लगाना | 18,60,000.00 | 00.00 |
| – एम.एल.सी. : माहस, रायगढ़ में अगरबत्ती निर्माण इकाई लगाना | 8,50,000.00 | 00.00 |
| – एन.बी.पी.पी.एल. : बालासौर, उड़ीसा में छड़ी और चटाई बुनाई इकाई लगाना | 29,31,090.00 | 00.00 |
| – एन.जी.टी.पी.एल. : कुदाल में बांस फर्नीचर और प्रीफैब स्ट्रक्चर इकाई लगाना | 30,00,000.00 | 00.00 |
| – एन.के.बी.पी.पी.एल. : दीमापुर में बांस शूट प्रोसेसिंग इकाई लगाना | 31,03,033.00 | 00.00 |
| – दीमापुर में बांस शूट प्रोसेसिंग इकाई लगाना | 63,90,000.00 | 00.00 |
| – एस.पी.बी.एस.आई. : बालसौर, उड़ीसा में छड़ी और चटाई बुनाई इकाइ लगाना | 6,40,000.00 | 00.00 |
| – वी.एम.ओ.टी.सी. : पंचकुला, चण्डीगढ़ में बांस टूथपिक इकाई लगाना | 4,90,000.00 | 00.00 |
| **जोड़** | **10,09,49,130.00** | **4,98,55,214.00** |

# राष्ट्रीय बांस अनुप्रयोग मिशन (एन.एम.बी.ए.)
# प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद् (टाइफैक)
# 31.3.2010 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति और भुगतान

## प्राप्तियां

| | चालू वर्ष (राशि रुपये में) | गत वर्ष (राशि रुपये में) |
|---|---|---|
| **1) आद्य शेष** | | |
| क) नकद रोकड़ | 00.00 | 00.00 |
| ख) बैंक में जमा राशि | | |
| i) चालू खाते में | 00.00 | 00.00 |
| ii) जमा खाते में | 00.00 | 00.00 |
| iiii) बचत खाते में | 147547815.29 | 117427901.21 |
| **2) प्राप्त अनुदान** | | |
| क) भारत सरकार से–योजना (एन.एम.बी.ए.) | 300000000.00 | 200000000.00 |
| ख) सरकार से–गैर योजना | 00.00 | 00.00 |
| ग) राज्य सरकार से | 00.00 | 00.00 |
| **3) निवेशों से आय** | | |
| क) उद्दिष्ट/विन्यस्त निधि | 00.00 | 00.00 |
| ख) स्वयं की निधि | 00.00 | 00.00 |
| **4) प्राप्त ब्याज** | | |
| क) बैंक जमाओं पर (एनएम.बी.ए.)(अनुसूची–17) | | |
| घटाएं : जमा पर प्राप्य – रू. 0.00 | 00.00 | 00.00 |
| प्रतिभूति जमा : हरीश सी. गौड़ | 25000.00 | 00.00 |
| ख) ऋण अग्रिम इत्यादि (स्टाफ अग्रिम–श्री असीम नारायण) | 00.00 | 1500.00 |
| दौरा अग्रिम : सुश्री तजिन्दर कौर | 3000.00 | 00.00 |
| दौरा अग्रिम : सुजा एस. जार्जस | 2000.00 | 00.00 |
| ग) बचत खाते से अर्जित ब्याज (अनुसूची–17) | 6072655.00 | 5779020.00 |
| घ) एम.टी.एन.एल. द्वारा वापस प्रतिभूति जमा | 00.00 | 500.00 |
| **5) अन्य आय स्पष्ट करें (अनुसूची–18)** | | |
| - एस.डी.सी. बंगलुरू से खर्च न होने वाली राशि की वापसी (एस–18) | 187894.00 | 00.00 |
| - ए.एफ.आर.आई. जोधपुर से खर्च न होने वाली राशि की वापसी | 00.00 | 40802.00 |
| - यू.बी.के.वी. प. बंगाल से खर्च न होने वाली राशि की वापसी | 00.00 | 126484.00 |
| - टी.ई.आर.आई. नई दिल्ली से खर्च न होने वाली राशि की वापसी | 00.00 | 560783.00 |
| **- एन.एम.बी.ए.,प्रकाशनों की बिक्री से आय (एस.16)** | 102347.00 | 479193.00 |
| - अन्य आय (प्रशिक्षण केन्द्र की मशीन की निविदा) | 16000.00 | 00.00 |
| - अन्य प्राप्तियां (लाइसेंस शुल्क) एस. 11 | 1225.00 | 2940.00 |
| - अन्य आय (विविध एवं लधु टी.डी.ए.) | 2027924.00 | 00.00 |
| - श्री असीम नारायण से प्राप्त 203 लीज आवास | 245.00 | 00.00 |
| - लीज आवास प्राप्य : श्री एस.के. पाण्डेय | 00.00 | 490.00 |
| - अन्य प्राप्तियां (डॉक्यूमेंट्री फिल्म) | 00.00 | 28000.00 |
| - अन्य प्राप्ति (एम.बी./टाइफैक परियोजना को मशीन की सप्लाई) | 00.00 | 3175540.00 |

| | चालू वर्ष (राशि रुपये में) | गत वर्ष (राशि रुपये में) |
|---|---|---|
| **6) उधार ली गई राशि** | | |
| - प्रतिभूति जमा (मशीन सप्लायरों से प्रशिक्षण केन्द्र हेतु निविदा) एस.11 | 610000.00 | 00.00 |
| **7) अन्य प्राप्तियां (ब्यौरा दें)** | | |
| - प्री फैब अंशदान 56 इंजी. आर.ई.जी.टी. सागर, हैदराबाद | 645000.00 | 3284000.00 |
| - आई.टी.डी.सी.सी., पांडिचेरी से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 00.00 | 2400000.00 |
| - दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 2335413.00 | 2775868.00 |
| - नागालैड सरकार से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 00.00 | 3300000.00 |
| - राजस्थान परिषद से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 00.00 | 6000000.00 |
| - जे. एवं के. सरकार प्रीफैब भागीदार अंशदान | 00.00 | 2294000.00 |
| - सी.ई.ओ., सी.जी. स्टेट मेडिसिनल प्लांट बोर्ड, रायपुर से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 443520.00 | 00.00 |
| - कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज नई दिल्ली से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 1419264.00 | 00.00 |
| - कमला नेहरू कॉलेज, नई दिल्ली से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 1615660.00 | 00.00 |
| - श्री वेंकटश्वर कॉलेज, नई दिल्ली से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 1114580.00 | 00.00 |
| - पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज, नई दिल्ली से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 3801600.00 | 00.00 |
| - आचार्य नरेन्द्र देव कॉलेज, नई दिल्ली से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 1394531.00 | 00.00 |
| - दयाल सिंह कॉलेज, नई दिल्ली से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 3530587.00 | 00.00 |
| - लेडी श्रीराम कॉलेज, नई दिल्ली से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 636310.00 | 00.00 |
| - महाराजा अग्रसैन कॉलेज, नई दिल्ली से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 972160.00 | 00.00 |
| - मैत्रीय कॉलेज, नई दिल्ली से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 570240.00 | 00.00 |
| - आत्माराय सनातन धर्म कॉलेज, नई दिल्ली से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 1369728.00 | 00.00 |
| - बिहार राज्य पर्यटन निगम बोध गया से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 5427500.00 | 00.00 |
| - एन.आई.एफ.टी., कंगड़ा से भागीदार अंशदान (12 स्ट्रक्चर) | 5868693.00 | 00.00 |
| - दिल्ली आर्ट कॉलेज, नई दिल्ली से प्रीफैब भागीदार अंशदान | 1123300.00 | 00.00 |
| - आई.एफ.सी.आई. से भागीदार अंशदान | 1879119.00 | 00.00 |
| - आई. एफ.एफ. एवं एस और टी.बी.एम., त्रिपुरा से भागीदार अंशदान | 2559000.00 | 00.00 |
| - एन.बी.डी.ए., दीमापुर से भागीदार अंशदान | 250000.00 | 00.00 |
| **8) परियोजना धन वापसी** | | |
| एन.एफ.पी.एल.– 1800 टी.पी.ए. बांस कोंपल परियोजना की धन वापसी | 30000.00 | 15000.00 |
| बोंगाई गांव से एस.पी.एफ. सिल्वर मेंकिंग इकाई की धन वापसी | 00.00 | 10000.00 |
| इम्फाल से देवा सिल्वर एवं फर्नीचर इकाई की धन वापसी | 169212.00 | 247892.00 |
| धन वापसी : बसेरा बिल्डिंग सेंटर, भोपाल | 159000.00 | 238500.00 |

| | चालू वर्ष (राशि रुपये में) | गत वर्ष (राशि रुपये में) |
|---|---|---|
| धन वापसी : कोसोन्स फोरेस्ट प्रॉडक्ट्स प्रा.लि., गुवाहाटी | 147787.00 | 80000.00 |
| धन वापसी : प्रिंस कार्बन इन्डस्ट्री, नजीबाबाद | 00.00 | 150000.00 |
| धन वापसी : ईरोज वे प्रा. लि. नागपुर | 23250.00 | 30000.00 |
| धनवापसी : एस.एम. डब्लू पी.एल., बंगलुरू से बांस और बोर्ड स्ट्रक्चर इकाई की स्थापना | 2772000.00 | 2772000.00 |
| धन वापसी : सुता बम्बू इन्डस्ट्री, नामसाई | 70000.00 | 83500.00 |
| धन वापसी : एस.वी.एम. एक्सपेंशन–ई.एफ. बांस प्लाई युनिट, उड़ीसा | 00.00 | 546100.00 |
| धन वापसी : जी.टी. देवास मैके–इन्स्ट्रुमेंट फॉर बेटर क्वालिटी | 680000.00 | 680000.00 |
| धन वापसी : नागोन पेपर मिल्स लिमिटेड बम्बू डस्ट गैसीफायर | 7000000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : डब्लू एम.आई.पी.एल लुधियाना, एडवा. मशीन निर्माण यूनिट | 340000.00 | 562615.00 |
| धन वापसी : जैड बी.आई. बम्बू प्रोसेसिंग फ्लेटन्ड बम्बू यूनिट नामसाई | 69700.00 | 139400.00 |
| धन वापसी : वेधा मैकेनाइज्ड प्रोसेस युनिट नागपुर | 82000.00 | 245000.00 |
| धन वापसी : डी.एम.डब्लू पी.एल, सैकेन्ड्री बम्बू मशीन, कोलकाता | 528720.00 | 571280.00 |
| धन वापसी : एम.पी.पी.एल. गुवाहाटी में बांस बोर्ड इकाई | 200000.00 | 277700.00 |
| धन वापसी : टी.बी.आई. तेजू में बांस चटाई इकाई की स्थापना | 100000.00 | 40000.00 |
| धन वापसी : ए.बी.सी.पी.एल. बांस डूरोसाम/एगालू इकाई, कोलकाता | 2750000.00 | 2750000.00 |
| धन वापसी : बी.बी.सी.सी.पी.एल. सिल्वर में बांस केन इकाई की स्थापना | 57000.00 | 85000.00 |
| धन वापसी : एम.बी.पी.पी.एल. बांस बोर्ड इकाई स्थापना–मेघालय | 40000.00 | 102500.00 |
| धन वापसी : पी.बी.पी.एल. बांस बोर्ड इकाई स्थापना–अरूणाचल | 850000.00 | 1000000.00 |
| धन वापसी : आर.बी.आई. बांस चटाई इकाई स्थापना–गुवाहाटी | 12884.00 | 100000.00 |
| धन वापसी : एस.ए.पी.एल., बांस बोर्ड इकाई स्थापना–तिनसुकिया | 50000.00 | 50000.00 |
| धन वापसी : एस.जी.आई. बांस चटाई इकाई स्थापना–सिंधुदुर्ग | 00.00 | 60000.00 |
| धन वापसी : एस.एन.एफ. बांस पौधशाला कोल्हापुर | 336000.00 | 336000.00 |
| धन वापसी : जैड.एम.पी.एल. छड़ी निर्माण इकाई की स्थापना–आईजल | 1000000.00 | 250800.00 |
| बोनिक एग्रो फोरेस्ट प्रोडक्स प्रा.लि. अगरतला | 200000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : सी.के. बम्बू एंड वुड प्रोडक्टस लि., आइजल | 825000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : एक्सेल बम्बू एंटर प्राइजेस, कोहिमा | 100000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : ग्रेस आर.टी.पी. बम्बू प्रा.लि., मिजोरम | 2400000.00 | 00.00 |
| धन वापसी :एच.पी.सी, कोलकाता, टिशू कल्चर लोबोरेट्री हेतु | 1500000.00 | 00.00 |
| धन वापसी :केरल स्टेट बम्बू कारपोरेशन, अंगामाल्या | 100000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : मंगलौर में कोंकण स्पेशलिटी फार थर्मोप्लास्टिक युनिट | 2000000.00 | 00.00 |
| धन वापसी :लुइट वैली फूड प्रोसेसिंग प्रा.लि. जोरहाट | 63200.00 | 00.00 |
| धन वापसी : मिजोरम जोस स्टिक इंडस्ट्रीज, | 15000.00 | 00.00 |
| धन वापसी :त्रिपुरा | 20000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : राइटी फूड प्रोसेसिंग प्रा.लि. गुवाहाटी | 15000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : श्री धर्मस्थल श्री ग्रामोद्योग समिति कर्नाटक | 1100000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : सेंट जेवियर्स फॉर गैसीफायर युनिट, बिश्रामगंज | 20000.00 | 00.00 |
| धन वापसी : विघ्नराज बम्बू प्रोडक्ट्स प्रा.लि. गुवाहाटी | 167500.00 | 00.00 |
| धन वापसी :जो क्राफ्ट बम्बू प्रा.लि. आइजल | 5000.00 | 00.00 |
| **कुल** | **519550563.29** | **359100308.21** |

## खर्चों का भुगतान

| विवरण | | | चालू वर्ष (राशि रुपये में) | गत वर्ष (राशि रुपये में) |
|---|---|---|---|---|
| **1) व्यय** | | | | |
| क) स्थापना व्यय | | | | |
| (अनुसूची 20 के अनुसार) | रू. | 9624417.00 | | |
| जोड़ें : आद्य व्यय देय | रू. | 495986.00 | | |
| घटाएं : देय व्यय | रू. | 1191656.00 | 8928747.00 | 6201051.00 |
| ख) प्रशासनिक व्यय | | | | |
| (अनुसूची 21 के अनुसार) | रू. | 17983125.00 | | |
| जोड़ें : आद्य व्यय देय | रू. | 20000.00 | | |
| जोड़े : अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री पर हानि | रू. | 00.00 | | |
| घटाएं : देय व्यय | रू. | 422765.00 | | |
| घटाएं : अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री पर हानि | रू. | 00.00 | | |
| (पिछले वर्ष के आंकड़ों में अप्रचलन व्यय शामिल नहीं है।) | | | 17580360.00 | 16213978.92 |
| ग) अनुदान, आर्थिक सहायता इत्यादि पर व्यय (अनुसूची–22 के अनुसार) | | | 249215527.00 | 188853854.00 |
| **2) अचल परिसम्पत्तियों में वृद्धि** | | | | |
| कार्यालय उपस्कर | | | 163770.00 | 92500.00 |
| फर्नीचर | | | 00.00 | 16854.00 |
| पुस्तकालय में पुस्तकें | | | 525.00 | 3255.00 |
| कम्प्यूटर और सहायक पुर्जे | | | 316220.00 | 159555.00 |
| फायर अलार्म सिस्टम्स में आन्तरिक सज्जा कार्य | | | 147649.00 | 00.00 |
| **3) अन्य भुगतान (स्पष्ट करें)** | | | | |
| - प्रतिभूति जमा : टाटा इंडिकाम इन्टरनेट | | | 00.00 | 200.00 |
| - प्रतिभूति जमा : श्री हरीश सी. गौड़ | | | 00.00 | 6000.00 |
| - दौरा अग्रिम : सुश्री तजिन्दर कौर | | | 00.00 | 3000.00 |
| - दौरा अग्रिम : श्री दीपक चौहान | | | 3000.00 | 00.00 |
| - कार्यालय हेतु छुटपुट अग्रिम : सुश्री सुजा एस. जार्ज | | | 00.00 | 2000.00 |
| - प्राप्य लीज आवास | | | 00.00 | 245.00 |
| - कार्यालय हेतु छुटपुट अग्रिम : श्री बल्जीत सिंह | | | 5000.00 | 00.00 |
| **4) अन्तशेष** | | | | |
| नकद रोकड़ | | | 156094.00 | 0.00 |
| बैंक में जमा (यू.बी.आई.) | | | 182336862.29 | 101764486.29 |
| बैंक में जमा (एस.बी.आई.) | | | 60696139.00 | 45782659.00 |
| बैंक में जमा (यू.बी.आई. नेहरू प्लेस) | | | 670.00 | 670.00 |
| **जोड़** | | | **519550563.29** | **359100308.21** |

**कृते चांदीवाला विरमानी एण्ड एसोसिएट्स**
**(पूर्व में चांदीवाला गुप्ता एंड एसोसिएट्स)**
**चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स**

| हस्ता/ | हस्ता/ | हस्ता/ | हस्ता/ |
|---|---|---|---|
| **(भारत भूषण)** | लेखा अधिकारी | रजिस्ट्रार | मिशन निदेशक |
| (भागीदार) | एन.एम.बी.ए. | एन.एम.बी.ए. | एन.एम.बी.ए. |
| **सदस्यता सं. 87365** | | | |

दिनांक : 27.09.2010
स्थान : नई दिल्ली